वार्षिक प्रतिवेदन

ANNUAL REPORT

2022-2023

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट

(संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

CENTRAL UNIVERSITY OF ODISHA, KORAPUT

(A Central University Established by an Act of Parliament)

वार्षिक प्रतिवेदन २०२२-२०२३

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट

(संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित एक केंद्रीय विश्वविद्यालय)

शैक्षणिक ब्लॉक का एक हवाई दृश्य

श्रीमति द्रौपदी मुर्मु

भारत के महामहिम राष्ट्रपति

कुलाध्यक्ष

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट

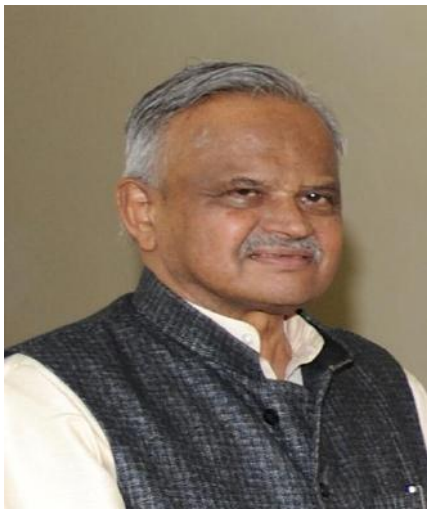

प्रो. पी.वी.कृष्ण भट्ट
कुलाधिपति
ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट

प्रो. चक्रधर त्रिपाठी
कुलपति
ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट

विषय-सूची

क्रमांक	विषय	पृष्ठसंख्या
1	प्रस्तावना	4
2	कुलपति का संदेश	5
3	प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति का कार्यभार संभाला	6
4	कुलपति ने महामहिम भारत की राष्ट्रपति श्रीमति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की	7
5	ओकेंवि एक नजर में	10-20
6	विद्यापीठों और विभागों की गतिविधियाँ	21-45
7	संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ	46-75
8	अनुसंधान गतिविधियाँ	76-77
9	विद्यार्थी प्रोफाइल	78-84
10	संरचना सुविधायें	85-92
11	शैक्षणिक संवर्धन के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर	93
12	विश्वविद्यालय का घटनाक्रम	94-127
13	नए पहल	128
	नई नियुक्ति	129-130
	वैधानिक और गैर-वैधानिक समितियां	131-135
	समाचार में ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय	136-137

प्रस्तावना

वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23

संरक्षक :

प्रो. चक्रधर त्रिपाठी
कुलपति

संपादकीय बोर्ड :

अध्यक्ष

प्रो. एन. सी. पंडा
कुलसचिव (प्रभारी)

समन्वयक :

डॉ. प्रशांत मेश्राम
परीक्षा नियंत्रक

डॉ. फगुनाथ भोई,
लोक संपर्क अधिकारी

सदस्यगण

डॉ. नीर्झरिनी त्रिपाठी, सहायक प्रोफेसर,
अंग्रेजी भाषा और साहित्य विभाग

डॉ. चक्रधर प्रधान
सहायक प्रोफेसर,
हिंदी विभाग

डॉ. बी.के. श्रीनिवास
सहायक प्रोफेसर
मानव विज्ञान विभाग

डॉ. सौरभ गुप्ता, सहायक प्रोफेसर,
पत्रकारिता एंव जन संचार विभाग

डॉ. रमेंद्र कुमार पाढी
सहायक प्रोफेसर, शिक्षा विभाग

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के तहत ओड़िशा के शैक्षिक रूप से अल्प विकसित केबीके क्षेत्र (कोरापुट, बलांगीर, कलाहांडी) में ''समानता और शुलभता की चिंताओं को दूर करने के लिए की गई थी। तब से विश्वविद्यालय ने इस क्षेत्र और राष्ट्र के युवाओं की बौद्धिक आकांक्षा को आगे बढ़ाने के लिए स्पष्ट नियति के साथ अपना प्रयास जारी रखा है। इन वर्षों में यात्रा भले ही बहुत सहज और संतोषजनक न रही हो, लेकिन गुणवत्ता और प्रासंगिकता के प्रति समर्पण के साथ प्रगति और समृद्धि के पथ पर सरपट दौड़ने की प्रतिबद्धता कभी कम नहीं हुई है।

मौजूदा दौर में विश्वविद्यालय बारह स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (ज्यादातर भाषाओं, सामाजिक विज्ञान और विज्ञान पाठ्यक्रमों), 01एकीकृत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, और 01 बी.एड. पाठ्यक्रम 07 विद्यापीठों के तहत प्रदान करता है। विश्वविद्यालय में 09 विषयों में अनुसंधान पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। वर्तमान में, शोधार्थियों सहित छात्रों की संख्या लगभग 900 है। हालांकि, समावेशी और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करने और एनईपी-2020 में परिकल्पित विषयों को आजीवन सीखने के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए, विश्वविद्यालय विश्वस्तरीय बुनियादी और व्यावहारिक विज्ञान विषयों को शुरू करने के लिए कमर कस रहा है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सिक्योरिटी, डिफेंस स्टडीज, डिजिटल मार्केटिंग तथा देश के भविष्य की जरूरत के कई नए क्षेत्रों पर उच्चस्तरीय पाठ्यक्रम शुरू कर रहा है।

विश्वविद्यालय वर्षों से लगातार प्रगति कर रहा है और देश में एक 'उबरते विश्वविद्यालय' के रूप में अपनी पहचान बनाई है। यह विकास के लिए शिक्षा' में निरंतर प्रगति के लिए अंतर-अनुशासनात्मक अनुसंधान का उपयोग करना चाहता है। जैसे, भर्ती प्रक्रिया को एक मिशन के रूप में लिया जा रहा है; प्रतिभा और प्रतिबद्धता के साथ उत्कृष्ट शिक्षाविदों और अधिकारियों को आकर्षित करना विश्वविद्यालय की कार्यसूची में सबसे ऊपर है।

इस वार्षिक प्रतिवेदन (2022-23) का उद्देश्य विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, छात्र केंद्रित सहायता प्रणाली और प्रशासनिक तंत्र का समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करना है। यह संकायों के प्रयासों और उपलब्धियों पर भी प्रकाश डालता है। हम माननीय कुलपति के आभारी हैं, जिनके समग्र मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण ने प्रतिवेदन समिति को समय पर प्रतिवेदन तैयार करने में मदद की है। हम इस रिपोर्ट तैयार करने हेतु महत्वपूर्ण डेटा प्रदान करने के लिए सभी संकायों, विभागाध्यक्षों और प्रशासनिक प्रमुखों के भी आभारी हैं। हम इस प्रतिवेदन को उसके वर्तमान स्वरूप देने के लिए वार्षिक प्रतिवेदन समिति के सभी सदस्यों के अथक प्रयास को हृदय से स्वीकारते हैं।

प्रो. (डॉ.) एन. सी. पंडा

कुलसचिव (प्रभारी)

अध्यक्ष, वार्षिक प्रतिवेदन समिति (2022-23)

कुलपति का संदेश

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, अपनी स्थापना के बाद से, शिक्षा के लिए "समानता और पहुंच" को संबोधित कर रहा है और 'समावेशी शिक्षा' के लिए एक मंच बनाने औरअंत:विषय शिक्षण-सीखने के माहौल को बढावा देने में सक्षम है। हमारे शिक्षक शोध प्रकाशन में अच्छा कर रहे हैं और स्थानीय के लिए मुखर हैं। अनुसंधान गतिविधियों कोबढावा देने के लिए, विश्वविद्यालय ने इसके संकाय सदस्यों को रुपये 50000/- पुस्तक खरीद अनुदान स्वीकृत किया। विश्वविद्यालय विभागीय प्रकाशनों के लिए भी प्रोत्साहित करता है। ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय नियमित रूप से समय की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न विषयों पर अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय संगोष्ठियां आयोजित करता है।विश्वविद्यालय ने चार नए विभाग खोले हैं; जिसमें से चार साल के स्नातक कार्यक्रम तीन विभागों में शुरू हुए हैं अर्थात- कृषि विभाग, पशुपालन और डेयरी विभाग, वानिकी विभाग; और एक विभागमें दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम अर्थात- रसद एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग । विश्वविद्यालय अपने यूजी छात्रों को जापानी भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स भी प्रदान करता है। विश्वविद्यालय ने दोजनजातीय भाषा अर्थात् देशिआ और कुई में मजबूत आधार तैयार किया है। विश्वविद्यालय शास्त्रीय उड़ीया साहित्य का हिंदी और अंग्रेजी भाषा में अनुवाद भी करता है। विश्वविद्यालय अपनेविद्यार्थियों के साथ-साथ ओडिशा के विभिन्न कोनों के विद्यार्थियों के लिए हिंदी साक्षरता कार्यक्रम को भी बढावा दे रहा है । भारतीय पारंपरिक खेलों (भारतीय परम्परागत क्रीडा)को महत्व देते हुए, विश्वविद्यालय ने भारतीय परम्परागत क्रीडा महोत्सव का आयोजन किया, जिसमें देश के पूर्वी और उत्तर-पूर्वी राज्यों के विभिन्न राज्यों से प्रतिभागियों ने भाग लिया । हाल ही में,विश्वविद्यालय ने रिक्त पदों पर अपने नियमित संकायों की भर्ती के लिए साक्षात्कार प्रक्रिया पूरी की, और उम्मीद है कि जल्द ही कुछ नए संकाय सदस्य शामिल होंगे। आगामी शैक्षणिक वर्ष से,विश्वविद्यालय मौलिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी में कई नए विभाग भी शुरू करने जा रहा है।

विश्वविद्यालय समय पर प्रवेश, परीक्षा और परिणाम घोषणा वाले छात्र-केंद्रित पारिस्थितिकी तंत्रका पोषण करने में विश्वास करता है, इसके साथ साथ अपने छात्रों के समस्याओं को उचित समय पर बताने में प्राथमिकता दे रहा है। विश्वविद्यालय नैतिक के मार्ग पर चलने और स्थिरता के लिएरचनात्मक, सांस्कृतिक रूप से समझदार और विचारशील व्यक्ति की चेतना विकसित करने, के लिए प्रेरित करता है; और बौद्धिक यात्रा के पथ पर जिज्ञासा की भावना को भी प्रेरित करता है।

मैं इस क्षेत्र के लोगों और समग्र मानवता की बेहतरी के लिए सभी संभावनाओं पर काम करने और विश्व परिदृश्य में इस विश्वविद्यालय की छवि लाने के लिए दृढ.संकल्पित हूं।

शुभकामना सहित,

प्रो. चक्रदार त्रिपाठी
कुलपति
ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय

प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति का कार्यभार संभाला

एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद्, प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने दिनांक 26 सितम्बर 2022 को विश्वविद्यालय परिसर, सुनाबेढा में ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में पदभार ग्रहण किया । दिनांक 13 सितम्बर 2022 को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त पत्र के अनुसार, महामहिम भारत के राष्ट्रपति श्रीमति द्रोपदी मुर्मु ने कुलाध्यक्ष की हैसियत से प्रो. चक्रधर त्रिपाठी को केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनिय 2(1) के नियम के अनुसार उनके पदभार ग्रहण की तारीख से या उन्हें70 वर्ष उम्र होने तक, जो भी पहले हो, पाँच साल की अवधि के लिए ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में नियुक्त किया I उन्होंने प्रोफेसर एस.के. पालित से कार्यभार ग्रहण किया, जिन्होंने प्रभारी कुलपति के रुप में काम कर रहे थे । प्रो. त्रिपाठी विश्वविद्यालय के चौथे नियमित कुलपति हैं ।

सीयूओ में कार्यभार संभालने से पहले, प्रो. त्रिपाठी, हिंदी विभाग, विश्व भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ प्रोफेसर थे। उनकी विशेषज्ञता का क्षेत्र है मध्यकालीन और आधुनिक हिंदी कविता। प्रो. त्रिपाठी के पास निदेशक, शारीरिक शिक्षा, खेलकूद, राष्ट्रीय सेवा और विद्यार्थी कल्याण, समन्वयक, अंतरराष्ट्रीय सहयोग (एनईपी-2020 के बाद), विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग; अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन बोर्ड, निदेशक (मानद) हिंदी शिक्षण केंद्र, टैगोर कला एवं शिक्षा संस्थान, विश्वभारती शिक्षक संघ आदि सहित विभिन्न क्षमताओं में तैंतीस साल का प्रभावशाली शैक्षणिक और प्रशासनिक अनुभव है।

उन्होंने राष्ट्रीय उच्च शैक्षणिक संस्थानों की विभिन्न वैधानिक समितियों, सलाहाकार समितियों और चयन समितियों में भारत के राष्ट्रपति के नामित व्यक्ति के रूप में काम किया है। आप कई पुरस्कारों के प्राप्तकर्ता हैं, जिसमें शामिल हैं साहित्य भूषण परीक्षा में हिंदी विद्यापीठ, देवघर, बिहार से रजत पदक पुरस्कार; विश्व-मुक्ति, केआईआईटी, भुवनेश्वर की ओर से हिंदी सेवी सम्मान; महाविद्या, बी. देवघर से भाषा-सेतु सम्मान; गहमर कल्याण सोसाइटी, गमहर, उत्तर प्रदेश से शिक्षक सम्मान, सूर्य संस्थान, नोएड़ा, दिल्ली से सूर्य अंतरभारती भाषा सम्मान; बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पाटना से हिंदी सेवी सम्मान पुरस्कार; साहित्य मंडल, श्रीनाथद्वार, राजस्थान से श्री गणेश बल्लभजी राठी स्मृति पुरस्कार और मुनीश्वरदत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय, प्रतापगढ, उत्तरप्रदेश से पंडित विद्याशंकर पांडे साहित्य विभूषण सम्मान-2022 पुरस्कार आदि। आप राजा राममोहन राय लाईब्रेरी फाउंडेशन, कोलकात्ता, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के एक प्रतिष्ठित सदस्य हैं।

आपका जन्म ग्राम-जगन्नाथपुर, बसंतिया, मरेईगांव, हातडीही प्रखंड, जिला-केंदुझर, ओडिशा में सन् 1960 में हुआ था, आप एक प्रसिद्ध विद्वान हैं। प्रो. त्रिपाठी ने विश्वभारती, से हिंदी विषय में एम.ए. और पीएच. डी. किया है और उत्कल विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की है।

आपकी छ : से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें शामिल हैं कबीर की भक्ति, सियाराम तिवारी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व, नई कविता का प्रतिपाद्य, चिंतामणि संचयन, कृष्ण चंद्र की प्रतिनिधि कहानियां, आत्मनिर्भर भारत (बंगाली संस्करण) आदि। उन्होंने चार पुस्तकों का संपादन और पांच पुस्तकों का अनुवाद भी किया है। उनके शोधपत्र प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित होते हैं। उन्होंने पीएच.डी. की उपाधि के लिए 17 से अधिक विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया है और कुछ शोध परियोजनाएं पूरी की हैं।

प्रो. त्रिपाठी को उत्कलमणि गोपबंधु की विचारधाराओं को आगे लेने वाले व्यक्ति के रूप में जाना जाता है। प्रो. त्रिपाठी के मार्गदर्शन में *गोपबंधु रचनाबली* का अनुवाद (कुल –08 खंडों में) अनुवाद हुआ है और मुख्य संपादन में एनबीटी द्वारा प्रकाशित किया जा रहा है।

कुलपति ने महामहिम भारत की राष्ट्रपति श्रीमति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की

सीयूओ जनजातीय पुस्तकालय,संग्रहालय और अनुसंधान केंद्र खोलेगा

प्रो. चक्रधर त्रिपाठी,माननीय कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने महामहित भारत की राष्ट्रपति श्रीमति द्रौपदि मुर्मु से दिनांक 17 जनवरी 2023 को राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की और कोरापुट में एक विश्व स्तरीय आदिवासी पुस्तकालय, संग्रहालय और आदिवासी अनुसंधान खोलने का एक प्रस्ताव रखा । इस संबंध में महामहिम भारत की राष्ट्रपति से सकारात्मक चर्चा हुई और महामहिम राष्ट्रपति ने जनजातीय समुदाय के विकास के लिए कुलपति की शैक्षणिक पहल की सराहना की।

प्रो. त्रिपाठी काफी आशावादी हैं कि विश्वविद्यालय में जनजातीय केंद्र स्थापित होगा और जिससे इस क्षेत्र और देश भर के जनजातीय लोगों की भाषा, संस्कृति और ज्ञान के संरक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में मदद मिलेगी।

राजभवन, ओडिशा में 1अक्तूवर 2022 को प्रो. चक्रधर त्रिपाठी, कुलपति का अभिनंदन करते हुए प्रो. गणेश लाल, महामहिम राज्यपाल, ओड़िशा

माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने नई दिल्ली में दिनांक 29 नवम्बर 2022 को माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश बिरला से मुलाकात की। उन्होंने विश्वविद्यालय की विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों पर चर्चा की।

.

प्रोफेसर चक्रधर त्रिपाठी, माननीय कुलपति, सीयूओ ने 30.09.2022 से 08.10.2022 तक अपनी शैक्षणिक यात्रा के दौरान 04 अक्टूबर 2022 को केवंझर में एनसीएसटी के माननीय सदस्य श्री अनंत नायक से मुलाकात की।

प्रो. चक्रधर त्रिपाठी, माननीय कुलपति,सीयूओ ने 30.09.2022से 08.10.2022तक अपनी शैक्षणिक यात्रा के दौरान 03 अक्तूबर 2022 को जोड़ा, केंदुझर में पद्मश्री श्रीमति तुलसी मुंडा को बधाई दी

प्रो. चक्रधर त्रिपाठी, माननीय कुलपति,सीयूओ ने 30.09.2022से 08.10.2022तक अपनी शैक्षणिक यात्रा के दौरान 03अक्तूबर 2022 को केंदुझर में पद्मश्री श्री दैतारी नायक का स्वागत किया

In quest of Peace & Inspiration: Vice- Chancellor visits Satyabadi to pay homage to "Pancha-Sakha

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय एक नजर में

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूओ) की स्थापना वर्ष २००५ में संसद के एक अधिनियम द्वारा की गई थी। अपनी स्थापना के बाद से, यह विश्वविद्यालय मानविकी, भाषाएं, सामाजिक विज्ञान और बुनियादी और व्यावहारिक विज्ञान में ज्ञान का प्रसार और उन्नति करने का प्रयास कर रहा है। इसका उद्देश्य शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया और अंत:विषय अनुसंधान में नवाचार को बढ़ावा देना है और लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार और उनके शैक्षणिक, बौद्धिक और सांस्कृतिक विकास पर विशेष ध्यान देना है। यह विश्वविद्यालय ओड़िशा के कोरापुट जिला के सुनाबेढ़ा में अवस्थित है । सुनाबेढ़ा में इसका मुख्य परिसर का क्षेत्रफल ४३०.३७ एकड़ भूमि है । ओड़िशा सरकार ने यह जमीन सीयूओ को उपलब्ध करा दी है और अब यह जमीन विश्वविद्यालय के नाम पर दर्ज हो चुकी है।

विश्वविद्यालय का दृष्टिकोण :

- सहयोग/शैक्षणिक समझौता/भारत व विदेश के प्रमुख अनुसंधान संस्थान, विश्वविद्यालय एवं उद्योग के साथ साझेदारी। आज के संदर्भ में यूनिस्को दस्तावेज में यथा परिकल्पित एक नए अर्थ एवं नए आकार पर लिए गए क्रॉस बॉर्डर शिक्षा।
- यूनेस्को दस्तावेज में बताये गये क्रॉस बोर्डर शिक्षा को आज के संदर्भ में नये अर्थ में लेना और नया रूप प्रदान करना;
- निमन्त्रण से प्रख्यात अतिथि संकायों का प्रवेश;
- एक आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की स्थापना (IQAC)।

विश्वविद्यालय का मिशन

- सभी के लिए उत्कृष्ट शिक्षा, ताकि हम राष्ट्र की रीढ़ की हड्डी को मजबूत कर पाएंगे।
- दूर दराज तक पहुंचने के लिए "समावेशी शिक्षा" का प्रसार।
- स्वदेशी एवं वैश्विक परिदृश्य का एक स्वस्थ्य सहजीवन का पक्ष समर्थक।
- उच्च शिक्षा की एक मजबूत आधारित संपूर्ण वैश्विक नजरीया बनाए रखाना।
- स्वयं के लिए एक स्थान बनाना।

तदनुसार विश्वविद्यालय पहले से ही तैयार की है:

- विश्वविद्यालय-उद्योग संपर्क के लिए नीति की रूपरेखा।
- विदेश में स्थित विश्वविद्यालयों के साथ अन्तर्राष्ट्रीय संपर्क हेतु नीति की रूपरेखा।
- प्रशासन, शिक्षण एवं अध्ययन के सभी स्तरों पर "गुणवत्ता की संस्कृति" की शिक्षा के लिए एक नीतिगत संरचना।

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय का उद्देश्य:

- अध्ययन की ऐसी शाखाओं में यथोचित शिक्षण एवं अनुसंधान सुविधाएँ प्रदान कर अत्याधुनिक ज्ञान का प्रसार करना,
- अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में मानविकी, समाजविज्ञान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में संकलित पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रावधान प्रस्तुत करना,
- शिक्षण-अध्ययन प्रक्रिया एवं अंतर्विषयक अध्ययन एवं अनुसंधान में नवोन्मेष को प्रत्साहित करने के लिए उचित उपाय प्रस्तुत करना,
- देश के विकास के लिए मानव-शक्ति को शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना,
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करने हेतु उद्योगों के साथ संपर्क स्थापित करना,
- लोगों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार एवं कल्याण, उनके बौद्धिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विकास हेतु विशेष ध्यान देना।

शैक्षणिक प्रोफाइल

वर्तमान, विश्वविद्यालय तीन वर्षीय और दो वर्षीय परास्नातक कार्यक्रम, पाँच वर्षीय एकीकृत मास्टर कार्यक्रम, दो वर्षीय मास्टर कार्यक्रम और अनुसंधान कार्यक्रम (पीएच.डी) प्रदान करता है। परास्नातक कार्यक्रम में शामिल हैं कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (तीन वर्षीय) और दो वर्षीय परास्नातक प्रशिक्षण कार्यक्रम , शिक्षा में स्नातक, जबकि गणित विज्ञान में पाँच वर्षीय एकीकृत मास्टर कार्यक्रम, नृविज्ञान, जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, वाणिज्य प्रशासन, अर्थनीति, अंग्रेजी, हिंदी, जनसंचार तथा पत्राचार, ओडिया, संस्कृत, सामाज विज्ञान, सांख्यिकी और गणित विज्ञान में दो वर्षीय मास्टर कार्यक्रम । नृविज्ञान, जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, जनसंचार तथा पत्राचार, ओडिया, और समाज विज्ञान, अर्थशास्त्र, शिक्षा और सांख्यिकी में पीएचडी अनुसंधान कार्यक्रम चलाता है। विश्वविद्यालय शैक्षणिक तथा अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग के लिए विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ समझौता किया है । सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश राष्ट्रीय स्तर पर प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है।

वर्ष२०२२-२३ के लिए दस स्नातकोत्तर कार्यक्रम (कार्यकारी एमबीए सहित) , एक पंचवर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम (पाँच वर्षीय), एक स्नातक पाठ्यक्रम (तीन वर्षीय) एवं एक वर्षीय बी.एड़ पाठ्यक्रम के लिए कक्षाएँ चलाई जा रहीं हैं। इन विषयों में शैक्षिक वर्ष२०२२-२३के लिए ३८१ छात्रों ने दाखिला ले चुके हैं।

विश्वविद्यालय की मूल्यांकन प्रक्रिया विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली के साथ सेमेस्टार प्रणाली पर आधारित है।

शैक्षिक कैलेण्डर का केन्द्रों/विभागों एवं निर्धारित कार्यक्रमों के अनुसार सम्पादित सभी शिक्षण-अध्ययन गतिविधियों द्वारा सख्ती से अनुसरण किया जाता है। विश्वविद्यालय ०७ नये विषयों जैसे भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान और जननीति में स्नातकोत्तर पाठ्क्रम चलाने की योजना बनाई है ।

भरोसा : कोविड-१९ महामारी के कठिन समय के दौरान संकट में फंसे हुए विद्यार्थियों को राहत दिलाने का एक ऐतिहासिक और पहला प्रयास भरोसा के नाम में ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शुरु किया था और इसका हेल्पलाइन संख्या ०८०४६८०१०१० था । उसके बाद ओड़िशा के सभी विश्वविद्यायल विद्यार्थियों को संज्ञानात्मक भावनात्मक पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने के लिए तत्कालीन केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने हेल्पलाइन शुरु किया था।

समझौता-विश्वविद्यालय ने वर्ष२०२२-२३ के दौरान निम्नलिखित संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है :

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने दिनांक २२ अप्रैल २०२२ को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में डॉ. अंबेदकर उत्कर्ष केंद्र (डीएसीइ) की स्थापना के लिए सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय के डॉ. अंबेदकर फाउंडेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है।

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूओ), कोरापुट और एकीकृत विकास एवं अनुसंधान भारत (एफआईडीआर), गुरुग्राम के बीच ओड़िशा के आदिवासी युवाओं के लिए डिजिटल जनजातीय साक्षरता केंद्र की स्थापना पर सहयोग के लिए अगले तीन वर्षों के लिए ऑनलाइन मोड पर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पत्र हस्ताक्षर हुआ है।

संरचनात्मक प्रगति

विश्वविद्यालय के ध्येय को ध्यान में रखते हुए हमने सुनाबेढ़ा, कोरापुट स्थित हमारे मुख्य परिसर के विकास में कई वाधाएं एवं चुनौतियों का सामना किया है। इस परिसर में संरचनात्मक विकास की आवश्यकता की पूर्ति के लिए बुनियादी ढ़ांचे और अन्य सहायक सुविधाओं के स्तर में सुधार लाने के हमारे प्रयास के चलते विश्वविद्यालय ने कैंपस को कार्यक्षम करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढ़ाँचा को तैयार करने में सक्षम हो पाया है। एक स्थायी शैक्षणिक भवन और कर्मचारियों के लिए आवास का निर्माण कार्य आरंभ हो चुका है।

मानव संसाधन

वर्तमान विश्वविद्यालय अनुभवी संकाय सदस्य एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों से सुसज्जित है। हमारे पास हरेक विषयों के लिए कई अतिथि अध्यपक हैं। विश्वविद्यालय भी अपने छात्रों को अतिरिक्त विवरण प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठित अतिथि संकायों का एक तंत्र बनाया है।

विश्वविद्यालय का केंद्रीय पुस्तकालय

केन्द्रीय पुस्तकालय पिछले कई वर्षों से तेजी से प्रगति की है। विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों, विद्वानों और संकायों की जरुरत को पूरा करने के लिए पुस्तकालय में अधिक संख्या में पुस्तक संगृहित किया है। अब तक केन्द्रीय पुस्तकालय में लगभग ४३५५८ पुस्तकों का संग्रह है, ९००० से भी अधिक ई-पत्रिकाएँ ई-शोध सिंधु (उच्च शिक्षा इलेक्ट्रोनिक संसाधन का कनसोरटियम) के माध्यम से, संदर्भ पुस्तकें, सिरियल्स, शोधग्रंथ और डिजारटेशन और पत्रिकाओं की पुरानी संस्करण आदि खरीदी है।

वैधानिक समितियों की बैठकें

कार्यकारी परिषद

कार्यकारी परिषद की ३८वीं बैठक २७ अगस्त, २०२२ को आयोजित हुई।

कार्यकारी परिषद की ३९वीं बैठक २१ नवम्बर, २०२२ को आयोजित हुई।

कार्यकारी परिषद की ४०वीं बैठक २० फरवरी, २०२३ को आयोजित आयोजित हुई।

कार्यकारी परिषद की ४१वीं बैठक २३ फरवरी, २०२३ को आयोजित आयोजित हुई।

शैक्षणिक परिषद

शैक्षणिक परिषद की २०वीं बैठक २१ अगस्त, २०२२ को आयोजित आयोजित हुई।
शैक्षणिक परिषद की २१वीं बैठक ०२ फरवरी, २०२३ को आयोजित आयोजित हुई।

वित्त समिति

वित्त समिति की २६वीं बैठक २४ मई, २०२२को आयोजित हुई।
वित्त समिति की २७वीं बैठक २७ अगस्त, २०२२को आयोजित हुई।

भवन -निर्माण समिति

भवन निर्माण समिति की २९वीं बैठक २५फरवरी, २०२२ को आयोजित हुई।
भवन निर्माण समिति की ३०वीं बैठक २८फरवरी, २०२२ को आयोजित हुई।

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलाधिपतियों की पदावधि सूची

नाम	अवधि
प्रो. पी.के. श्रीनाथ रेड्डी अध्यक्ष, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफआई)	31.08.2012 – 30.08.2017
प्रो. पी.वी. कृष्ण भट्ट, अध्यक्ष, शैक्षणिक और सामाजिक अध्ययन केंद्र (सीइएसएस)	11.07.2018 से आज तक

कुलपतियों की पदावधि सूची

नाम	अवधि
प्रो. सुरभी बनर्जी	28.02.2009 - 27.02.2014
प्रो. मुहम्मद मियां (अतिरिक्त प्रभार)	01.04.2014 - 13.05.2015
प्रो. तलत अहम्मद (अतिरिक्त प्रभार)	15.05.2015 - 06.08.2015
प्रो.सचिदानंद मोहांति	07.08.2015 - 28.02.2019
प्रो.शरत कुमार पालित कुलपति प्रभारी	01.03.2019 -05.12.2019
प्रो. आई. रामब्रह्म	06.12.2019 -24.07.2021
प्रो.शरत कुमार पालित कुलपति प्रभारी	24.07.2021 – 25.09.2022
प्रो. चक्रधर त्रिपाठी	26.09.2022 से आज तक

***पारदर्शिता** : ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय सभी मामलों में जीएफआर नियमों, केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशानिर्देशों और गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रिया का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है*

विश्वविद्यालय का मानव-संसाधन का प्रोफाइल

विश्वविद्यालय की मानव शक्ति : विश्वविद्यालय के नियमित और ठेके कर्मचारियों की अद्यतन सूची निम्नवत है:-

विश्वविद्यालय के सांगठनिक पदों की सूची

क्रमांक	नाम	पदनाम
1.	प्रो. चक्रधर त्रिपाठी	कुलपति
2.	प्रो. असित कुमार दास	कुलसचिव
3.	श्री के. कोशला राव	वित्त अधिकारी
4.	डॉ. प्रशांत मेश्राम	परीक्षा-नियंत्रक

नियमित शैक्षणिक कर्मचारी

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग	विद्यापीठ
1	डॉ. शरत कुमार पालित	प्रोफेसर तथा अधिष्ठाता,	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण	बीसीएनआर विद्यापीठ
2	प्रो. एन.सी. पंडा	प्रोफेसर तथा अधिष्ठाता,	संस्कृत	भाषा
3	प्रो. पी. सी. पटनायक	चेयर प्रोफेसर	जनाजाति अध्ययन के लिए राजीब गांधी चेयर	जनाजाति अध्ययन के लिए राजीब गांधी चेयर
4	डॉ. कपिल खेमुंडु	सहायक प्रोफेसर	समाज शास्त्र	समाजिक विज्ञान
5	डॉ. जयंत कुमार नायक	सहायक प्रोफेसर	मानवशास्त्र अध्ययन विभाग	समाज विज्ञान
6	डॉ. जयंत कुमार नायक	सहायक प्रोफेसर	मानवशास्त्र अध्ययन विभाग	समाज विज्ञान
7	डॉ. काकोली बनर्जी	सहायक प्रोफेसर	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण
8	डॉ. देबब्रत पंडा	सहायक प्रोफेसर	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण
9	श्री प्रशांत कुमार बेहेरा	सहायक प्रोफेसर	अर्थशास्त्र	समाज विज्ञान
10	डॉ. मिनती साहु	सहायक प्रोफेसर	-यथा-	-यथा-
11	श्री बिश्वजित भोई	सहायक प्रोफेसर	-यथा-	-यथा-
12	डॉ. रमेंद्र कुमार पारही	सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रभारी	शिक्षक शिक्षा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी
13	श्री संजीत कुमार दास	सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रभारी	अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य	भाषा विद्यापीठ
14	डॉ. प्रदोष कुमार रथ	सहायक प्रोफेसर	पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी

15	डॉ. सौरभ गुप्ता	सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रभारी	पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग	-यथा-
16	डॉ. ज्योतिष्का दत्ता	सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रभारी	गणित विज्ञान	मौलिक विज्ञान तथा सूचना विज्ञान
17	डॉ. अलोक बराल	सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रभारी	ओडिआ भाषा एवं साहित्य विभाग	भाषा विद्यापीठ
18	डॉ. प्रदोष कुमार स्वांइ	सहायक प्रोफेसर	ओडिआ भाषा एवं साहित्य विभाग	भाषा विद्यापीठ
20	डॉ. महेष कुमार पण्डा (०७.०४.२०२२ को कार्यमुक्त हो गया)	सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रभारी	सांख्यिकी	अनुप्रयुक्त विज्ञान

अनुबंध पर अध्यापक

क्रमांक	नाम	विभाग	विद्यापीठ
1.	श्री सुबाष चंद्र पट्टनायक	व्यापार प्रबंधन	वाणिज्य और प्रबंधन अध्ययन (सीएमएस)
2.	श्री सुशांत कुमार	कंप्यूटर विज्ञान	मौलिक विज्ञान तथा सूचना विज्ञान (बीएसआईएस)
3.	श्री पतित पावन रथ	कंप्यूटर विज्ञान	बीएसआईएस
4.	श्री संदीप कुमार साहु	कंप्यूटर विज्ञान	बीएसआईएस
5.	डॉ. सर्वेश्वर बारिक	कंप्यूटर विज्ञान	बीएसआईएस
6.	श्री के वेंकट एन राव	शिक्षक शिक्षा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी
7.	श्री अक्षय कुमार भोई	शिक्षक शिक्षा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी
8.	श्री पी. डब्ल्यू. बनर्जी	शिक्षक शिक्षा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी
9.	डॉ. मयूरी मिश्र	हिंदी	भाषा
10.	डॉ.सौम्य रंजन दाश	हिंदी	भाषा
11.	डॉ. सोनी पारही	पत्रकारिता तथा जनसंचार	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी
12.	सुश्री तलत जे. बेगम	पत्रकारिता तथा जनसंचार	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी
13.	श्री रमेश चंद्र माती	गणित विज्ञान	बीएसआईएस
14.	डॉ. दीपक राउत	गणित विज्ञान	बीएसआईएस
15.	डॉ. आनंद बिस्वास	गणित विज्ञान	बीएसआईएस
16.	डॉ. रुद्राणि मोहांति	ओड़िया भाषा एवं साहित्य	भाषा
17.	डॉ. गणेश प्रसाद साहु	ओड़िया भाषा एवं साहित्य	भाषा
18.	डॉ. बिरेंद्र कुमार सडंगी	शंस्कृत	भाषा
19.	डॉ. आदित्य केशरी मिश्रा	समाज शास्त्र	सामाजिक विज्ञान
20.	डॉ. नुपूर पट्टनायक	समाज शास्त्र	सामाजिक विज्ञान
21.	श्री सुमन दास	सांख्यिकी विभाग	अनुप्रयुक्त विज्ञान

अतिथि संकाय

	नाम	विभाग
1.	श्री बसंत कुमार बिधाणी	मानव विज्ञान विभाग
2.	डॉ. अभिषेक भौमिक	मानव विज्ञान विभाग
3.	श्री प्रभात कुमार बारिक	व्यवसाय प्रशासन विभाग
4.	डॉ. सितानाथ रायगुरु	व्यवसाय प्रशासन विभाग
5.	श्री श्रीनिवास राव के	व्यवसाय प्रशासन विभाग
6.	डॉ. दोलगोबिंद कुंभार	अर्थशात्र विभाग
7.	डॉ. पार्थ प्रतिम दास	शिक्षा विभाग
8.	श्री कडगला सूर्य भाष्कर	शिक्षा विभाग
9.	डॉ. मनोज कुमार तुला	अंग्रेजी भाष एवं साहित्य विभाग
10.	सुश्री बरखा	अंग्रेजी भाष एवं साहित्य विभाग
11.	डॉ. मैत्रयी मिश्र	अंग्रेजी भाष एवं साहित्य विभाग
12.	डॉ. रानी सिंह	हिंदी विभाग
13.	डॉ. दुरुमणि तालुकदार	हिंदी विभाग
14.	डॉ. महेंद्र गोरे	गणित विभाग
15.	डॉ. वीएसएसएन गोपाल पुल्लाभटला	गणित विभाग
16.	श्री श्रीनिवास स्वांई	संस्कृत विभाग
17.	डॉ.चक्रपाणी पोखरेल	संस्कृत विभाग
18.	डॉ. आदित्य नारायण दाश	संस्कृत विभाग
19.	श्री मानस डाकुआ	समाजशास्त्र विभाग
20.	डॉ. कल्याणी सुनानी	सांख्यिकी विभाग

अतिथि प्रोफेसर

क्रमांक	नाम	विभाग	विद्यापीठ
1	प्रो. सृजिब बागची	सांख्यिकी	अनुप्रयुक्त विज्ञान
2	प्रो. हिमांशु शेखर मोहापात्र	अंग्रेजी	भाषा
3	प्रो. जंग बहादुर पांडे	हिन्दी	भाषा

गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की सूची

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. सुधेंदु मंडल	सलाहाकार-शैक्षणिक	प्रशासन
2.	प्रो. वी. सी. झा	सलाहाकार-प्रशासन	शैक्षणिक
3.	श्री सुधाकर पटनायक	ओआईसी	अनुरक्षण
4.	श्री मदन मोहन पात्र	ओएसडी	प्रशासन
5.	डॉ. दिलीप कुमार पटनायक	उप-कुलसचिव	प्रशासन

6.	डॉ. विजयानन्द प्रधान	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	पुस्तकालय
7.	डॉ.फगुनाथ भोई	जन संपर्क अधिकारी	जनसंपर्क
8.	इ. श्रीराम पाढी	कार्यपालक अभियंता	अभियांत्रिकी और अनुरक्षण
9.	डॉ. वीरा प्रसाद	चिकित्सा अधिकारी	स्वास्थ्य केंद्र
10.	श्री मानस कुमार दास	सहायक कुलसचिव	वित्त
11.	इंजीनियर पद्मलोचन स्वांई	सहायक अभियंता	अभियांत्रिकी
12.	श्री बरदा प्रसाद राउतराय	अनुभाग अधिकारी	प्रशासन
13.	श्री प्रदीप कुमार सामन्तराय	सुरक्षा अधिकारी	प्रशासन
14.	सुश्री उल्का पटनायक	स्टाफ नर्स	स्वास्थ्य केंद्र
15.	श्री शिवराम पात्र	अनुभाग अधिकारी	स्थापना
16.	श्री मानस चंद्र पंडा	अनुभाग अधिकारी	स्थापना
17.	डॉ. रुद्र नारायण	वृत्तिगत सहायक	पुस्तकालय
18.	श्री संजिव कुमार पाप्नेजा	तकनीकी सहायक	कम्प्यूटर प्रयोगशाला
19.	श्री जितेन्द्र कुमार पण्डा	सहायक	प्रशासन
20.	श्री अजित प्रसाद पात्र	सहायक	वित्त
21.	श्री अजय कुमार महापात्र	प्रयोगशाला सहायक	मानव विज्ञान विभाग
22.	श्री मुकुन्द खिलो	पुस्तकालय सहायक	पुस्तकालय
23.	श्री प्रमोद कुमार परिड़ा	यूडीसी	वित्त
24.	श्री तुषारकान्त दास	एल.डी.सी.	अस्थायी कार्यालय, भुवनेश्वर
25.	सुश्री प्रीति कुमारी रथ	एलडीसी	प्रशासन
26.	श्री पी.पी. क्षेत्रीय	जेपीए	अनुरक्षण
27.	डॉ. धनेश्वर साहु	परामर्शदाता (चिकित्सक)	प्रशासन

शैक्षणिक कार्यक्रम

क्रमांक	विद्यापीठ का नाम	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम तथा अवधि
01	भाषा विद्यापीठ	ओडिया भाषा तथा साहित्य	ओडिया भाषा में एम. ए . (दो वर्ष) ओडिया में पीएच.डी.
		अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग	अंग्रेजी में एम.ए. (दो वर्ष)
		हिंदी विभाग	हिंदी में एम.ए. (दो वर्ष)
		संस्कृत विभाग	संस्कृत में एम.ए. (दो वर्ष)
02	समाजशास्त्र विद्यापीठ	मानव विज्ञान विभाग	मानव विज्ञान में एमएससी (दो वर्ष) मानव विज्ञान में पीएच.डी.
		सामाजिक विज्ञान विभाग	सामाजिक विज्ञान में एम.ए. (दो वर्ष) सामाजिक विज्ञान में पीएचडी
		अर्थशास्त्र विभाग	अर्थशास्त्र में एम ए (दो वर्ष) अर्थशास्त्र में पीएचडी
03	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ	जनसंचार तथा पत्रकारिता विभाग	जनसंचार एवं पत्रकारिता में एम एम (दो वर्ष) जनसंचार तथा पत्रकारिता में पीएचडी
		शिक्षक शिक्षा विभाग	शिक्षक शिक्षा में स्नातक (दो वर्ष) शिक्षक शिक्षा में पीएडी
04	मौलिक विज्ञान और सूचना विज्ञान विद्यापीठ	गणित विज्ञान विभाग	गणित विज्ञान में पाँच वर्षीय एकीकृत एमएससी (पाँच वर्ष))
		कंप्यूटर विज्ञान विभाग	कंप्यूटर विज्ञान में स्नातक (तीन वर्ष) कंप्यूटर विज्ञान में एम.एससी. (दो वर्ष)
05	जैव विवधिता तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ	जैवविविधता तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग	जैवविविधता में एमएससी (दो वर्ष) जैवविविधता में पीएचडी
06	वाणिज्य अध्ययन तथा प्रबंधन अध्ययन	व्यापार प्रबंधन विभाग	व्यापार प्रबंधन में मास्टर (दो वर्ष) कार्यकारी एमबीए (दो वर्ष)
07	अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ	सांख्यिकी विभाग	अनुप्रयुक्त सांख्यिकी और सूचना विज्ञान में एमएससी (दो वर्ष) अनुप्रयुक्त सांख्यिकी और सूचना विज्ञान में पीएचडी

बीसीएनआर- जैवविविधता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण

शैक्षणिक कैलेंडर (2022-2023)

शैक्षणिक कैलेंडर (2022-2023)	
णानसून सेमेस्टर (जनवरी 2022– मई2022)	
घटनाक्रम	**सभी सेमेस्टर** **(6 दिन सप्ताह का पैटर्न)**
पंजीकरण	जनवरी 27 – फरवरी 04, 2022 (गुरुवार – शुक्रवार)
कक्षाओं का आरंभ	जनवरा 27, 2022 (गुरुवार)
पाठ्यक्रम जोड़ने/बदलने की अंतिम तिथि	फरवरी 11,2022 (शुक्रवार)
अनुपूरक/सुधार/विशेष अनुपूरक परीक्षा के लिए शुल्क सहित आवेदन की अंतिम तिथि	जनवरी 28, 2022 (शुक्रवार) (I/III//V/VII/IXसेमेस्टर के लिए)
अनुपूरक/सुधार/ विशेष अनुपूरक परीक्षा	जनवरी 31 – 05, 2022 (सोमवार-शनिवार) (I/III//V/VII/IXसेमेस्टर के लिए)
पुन:परीक्षा के लिए निर्धारित शुल्क के साथ आवेदन की अंतिम तिथि	फरवरी 04, 2022 (शुक्रवार)
अनुपूरक/सुधार /विशेष अनुपूरक परीक्षा के परिणाम धोषणा	फरवरी 11, 2022 (शुक्रवार)
अनुपूरक परिणाम के प्रकाशन के बाद योग्य छात्रों के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि	फरवरी 17, 2022 (गुरुवार)
प्रथम मध्य सेमेस्टर परीक्षाङ	फरवरी 21 – 24, 2022 (सोमवार – गुरुवार)
दूसरे मध्य सेमेस्टर परीक्षा. ङ	मार्च 21 – 24, 2022 (सोमवार – गुरुवार)
तृतीय मध्य सेमेस्टर परीक्षाङ	अप्रैल11 – 16, 2022 (सोमवार – शनिवार)
पाठ्यक्रम समाप्त करने की अंतिम तिथि	अप्रैल 18, 2022 (सोमवार)
कक्षाओं की अंतिम दिन	अप्रैल 30, 2022 (शनिवार)
उपस्थिति शीट प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	अप्रैल 30, 2022 (शनिवार)
अंतिम सेमेस्टर परीक्षा	मई02 – 11, 2022 (सोमवार – बुधवार)
परीक्षा नियंत्रक के कार्यालय में मार्क /ग्रेड की प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	मई 13, 2022 (शुक्रवार)
परिणाम घोषणा	मई20, 2022(शुक्रवार)
अवकाश	**विद्यार्थियों के लिए :** मई 11 – जुलाई 16, 2022 (बुधवार –शनिवार) **शिक्षकों के लिए :** मई 16 – जुलाई 16, 2022 (सोमवार –शनिवार)

- परीक्षा के दिनों में नियमित कक्षाएं लगेंगी

टिप्पणी :

1. बी. एड विद्यार्थियों के लिए, विद्यालय आधारित इंटरशीप गतिविधियों की अवधि के दौरान शनिवार को शिक्षण दिवस के रूप में माना जाएगा ; यदि आवश्यक हो तो विभाग एक दिन के लिए मध्य सेमेस्टर परीक्षा बढ़ा सकता है

शैक्षणिक कैलेंडर (2022-23)

कार्यक्रम	मानसून सेमेस्टर (प्रथम सेमेस्टर के अलावा)* (सप्ताह में 6 दिनों का पैटर्न)	शीतकालीन सेमेस्टर (सप्ताह में 6 दिनों का पैटर्न))
पंजीकरण	अगस्त 30- सितम्बर 09, 2022 (बुधवार-शुक्रवार)	जनवरी 02- 10, 2023 (सोमवार-बुधवार)
कक्षाओं का आरंभ	अगस्त 30, 2022 (बुधवार)	जनवरी02, 2023 (सोमवार)
पाठ्यक्रम जोड़ने/बदलने की अंतिम तिथि	सितम्बर 09, 2022 (शुक्रवार)	जनवरी10, 2023 (बुधवार)
अनुपूरक/सुधार/विशेष अनुपूरक परीक्षा के लिए शुल्क सहित आवेदन की अंतिम तिथि	अगस्त31, 2022 (बुधवार-) (II/IV/VI/VIII/Xसेमेस्टर के लिए)	जनवरी 04, 2023 (बुधवार)
अनुपूरक /सुधार/विशेष अनुपूरक परीक्षा	सितम्बर 01 - 08, 2022 (गुरुवार-गुरुवार) (II/IV/VI/VIII/Xसेमेस्टर के लिए)	जनवरी 05 – 12, 2023 (शुक्रगार (I/III/V/VII/IXसेमेस्टर के लिए)
पुन:परीखा के लिए निर्धारित शुल्क के साथ आवेदन की अंतिम तिथि	सितम्बर 09, 2022 (शुक्रवार)	जनवरी10, 2023 (बुधवार)
अनुपूरक/सुधार/विशेष अनुपूरक परीक्षा की परीणाम घोषण	सितम्बर 14, 2022 (बुधवार)	जनवरी18, 2023 (बुधवार)
अनुपूरक परिणाम के प्रकाशन के बाद योग्य छात्रों के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि	सितम्बर16, 2022 (शुक्रवार)	जनवरी 20, 2023 (शुक्रवार)
प्रथम मध्य सेमेस्टर परीक्षा ङङ	सितम्बर 23-27, 2022 (शुक्रगार-बुधवार)	फरवरी 01 – 04, 2023 (बुधवार-शनिवार)
मध्य सेमेस्टर अवकाश	सितम्बर 28 - अक्तूबर 08, 2022 (बुधवार – शनिवार)	---
दूसरे मध्य सेमेस्टर परीक्षा ङङ	अक्तूबर 27 - 31, 2022 (शुक्रगार-सोमवार)	मार्च 01 – 04, 2023 (बुधवार-शनिवार)
थीसरे सेमेस्टर परीक्षा ङङ	नवम्बर 23- 26, 2022 (बुधवार-शनिवार)	अप्रैल 04 -08, 2023 (बुधवार-शनिवार)
पाठ्यक्रम समाप्त करने की अंतिम तिथि	नवम्बर 28, 2022 (सोमवार)	अप्रैल 10, 2023 (सोमवार)
कक्षाओं की अंतिम तिथि	दिसम्बर 13, 2022 (बुधवार)	मई 03, 2023 (बुधवार)
उपस्थिति शिट प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	दिसम्बर13, 2022 (बुधवार)	मई 03, 2023 (बुधवार)
अंतिम सेमेस्टर परीक्षा	दिसम्बर 14- 21, 2022 (बुधवार-बुधवार)	मई 04 – 12, 2023 (गुरुवार-शुक्रवार)
परीक्षा नियंत्रक के कार्यालय में मार्क /ग्रेड की प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	दिसम्बर 23, 2022 (शुक्रवार)	मई 16, 2023 (बुधवार)
परिणाम घोषणा	दिसम्बर 30, 2022 (शुक्रवार)	मई 23, 2023 (बुधवार)
अवकाश	छात्रों के लिए : दिसम्बर 22 - 31, 2022 (गुरुवार-शनिवार) शिक्षकों के लिए : दिसम्बर 24 - 31, 2022 (शनिवार-शनिवार)	छात्रों के लिए : मई 13 – जुलाई 15, 2023 (शनिवार-शनिवार) शिक्षकों के लिए : मई17 –जुलाई 15, 2023 (बुधवार-शनिवार)

* प्रथम सेमेस्टर के लिए शैक्षणिक कैलेंडर का विवरण अलग से घोषित किया जाएगा

** नियमित कक्षाएं परीक्षा के दिनों में संचालित होगी

टिप्पणी: 1. बी. एड विद्यार्थियों के लिए, विद्यालय आधारित इंटरशीप गतिविधियों की अवधि के दौरान शनिवार को शिक्षण दिवस के रूप में माना जाएगा ;२.आवश्यकता पड़ने पर विभाग मध्य सेमेस्टर परीक्षा का कार्यक्रम एक दिन के लिए बढ़ा सकता है ३.तीन मध्य सेमेस्टर परीक्षाओं में से, विभाग किसी एक को अपरंरागत, नये तरीके से आयोजित करने के लिए अधिकृत है, और अन्य दो लिखित प्रकार की होगी, ४. ऑनलाइन कक्षाएं शनिवार को होगी

विश्वविद्यालय के विद्यापीठोंएवं विभागों की गतिविधियाँ

भाषा विद्यापीठ

वर्तमान चार भाषाओं में अंग्रेजी, ओड़िया, हिंदी और संस्कृत में शिक्षा प्रदान की जाती है। इन भाषाओं में से प्रत्येक साहित्य के एक महत्वपूर्ण अंग है, जो महान लेखकों, उपन्यासकार, कवि, कहानी लेखकों, नाटक लेखकों आदि का एक समेकित समूह है। ये भाषाएँ महान संस्कृति एवं महान दर्शन के धरोहर हैं। विद्यार्थी जो इस विद्यापीठ में भाषा का अध्ययन करने के इच्छुक हैं वास्तव में उनको भाषा से कहीं अधिक अध्ययन करने का अवसर मिलता है। वह (पु/स्त्री) उस संस्कृति की साहित्य, कला एवं दर्शन का भी अध्ययन करेंगे।

उपरोक्त चार भाषाओं में प्रशिक्षण विद्यार्थी को अंत में एक अनुवादक, टीकाकार, शिक्षक, विशेषज्ञ अथवा मल्टी-मीडिया परियोजनाओं में एक सलाहकार बनने में सक्षम बनाता है।

ओड़िया भाषा एवं साहित्य विभाग

ओड़िया भाषा एवं साहित्य विभाग सन् २००९ में अपनी स्थापना काल से ही कला में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करता आ रहा है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को नियमित संशोधन एवं अद्यतन किया जाता है। केन्द्र तुलनात्मक साहित्य, लोक साहित्य एवं जनजातीय अध्ययन में विशेष शिक्षण प्रदान करता है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के विभिन्न क्षेत्र सम्पादन एवं अनुवाद में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाया है। केन्द्र शुरू से ही अपने अनुसधान गतिविधियों में सक्रिय रहा है। केन्द्र के शिक्षक परास्नातक कार्यक्रम के लिए शोध-प्रबंध की निगरानी करते हैं जहाँ छात्र चौथी छमाही में नृविज्ञान एवं सामाजिक क्षेत्र कार्य प्रदर्शन का अवसर पाते हैं। केन्द्र से काफी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने यूजीसी-जेआरएफ/नेट पास कर चुके हैं उनमें से कई प्रतिष्ठित सरकारी एवं गैर-सरकारी क्षेत्रों में रोजगार पा चुके हैं। अनुसंधान कार्यक्रम (पीएच.डी.) का प्रारंभ शैक्षणिक सत्र २०१३-१४ से इस केंद्र में किया गया था।यह विभाग अपनी स्थापनाके बाद से अपनी अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय रहा है।विभाग के शिक्षकों को परास्नातक पाठ्यक्रम के लिए शोध निबंध की निगरानी करना पड़ता है। जहां छात्रों को चौथे सेमीस्टर में मानव विज्ञान विभाग और समाजशास्त्रीय फील्डवर्क का अनुभव मिलता है। विभाग से अनेक छात्रों को यूजीसी/जेआरएफ /नेट पूरा किया है और उनमें से कुछ प्रतिष्ठित सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्रों में भर्ती कराए गए हैं।

उद्देश्य :

ओडिशा राज्य की भाषा, साहित्य और संस्कृति पर जोर देना है ;

- अनुसंधान, संगोष्ठी, परिसंवाद, वार्तालाप, कार्यशाला आदि के माध्यम से दक्षिण ओडिशा के स्वदेशी समूह के लोकगीत और लोक साहित्य को दस्तावेजीकरण बनाना और संरक्षण प्रदान करना;
- ओडिया भाषा और साहित्य को जीवित रखने के लिए अतीत के परंपरा को बनाए रखना ;
- विविध अनुसंधान कार्य आयोजित करना और संचालित करना जिससे कि अपने विकास के लिए ओडिया बढ़ सके ;
- विभागीय वार्षिक अनुसंधान पत्रिका का आरंभ करना;
- एक प्राचीन भाषा चेयर की स्थापना करना और एमआईएल के तहत ओडिया में सार्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम चालू करना, जो ओडिया भाषा के विकास और विस्तार में सहायक हो सकें ;
- अनुसंधान, संगोष्ठी, परिसंवाद, वार्तालाप, कार्यशाला आदि के माध्यम से दक्षिण ओडिशा के स्वदेशी समूह के लोकगीत और लोक साहित्य को दस्तावेजीकरण बनाना और संरक्षण प्रदान करना;
- विभागीय पुस्तकालय, लोक म्युजियम, भाषा प्रयोगशाला और पांडुलिपि के संरक्षण के एक अलग यूनिट स्थापित करना और
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन आयोजित करना है जिससे विभागीय अनुसंधान और शिक्षण समृद्ध हो सके ।

विभाग

१	**विभाग अध्यक्ष का नाम**	**डॉ. प्रदोष कुमार स्वांई,** सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रभारी
२	संपर्क विवरण	ओड़िआ भाषा तथा साहित्य विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, सुनाबेढा, कोरापुट (ओड़िशा) ई-मेल: hod.odia@cuo.ac.in

३	शिक्षक सदस्य और उनकी योग्यताएं	1. डॉ. प्रदोशकुमार स्वाईं, एमए, एमफील, यूजीसी-एनईटी, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष (प्रभारी) 2. डॉ. अलोक बराल, एमए, पीएचडी, यूजीसी, एनइटी, सहायक प्रोफेसर 3. डॉ. रूद्राणि मोहांति, एमए, पीएचडी, व्याख्याता ठेके पर 4. डॉ. गणेश प्रसाद साहु, एमए, पीएचडी, यूजीसी.एनइटी, व्याख्याता ठेके पर 5. डॉ. सत्यनारायण सरंगी (अतिथि संकाय) एमए, पीएचडी,
४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम का विवरण	ओडिया भाषा तथा साहित्य में एम.ए. (२ वर्ष),ˈपीएचडी.

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ :

- डॉ. सत्यनारायण सरंगी, ओडिया केसेवानिवृत्त वरिष्ठ पाध्यापक, नाचूनी महाविद्यालय, खोरधा इस विभाग में अतिथि संकाय के रूप में शामिल हुए है।
- विभाग ने १ अप्रैल २०२२ को उत्कल दिवस मनाया जिसमें संकाय सदस्यगण, और विद्यार्थिगण भाग लिया ।
- विभाग ने २१ फरवरी २०२३ को मातृभाषा दिवस मनाया। इस अवसर पर, प्रो. संतोष त्रिपाठी, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, उत्कल विश्वविद्यालय ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया था । इस अवसर पर, विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने बडे उत्साह के साथ भाग लिया था ।
- ओड़िआ विभाग ने २३ मार्च२०२३ से २५ मार्च२०२३ तक प्रवासी ओडिआ साहित्य पर तीन दिवसीय अंततराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन में सत्तर से अधिक लेखों प्रस्तुत किया गया। श्री हरिप्रसाद दास ने इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र का मुख्य वक्ता थे । माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने इस सम्मेलन का उद्घाटन किया। प्रतिष्ठित सांताली साहित्य की लेखका पद्मश्री दमयंती बेस्रा ने उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि थी। इस सम्मेलन में कुल अस्सी तकनीकी सत्रों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया । इस सम्मेलन के दौरान एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था। ओडिया विभाग के विद्यार्थियों ने इस सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रदर्शन किया । ओड़िआ साहित्य के अनेक रचनात्मक लेखक जैसे कि हृषिकेश मल्लिक, एक प्रसिद्ध लेखक तथा ओडिशा साहित्य अकादमी का अध्यक्ष, कृपासागर साहु, प्रियब्रत पात्र, सुबोध पट्टनायक, लक्ष्मीकांत त्रिपाठी, अशोक त्रिपाठी, बिजय प्रधान ने २५ मार्च२०२३ को आयोजित रचनात्मक लेखक सत्र में भाग लिया था । पाँच विदेशी प्रतिनिधि यथा जयश्री नंद (यूके), सुनंदा मिश्र (कानाड), मोनिका दास (यूएसए), विभूति महापात्र (कानाडा) और अमरेंद्र खटुआ (केनिआ) ने इस कार्यक्रम में भाग लिया था । प्रो. पंचानन मोहांति, मथुरा विश्वविद्यालय (यूपी), प्रो. ज्योत्स्ना राउत, गौवाहटी विश्वविद्यालय, डॉ. शरत कुमार जेना और डॉ. प्रमिला पटुलिया, विश्वभारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन, प्रो. नटबर शतपथी, प्रो. गौरांग चरण दाश, रेवेंसा विश्वविद्यालय, कटक और प्रो. संतोष कुमार त्रिपाठी, उत्कल विश्वविद्यालय इस सम्मेलन में भाग लिया था और विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता की थी। श्री प्रसाद हरिचंदन एक प्रख्यात सामाजिक-सांस्कृतिक चिंतक, इस सम्मेलन के समापन स) में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए है ।
- **इस अवधि के दौरान ओडिया में पीएच.डी. उपाधि से पुरस्कृत :**

क्र.	विद्यार्थी का नाम / पंजीकरण संख्या	पर्यवेक्षक	शोधग्रंथ का शीर्षक	उपाधि मिलने की तिथि
१.	सना साहु पीएच.डी/डीओएलएल/०२/२०१६	डॉ. प्रदोष कुमार स्वांई	आधुनिक ओडिया कवितारे महाभारत : मिथ प्रसंग : एक अनुशीलन(१९८०-२०१७)	२६.०४.२०२०
२.	लक्ष्मी प्रिया साहु १३/ पीएच.डी/डीओएलएल/०१	डॉ. अलोक बराल	उत्तर आधुनिक ओडिया नाट्यधारा ओ नाट्यकार निलाद्रि भूषण हरिचंदन	११.०८.२०२२

अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग(DELL)

भाषा विद्यापीठ के अन्तर्गत अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग (डीईएलएल)ने ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षिक वर्ष२००९-१० से स्नातकोत्तर (दो वर्षीय) कार्यक्रम की शुरूआत की है।यह केन्द्र अंग्रेजी में स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है एवं अफ्रीका, अमेरिका, अस्ट्रेलियन, कानेडीयन, अंग्रेजी, भारतीय, आयरिश आदि में गैर-ब्रिटिश साहित्य पर जोर देता हो। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारत में साहित्य सिद्धान्तों पर उनके संदर्भ से जुड़े साहित्य से संबंधित अपनी क्षमता को विकास करने,

सिद्धान्तों और ग्रन्थों का तुलनात्मक अध्ययन करने और इतिहास, सिद्धान्त, सामग्री प्रेरित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक सिद्धान्त,तुलनात्मक साहित्य एवं अंग्रेजी भाषा की स्थिति का पता लगाने में मदद करता है।

उद्देश्य :

इस विभाग का निम्नलिखित लक्ष्य और उद्देश्य हैं

- पूरे शैक्षणिक सत्रों में भारत तथा बाहर से अंग्रेजी में प्रतिष्ठित प्रोफेसरों को आमंत्रित किया जाता है।
- स्वरविज्ञान प्रयोगशाला, संचार प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय आदि की स्थापना।
- अंग्रेजी साहित्य/अंग्रेजी भाषा शिक्षण/भाषाशास्त्र में एमफिल/पीएच.डी आदि नये कार्यक्रमों का शुभारंभ।
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन आदि आयोजन करना।
- विभागीय अनुसंधान पत्रिका का प्रकाशन किया जाना ।
- तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन पर अधिक महत्व दिया जाना है।
- अन्य विभागों के साथ व्यक्तिगत अथवा संयुक्त रूप से विभिन्न अनुसंधान कार्य के लिए भारत तथा विदेश में संस्थानों के साथ सहयोग करना।

विभाग

विभागाध्यक्ष का नाम	श्री संजित कुमार दास, सहायक प्राध्यापक एवं प्रमुख प्रभारी
संपर्क विवरण :	अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य केन्द्र, ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सुनाबेढा, कोरापुट (ओड़िशा) ई-मेल: hod.english@cuo.ac.in
शिक्षक सदस्य और उनकी योग्यताएं	1. प्रो.संजित कुमार दास, अंग्रेजी में स्नातकोत्तर, भाषाशास्त्र में स्नातकोत्तर, अंग्रेजी में एमफील, यूजीसी-नेट, सहायक प्राध्यापक, सहायक प्रोफेसर तथा प्रमुख प्रभारी। 2. प्रो. हिमांशु महापात्र, एम.ए., पीएच. डी., परिदर्शक प्रोफेसर 3. डॉ. मनोज कुमार तुला, पीएच.डी., अतिथि अध्यापक 4. सुश्री बरखा, एम.ए., अतिथि अध्यापक 5. डॉ. मैत्रेई मिश्र, पीएच.डी., अतिथि अध्यापक
विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम का विवरण	अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य में २ वर्षीय स्नातकोत्तर।

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ:

- दिनांक २०-२२ मार्च२०२३ कोह्न अन्य की कल्पना और अनुवाद : समकालीन भारतीय साहित्य से जुड़ना" शीर्षक पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया ।
- विभाग ने २१ मार्च२०२३ को बिजय मिश्र द्वारा लिखित अंग्रेजी नाटक टाटा निरंजन का अभिनय कराया ।
- सुश्री संघमित्रा साहु ने दिसम्बर २०२२ में यूजीसी-नेट पूरा किया।

हिंदी विभाग

हिंदी भाषा विभाग की स्थापना शैक्षणिक सत्र २०१५-१६ के दौरान भाषा विद्यापीठ के तत्वावधान में स्थापित हुई है और हिंदी भाषा में स्नातोकत्तर कार्यक्रम चलाया जाता है ।

प्रतिष्ठित शिक्षक विभाग के छात्रों को अनुवाद अध्ययन, तुलनात्मक साहित्य, मीडिया अध्ययन आदि जैसे विशिष्ट क्षेत्रों पर व्यापक रुप से ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करते हैं। अंग्रेजी के बाद, हिंदी का उपयोग विश्वविद्यालय परिसर में लिंगुआ प्रैंद्धका के रुप में किया जाता है।

उद्देश्य :

- पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान प्रतिष्ठित हिंदी प्रोफेसरों को विश्वविद्याल में आंमत्रित करना करना है;
- विभागीय पुस्तकालय की स्थापना करना है;
- नये पाठ्यक्रम जैसे कि हिंदी साहित्य में एम.फील /पीएच.ड़ी पाठ्यक्रम की शुरूआत करना;
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन आयोजित करना है और
- तुलनात्मक साहित्य, अनुवाद अध्ययन पर जोर ध्यान देना;
- तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन पर संसाधनों को समृद्ध करना, और
- विश्वविद्यालय में हिन्दी में प्रमाणपत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करना

विभाग :

१	**विभागाध्यक्ष का नाम**	श्री संजित कुमार दास, विभागाध्यक्ष प्रभारी
२	संपर्क विवरण	हिंदी विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय शुनाबेढा, कोरापुट (ओडिशा) ई-मेल:hod.hindi@cuo.ac.in
३	शिक्षण सदस्यों और उनकी योग्यतायें	१. प्रो. जंग बहादूर पांडे, एम.ए., पीएच.डी., अतिथि प्रोफेसर २. प्रो. हेमराज मीना, एम.ए., पीएच.डी., अतिथि प्रोफेसर ३. डॉ. मयूरी मिश्रा, एम.ए., पीएचडी, अनुबंध अध्यापक ४. डॉ. सौम्य रंजन दाश, एम.ए., एम. फील, पीएच.डी., यूजीसी-नेट, अनुबंध अध्यापक ५. डॉ. रानी सिंह, एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी., अतिथि अध्यापक ६. डॉ. दुलुमणि तालुकदार, पीएच.डी., अतिथि अध्यापक
४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम का विवरण	हिंदी भाषा में एम. ए. (दो वर्ष)

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ :

विभाग ने मार्च१५-१७, २०२३ के दौरान राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय क्षितिज पर हिंदी की दशा और दिशा पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया ।
विभाग ने १० जनवरी को अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस का आयोजन किया।

संस्कृत विभाग

संस्कृत भाषा विभाग की स्थापना शैक्षणिक सत्र २०१५-१६ के दौरान भाषा विद्यापीठ के तत्वावधान में स्थापित हुई है और संस्कृत भाषा में स्नातोकत्तर पाठ्यक्रम चलाया जाता है. संस्कृत भाषा भारतीय सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत का गोदाम घर है। समग्र भारत की ज्ञान प्रणाली संस्कृत ग्रंथों में लिखा हुआ है । इसलिए, वर्तमान के जरिये अतीत और भविष्यत के बीच संपर्क स्थापना हेतु प्राचीन साहित्य ग्रंथों से ज्ञान लाने की जरूरत है (दोनों वैज्ञानिकी और साहित्यिक) ।

उद्देश्य :

- पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान प्रतिष्ठित संस्कृत प्रोफेसरों को विश्वविद्याल में आंमत्रित करना है
- विभागीय पुस्तकालय की स्थापना करना है;
- संस्कृत साहित्य में एम.फील तथा पीएच.डी. जैसे नये कार्यक्रमों का आरंभ करना ;
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन आयोजित करना है ;
- तुलनात्मक साहित्य, अनुवाद अध्ययन पर जोर ध्यान देना ;
- संस्कृत के विभिन्न पहलूओं पर विभिन्न डिप्लोमा तथा साटिफिकेट पाठ्यक्रमों का आरंभ करना;

- अभिमुखिकरण अध्ययन के विभिन्न सामान्य और प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं को शुरू करना ;
- अन्य विभागों के साथ व्यक्तिगत अथवा संयुक्त रूप से विभिन्न अनुसंधान कार्य के लिए भारत तथा विदेश में संस्थानों के साथ सहयोग;
- इस क्षेत्र के आसपास का व्यापक सर्वेक्षण करना, संग्रह और पांडुलिपियों के संरक्षण का संचालन करना और महत्वपूर्ण संस्करण में प्रकाशित करना ;
- दोनों वैदिक और प्राचीन संस्कृत साहित्य में पूरे वैज्ञानिक और तार्किक ढंग से इनकोडेड भारतीय ज्ञान प्रणाली की क्षमता को समझना;
- आम लोगों के बीच में संस्कृत साहित्य और भाषा को लोकप्रिय करने के लिए विभिन्न विस्तारित कार्यक्रम का आयोजन करना ।

विभाग

१	**विभागाध्यक्ष का नाम**	प्रो. एन. शी. पंडा, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग और अधिष्ठाता, भाषा विद्यापीठ
२	संपर्क विवरण	संस्कृत भाषा विभाग ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय सुनाबेढा, कोरापुट (ओडिशा) ई-मेल: hod.sanskrit@cuo.ac.in
३	शिक्षण सदस्यों का विवरण तथा योग्यतायें	१. प्रो. एन.सी. पंडा, एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी., प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष २. डॉ. बिरेंद्र कुमार सडंगी, एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी., बी.एड, अनुबंध अध्यापक ३. डॉ. श्रीनिवास स्वांई, एम.ए., पीएच.डी., नेट, अतिथि अध्यापक ४. डॉ. चक्रपाणी पोखरेल, एम.ए., पीएच.डी., अतिथि अध्यापक ५. डॉ. आदित्य नारायण दाश, पीएच.डी., अतिथि अध्यापक
४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम का विवरण	संस्कृत भाषा में एम. ए. (दो वर्ष)

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- 25 जनवरी २०२३ को संस्कृत विभाग ने ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने श्रीलंका में बौद्ध धर्म का प्रभाव (अनुराधापुरा और पोलोन्नारुवा काल)ठ पर एक उल्लेखनीय व्याख्यान का आयोजन किया। विशिष्ट अतिथियों में से प्रोफेसर पंतजली मिश्रा, वेद विभाग का अध्यक्ष, काशी हिंदू विश्वविद्यालय और मुख्य वक्ता, कोलंबों के केलानिया विश्वविद्यालय में बौद्ध विचार विभाग के प्रमुख , प्रसिद्ध विद्वान बदिंगल पय्यानलोका थेरो प्रमुख शामिल थे।ठ
- २६ जनवरी २०२३ को ओड़िश केंद्रीय विश्वविद्यालय में संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित एक ऐतिहासिक कार्यक्रम, सरस्वती पूजा महोत्सव विश्वविद्यालय विभागों के भीतर अपनी तरह का पहला महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे, जिसमें काशी हिंदू विश्वविद्यालय के वेद विभाग के प्रमुख प्रोफेसर पतंजिल मिश्रा, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। ज्ञान की प्रतिष्ठित राजधानी से आने वाले, मिश्रा जी इस आयोजन में विशेषज्ञता का खजाना लेकर आए। विशेष अतिथि श्रीलंका के कोलंबो के केलानिया विश्वविद्यालय में बौद्ध विचार विभाग के प्रमुख, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध विद्वान बदिंगल पय्यानलोका थेरो थे।
- विभाग न२६.०१.२०२३ को सरस्वती पूजा के पावन अवसर पर विश्वविद्यालय के परिसर में एक वृक्षरोपण कार्यक्रम आयोजित किया। दिनांक २६.०१.२०२३ को संस्कृत विभाग के नेतृत्व में केंद्रीय ओड़िशा विश्वविद्यालय द्वारा कन्या पूजन महोत्सव आयोजित हुआ था। इस अवसर पर काशी हिंदू विश्वविद्यालय के वेद विभाग के प्रमुख प्रोफेसर पतंजिल मिश्रा, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे और विशेष अतिथि श्रीलंका के कोलंबो के केलानिया विश्वविद्यालय में बौद्ध विचार विभाग के प्रमुख, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध विद्वान बदिंगल पय्यानलोका थेरो थे।
- सरस्वती पूजा के दोपहर के बाद २७.०१.२०२३ को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा 9भारतीय वैदिक अध्ययन परंपरा " शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान माला चली। इस व्याख्यान माला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने की थी। अंतरराष्ट्रीय विख्यात विद्वान प्रो. पतंजली मिश्रा, प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, वैदिक विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया था।
- 'भारत और विदेश में संस्कृत की उपयोगिता ' शीर्षक पर १७-०३-२०२३ से १९-०३-२०२३ तक ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग ने तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन आयोजित किया था ।

समाज विज्ञान विद्यापीठ

समाजविज्ञान विद्यापीठ शैक्षिक गतिविधियों में अन्तर्विषयक दृष्टिकोण के साथ संलग्न करने हेतु अभिनव एवं रचनात्मक विचार के साथ शुरू की गयी है। वर्तमान में इस विद्यापीठ में मास्टर और अनुसंधान कार्यक्रम हैं । इस विद्यापीठ में तीन विभाग कार्यरत है

मानव विज्ञान विभाग

इस विश्वविद्यालय में नृविज्ञान अध्ययन विभाग सन् २००९ से कार्य कर रहा है। छात्रों के चार बैच पहले से ही अपने परास्नातक डिग्री प्राप्त कर चुके हैं। पांचवाँ एवं छठा बैच पूरा कर चुके हैं। छठें एवं सातवें बैच के चल रहा है, शैक्षिक वर्ष२०१३-१४ से नृविज्ञान में एमफील एवं पीएच.डी कार्यक्रम शुरू हुआ है। आईसीटी जैस नवीनतम शिक्षण प्रणाली द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षा दी जा रही है। छात्रों को व्यापक क्षेत्र अनुसंधान प्रशिक्षण के बारे में अवगत किया जाता है और वे भी व्यापक क्षेत्र कार्य के आधार पर शोध प्रबंध तैयार करते हैं। केन्द्र मानव विज्ञान विषय एवं इसके व्यावहारिक पहलुओं के बारे में ज्ञान एवं तकनीकी जानकारी प्रदान कर रहा है। वे संग्रहालय नमूनों की प्रलेखन, औषधीय संरक्षण के प्रसार के लिए संग्रहालय विज्ञान प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके है। विद्यार्थियों को भी चिकित्सा नृविज्ञान, पोषण स्थिति का आकलन, आधुनिक मानव आनुवांशिकी प्रशिक्षण, मानव विज्ञान के फोरेंसिक प्रयोग, सामाजिक प्रभाव का आकलन, विकास कार्य परियोजनाओं का मूल्यांकन एवं निरीक्षण आदि पर प्रशिक्षण दिया जाता है। विद्यार्थियों को जनजातीय अध्ययन के संपूर्ण पहलुओं पर विशेष पाठ्यक्रम दिया जा रहा है।

१	**विभागाध्यक्ष का नाम**	**डॉ. वी.के. श्रीनिवास** **सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष**
२	संपर्क विवरण	मानव वज्ञान अध्ययन विभाग ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय लांगडीगुडा, कोरापुट-७६४०२१ ई-मेल: hod.anth@cuo.ac.in
३	शिक्षण सदस्यों और उनकी शैक्षिक योग्यताएं	1. डॉ. बी.के. श्रीनिवास, एम.ए. , पीएच.डी., सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष 2. डॉ.जयन्त कुमार नायक, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी, यूजीसी (नेट),सहायक प्रोफेसर 3. डॉ. अभिषेक भौमिक, एम.एससी, पीएच.डी, अतिथि अध्यापक 4. डॉ. बसंत कुमार बिंधाणी, एम.एससी., पीएच.डी, अतिथि अध्यापक 5. श्री जितेंद्र कुमार राम, एम.ए., अतिथि अध्यापक
४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण	मानव विज्ञान में २वर्षीय एम.ए/ एवं पीएच.डी

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- इस विभाग में दिनांक १४.११.२०२२ को प्रो. सौम्य रंजन पाढ़ी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय (आईजीएनटीयू), अमरकंटक द्वारा "जनजाति विकास : मुद्दे और चिंताएँ " शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान प्रदान किया ।
- प्रो. अनंत कुमार गिरि, मद्रास विकास अध्ययन संस्थान ने विभाग का परिदर्शन २२.१२.२०२२ को किया थाऔर भारत में "धार्मिक अवशोषण : मानवीय शास्त्रीय परिप्रेक्ष्य" पर एक व्याख्यान प्रदान किया ।
- प्रो. प्रेमानंद पंडा (सेवानिवृत्त) मानव विज्ञान का प्रोफेसर, संबलपुर विश्वविद्यालय और भूतपूर्व निदेशक एससीएसटीआरटीआई, ओडिशा सरकार, भारत ने विभाग का परिदर्शन १९.१२.२०२२ को किया था और "मानव विज्ञान में रोजगार की संभावनाएं और अवसर" शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया था ।
- विभाग ने लंकटपुर ग्राम, कोरापुट ब्लॉक, कोरापुट जिला, ओड़िशा में १८.१०.२०२२ से तक १५ दिनों के लिए एम.एससी मानव विज्ञान के तीसरे सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए अनुभवजन्य फिल्डवर्क प्रशिक्षण आयोजित किया ।
- शैक्षणिक सत्र २०२२-२३ के दौरान इस विभाग में दो अतिथि अध्यापक डॉ. बसंत कुमार बिंधानी और श्री जितेंद्र कुमार राम ने शामिल हुए।
- विभाग के अतिथि डॉ. बसंत कुमार बिंधाणी को उनके शोध कार्य"सिकल सेल वाहक स्थिति और संबंधित सहरुग्णताएं : ओडिशा की अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के बीच एक अध्ययन" पर दिल्ली विश्वविद्यालय से को डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया ।

- विभाग की पूर्व छात्रा क्रिस्टीना रानी लीमा को ओएससी के माध्यम से मानव विज्ञान में व्याख्याता के रूप में चुना गया और ३१.०५.२०२२ को तालचेर स्वयंशासी महाविद्यालय, तालचेर में व्याख्याता के रूप में कार्यभार ग्रहण किया ।
- २२.०८.२०२२ विभाग की पूर्व छात्रा अंकिता स्वांई को भारतीय डाक सेवा में शाखा पोस्टमास्टर के रूप में चुना गया और को ओडिशा के नबरंगपुर जिले के कोडिंगा उप कार्यालय में शाखा पोस्टमास्टर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया ।
- प्रणय देवताले, विभाग के पूर्व छात्र पीएच.डी. में शामिल हुए । २२.१०.२०२२ को सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक, सिक्किम में मानव विभाग में शामिल हुए।
- ०१.११.२०२२ को विभाग के पूर्व छात्र फ्लोरा पट्टनायक गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओड़िशा में मानव विज्ञान विभाग में पीएच.डी. में शामिल हुए ।
- २०.०२.२०२३ को विभाग के पूर्व छात्र सत्यब्रत नायक और गीतांजलि टुडु ने महाराज श्रीराम चंद्र भंज देव विश्वविद्यालय (एमएससीबीयू), बारिपदा, ओड़िशा के मानव विज्ञान विभाग में पीएच.डी. पाठ्यक्रम में शामिल हुए।

समाजशास्त्र विभाग

यह विभाग विश्वविद्यालय की शुरूआत २००९ से काम कर रहा है । यह विभाग समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर और अनुसंधान पाठ्यक्रम (एम.फील. तथा पीएचडी) प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम भारत में समाज, संस्कृति एवं सामाजिक संरचना, समाजशास्त्रीय सिद्धान्त, अनुसंधान प्रणाली, स्वास्थ्य समाजशास्त्र, पर्यावरण समाजशास्त्र, लिंग के समाजशास्त्र, गैरसरकारी संगठन के समाजशास्त्र, विकास के समाजशास्त्र, अपराध एवं विचलन के समाजशास्त्र एवं सामाजिक आन्दोलन के अध्ययन से अभिविन्यस्त है।इस विभाग में दिए जा रहे पाठ्यक्रम अन्तर्विषयक है एवं मानव विज्ञान, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, राजनीति एवं इतिहास जैसे अन्य समाज विज्ञान विषयों से लिया गया है। इस स्तर पर पाठ्यक्रम सांस्कृतिक विश्लेषण, वैश्वीकरण, सामाजिक परिवर्तन एवं विकास, आधुनिक भारतीय सामाजिक विचारक एवं सामाजिक स्तरीकरण, जाति, विवाह, पारिवारिक जीवन एवं रिश्तेदारी, राजनीति, अर्थशास्त्र, धर्म, शहरी जीवन एवं सामाजिक परिवर्तन से उनकी लड़ाई से संबंधित समस्याओं के साथ संबंधित है।

अकादमिक सत्र २०१३-१४ से विभाग में अनुसंधान कार्यक्रम आरंभ हुआ है

विभाग :

१	विभाग अध्यक्ष का नाम	**डॉ. कपिल खेमुंडु, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रभारी**
२	संपर्क विवरण	समाज विज्ञान विभाग ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय सुनाबेढा, कोरापुट (ओडिशा) ई-मेल : hod.sociology@cuo.ac.in
३	शिक्षण सदस्यों तथा उनकी शैक्षिक योग्यताएं	1. डॉ. कपिल खेंमुंडु, एम.ए., एफफील., पीएच.डी., सहायक प्रोफेसर 2. डॉ. आदित्य केशरी मिश्र, एम.ए., एमफील., पीएच.डी., अनुबंध पर अध्यापक 3. डॉ. नुपूर पट्टनायक, एमए., एमफील, पीएच.डी., अनुबंध अध्यापक 4. श्री मानस डाकुआ, एमफील, अतिथि अध्यापक
४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण	समाजशास्त्र में २ वर्षीय एम.ए. एवं पीएच.डी.

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

१. विभाग ने २० नवम्बर २०२१ को रेड रोप (मानव तस्करी पर काम करने वाला संगठन) हैदराबाद के सहयोग से कोविड मानव तस्करी : लिंग परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय स्तर पर वेबिनॉर का आयोजन किया ।

२. विभाग ने २२ दिसम्बर २०२१ को राष्ट्रीय जनजातीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, आईसीएमआर, जबलपुर के सहयोग से स्वास्थ्य निर्धारकों पर सामाजिक विाान के निहितार्थ पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया ।

अर्थशास्त्र विभाग

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के तहत अर्थशास्त्र विभाग की स्थापना २०११ में हुई थी। चार वर्षों के अंदर यह विभाग ओड़िशा राज्य में स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग में एक प्रमुख विभाग बन चुका है। इस विभाग में विभिन्न विशेषज्ञता के साथ पर्याप्त संकाय सदस्य हैं। इसके अलावा विभाग कक्षाओं को लेने और अपनी विशेषज्ञता को साझा करने के लिए राष्ट्रीय प्रतिष्ठित प्रोफेसरों को आमंत्रित करता है।

यह विभाग अर्थशास्त्र में एमए., एमफील और पीएच.डी.के कई उभरे, अनुसंधान अभिमुखित, गाणितिक और इकोनेामेट्रिक आधारित वैकल्पिक पाठ्यक्रम चलाता है। छात्रों में अनुसंधान कौशल को भरने के लिए और रोजगार के लिए विभिन्न उपायों से उन्हें विभाग अनुसंधान विधि और शोध प्रबंध पाठ्यक्रम का आयोजन करता है । भारत में एक अग्रणी शिक्षण और शोध केंद्र के रूप में विभाग, आदिवासी अर्थशास्त्र, विकास अर्थशास्त्र ग्रामीण अर्थशास्त्र, पर्यावरण अर्थशास्त्र, कृषि अर्थशास्त्र आदि के क्षेत्रों में नियमित रूप से क्षेत्र सर्वेक्षण, संगोष्ठियां, सम्मेलन, पैनल चर्चा और इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन करता है।

विभाग का लक्ष्य :

- सर्वोच्च मानक के लिए अपने अनुसंधान और शिक्षण कार्यक्रम को बढ़ाना;
- नवाचार शिक्षण, उन्नत अनुसंधान और जन नीति विश्लेषण पर जोर देते हुए अर्थशास्त्र के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में उबरान;
- जनजाति अर्थशास्त्र, कृषि अर्थशास्त्र, ग्रामीण अर्थशास्त्र के क्षेत्र में व्यापक और गहराई अनुप्रयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा देना और गरीबी तथा मानव विकास और अन्य मुख्य क्षेत्रों पर अध्ययन करना;
- कक्षा के बाहर अर्थशास्त्र को लेना, जिसमें तर्कसंगत निर्णय लेने के लिए छात्रों के बीच कौशल और संवेदनशीलता को सुलझाने में समस्याये ंउत्पन्न करें;
- अंतर अनुशासनिक अध्ययन और शोध के माध्यम से अर्थशास्त्र में ज्ञान बनाना और प्रसारित करना;
- गणितीय, अर्थमिति, कंप्यूटर अनुप्रयोग और उद्योग प्लेसमेंट-उन्मुख पाठ्यक्रमों वाले अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र में एमए की डिगी प्रदान करना;
- आने वाले वर्षों में अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र में पाँच वर्षीय एकीकृत एमए, विकास अध्ययन में एमए और अर्थशास्त्र में पोस्ट-डॉक्टरॉल डिग्री (डी. लिट) जैसे नए शैक्षणिक और अनुसंधान कार्यक्रम शुरु करना ;
- विभिन्न सरकारी और निजी संगठनों से विभिन्न आर्थिक मुद्दों पर छोटी और बड़ी शोध परियोजनाएं लेना ; और
- आर्थिक नीति निर्माण, मूल्यांकन और समीक्षा के पि थिंक-टैंक के रूप में शासन की एजेंसियों के साथ जुड़ना ।

विभाग

१. विभागाध्यक्ष का नाम — **डॉ. मिनती साहु, सहायक प्रोफेसर और विभागध्यक्ष प्रभारी**

२. संपर्क विवरण — अर्थशास्त्र विभाग,
ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय
सुनाबेढ़ा, कोरापुट--७६३००४ (ओड़िशा)
ई-मेल: प्द्.ाम्दहदस्मॅम्ल्र्द्.म्.गह

३. शिक्षण सदस्य और उनकी शैक्षणिक योग्यताएं
1. डॉ. मिनती साहु, एम.ए., एम.फील, यूजीसी-एनईटी, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रभारी
2. श्री प्रशांत कुमार बेहेरा, एम.ए., एम.फील, यूजीसी-एनईटी, सहायक प्रोफेसर
3. श्री बिस्वजित भोई, एम.ए., यूजीसी-एनईटी, सहायक प्रोफेसर
4. डॉ. दोलगोबिंद कुम्भार, पीएच.डी., अतिथि अध्यापक

४. विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम : अर्थशास्त्र में दो वर्षीय एम. ए. और पीएच.डी.

विभाग में शैक्षणिक गतिविधियाँ

- श्री पंडित राजेश उत्तमराव, आईपीएस, डीआईजीपी (दक्षिण पश्चिमी रेंज), कोरापुट द्वारा 10 अगस्त 2022 को 'साइबर सुरक्षा और डिजिटल अर्थव्यवस्था-इसके निहितार्थ'पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

- 2 अगस्त 2022 को 'वैश्विक अर्थशास्त्र परिदृश्य और भारत में इसका महत्व' पर आयोजित विशेष व्याख्यान प्रोफेसर पीएस राणा, अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, एचएनबी गढ़वालविश्वविद्यालय, श्रीनगर द्वारा दिया गया।
- 10 नवंबर 2022 को आयोजित 'सतत विकास' पर एक विशेष व्याख्यान प्रोफेसर मृत्युंजय मिश्रा, प्रोफेसरअर्थशास्त्र विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, यूपी द्वारा दिया गया।
- द्वारा का आयोजन किया गया। मृत्युंजय मिश्रा, प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, यूपी।
- 10 फरवरी 2023 को आयोजित 'वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था: अतीत के अनुभव और वर्तमान परिदृश्य' पर विशेष व्याख्यान प्रोफेसर एम. प्रसाद राव, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, और पूर्व रेक्टर,आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनमद्वारा दिया गया।
- 1 फरवरी 2023 को 'केंद्रीय बजट-2023-24' पर आयोजित विशेष व्याख्यान प्रो. दुखबंधु साहू, प्रमुख, मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन, आईआईटी भुवनेश्वर द्वारा दिया गया ।
- 2 -29 मार्च 2023 को ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय केअर्थशास्त्र विभाग एवं पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के संयुक्त प्रयास से "भारत में विकास की यात्रा: स्वतंत्रता के वें वर्ष में आर्थिक एवं संचार परिदृश्य पर चिंतन" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय संसाधन व्यक्ति श्री प्रभु चावला, प्रख्यात पत्रकार और न्यू इंडियन एक्सप्रेस समूह के कार्यकारी संपादक थे; डॉ।.मटिल्डा एडुसी, ट्यूरिन विश्वविद्यालय; प्रो संजय कुमार साहा, अर्थशास्त्र के प्रोफेसर, एमबीएसटीयू, बांग्लादेश; 'दमन' फेम प्रसिद्ध फिल्म निर्माता देवी प्रसाद लेंका; प्रो प्रशांत पंडा,प्रोफेसर एवं विभाग प्रमुख अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, फैसल करीमी, अफगानिस्तान के एक प्रख्यात पत्रकार और विद्वान, सेंट। जोस स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए, डॉ. प्रदीप पंडा, आर्थिकक्षेत्र के प्रमुख, एसडीजी, योजना एवं अभिसरण विभाग, सरकार। ओडिशा के प्रो. तापस मिश्रा, प्रोफेसर औरबैंकिंग एवं वित्त प्रमुख, साउथैम्पटन विश्वविद्यालय, यूके, प्रो. मो. सहीदुल्लाह, प्रोफेसर, जनसंचार विभाग,चटगांव विश्वविद्यालय, बांग्लादेश; प्रोफेसर पी बॉबी वर्धन, पूर्व एचओडी और प्रोफेसर, जे एंड एमसी विभाग,आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम; प्रो सतत सामाजिक परिवर्तन के लिए संचार हेतु यूनेस्को के अध्यक्षजन सर्वेस, प्रो. केशव दास, विजिटिंग प्रोफेसर, मानव विकास संस्थान, नई दिल्ली, प्रोफेसर अरुण भगत,संचार प्रोफेसर और सदस्य, बिहार लोक सेवा आयोग।

शिक्षा एवं शैक्षिक तकनीकी विद्यापीठ

शिक्षा एंव शैक्षिक तकनीकी विद्यापीठ में दो विभाग हैं एक है पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग और दूसरा है शिक्षक शिक्षा विभाग।

पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग

पत्रकारिता तथा जन संचार केंद्र की शुरुआत वर्ष२००९ में हुई। तीन सालों से कम समय में एक प्रमुख पत्रकारिता विभाग के रूप में ओड़िशा राज्य में स्वयं को चिह्नित किया है। केंद्र में मल्टि मिडिया प्रयोगशाला सहित इंटेरनेट कनेक्शन और अंतिम सॉफ्टवेयार सुविधा उपलब्ध है। केंद्र के पास अंतिम स्टिल तथा विडियो कैमरा उपलब्ध हैं। छात्रों को समग्र देश के अग्रणी मिडिया हाऊसों में एक महीने का कठोर प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है और उनमें से कई छात्रों को अग्रणी समाचार पत्र, टेलीविजन चैनलों, जन संपर्क संगठनों,एनजीओ आदि में नियुक्ति मिली है । केंद्र पत्रकारिता तथा जन संचार में एम.फिल तथा पीएच.डी. कार्यक्रम को चला रहा है। भविष्य में अल्पावधि पाठ्यक्रम चालू करने की योजना है ।

लक्ष्य

- मिडिया शिक्षा तथा पेशेवर प्रशिक्षण दिलाना।
- ओड़िशाराज्य के साथ साथ के अविभाज्य कोरापुट जिले के विकास के लिए संपर्क साधन और पारम्परिक साधनों का अध्ययन करना तथा उपयोग करना।
- क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय संचरण के लिए कोरापुट सहित ओड़िशा के परिपूर्ण संस्कृति तथा विरासत पर दृश्य तथा श्रव्य कार्यक्रमों और सामुदायिक समाचार पत्रों का प्रकाशन के उत्पादन के लिए एक नोडल केंद्र के रूप में काम करना।
- क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग के माध्यम से मिडिया संसाधन एवं अनुसंधान केंद्र के रूप में काम करना ।
- विभिन्न स्तरों में काम करने के लिए एक उत्कृष्ट पेशेवर बनाने के लिए पिछड़े क्षेत्र के युवाओं को शिक्षा तथा प्रशिक्षण देना ।
- प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में गुणवत्तापूर्ण शोध लेख तैयार करना ।

विभाग

१	विभागाध्यक्ष का नाम	**डॉ. सौरव गुप्ता** सहायक प्रोफेसर एवं प्रभारी विभागाध्यक्ष
२	संपर्क विवरण	पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट- 3004, ओडिशा ई-मेल : hod.jmc@cuo.ac.in
३	शिक्षकगण तथा उनकी योग्यताएँ	1. प्रो. सुनील कांता बेहरा, पीएच.डी.,अतिथि प्राध्यापक 2. डॉ. प्रदोष के रथ, एम.ए. (इको.), एमजेएमसी, पीएच.डी.,सहायक प्रोफेसर 3. डॉ. सौरव गुप्ता, पीएच.डी., एम.ए. जेएंडएमसी में सहायक प्रोफेसर 4. डॉ. सोनी पारही, एमजेएमसी, पीएच.डी., अनुबंध पर व्याख्याता . सुश्री तलत जहां बेगम, एम.ए. जे एंड एमसी में, अनुबंध पर व्याख्याता
४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	एम.ए. जे एंड एमसी में (2 वर्ष), एम.फिल. (1 वर्ष) और च.डी. जे एंड एमसी मेंपीएच.डी.

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- सत्ताईस छात्र एम.ए. उत्तीर्ण हुए। इस अवधि में जे एंड एमसी कार्यक्रम में एमएस। ड्रिस्या ए आर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- श्रीमान. दिव्यज्योति दत्ता को एम.फिल. से सम्मानित किया गया। इस अवधि के दौरान जे एंड एमसी में डिग्री। उन्होंने अपना शोध डॉक्टर सौरव गुप्ता के मार्गदर्शन में पूरा किया।
- चौथे सेमेस्टर के 1 छात्रों ने इस अवधि में विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों जैसे द न्यू इंडियन एक्सप्रेस, नंदीघोषा टीवी, आर्गस न्यूज, यूनिसेफ आदि से अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।
- श्रीमान. रागुला देवेन्द्र, पीएच.डी. स्कॉलर का चयन सरकार के 'नो योर लीडर' प्रोग्राम के तहत किया गया था। भारत के और 23 जनवरी 2023 को संसद के सेंट्रल हॉल में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के सम्मान समारोह में भाग लिया। उन्होंने प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत सत्र में भी भाग लिया।
- विभाग के छात्र। 1 -2 मार्च और 2 -29 मार्च 2023 तक विश्वविद्यालय में आयोजित पांच अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों की वीडियो और फोटो प्रलेखन गतिविधि सफलतापूर्वक की है। उन्होंने डोला जैसे विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों/कार्यक्रमों में सफलतापूर्वक एंकरिंग/वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी भी की है। परबा, वृक्ष रोपण और कन्या पूजन और विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न विशेष व्याख्यान/सेमिनार/कार्यशालाएँ आयोजित किए गए।
- विभाग के छात्र=1 अप्रैल 2023 को ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय में माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री, भारत सरकार, श्री धर्मेंद्र प्रधान की यात्रा परसफलतापूर्वक एक लघु फिल्म तैयार की है।
- विभाग के तीन पासआउटछात्र। ओपीएससी परीक्षा 2023 उत्तीर्ण करने के बाद एसडीआईपीआरओ के पद के लिए चयनित हुए। वे हैं सुश्री तनुजा मोहंती, श्री. प्रह्लाद काशला और श्री. अविनाश पानी.
- 1 नवंबर 2022 को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर प्रो. बलदेव भाई शर्मा, माननीय कुलपति, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ.ने विभाग का दौराकिया। और छात्रों से बातचीत की. उन्होंने 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 में भारतीय वोध' (एनईपी-2020 में भारतीय लोकाचार) विषय पर एक विशेष व्याख्यान भी दिया।
- श्रीमान अविजीत मंडल, संकाय सदस्य, विभाग। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, गुरुदास कॉलेज, कोलकाता और पूर्व डिजिटल प्रमुख, संगबाद प्रतिदिन, कोलकाता ने 23 से 2 जनवरी 2023 तक न्यू मीडिया टेक्नोलॉजी में व्यावहारिक कक्षाएं लेने के लिए विभाग का दौरा किया।
- श्रीमान अनुज कुमार दास ने गूगल न्यूज इनिशिएटिव केइंडिया ट्रेनिंग नेटवर्कट्रेनर विभाग का दौरा किया। 24 जनवरी 2023 को उददुत समाचार पहल, भारत के 'गलत सूचना के खिलाफ भारत भर में पत्रकारों और मीडिया शिक्षकों का समर्थन' कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए।
- विभाग द्वारा 'मीडिया लेखन' पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। शैव्ण के छात्रों के लिए। उक्त कार्यशाला में सीयूओ के निम्नलिखित सम्मानित प्रोफेसरों ने संसाधन व्यक्तियों के रूप में भाग लिया।

प्रो .जे बी पांडे - 9 फरवरी 2023

प्रो. एच एस महापात्र - 1 फरवरी 2023

प्रो. पी सी पटनायक - मार्च 2023

- प्रो. ओम प्रकाश सिंह, पूर्व निदेशक, एमएमएम पत्रकारिता संस्थान, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, उत्तर प्रदेश ने 20 मार्च 2023 को विभाग का दौरा किया और 'बुनियादी अवधारणाओं के साथ भारतीय परिप्रेक्ष्य में संचार' विषय पर एमएजेएमसी छात्रों के लिए एक विशेष व्याख्यान दिया।
- अर्थशास्त्र विभाग और पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने संयुक्त रूप से 2 -29 मार्च 2023 को हाइब्रिड मोड में 'भारत में विकास की यात्रा : स्वतंत्रता के वें वर्ष में आर्थिक और संचार परिदृश्य पर विचार' शीर्षक से एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। प्रोफेसर चक्रधर त्रिपाठी, माननीय कुलपति ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। श्री प्रभु चावला, संपादकीय निदेशक, द न्यू इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप, नई दिल्ली ने मुख्य भाषण दिया, और डॉ. मटिल्डे अडुसी, इतिहास के व्याख्याता, इंस्टीट्यूशन ऑफ एशिया, यूनिवर्सिटी ऑफ ट्यूरिन (इटली) ने सम्मेलन का समापन भाषण दिया।

  ●श्रीमान. तेलाराम मेहर विभाग में अतिथि संकाय के रूप में 11 जनवरी 2023 को शामिल हुए।
- सीयूओ के पहले अंतरराष्ट्रीय विद्वान, बांग्लादेश के श्री दिब्यज्योति दत्ता को डॉ. सौरव गुप्ता की देखरेख में हिंदी फिल्मों में बांग्लादेश मुक्ति युद्ध का चित्रण-एक सामाजिक सांकेतिकता विश्लेषण नामक उनके शोध प्रबंधन के लिए दिनांक 2 .09.2022 एमफिल की डिग्री प्रदान की गई।

शिक्षा विभाग

अध्यापक शिक्षा केंद्र वर्ष २०१३ में शुरू हुआ है। इस केंद्र का लक्ष्य है आवश्यक कौशल तथा योग्यतायें प्रदान करके और अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम के अद्यतन तत्वों को देकर हमारे देश के लिए दूरदर्शी अध्यापक तैयार करना। जैसा कि यह केंद्र दूरदर्शी अध्यापकों को तैयार करता है, शिक्षक शिक्षा विभाग अत्याधुनिक शैक्षिक पद्धतियों और शिक्षाविदों के माध्यम से मानव पूंजी को मोल्डिंग का लक्ष्य रखता है । विभाग एक और सभी को शिक्षा प्रदान करने के अपने कारण के प्रति समर्पित है। यह अपने प्रयास में शिक्षकों को अपनी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और नवाचार के लिए आवश्यक परिवर्तनों को शामिल करने की क्षमता के साथ रहेगा। चार वर्षो की अवधि के भीतर, भारत में खुद को प्रमुख शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में से एक के रूप में चिह्नित किया है।

उद्देश्य

- सूचना तथा संचार तकनीकी संसाधन केंद्र, पाठ्यक्रम संसाधन केंद्र, विज्ञान ससांधन केंद्र, कला तथा शिल्प संसाधन केंद्र, शारीरिक शिक्षा संसाधन केंद्र, मनोविज्ञान संसाधन केंद्र, कंप्यूटर प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय और विभागीय प्लेसमेंट कक्ष की स्थापना करना है ।
- इस विभाग का लक्ष्य है भविष्य में शिक्षा में मास्टर डिग्री कार्यक्रम को प्रारंभ करना है ।
- शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में वार्षिक सम्मेलन/कार्यशाला/सम्मेलनों का आयोजन किया ।
- व्यक्तिगत रूप से या संयुक्त रूप से अनुसंधान करने के लिए देश अथवा विदेश में अन्य विभागों के संस्थानों के समझौता करना ।
- पूरे शैक्षणिक सत्र में शिक्षक शिक्षा में प्रतिष्ठित प्रोफेसरों को आमंत्रित करना ।
- प्रत्येक शैक्षणिक सत्र के छात्रों को दोनों शिक्षण अभ्यास और प्लेसमेंट के लिए आस पास के विद्यालयों से समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित करना ।

विभाग

1	**अधिष्ठाता तथा मुख्य का नाम**	**डॉ. रमेंद्र कुमार पाढ़ी,** **सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी**
2	संपर्क के लिए विवरण	अध्यापक शिक्षा विभाग ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, सुनाबेढ़ा, कोरापुट-७६४०२३, , ओड़िशा ई-मेल: ramendraparhi@gmail.com
3	शिक्षण सदस्यों और उनकी योग्यता	१. डॉ. रमेंद्र कुमार पाढ़ी, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रभारी, एम.ए., एम.एड, एम.फील,पीजीडीजीसी (एनसीआरटी), यूजीसी-नेट

1. श्री के. वी. नरसिंह राव, एम.ए. (अंग्रेजी), एम.इडी, अनुबंध अध्यापक
2. श्री अक्षय कुमार भोई, एमए. एमफील, यूजीसी-नेट, अनुबंध अध्यापक
3. डॉ. पी. विलियम बनर्जी, एम एससी, एमइडी, एमफील, पीएच.डी.

4. डॉ. पार्थ प्रतिम दास, मास्टर इन विजुएल आर्ट, पीएच.डी, अतिथि अध्यापक

4. विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम: शिक्षा में स्नातक (बी.एड़) (दो वर्षीय), और पीएच. डी.

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियॉ :

- दिनांक25 नवम्बर 2022 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2022 कार्यान्वयन में अवसर एवं चुनौतियाँ शीर्षक पर एक संगोष्ठी व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया । प्रो. गौरांग चंद्र नंद, भूतपूर्व अधिष्ठाता, सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, शिक्षा विभाग का विभागाध्यक्ष, और भूतपूर्व अध्यक्ष, अधिष्ठाता परिषद, रेवेंसा विश्वविद्यालय, कटक ने एक विशेष व्याख्यान दिया।
- शिक्षा विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने दिनांक 26 और 27 मार्च2023 को क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भुवनेश्वर में विकासर्थे विद्यार्थी ट्रस्ट के सहयोग से दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन "स्वाबलंबी भारत : आत्म निर्भर ओड़िशा का निर्माण " शीर्षक पर आयोजित किया । स्वाबलंबी के लक्ष्य के अनुरूप दो दिवसीय संगोष्ठी में भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों की संभावनाओं और चुनौतियों का पता लगाने का प्रयास किया गया । चर्चा का उद्देश्य उद्यमिता, कौशल विकास और प्रशिक्षण के अवसरों से संबंधित जागरुकता पैदा करने और महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्रों का प्रबंधन करने के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण का निर्माण करना था जो देश को आर्थिक रूप से पुनजीर्वित करने में मदद करेगा और समक्र समाज के स्वस्थ विकास में योगदान देगा । बौद्धिक चर्चाओं का उद्देश्य राष्ट्रीय विचार विकसित करना है, जिससे युवाओं को स्थायी आधार पर रोजगार प्राप्त करने में सुविधा होगी जो उत्पादक भी बनेंगे । इस संगोष्ठी का उद्घाटन कई अतिथियों ने किया जिसमें शामिल हैं प्रो. चक्रधर त्रिपाठी, कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय और प्रो. श्रीपद कर्मकार, निदेशक, आईआईटी, भुवनेश्वर। मंच पर उपस्थित थे इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रमेंद्र कुमार पारही, विभागाध्यक्ष प्रभारी, शिक्षा विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, और डॉ. रमण त्रिवेदी, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, जलीय पर्यावरण प्रबंधन, पश्चिम बंगाल मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय । बैठक के बाद पूर्ण सत्र आयेजित किया गया जहां पूरे भारत के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों ने व्याख्यान दिए। इनमें शामिल हैं प्रो. पी.सी. अग्रवाल, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, डॉ. अनुपम ज्ञान, डीजीएम, राष्ट्रीय लघु उस्त्रोग निमग, प्रो. सुधेंदु मंडल, सलाहाकार (शैक्षणिक और प्रशासन) सीयूओ, डॉ. जितेंद्र कुमार सुंदरराय, मुख्य वैज्ञानिक, आईसीएआर-सीआईएफए, भुवनेश्वर, डॉ नगेश बारिक, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईसीएआर-सीआईएफए, भुवनेश्वर, प्रो. के.सी. साहु, शिक्षा विभाग, विश्वभारती शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, देवीप्रसाद पृष्टि, सामाजिक कार्यकर्ता, भुवनेश्वर, प्रदीप कुमार मिश्र, भूतपूर्व उप-निदेशक, एमएसएमई विभाग, भारत सरकार, प्रो. कौशल किशोर, अधिष्ठाता और विभागाध्यक्ष, शिक्षक शिक्षा विभाग, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया, प्रो. डॉ. बिनय भूषण जेना, प्रोफेसर, एनआईएफटी, भुवनेश्वर, डॉ.प्रताप चंद्र पाढ़ी, मुख्य प्रबंधक और प्राचार्य, केंद्रीय पेट्रोलियम रासायनिक अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी संस्थान,सीपेट, पी.के. चौधूरी, डीजीएम, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक। इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और संस्थानों के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों, संकास सदस्यों, अनुसंधान विद्वानों और छात्रों ने भाग लिया ।
- एक शिल्प प्रदर्शन दिनांक 06.12.2022 को सुनाबेढा परिसर में शिक्षा विभाग के द्वारा आयोजित हुआ था। यह कार्यक्रम माननीय कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रो. चक्रधर त्रिपाठी द्वारा हुआ था। विभाग के प्रशिक्षु शिक्षकों द्वारा, संकाय सदस्यों और विभागाध्यक्ष प्रभारी डॉ. रमेंद्र कुमार पारही की प्रत्यक्ष देखरेख में शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया । डॉ. पार्थ प्रीतम दास के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग के प्रशिक्षु शिक्षकों द्वारा तैयार और प्रदर्शित पेंटिंग, मूर्तिकला, कागज शिल्प, सजावटी शिल्प, कार्यात्मक शिल्प और फैशल शिल्प और ग्रीटिंग कार्ड तैयार और प्रदशित किए गए और सभी विभागों के छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने शिल्प प्रदर्शनी का दौरा किया और शिल्प प्रदर्शनी के बारे में अपनी प्रतिक्रिया और टिप्पणी दीं।
- 17 जनवरी 2023 से 24 जनवरी 2023 तक शिक्षण और सीखने हेतु नवोदय विद्यज्ञलय, ओड़िशा आदर्श विद्यालय, एकल्वय मॉडल आवासीय विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय, दिव्यांग बच्चों के स्कूल, कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय, शिक्षाशास्त्र और शिक्षण के विभिन्न नवोन्मेषी केंद्रों का एक्सपोजर विजिट अच्छी प्रथाओं के बारे में समझ को विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था ।
- विभिन्न अभ्यास विद्यालयों जैसे जगन्नाथ विद्यापीठ, सुनाबेढा, सरकारी उच्च विद्यालय, सिमलीगुडा, सरकारी उच्च विद्यालय, निगमानीगुडा, डुमुरीपीट, जीवन ज्योति पब्लिक विद्यालय, सिमलीगुडा, एडीएवी उच्च विद्यालय, सुनाबेढा -II और श्री अरबिंद इंटीग्रेल स्कूल विद्यालय में 12.09.2022 से 09.12.2022 तक की अवधि के लिए तीसरे सेमेस्टर बीएड के प्रशिक्षु शिक्षकों के लिए स्कूल इंटरशीप गतिविधियाँ आयोजित की गई।
- 28.11.2022 को पडोसी गांव डुगुरीपुट के पास लिम्का गांव में विभाग के प्रशिक्षु शिक्षकों द्वारा शैक्षिक सर्वेक्षण एवं पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

गणित विज्ञान विभाग

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के मौलिक एवं सूचना विज्ञान विद्यापीठ के अन्तर्गत गणित विभाग ने शैक्षिक वर्ष२०११-१२से पांच वर्षीय एकीकृत स्नातकोत्तर विज्ञान पाठ्यक्रम और शैक्षणिक वर्ष२०२१-२२ से गणित विज्ञान में पीएच.डी. पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया है।

.

उद्देश्य

- पूरे शैक्षणिक सत्र गणित विज्ञान में प्रख्यात प्रोफेसर के पैनल को आमंत्रित करना ;
- विभागीय नियोजन प्रकोष्ठ, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, अनुरूप संगणन प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय आदि की स्थापना।
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलनों का आयोजन करना।
- निम्न सूचित को शुरू करना: चूँकि २१वीं सदी गणितीय विज्ञान का युग बनने जा रहा है ऐसे में शोध कार्य के संदर्भ में जीनोमिक्स, जीव विज्ञान एवं पारिस्थितिकी जैसे विविध क्षेत्रों में गणित/सांख्यिकी का प्रयोग।

विभाग

१	विभागाध्यक्ष का नाम	**डॉ. ज्योतिस्का दत्त, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष (प्रभारी)**
२	संपर्क विवरण	गणित विज्ञान विभाग ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, सुनाबेढ़ा, कोरापुट-७६४०२३, ओड़िशा ई-मेल : hod.math@cuo.ac.in
३.	शिक्षण सदस्य तथा उनकी योग्यता	1. डॉ. ज्योतिस्का दत्ता, पीएच.(आईआईटी, धनवाद), एमफील, (आईएसएम, धनवाद), एम.एससी., (आईआईटी कानपुर) सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रभारी 2. श्री रमेश चंद्र मैती, एमसीए, अनुबंध अध्यापक (कंप्यूटर विज्ञान) 3. डॉ. दीपक राउत, एम.एससी, पीएचडी (बीएचयू), अनुबंध अध्यापक 4. डॉ. आनंद बिस्वास, एम.एससी, पीएच.डी., (कल्याणी विश्वविद्यालय , अनुबंध अध्यापक 5. डॉ. महेंद्र गोरे, पीएच.डी., अतिथि अध्यापक 6. डॉ. वीएसएसएन गोपाल पुलाभटला, पीएच.डी., अतिथि अध्यापक
४.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम :	गणित विज्ञान में पांच वर्षीय एकीकृत एम.एससी और गणित विज्ञान में पीएच.डी.

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- श्री अतिश कुमार सेठी, पीएच.डी. छात्र ने 04.04.2022 से 08.04.2022 तक गणित विभाग, राष्ट्रीय प्रौगोकिी संस्थान, तिरुचिरापल्ली द्वारा बिगिनरों के लिए MATLAB और LaTeX पर आयोजित एक कार्यशाला सफलतापूर्वक पूरा किया
- श्री अतिश कुमार सेठी, पीएच.डी. छात्र मई से जून तक इंडियन मैथमेटिकॉल सोसाइटी और गुजरात काउंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित विभेदक समीकरणों और वास्तविक विश्व अनुप्रयोग में उबरते क्षेत्रों (ईएडीईआरडब्ल्यूए) पर एक कार्यशाला सफलतापूर्वक पूरी की।
- श्री अतिश कुमार सेठी, पीएच.डी. छात्र ने 13.10.2022 को आयोजित डॉक्टरॉल अनुसंधान समिति (डीआरसी) बैठक में "इको-एपिडेमिकयोलॉजिकल सिस्अम का गतिशील व्यवहार : एक मॉडलिंग दृष्टिकोण "विषय पर अपना शोध प्रस्ताव प्रस्तुत किया ।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

बैचलर इन कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) कार्यक्रम शुरू में गणित विभाग के तहत शुरू किया गया था। वर्तमान में, कार्यक्रम उसी स्कूल के तहत कंप्यूटर विज्ञान के नवगठित विभाग के तहत जारी रखा जा रहा है। बैचलर इनकंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) कार्यक्रम को शैक्षणिक सत्र 2021-2022 से प्रवेश के लिए बंद कर दिया गया है, और एक नया कार्यक्रम, एम.एससी. कंप्यूटर विज्ञान में, शैक्षणिक सत्र 2021-2022 से शुरू किया गया है।

उद्देश्य

- पूरे शैक्षणिक सत्र में कंप्यूटर विज्ञान में प्रख्यात प्रोफेसर को आमंत्रित करना ;
- विभागीय नियोजन प्रकोष्ठ, कंप्यूटर प्रयोगशाला, पैरालाल कंप्यूटिंग प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय की स्थापना करना;
- कंप्यूटर विज्ञान में एमसीए/एम.टेक /पीएच.डी नये पाठ्यक्रमों का आरंभ करना और
- वार्षिक संगोष्ठी, कार्यशाला और सम्मेलनों का आयोजन करना।

विभाग

1	विभागाध्यक्ष का नाम	**डॉ.ज्योतिस्का दत्ता, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रभारी**
2	संपर्क विवरण	कंप्यूटर विज्ञान विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट सुनाबेढा, कोरापुट 763004ओडिशा ई-मेल:hod.cs@cuo.ac.in
3.	शिक्षण सदस्य तथा उनकी योग्यता	1.श्री सुशांत कुमार एम.एससी (कंप्यूटर विज्ञान) एम.टेक (सीएसइ), अनुबंधर पर व्याख्याता 2. श्री पतितपाबन रथ, एमसीए, एमटेक (सीएसइ) अनुबंधर पर व्याख्याता 3. श्री संदीप कुमार साहह, एम.एससी (कंप्यूटर विज्ञान) एम.टेक (सीएसइ), अनुबंधर पर व्याख्याता 4. डॉ. सर्वेश्वर बारिक, पीएच.डी. (गणित विज्ञान) अनुबंधर पर व्याख्याता
4.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम :	बीसीए (3 वर्ष) कंप्यूटर विज्ञान में एम.एससी.

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

कंप्यूटर विज्ञान विभाग बीसीए 2022 की कक्षा के लिए एक जबरदस्त नौकरी की पेशकश लेकर आया है। हमारे मेधावी छात्रों को उनकी डिग्री पूरी होने के बाद प्रतिष्ठित संगठनों में प्रतिष्ठित नौकरी की पेशकश की जातीहै। विभाग ने छात्रों को परम संतुष्टि प्रदान की है ताकि वे अपनी योग्यता और कौशल के अनुसार आईटी क्षेत्र में अपनी पहचान बना सकें। कुछ छात्रों ने सरकारी क्षेत्र से नौकरियां भी हासिल की हैं, और कुछ अपनाखुद का स्टार्टअप बनाने के लिए इच्छुक हैं। इनमें से कुछ नाम हैं, आशुतोष मिश्रा और उषा मानसिंह को विप्रो लिमिटेड में नौकरी मिली है। रुदीश कुमार डाकुआ को अमेजन के साथ-साथ विप्रो से भी नौकरी के ऑफर मिले। रोहन खारा ने अपना स्टार्टअप शुरु किया है और इमैनुएल हेम्ब्रम ओडिशा सरकार में के हालांकि उन्हें सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नौकरी का प्रस्ताव मिला।

जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ

जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग

जैवविविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग अध्ययन एवं समझने के लिए देश के भीतर तथा बाहर लाखों छात्रों के लिए प्रवेश द्वार खोल दिया है और जैव विविधता के गूढ़ रहस्य को समझने के लिए एवं समाज की आवश्यकता को पूरा करने के लिए आउटपुट प्रदान करती है। ओड़िशा एक समृद्ध एवं यहाँ जैवविविधता के साथ विभिन्न अनुसंधान के लिए अपार क्षमता है।

उद्देश्य

- कोरापुट एवं राज्य के निकटस्थ जिलों के जैव विविधता का अध्ययन करना,
- जैव विविधता क्षेत्र का मैपिंग करना एवं खतरे एवं स्थानिक प्रजातियों के संरक्षण के लिए उपाय सुझाना ,
- कोरापुट के आस-पास इलाके वनों की कार्बन जब्ती क्षमता की निगरानी करना,
- इस क्षेत्र की मौजूदा वनस्पतियों और जीव से कैरोटीन जैसे जैवसक्रिय पदार्थ निकालना और आजीविका उन्नयन कार्यक्रमों के साथ जोड़ना

- इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करने के लिए तटीय समुदायों के लिए मछली खाद्य को विकसित करना,
- जलवायु परिवर्तन की समस्याओं का मुकाबला करने के लिए विशिष्ट प्रजातियों के वृक्षारोपर्ण कार्यक्रम आरंभ करना।

यह विभाग जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण (बीसीएनआर) में मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम प्रदान करता है। पाठ्यक्रम विकास सलाहाकार समिति ने मास्टर कार्यक्रम के लिए एक अभिनव और रचनात्मक आवश्यकता आधारित पाठ्यक्रम संरचना निकला है। शैक्षणिक सत्र 2014-15 से विभाग में अनुसंधान कार्यक्रम (एम.फील तथा पीएच.डी.) का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ

विभाग

1	विभागाध्यक्ष का नाम	**प्रो. शरत कुमार पालित, प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष** **डीबीसीएनआर और अधिष्ठाता बीसीएनआर विद्यापीठ**
2	संपर्क विवरण	जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय,कोरापुट764021, ओडिशा ई-मेल: hod.bcnr@cuo.ac.in; skpalita@gmail.com दूरभाष: (06852) 288221
3.	शिक्षण सदस्य और उनकी योग्यताएं	1. प्रो. शरत कुमार पालित, एस.एससी.एम.फील,पीएच.डी., प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, एसबीसीएनआर 2. डॉ. कोकिला बनर्जी, एस.एससी, पीएच.डी., सहायक प्रोफेसर 3. डॉ. देबब्रत पंडा, एस.एससी., एम.फील., पीएच.डी., सीएसआईआर/यूजीसी-नेट, सहायक प्रोफेसर
4.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम :	जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण में एम.एससी. (दो वर्षीय) , एम.फील., (एक वर्ष) और बीसीएनआर में पीएच.डी.

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- डा. अशोकतरु बारात, प्रधान वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त), आईसीएआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफफ्रेशवाटर एक्वाकल्चर (सीआईएफए), कौशल्यागंग, भुवनेश्वर ने विभाग का दौरा किया। 21 से 23 फरवरी तक. 2023 और दूसरे सेमेस सेमेस्टर के छात्रों के लिए जैव विविधता मूल्यांकन के लिए आणविक तकनीकों पर सिद्धांत और व्यावहारिक कक्षाएं लीं।
- डॉ. अशोकतरु बारात, प्रधान वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त), आईसीएआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ ेशवाटर एक्वाकल्चर (सीआईएफए), कौशल्यागंग, भुवनेश्वर ने 22 फरवरी 2023 को "आणविक तकनीक और जैव विविधता मूल्यांकन" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।
- प्रो. एस.पी. अधिकारी, पूर्व कुलपति, एफ.एम. विश्वविद्यालय बालेश्वर और जैव प्रौद्योगिकी के पूर्व प्रोफेसर, विश्व भारती शांतिनिकेतन ने विभाग का दौरा किया। और 1 नवंबर 2022 को"शैवाल ..." पर एक विशेष व्याख्यान दिया।
- सुश्री. मोनाली नंदा विभाग में प्रोजेक्ट फेलो के रूप में शामिल हुईं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी,आडिशा सरकार द्वारा वित्त पोषित देवब्रत पंडा, प्रोफेसर, डीबीसीएनआर, प्रधान षक के रूप में सहायक को स्वीकृत 'कोरापुट, के आदिवासियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले कम उपयोग वाले जंगली रतालू (डायस्कोरिया एसपीपी) की मेटाबोलाइट प्रोफाइलिंग और बायोप्रोस्पेक्टिंग' नामक एक अनुसंधान परियोजना अन्वेषक के रूप में ।
- रिसर्च स्कॉलर श्री. प्रकाश पारासेठ को "ओडिशा े पूर्वी घाट के उष्णकटिबंधीय पर्णपाती जंगलों में भूमिगत बायोमास और भूमिगत कार्बन के आकलन के लिए एक उपकरण के रूप में वृक्ष एलोमेट्री" शीर्षक वाले शोध पत्र के लिए युवा शोधकर्ता पुरस्कार 2023 और उसी पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुतकर्ता पुरस्कार (तकनीकी सत्र घ्घ) प्राप्त हुआ। ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय सम्मेलन : प्रभाव और लचीलापन, वनस्पति विज्ञान विभाग, महाराजा श्रीराम चंदभंज देव विश्वविद्यालय, बारीपदा द्वारा 24-2 मार्च 2023 तक आयोजित किया गया।
- रिसर्च स्कॉलर श्री प्रमोद कुमार बिंदानी को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन :भाव और लचीलापन पर महाराजा श्रीराम चंद्र भांजा देव विश्वविद्यालय, बारीपदा में 24-2 मार्च 2023 तक आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत के पूर्वी तट में समुद्री मछली विविधता पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव" विषय पर तकनीकी सत्र घ्घ में कुमार बिंदानी को सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुतकर्ता का पुरस्कार मिला।

- रिसर्च स्कॉलर कु. जी जयंती रेड्डी को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन : प्रभाव और लचीलापन पर महाराजा श्रीराम चंद्र भांजा देव विश्वविद्यालय, बारीपदा में 24-2 मार्च 2023 तक आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत के पूर्वी तट में समुद्री मछली विविधता पर जलवायु ारिवर्तन के प्रभाव" विषय पर तकनीकी सत्र छ्छ में सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुतकर्ता का पुरस्कार मिला। , ।
- रिसर्च स्कॉलर कु. प्रियांजोली रॉय को 1 से 19 फरवरी 2023 के दौरान कोरल, आईआईटी, खडग़पुर, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन पर तीसरी अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला - 2023 (ँग्ण-2023) में दूसरे सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- रिसर्च स्कॉलर्सश्री. प्रफुल्ल कुमार बेहरा एवं श्री प्रकाश कुमार परसेठ को 21 से 23 दिसंबर 2022 के दौरान कोरापुट में ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा "पर्यावरण और जनजातियाँ" विषय पर आयोजित "13वीं ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस 2022" में डॉ.अजय परिडा युवा वैज्ञानिक पुरस्कार मिला।
- रिसर्च स्कॉलर कु. अलौकिका पंडा को 22 से 23 जून 2022 तक जैव प्रौद्योगिकी विभाग, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, सेंचुरियन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैने मैनेजमेंट, ओडिशा द्वारा आयोजित "जैव प्रौद्योगिकी में हालिया रुझान- 2022" में पोस्टर प्रस्तुति के लिए तीसरा पुरस्कार मिला।

वाणिज्य एवं प्रबधन अध्ययन विद्यापीठ

व्यापार प्रबंधन विभाग

शैक्षणिक सत्र 2014-1 से शुरू होने वाले व्यवसाय प्रबंधन विभाग का लक्ष्य छात्रों की रोजगार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करना है।

उद्देश्य

- गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने और रोजगार क्षमता और उद्यमिता विकसित करने केलिए उत्कृष्टता विभाग बनना।
- युवा उद्यमियों और प्रबंधकों को प्रशिक्षित करना और तैयार करना जो सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक क्षेत्रों में क्षेत्र और राष्ट्र के विकास में सेवा और योगदान देंगे।

विभाग

1.	विभागाध्यक्ष का नाम	डॉ प्रशांत कुमर बेहेरा, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रभारी
2.	संपर्कविवरण	व्यापार प्रबंधन विभाग आड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, सुनाबेढा, कोरापुट-763004, आड़िशा ई-मेल: hod.bm@cuo.ac.in
3.	शिक्षण सदस्य और उनकी योग्यताएं	1. डॉ. सुभाष चंद्र पट्टनायक, एमबीए, पीएचडी (व्यापार प्रशासन) एफडीपीएम-आईआईएम, यूजीसी-नेट, (प्रबंधन), यूजीसी नेट (एचआरएम/आईआर) एपीएसइटी (प्रबंधन) पदनाम : व्याख्याता (अनुबंध पर) और समन्वयक – एमबीए कार्यक्रम (नियमित और कार्यकारी) 2. डॉ. सितानाथ राजगुरु, एमबीए, पीएचडी (व्यापार प्रशासन), यूजीसी-नेट और जेआरएफ (प्रबंधन) पदनाम :अतिथि अध्यापक 3. श्री श्रीनिवास राव के., एमबीए (मार्केटिंग एवं वित्त), यूजीसी-नेट (प्रबंधन), पदनाम :अतिथि अध्यापक 4. श्री प्रभात कुमार बारिक एमबीए (वित्त), यूजीसी-नेट (प्रबंधन) पदनाम :अतिथि अध्यापक 5. श्री नीतिन होता, बे.टेक (इइइ), एमबीए (वितत और मार्केटिंग) एपी-एसइटी (प्रबंधन)

पदनाम :अतिथि अध्यापक

6. सुश्री प्रीतिनंदा साहु, एम.कम., (व्यापार और वित्त) यूजीसी-नेट (प्रबंधन) पीजीडीएफटी, पीजीडीटीएस.
   पदनाम :अतिथि अध्यापक

4 विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम : -दो वर्षीय एमबीए (नियमित) कार्यक्रम
- दो वर्षीय एमबीए (कार्यकरी) कार्यक्रम

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- 2 अप्रैल 2022 को "प्रबंधकों के लिए संचार कौशल" पर एक सेमिनार वार्ता आयोजित की गई थी। सत्र का संचालन प्रोफेसर सुनील कांत बेहरा, विजिटिंग प्रोफेसर, जे एंड एमसी विभाग, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट द्वारा किया गया था।
- 29 अप्रैल 2022 को "एमबीए के बाद उद्यमिता विचार" पर एक सेमिनार वार्ता आयोजित की गई थी। सत्र का संचालन श्री देबाशीष देब, पूर्व कार्यकारी निदेशक, एचएएल, इंजन डिवीजन, कोरापुट ओडिशा द्वारा किया गया था।
- एमबीए (नियमित) केचौथे सेमेस्टर केछात्रों के लिए 30 अप्रैल 2022 को एक औद्योगिक दौरा किया गया था। छात्रों ने संगठनात्मक प्रथाओं को देखने के लिए जेके पेपर मिल्स लिमिटेड, जेके पुर, रायगडा का दौरा किया।
- एमबीए (नियमित और कार्यकारी) कार्यक्रमों केछात्रों के लिए इच्छुकप्रबंधकों के लिए सॉफ्ट स्किल्स प्रशिक्षण कार्यक्रम 14 मई 2022 को आयोजित किया गया था। सत्रोंका संचालन डॉ लालतेन्दु केसरी जेना, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, एक्सआईएम विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर द्वारा किया गया था।
- 1 सितंबर 2022 को "कोविड-19 के बाद की अवधि में भारत के सामने आर्थिक और वित्तीय चुनौतियां" विषय पर एक सेमिनार वार्ता आयोजित की गई थी। सत्र का संचालन प्रोफेसर शक्ति रंजन महापात्र, डीन (प्रबंधन), बीजू पटनायक प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, ओडिशा द्वारा किया गया था
- 14 नवंबर 2022 को "व्यवसाय करने में आसानी- क्यों और कैसे" विषय पर एक सेमिनार वार्ता आयोजित की गई। सत्र का संचालन डॉ. मनोरंजन विश्वास, कार्यकारी निदेशक (एचआर), मेकॉनलिमिटेड, नगरनार, जगदलपुर, छत्तीसगढ द्वारा किया गया।
- व्यवसाय प्रबंधन विभाग में विजिटिंग फैकल्टी का विवरण :

क्रमांक	नाम	पदनाम	अवधि	
			मॉनसून सेमेस्टर	शीतकालीन सेमेस्टर
1	प्रो. (डा.) अरुण कुमार पंडा	परिदर्शन संकाय	12 अगस्त 2022 से 4 दिसम्बर 2022तक	04 जनवरी 2023 से 30 अप्रैल 2023तक
2	प्रो. (डा) शक्ति रंजन महापात्र	परिदर्शन संकाय	12 अगस्त 2022 to 4 De 2022 तक	04 जनवरी 2023 से 30 अप्रैल 2023 तक
3	डॉ. ललाटेंदु केशरी जेना	परिदर्शन संकाय	12 अगस्त 2022 to 4 दिसम्बर 2022 तक	04 जनवरी 2023 से 30 अप्रैल 2023 तक
4	प्रो. (डॉ.) बिधु भूषण मिश्र	परिदर्शन संकाय	12 अगस्त 2022 to 4 दिसम्बर 2022 तक	--
5	डॉ. सीनीत माथुर	परिदर्शन संकाय	12 अगस्त 2022 to 4 दिसम्बर 2022 तक	04 जनवरी 2023 से 30 अप्रैल 2023 तक
6	डॉ. मनोरंजन बिस्वास	परिदर्शन संकाय	12 अगस्त 2022 to 4 दिसम्बर 2022 तक	04 जनवरी 2023 से 30 अप्रैल 2023 तक
7	डॉ. बिरंचि नारायण पंडा	परिदर्शन संकाय	12 अगस्त 2022 to 4 दिसम्बर 2022 तक	--

रोजगार विवरण

विभाग उद्योग के साथ संबंध बनाकर अपने छात्रों को आगे बढाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। 2022-23 के दौरान, विभाग के सात (0) छात्रों को मानव संसाधन प्रबंधन के कार्यात्मक क्षेत्र में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम मेकॉन लिमिटेड के लिए काम करने के लिए विभाग द्वारा शुरू किए गए प्रयास के माध्यम से चुना गया है। उपरोक्त शैक्षणिक वर्ष के दौरान लगभग 1 उत्तीर्ण छात्रों को विभिन्न संगठनों मेंरखा गया है।

अपने चल रहे प्रयासों के हिस्से के रूप में, विभाग अपने छात्रों के प्लेसमेंट के लिए उद्योग संपर्कों के माध्यम से लीड तैयार कर रहा है। उद्योगों तक पाठ्यक्रम और छात्रों के बारे में प्रासंगिकक जानकारी प्रसारित करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा एक प्लेसमेंट ब्रोशर डिजाइन किया गया है।

अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ

सांख्यिकी विभाग

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एप्लाइड साइंसेज के तत्वावधान में सांख्यिकी विभाग की स्थापना वर्ष 201 -1 में हुई थी। वर्तमान में, हम अनुप्रयुक्त सांख्यिकी और सूचना विज्ञान में दो वर्षीय एम.एससी. कार्यक्रम करते हैं। ।
विभाग अपने छात्रों को सैद्धांतिक सांख्यिकी, उन्नत वैकल्पिक पाठ्यक्रम और गहन सांख्यिकीय विश्लेषण परियोजना कार्य में एक ठोस आधार प्रदान करता है। विभाग छात्रों को सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण करने में सक्षम बनाने के लिए नवीनतम डेटा विज्ञान उपकरणों, जैसे आर, पायथन, ऑक्टेव, साइलैब आदि में कठोर प्रशिक्षण और अनुभव भी प्रदान करता है।
विभाग का विजन, मिशन और लक्ष्य :

- क्षेत्र में वार्षिक सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन आयोजित करना।
- छात्रों को उद्योग, अनुसंधान संगठनों, शिक्षाविदों आदि में विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के लिए कौशल से लैसकरना।
- विभाग का लक्ष्य छात्रों को न केवल सांख्यिकी के प्रारंभिक क्षेत्रों का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है।
- मूल विचार छात्रों को सांख्यिकीविदों के पास स्थानांतरित करना है जो सरकार में काम कर सकते हैं। और कॉर्पोरेट कार्यालय और समाज की नवीनतम चुनौतियों पर शोध कार्य भी कर सकते हैं।

विभाग

1	अधिष्ठाता/विभागाध्यक्ष का नाम	**श्री बिस्वजीत भोई, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रभारी**
2	संपर्क विवरण	सांख्यिकी विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट-764023, ओडिशा ई-मेल : hod.statistics@cuo.ac.in
3	शिक्षण सदस्य और उनकी योग्यता	1. डॉ. सुमन दाश, एस.एससी., एम.फील, और पी.एचडी. अनुबंध पर व्याख्याता 2. डॉ. कल्याणी सुनानी, एम.एससी., एम.फील, और पीएच.डी. अतिथि अध्यापक 3. डॉ. विद्याधर बिशी, एमस.एससी., एम.फिल और पीएच.डी. अतिथि अध्यापक 4. प्रो. (सेवानिवृत्त) श्रीजिब बी. बागची, परिदर्शन प्रोफेसर
4.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम :	सांख्यिकी में स्नातकोत्तर (दो वर्ष) और सांख्यिकी में पीएच.डी.)

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियॉ

- सांख्यिकी विभाग, सीयूओ ने 12 मई2023 को सेमिनार हॉल, न्यू एकेडमिक ब्लॉक-3, सीयूओ मेन कैंपस, सुनाबेडा में "21वीं सदी के आंकडे.: नई चुनौतियां और अवसर" पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया है। सीयूओ के सलाहकार (शैक्षणिक एवं प्रशासन) प्रो सुभेंदु मंडल ने इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में शिरकतकी और भारत में सांख्यिकी के इतिहास के बारे में अपने बहुमूल्य विचार साझा किए।

- स्वागत भाषण श्री विश्वजीत भोई, अर्थशास्त्र के सहायकप्रोफेसर और विभाग के प्रमुख (प्रभारी)। प्रो अनुरुपमजूमदार, द्वारा दिया गया। प्रोफेसर, बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था और डॉ. महेश कुमार पांडा, एसोसिएट प्रोफेसर। रेवेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक, विशेष व्याख्यान के लिए आमंत्रित वक्ता थे।
- सांख्यिकी विभाग द्वारा 2022-23 सत्र के दौरान सभी छात्रों और संकाय सदस्यों की भागीदारी के साथ स्वागत, विदाई और अध्ययन यात्रा का आयोजन किया गया था।
- सांख्यिकी विभाग द्वारा 2 .01.2023 को सांख्यिकी केछात्रों द्वारा ग्रामीणों के सामाजिक-आर्थिक मुद्दों को समझने के लिए बदापोनोसा, कोरापुट का अध्ययन दौरा आयोजित किया गया।
- दिनांक : 2 .01.2023, अध्ययन यात्रा बडा पोनोसा झरना स्वागत, विदाई, “डीएसटीएटी“ आयोजित किया गया.
- प्रो. अनुरुप मजूमदार, प्रोफेसर, बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया किया गया था, और डॉ. महेश कुमार पंडा, एसोसिएट प्रोफेसर, रेवेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक 12 मई 2023 को “21वीं सदी के आंकडे.: नई चुनौतियां और अवसर“ विषय पर विशेष व्याख्यान के लिए आमंत्रित वक्ता थे।

डॉ अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई), कोरापुट

अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक शैक्षणिक गतिविधियाँ

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं (यूपीएससी-सिविल) में अनुसूचित जाति (एससी) के छात्रों को कोचिंग सुविधाएं प्रदान करने के लिए “डॉ.अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) “ स्थापित करनेके लिए भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (श्दएर्व्) को आवेदन किया। डीएसीई की स्थापना के लिए मंत्रालय द्वारा चुने जाने के बाद, विश्वविद्यालय ने डॉ. अंबेडकर फाउंडेशन, सामाजिक न्याय औरअधिकारिता मंत्रालय (एमओएसजेई), भारत सरकार (डीएएफ) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह योजना 22 अप्रैल 2022 को माननीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री और अध्यक्ष द्वारा बनारसहिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में शुरू की गई थी। डॉ.अम्बेडकर फाउंडेशन. श्रींर्ण योजना वर्तमान में मंत्रालय द्वारा प्रायोजित देश भर के 31 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में चल रही है।

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूओ) ने 20 अक्टूबर 2022 को छात्रों के लिए डीएसीई प्रवेश प्रक्रिया शुरू की। तदनुसार इक्यावन (1) छात्रों ने इस योजना में प्रवेश लिया। विश्वविद्यालय में डीएसीइ योजना को चलाने के लिए एक कार्यक्रम समन्वयक और तीन शिक्षकों को नियुक्त किया गया था। ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान और सामान्य अध्ययन में कोचिंग प्रदान करता है। DACE कीकक्षाएं 10 नवंबर 2022 से ण्ळढ में शुरू हुईं। DACEकोचिंग की अवधि एक वर्ष है।

1	कार्यक्रम समन्वयक का नाम	डॉ. बी.के.श्रीनिवास, एम.ए., पीएच.डी., सहायक प्रोफेसर एवं प्रभारी प्रमुख मानव विज्ञान विभाग
2	संपर्कर्विवरण	डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय सुनाबेडा, एनएडी डाकघर, कोरापुट, ओडिशा-763004 ई-मेल: bksrinivas@cuo.ac.in
3	शिक्षण सदस्य और उनकी योग्यता	1. डॉ. चित्रसेन पसायत एम.फिल, पीएच.डी. (समाजशास्त्र), जे.एन.यू 2. डॉ. चंद्रा खेमुन्दु, एम.फिल, पीएच.डी. (पीएसआईआर), जे.एन.यू 3. श्रीमान मनीष त्यागी, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. (जारी)
4	डीएसीइ द्वारा चलाये जा रहे पाठ्यक्रम	यूपीएससी-सिविल सेवा प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के लिए कोचिंग एक वर्ष के लिए।

योजना के उद्देश्य :

- सर्वोत्तम और नि :शुल्क कोचिंग सुविधाएं प्रदान करके अनुसूचित जाति के छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सशक्त बनाना ;

- यूपीएससी द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा के लिए अनुसूचित जाति केछात्रों को विशेष कोचिंग प्रदान करना ;
- आवश्यकता पडने पर छात्रों, शिक्षकों और उद्यमियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएँ आयोजित करना ;
- कौशल विकास के सर्वोत्तम अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठित संस्थानों
- और प्रशिक्षण केंद्रों के साथ सह[3]ोग करना ;
- बाबा साहेब अम्बेडकर के दृष्टिकोण को बढावा देने और प्रचारित करने के लिए लगातार काम करना

सीयूओ में डीएसीई कोचिंग के सुचारू कामकाज के लिए निम्नलिखित पद्धति का पालन किया जा रहा है :

- प्रत्यक्ष कक्षा कोचिंग भौतिकमोड के माध्यम से प्रदान की जाती है
- प्रख्यात हस्तियों द्वारा अतिथि व्याख्यान ;
- संपूर्ण पाठ्यक्रम को कवर करने के लिए किए गए उपाय ;
- नियमित मॉकटेस्ट आयोजित करना ;
- अंग्रेजी भाषा दक्षता कोचिंग पर जोर दिया जाता है ;
- प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों को साक्षात्कार प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

प्रकाशन

एडी रेकिंग

तीन संकाय सदस्य, प्रो. एस.के. पालिता, डॉ. काकोली बनर्जी, और डॉ. देबब्रत पंडा को एडी वैज्ञानिक सूचकांक, विश्व वैज्ञानिक और विश्वविद्यालय रैंकिंग-2022 के सूचकांक में शामिल किया गया

डॉ. जयंत कुमार नायक, सहायक प्रोफेसर और एचओडी (प्रभारी), मानव विज्ञान विभाग

पुस्तक

- राऊत एस. और नायक जे.के. 2022. गलत जगह पर रखा गया स्वर्ग : भारत में जनजाति, राज्य और उग्रवाद।सीरियल प्रकाशन प्रा. लिमिटेड, नई दिल्ली। आईएसबीएन-9 9391 4402

पुस्तक अध्याय :

- पंडा, डी., बेहरा, पी.के., पाढी, एस.के., पांडा, ए., नायक, जे.के. (2023)। भारत के उपेक्षित और कम उपयोग वाले खाद्य पौधे।इन : इस्माइल, टी., अख्तर, एस., लाजर्ट, सी.ई. (संपादक) दक्षिण एशिया के उपेक्षित पादप खाद्य पदार्थ। स्प्रिंगर, चाम। ह्ट्ठे ://द्ग.द्यु/10.100 /9 -3-031-3 0 -9७
- पंडा डी., बेहेरा पी.के., और नायक जे.के..2023. भारत के अल्पउपयोगित पादप खाद्य पदार्थ। तारिक इस्माइल, सईद अख्तर, और क्लाउडिया एलियाना लजार्ट (संपादक) ने दक्षिण एशिया के उपेक्षित पादप खाद्य पदार्थों : भूख मिटाने के लिए प्रकृति कीखोज और सराहना की। स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग। आईएसबीएन : 9 30313 0 2
- पंडा डी., बेहेरा पी.के., और नायक जे.के. 2023. विभिन्न पर्यावरणीय तनावों के खिलाफ पौधों की वृद्धि और सहनशीलता में कोबाल्टकी भूमिका (पीपी 30 -323)। ए. रॉयचौधरी (सं.), पौधों में पर्यावरणीय तनाव सहनशीलता की जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी। खण्ड-2. 1 4 पीपी. आईएसबीएन : 9 1 4912 12. सीआरसी प्रेस।
- दास सी.के., श्रीनिवास बी.के., और नायक जे.के. 2022. सांस्कृतिक दृष्टिकोण के माध्यम से प्रकृति का संरक्षण : ओडिशा के मयूरभंज जिले के लोढा समुदाय के बीच एक मानवशास्त्रीय अध्ययन। पी. पांडा एट अल. (सं.), ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस 2022 की कार्यवाही। पीपी 1 -1 3। आईएसबीएन : 9 1920 41 . बर्डनेस्ट, भुवनेश्वर।
- पंडा डी., बेहेरा पी.के., पांडा ए., और नायक जे.के. 2022. फिंगर मिलेट में अजैविक तनाव सहनशीलता बढाने के लिए ओमिक्स टेक्नोलॉजीज में उन्नति। ए. रॉयचौधरी एट अल. (संस्करण), अनाज में अजैविक तनाव को प्रबंधित करने के लिए ओमिक्स दृष्टिकोण, पीपी- 9- 4, सिंगापुर : स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड।https://doi.org/10.1007/978-981-19-0140-9_23

आईएसएसएन के साथ पत्रिकाओं में प्रकाशन :

- द्विवेदी एस., और नायक जे.के., 2023. मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले के ब्राह्मणों के बीच ग्लूकोज- -फॉस्फेट डिहाइड्रोजनेज की कमी की घटना पर एक अध्ययन। एंथ्रोपो-इंडियालॉग्स ; 3(1) : 1-4, आईएसएसएन: **2583-1070।** **https://DOI:10.47509/AI.2023.v03i01.01**
- बिंधानी बी.के., देवी एन.के., और नायक जे.के. 2023. भारत में विटामिन डी की कमी : एक सिंहावलोकन। दक्षिण एशियाई मानवविज्ञानी ; 23(1) : 29-3 . आईएसएसएन : 02 - 34
- पंडा, डी., पंडा, ए., प्रजापति, एच. एट अल। 2022. भारत के पूर्वी घाट, कोरापुट से स्वदेशी फिंगर बाजरा जीनोटाइप में पुष्पगुच्छ वास्तुकला और पोषण संबंधी मापदंडों की आनुवंशिक परिवर्तनशीलता। अनाज अनुसंधान संचार.**https://doi.org/10.1007/s42976-022-00345-3,** आईएफ: **0.708**
- **द्विवेदी एस., स्वांई एम., नायक जे.के., 2022. ओडिशा के कोरापुट जिले के उमुरी गांव में सीओवीआईडी-19 महामारी के कारण माहौल। एंथ्रोपोलॉजी के एंथ्रोकॉम जे. ; 1 -2बी : 1 - 2 .**
- **पार्वती ए., और नायक जे.के.2022. ओडिशा के कोरापुट जिले के उमुरी गांव में सीओवीआईडी-19 महामारी के कारण माहौल। एंथ्रोपोलॉजी के एंथ्रोकॉम जे. ; 1 -2बी : 1 - 2 .**

- पार्वती ए., और नायक जे.के. 2022. कंधमाल, ओडिशा के कोटागढ.ब्लॉक के ग्रामीण किशोरों की पोषण स्थिति : एक मानवशास्त्रीय मूल्यांकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ.रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज.; 9(2) :419-423. ई-आईएसएन **2348-1269**पी- आईएसएसएन **2349-5138.**
- द्विवेदी एस., और नायक जे.के. 2022. कोविड-19 के दौरान भारतीय शिक्षा प्रणाली के निहितार्थ : एक समीक्षा। अनुसंधान प्रकाशन और समीक्षा के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ; 3(4) : 1 2-1 4. आईएसएसएन 2 2- 421

डॉ. बी.के.श्रीनिवास, सहायक प्रोफेसर, मानव विज्ञान विभाग

आईएसएसएन के साथ पत्रिकाओं में प्रकाशन :

- श्रीनिवास बी.के., स्वांई एम. और देबसर्मा के. (2022)। ओडिशा के रायगडा जिले की डोंगरिया कोंध जनजाति द्वारा उपयोग किए जाने वाले जातीय-औषधीय पौधे। इंडियन जर्नल ऑफ ट्रेडिशनल नॉलेज आईएसएसएन : 24 -29 1).वॉल्यूम 21(2), अप्रैल 2022, पीपी 2 -2

पुस्तक अध्यायों का प्रकाशन :

- दास सी.के., श्रीनिवास बी.के., और नायक जे.के. 2022. सांस्कृतिकदृष्टिकोण के माध्यम से प्रकृति का संरक्षण : ओडिशा के मयूरभंज जिले के लोढा समुदाय के बीच एक मानवशास्त्रीय अध्ययन। पी. पांडा, एट अल. (सं.)ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस 2022 की कार्यवाही। पीपी 1 -1 3। आईएसबीएन : 9 1920 41 . बर्डनेस्ट, भुवनेश्वर
- महापात्र आर, श्रीनिवास बी के और बिंधानी बी के. 2022. आधुनिकीकरण और भौतिक संस्कृतियाँ : सांस्कृतिक अध्ययन में ओडिशा की बोंडा जनजाति का एक नृवंशविज्ञान खाता - पंचानन दलाई और धृति रे दलाई (सं.) अखरोट प्रकाशन.कॉम भारत द्वारा चयनित निबंध . आईएसएबीएन : **9798891710047** अगस्त **2022** पीपी **8-24**

डॉ. बसंत कुमार बिंदानी, अतिथि संकाय, मानव विज्ञान विभाग

- बिंधानी, बी.के., देवी, एन.के., नायक, जे.के. (2023)। भारत में विटामिन डी की कमी : एक सिंहावलोकन। दक्षिण एशियाई मानवविज्ञानी, 23(1), 29-3 ।
- देवी, एन.के., मुरी, बी., बिंधानी, बी.के., सरस्वती, के.एन. (2023)। इंसान मोटा कैसे हुआ ? मनुष्यों में मोटापे के विकास के लिए एक मानवशास्त्रीय दृष्टिकोण। ओरिएंटल मानवविज्ञानी, 1-9.
- प्रकाश, वी., विनोदिया, , वी., कसौधन, एस., बिंधानी, बी.के., सचदेव, एम. पी. (2022)। राजस्थान के उदयपुर जिले के वयस्कों में सामान्य और पेट का मोटापा। इंडियन जर्नल ऑफ फिजिकल एंथ्रोपोलॉजी एंड ह्यूमन जेनेटिक्स, 41(1), 1- ।

डॉ. अभिषेक भौमिक, अतिथि संकाय, मानव विज्ञान विभाग

- पुरातात्विक खोजों में भौतिक संस्कृति की समीक्षा : एक नृवंशविज्ञान संबंधी दृष्टिकोण"। (2022)। मानव विज्ञान अनुसंधान और समीक्षा के इतिहास। मानव विज्ञानऔर जनजातीय अध्ययन विभाग के जर्नल, सिधोकान्हो बिरसा विश्वविद्यालय। पीपी -101।
- "भारत के ओडिशा की एक विशेष रूप से कमजोर जनजाति, पौडी भुइयां की सामाजिक-आर्थिक संरचना में बदलाव।" (2022) पुस्तक इंडिजिनसपॉपुलेशन-पर्सपेक्टिव फ्रॉम स्कॉलर्स एंड प्रैक्टिशनर्स इन कंटेम्परेरी टाइम्स में। इंटेक ओपन.
- ओडिशा के क्योंझर जिले के पौडी भुइयां के बीच साप्ताहिक बाजार की भूमिका, भारत में समाज और संस्कृति विकास, **2:2,** : पृ.**239-246**

डॉ. शरत कुमार पालित, प्रोफेसर और प्रमुख, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग :

- मीठे पानी के इचियोलॉजिकल एक्सप्लोरेशन, घिं-11 9 में गोदावरी नदी बेसिन, ओडिशा के पूर्वी घाट से साइप्रिनिड मछली(टेलीओसी : साइप्रिनिडे) की एक नई प्रजाति, गर्ग लैशरामी शीर्षक वाला शोध पत्र। पीपी. **http://doi.org/10.23788/IEF-1179** (सह-लेखक : सुप्रिया सुरचिता और एस. रॉय चौधरी)
- सम्मेलन की कार्यवाहीका शीर्षक "कोरापुट-आदिवासी खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए पादप जैव विविधता और आजीविका संसाधनों की भूमि" है। 13वीं ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस 2022 की कार्यवाही, फोकल थीम : पर्यावरण और जनजातियाँ (सं.) पी. पंडा और एस.के. पलिता एट अल., पीपी। 90-9 . 21 से 23 फरवरी 2022 तक सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ.ओडिशा, कोरापुट में आयोजित किया गया। 420 पेज. आईएसबीएन नंबर 9 - 1-920 41- - (सह-लेखक : देबब्रत पंडा)
- सम्मेलन की कार्यवाही का शीर्षक "मत्स्य पालन और जनजातीय आजीविका : कोरापुट, ओडिशा के संदर्भ में एक अंतर्दृष्टि" है। 13वीं ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस 2022 की कार्यवाही फोकल थीम : पर्यावरण और जनजातियाँ (सं.)पी. पंडा और एस.के. पलिता एट अल., पीपी। 1- . 21 से 23 फरवरी 2022 तक सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ.ओडिशा, कोरापुट में आयोजित किया गया। 420 पृ. आईएसबीएन नंबर 9 - 1-920 41- - (सह-लेखक : आलोक कुमार नाइक)।

डॉ. काकोली बनर्जी, सहायक प्रोफेसर, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग :

- पारिस्थितिकी, पर्यावरण और संरक्षण में 'उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वनों में पूर्वी घाट की ऊंची भूमि में उच्च कार्बन भंडारणक्षमता होती है' शीर्षक वाला शोध पत्र, 2 (12) : ए1 0-ए1 । आईएसएसएन नंबर : 09 1- । ६.इ : 0.4 (सह-लेखक : पी. पारासेथ, सी. देबसर्मा, और आर. पॉल)क्षमता होती है' शीर्षक वाला शोध पत्र, 2 (12) : ए1 0-ए1 । आईएसएसएन नंबर : 09 1- । **https://doi.org/10.1007/s10646-022-02566-y.IF:2.935** (सह-लेखक : पी. पारासेथ, सी. देबसर्मा, और आर. पॉल)
- एक्वाकल्चर और मत्स्य पालन में झींगा मैक्रोब्रैचियम रोसेनबर्गी फीड में सूक्ष्म पोषक तत्वों के स्रोत के रूप में विभिन्न घास प्रजातियों के अर्क का आकलन शीर्षक वाला शोध पत्र। आईएसएसएन**2468-550एक्स, https://doi.org/10.1016/j.aaf.2023.01.010। I.F: 3.59(टी. महाकुड, पी.के. बिंदानी और जी.आर. खेमुन्दु)। '**
- **पुस्तक अध्याय का शीर्षक 'ओडिशा के कोरापुट जिले में कोलाब नदी की प्रमुख खाद्य मछली प्रजातियों में भारी धातु संचय' है। इन : भारत में अपशिष्ट जल मूल्यामूल्यांकन, उपचार, पुन : उपयोग और विकास (एड. एस. यादव, ए नेगम और आर.एन. यादव)। पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान पुस्तकालय https://doi.org/10.1007/978-3-030-95786-5_2। स्प्रिंगर नेचर, स्विट्जरलैंड द्वारा प्रकाशित। अध्याय 2,प..27-57आईएसबीएन 978-3-030-95785-8 (सह-लेखक : बी. महापात्रा और जी.आर खेमुंडु) .**
- ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस की कार्यवाही-दिसंबर, 2022, 1(12) : 2 4-290 में पुस्तक अध्याय का शीर्षक 'ओडिशा के कोरापुट जिले में प्राकृतिक वन और पवित्र उपवनों में बायोमास और कार्बन का तुलनात्मक विश्लेषण' है आईएसबीएन : **978-81-920841-6-5.** (सह-लेखक : पी. परसेठ) .
- पुस्तक अध्याय का शीर्षक 'पोडु खेती के वैकल्पिक आजीविका के रूप में कोरापुट के पहाडी इलाकों में मैक्रोब्रैचियम रोसेनबर्गी की संस्कृति' है। ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस की कार्यवाही-दिसंबर**2022, 1(12): 291-297**।, आईएसबीएन :**978-81-920841-6-5.** (सह : लेखक : पी.के. बिंधानी, जी. आर. खेंमुंडु)
- ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस की कार्यवाही-दिसंबर, 2022, 1(12) : 2 9-2 में पुस्तक अध्याय का शीर्षक 'ओडिशा के कोरापुट जिले के आदिवासियों द्वारा खाए जाने वाले जंगली खाद्य फलों से एंटी-ऑक्सीडेंट' है। आईएसबीएन**978-81-920841-6-5.** (सह लेखक : ए.एस. तरुक, पी.परासेठ)

डॉ. देवव्रत पंडा, सहायक प्रोफेसर, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण विभाग :

- शोध पत्र का शीर्षक 'जर्मप्लाज्म संसाधन, जीन और सुगंधित चावल के लिए परिप्रेक्ष्य' है। चावल विज्ञान 30(4) : 294-30 **(**2023) (सह-लेखक : पी.के. बेहेरा)।
- शोध पत्र का शीर्षक 'चावल के छोटे दाने वाली सुगंधित भूमि प्रजाति³ों (ओरिजा सैटिवा एल. इंडिका) की जीनोटाइपिक विविधता और अजैविक तनाव प्रतिक्रि³ा प्रोफाइलिंग' है। वर्तमान पादप जीव विज्ञान 33 : 1002 9 (2023) (एल्सेवियर आईएफ : 3.2 ; आईएसएसएन 2214-2 । (सह-लेखक : पी.के. बेहेरा, वी. कुमार, एस.एस. शर्मा, एस.के. लेंका)
- शोध पत्र का शीर्षक 'भारत के कोरापुट,पूर्वी घाट के स्वदेशी फिंगर मिलेट जीनोटाइप में पैनिकल आर्किटेक्चर और पोषण संबंधी मापदंडों की आनुवंशिक परिवर्तनशीलता' है। अनाज अनुसंधान संचार**https://doi.org/10.1007/s42976-022-00345-3 (2022)** । (सह-लेखक : ए. पंडा, , एच. प्रजापति, , के. लेंका (2022) (स्प्रिंगर, आईएसएसएन, **0133-3720,** आईएफ**1.240).**
- **शोध पत्र का शीर्षक 'पौधों में सी4 विशेषता इंजीनियरिंग की प्रगति और संभावनाएँ' है। प्लांट बायोलॉजी ्दग :10.1111/ज्ं.1344** (2022) **(विली ऑनलाइन ; घ्एए॰ : 143 - ; घ्इ : 3.) (सह-लेखक : बी. प्रधान, एस.के. बिश बिशी, के. चक्रवर्ती, एस.के. मुथुसामी, एस.के. लेंका)।**
- **शोध पत्र का शीर्षक 'बाजरा का अंकुरण पोषक तत्वों की जैवउपलब्धता को बढाता है और मानव स्वास्थ्य के लिए बेहतर है'। आदिवासी जर्नल** 2(1) :1 -1 . (2022) **(आईएसएन 2277-7245).**

- पुस्तक अध्याय का शीर्षक 'चावल में जलमग्न सहनशीलता में सुधार : हालिया प्रगति और भविष्य के परिप्रेक्ष्य' है। अजैविक तनाव के प्रति क्षेत्रीय फसलों की प्रतिक्रिया, सीआरसी प्रेस, बोका रैटन आईएसबीएन : **9781003258063 (2022)** (सह-लेखक : पी.के. बेहेरा, जे. बारिक)।
- पुस्तक अध्याय का शीर्षक 'फिंगर मिलेट में अजैविक तनाव सहनशीलता को बढाने के लिए ओमिक्स टेक्नोलॉजीज में उन्नति' है। स्प्रिंगर, सिंगापुर। आईएसबीएन**978-981-19-0140-9 (2022)** । (सह-लेखक : डी. पंडा, पी.के. बेहरा, ए. पंडा, जे.के. नायक) ।
- पुस्तक अध्याय का शीर्षक 'कोरापुट : जनजातीय खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए पादप जैव विविधता और आजीविका संसाधनों की भूमि' है। ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस की कार्यवाही में पीपी : 90-9 आईएसबीएन 9 - 1-920 41- - । (2022) (सह-लेखक : डी. पंडा और एस. के. पालित
- पुस्तक अध्याय का शीर्षक 'कोरापुट, ओडिशा के स्वदेशी बाजरा जीनोटाइप की सूखा सहनशीलता की संभावना' है। ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस की कार्यवाही में पीपी : 1- आईएसबीएन 9 - 1-920 41- - । (2022) (सह-लेखक : ए. पंडा)
- पुस्तक अध्याय का शीर्षक 'बहु तनाव सहिष्णुता के लिए कोरापुट की पारंपरिक सुगंधित चावल भूमि की क्षमता' है। ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस की कार्यवाही में पीपी : - 1 आईएसबीएन 9 - 1-920 41- - । (2022) (सह-लेखक : पी.के. बेहेरा)
- पुस्तक अध्याय का शीर्षक 'सूखा सहिष्णुता के लिए दक्षिण ओडिशा के कोरापुट जिले के पारंपरिक नाइजर परिग्रहण की संभावना' है। ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस की कार्यवाही में पीपी : -90 आईएसबीएन 9 - 1-920 41- - । (2022) (सह-लेखक : एस पाधी)।
- 'बाढ. सहनशीलता के लिए पारंपरिकचावल भूमि' शीर्षक वाली पुस्तक। लैम्बर्ट अकादमी प्रकाशक, जर्मनी, 2022। आईएसबीएन : 9 - 20 49242-0 (2022) (सह-लेखक : जे बारिक)
- पुस्तक का शीर्षक 'खरपतवार पौधों द्वारा फ्लाई ऐश जमा का फाइटोरेमेडिएशन' है। लैम्बर्ट अकादमी प्रकाशक, जर्मनी, 2022। आईएसबीएन : 9 - 20420342-3 (2022) (सह-लेखक : एल. मंडल)

डॉ. प्रशांत कुमार बेहेरा, सहायक। प्रोफेसर,अर्थशास्त्र विभाग, एवं प्रभारी विभागाध्यक्ष, व्यवसाय प्रबंधन विभाग

- बेहेरा, पी.के. और मोहंती, एस.एस. (2022)। "ओडिशा के कोरापुट जिले में जैविक और पारंपरिक खेती का तुलनात्मक लागत विश्लेषण", जर्नल ऑफ स्टडीज इन डायनेमिक्स एंड चेंज (जेएसडीसी), 9(3)। 9-24. [234 - 03]। डीओआई : https://doi.org/10.5281/zenodo.7792555।
- "भारत में कृषि उत्पादन पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव" शीर्षक वाला शोध पत्र एशियन प्रोफाइल जर्नल के अगले अंक में प्रकाशन के लिए स्वीकार कर लिया गया है। ड0304- .
- वर्ल्ड लीडरशिप अकादमी, भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा प्रकाशित "प्रबंधन अनुसंधान और मामलों का संग्रह" नामक पुस्तक का संपादन किया। ड9 -93-9431 -1 - .

डॉ. मिनाती साहू, सहायक प्रोफेसर और एचओडी (प्रभारी), अर्थशास्त्र विभाग :

- शोध पत्र जिसका शीर्षक है "कृषि पर खनिज निष्कर्षण का प्रभाव : ओडिशा, भारत में क्रोमाइट खनन क्षेत्र से साक्ष्य", जर्नल ऑफ माइन्स,मेटल्स एंड फ्यूल्स (स्कोपस इंडेक्स्ड), 2022, वॉल्यूम 0, नंबर 11, पीपी : 1 - 22 (आईएसएसएन-0022-2)।
- पुस्तक अध्याय का शीर्षक 'ओडिशा में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की समस्याएं और चुनौतियां : मेटल्स एंड फ्यूल्स (स्कोपस इंडेक्स्ड), 2022, वॉल्यूम 0, नंबर 11, पीपी : 1 - 22 ड आईएसएसएन-0022-2 ।
- पुस्तक अध्याय का शीर्षक"ओडिशा में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की समस्याएं और चुनौतियां : एक सूक्ष्म-विश्लेषण" (संपादित पुस्तक),2022, हिमालय प्रकाशन, नई दिल्ली, पीपी-42- 3 डआईएसबीएन : 9 -93- 49 - 1 -1.ढयू. बिस्वाल के साथ सह-लेखकल।
- ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 13वीं ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस 2022 (21 -23 दिसंबर 2022)की सम्मेलन कार्यवाही में "कोरापुट जिले में बाजरा की विपणन और आपूर्ति श्रृंखला संरचना : ओडिशा बाजरा मिशन पर एक अध्ययन" शीर्षक वाला शोध पत्र। ड9 - 1-920 41- - .{के. राणा के साथ सह-लेखक}।

- सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ ओडिशा में 13वीं ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस 2022 (21 -23 दिसंबर 2022) की सम्मेलन कार्यवाही में "गैर-लकडी वन उत्पाद (एनटीएफपी), जनजातीय और आजीविका : कोरापुट जिले, ओडिशा में एक केस स्टडी" शीर्षक वाला शोध पत्र। ड9 - 1-920 41- - .ढएम. गुप्ता के साथ सह-लेखक।

डॉ. प्रदोष कुमार रथ, सहायक प्रोफेसर और एचओडी (प्रभारी), पत्रकारिता और जनसंचार विभाग

पत्रिकाएँ :

- रिसर्च हाइलाइट्स (आईएसएसएन 23 0-0 11), वॉल्यूम में 'टेक्नोलॉजी एंड मीडिया : ए रिव्यू एनालिसिस' शीर्षक वाला रिसर्च पेपर। 9, नहीं. 3, जुलाई-सितंबर, 2022. पीपी. 9-9 . (सह-लेखक : जी.एस. लाल)
- जनजातीय अध्ययन में 'बाधाओं को कम करने में प्रभावी संचार : मासिक धर्म पर प्रतिबंधों का एक अध्ययन' शीर्षक वाला शोध पत्र : विश्लेषणात्मक जनजातीय अध्ययन परिषद का एक जर्नल (आईएसएसएन 2321-339), वॉल्यूम। 10, 2022. पीपी. - . (सह-लेखिका : आराधना सिंह)

पुस्तक/पुस्तक अध्याय :

- 'संचार प्रौद्योगिकी और प्रिंट मीडिया' शीर्षक वाली पुस्तक, एलएपी लैंबर्ट अकादमिकप्रकाशन, 2022। आईएसबीएन 9 - 20- -49 4-3।
- भारतीय प्रेस और स्वतंत्रता संग्राम (सोनाली नरगुंडे द्वारा संपादित पुस्तक), लोक प्रकाशन, भोपाल में पुस्तक अध्याय का शीर्षक 'भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में परम्परागत मध्यमों की भूमिका' है। 2022. पीपी. 30-34, आईएसबीएन978-81-953560-2-7.

डॉ. सौरव गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग :

- मई2022 अंक में जर्नल ऑफ रिसर्च इन ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस (आईएसएसएन 2321-94) में बॉलीवुड फिल्मों में बांग्लादेश के मुक्तिसंग्राम के चित्रण पर एक अध्ययन शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित, सह-लेखक : दिव्यज्योति दत्ता ।
- 29 अगस्त 2022 को जे एंड एमसी विभाग, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ ओडिशा, कोरापुटद्वारा संचार अनुसंधान में हालिया रुझान (आईएसबीएन 9 -93- 01-3 -0) शीर्षक से एक संपादित ई-बुक प्रकाशित की गई।
- पैराडाइज.प्रेस, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित पुस्तक, डेवलपमेंट कम्युनिकेशन : द ग्रासरूट्स रियलिटी (आईएसबीएन 9 -93-92333- 3-) के लेखक, सह-लेखक : प्रोफेसर पी बॉबी वर्धन ।
- ओडिशा में जनजातीय मुद्दे : ओईसी 2022 की कार्यवाही में एक इको-मार्क्सवादी अध्ययन शीर्षक से एक पुस्तक अध्याय प्रकाशित (आईएसबीएन 9 - 1-920 41- -) सह-लेखकए टी सनी प्रकाशक : बर्डनेस्ट, भुवनेश्वर ।
- जनजातीय अनुष्ठान के माध्यम से पर्यावरण चेतना का संचार शीर्षक से एक पुस्तक अध्याय प्रकाशित - ओईसी 2022 कार्यवाही में कोरापुट के चैती परब का एक अध्ययन (आईएसबीए9 - 1-920 41- -) सह-लेखक : अविनाश हंटल प्रकाशक : बर्डनेस्ट, भुवनेश्वर ।
- संपादित थिएटर स्ट्रीट जर्नल (आईएसएसएन 24 - 4एक्स) खंड 2022 अंक 2 मई 2022 को प्रकाशित हुआ।

तलत जहां बेगम, अनुबंध पर व्याख्याता, पत्रकारिता और जनसंचार विभाग

पुस्तक/पुस्तक अध्याय :

- बेगम, टी.जे., रथ, पी.के. (2022)। ग्रामीण संचार के लिए अनुसंधान का गुणात्मकदृष्टिकोणएक टिप्पणी। गुप्ता, सौरव द्वारा संपादित। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, ओडिशा। प्रथम प्रकाशन (29 अगस्त 2022), आईएसबीएन : 9 -93- 01-3 -0।
- एसोसिएट एडिटर, संचार अनुसंधान में हालिया रुझान : 14 और 1 दिसंबर, 2021 को संचार अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रस्तुत व्याख्यानों के संग्रह पर एक ई-पुस्तक। गुप्ता, सौरव द्वारा संपादित। (2022)। पत्रकारिताएवं जनसंचार विभाग, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, ओडिशा। प्रथम प्रकाशन (29 अगस्त 2022), आईएसबीएन : 9 -93- 01-3 -0।

डॉ. रमेन्द्र पाढी, सहायक। प्रोफेसर एवं एचओडी प्रभारी। शिक्षा विभाग

- पाढी, आर.के. और जेना, एस. (2022)। विकलांग छात्रों के बीच जागरूकता और सहायकप्रौद्योगिकी तक पहुंच : एक विशेष स्कूल से साक्ष्य। इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी : एनसीईआरटी, वॉल्यूम। :4, अंक :1, जनवरी2022, आईएसएसएन : 2 1- 32 , पीपी.-3 - 1।
- पाढी, आर.के. (2023)। ओडिशा में कोरापुट जिले के माध्यमिक स्तर के आदिवासी और गैर-आदिवासी किशोरों का पालन-पोषण, मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षणिक उपलब्धि। जनजातीय अध्ययन : जर्नल ऑफ कोट : आईएसएसएन : 2321-339

डॉ. महेंद्र गोरे, अतिथि संकाय, गणित विभाग

- एक लेख “’लचीला चरित्र’ प्रकाश के तरंग-कण द्वंद्व का कारण हो सकता है।”“’लचीला चरित्र’ प्रकाश के तरंग-कण द्वंद्वका कारण हो सकता है।“ 14 जनवरी 2023 को एल्सेवियर में ऑप्टिक-(2 4) जर्नल द्वारा प्रकाशित किया गया है।

डॉ. प्रदोष कुमार स्वांई, सहायक प्रोफेसर और एचओडी प्रभारी, उडयि भाषा और साहित्य विभाग :

- स्वांई,पी., परिबासासमालोचना बनमा ओडिया साहित्य, द शाभिमान जर्नल ऑफ साइंस एंड लिटरेचर, 2022 वॉल्यूम-04, 4 - , आईएसएसएन- 2320- 14 9।
- स्वांई, पी., अनागतारा अरतनदा ओ नाट्यकारा नारायण साहू, द शाभिमान जर्नल ऑफसाइंस एंड लिटरेचर 2022, वॉल्यूम-01, पृष्ठ- 4- 1, आईएसएसएन- 2320- 14 9 ।

संपादित पुस्तक में अध्याय

- स्वांई, पी., क्रांति कुंभकार, अध्याय “गांधारीरा अश्रु : आदर्श ओ अबबोध“ 9 -93- 913 -1 -1, पेन इन बुक्स, आचार्य विहार, बीबीएसआर 2022
- स्वांई, पी., ओडिया उपन्यासा परिचिति, अध्याय “निअरा अनुभूतिरा अपूर्वकालकृती : दशारथिंका समग्र उपन्यासा सृष्टि“, आईएसबीएन- 1- 11 - 43 - , बिनोद बिहारी, कटक-2 2022 ।

डॉ. आलोक बराल, सहायक प्रोफेसर, उडयि भाषा और साहित्य विभाग :

पुस्तकें :

- बराल. ए., नैटी-जिज्ञासा, बिजयिनी प्रकाशन, कटक, 2022, पी-1-2 , आईएसबीएन-9 -93-94 31- -0 ।
- बराल. ए., प्रसंग उपन्यास, बिजयिनीप्रकाशन, कटक, 2022, पी-1-2 , आईएसबीएन-9 -93-94 31- -0 ।
- बराल. ए., प्रसंग उपन्यास, बिजयिनी प्रकाशन, कटक, 2023, पी-1- 2, आईएसबीएन-9 - 1-1919 - 1- ।

शोध पत्र :

- बराल, ए., ’कथा’ ओ’ आलोचन्रा’ मिलिता प्रेक्ष्य : कलिश्ंका साहित्य समीक्षा, एसजेएसएल (विज्ञान और साहित्य का स्वाभिमान जपुर्नाल, एक बहुभाषी सहकर्मी समीक्षित अंतर्राष्ट्रीय त्रैमासिक जर्नल, खंड-3 /3, अप्रैल, 2022, आईएसएसएन-2320-14 9, पी-11-33 ।
- बराल, ए., बिघनिता अर्थ-समाजिकता ओ अपश्रुत्यमन लोक संस्कृति : मंगलु चरणंका ’भूखा’र नियति, प्राची (पीयर रिव्यूड रिसर्च जर्नल), वॉल्यूम - , जनवरी- 2022 , आईएसएसएन-2 3-14 , पी-0 -14 ।
- बराल, ए., सदाशिबा दसंका कबितरे ’स्थाननामा’ ओ ’भुगलकल्प’, प्राची (पीयर रिव्यूड रिसर्च जर्नल), वॉल्यूम- , फरवरी- 2022, आईएसएसएन-2 3-14 , पी-0 -1 .
- बराल, ए., अखी आयु अदभुत पूर्वाशा : ’अर्कबिगरा शिल्पी-प्रत्यशा एसजेएसएल (विज्ञान और साहित्य का स्वाभिमान जपुरनल, एक बहुभाषी सहकर्मी समीक्षित अंतर्राष्ट्रीय त्रैमासिक जर्नल, खंड-3 /4, जुलाई, 2022, आईएसएसएन- 2320-14 9, पी- -14 ।
- बराल, ए., कथारू चित्रा चित्ररू कथा : चलचित्रा ओ उपन्यास, चतुरंगा, बलांगीर, (पीयर रिव्यूड रिसर्च जर्नल), खंड-2/1, अप्रैल-2022, पी-39- 1
- बराल, ए., उडयि उपन्यास : एकाबिनशारा एकाबिंशा, जनसुधा, खंड-1 9, 2 /1, अक्टूबर-दिसंबर, 2022, आईएसएसएन-2321- 9 90, पी-4 -
- बराल, ए, ’समर्पण’ ओ ’सम्मोहन’रा अदृष्य झोत्चिता : छंदचरणका कबिता, प्राची, कटक,खंड- -/छ, जुलाई-2022, आईएसएसएन-2 3- 14 एक्स, पी-3 -39
- बराल, ए, उडयि नाटकरे बिस्थापना समास्या, प्रतिबेशी, कोलकाता, खंड-40/1, जनवरी-2023, आईएसएसएन-24 - 031 पी-24-30

पुस्तक अध्याय :

- बराल, आलोक, नित्यानंद महापात्रंका गल्पा दृष्टि ओ दिगंता, उडयि क्षुद्रगल्पा : धारा ओ धारा (खंड-1), (आईएसबीएन- 1- 11 -3 1-4), (एड. प्रो. के.सी. प्रधान), सत्यनारायण बुक स्टोर, कटक , 2022, पी-22 -24 .
- बराल, आलोक, उत्तर आशी ओडिया नाटकरे आदिवासी जीवन ओ समस्या, सृष्टि ओ समीक्षा, खंड-40 (आईएसबीएन-9 -93-90 1-94- 9), (सं. डॉ. कृतिबास सारंगी), बिजोइनी प्रकाशन, कटक, अगस्त . 2022. पीपी. 39-
- बराल, आलोक, अफेरा फागुना ओ मधुरा हताशर रूपकल्प : अक्षय मोहंतींका गल्पा, उडयि क्षुद्रगल्प : धारा ओ धारा (खंड-2), (आईएसबीएन- 1- 11 -442-4), (एड. प्रो. के.सी. प्रधान), सत्यनारायण बुक स्टोर, कटक, अगस्त-2022, पी- 03- 24

- बराल, आलोक, शब्दारा असरंती महोत्शाब ओ असांख्य रूपान्तरिता शब्दकल्प : मनोज कुमार पंडंका गल्पा, उडयि क्षुद्रगल्पा : धारा ओ धारा (खंड-2),(आईएसबीएन- 1- 11 -442-4),(एड. प्रो. के.सी. प्रधान) , सत्यनारायण बुक स्टोर, कटक, अगस्त-2022, पी- 9 -90
- बराल, आलोक, कैलाश पटनायकनका समालोचना, उडयि समालोचना साहित्य : स्त्रस्ता ओ सृष्टि, एड. नारायण साहू द्वारा, फ्रेंड्स पब्लिशर्स, कटक, 2023, आईएसबीएन-9 -93-92 9 -3 - , पी- 01- 23
- बराल, ए, प्रकृति ओ आदिवासी : समाजिका ओ संस्कृतिका प्रेक्षानुशीलन, कार्यवाही, ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस, दिसंबर-2022, बर्ड नेस्ट, भुवनेश्वर, आईएसबीएन- 9 - 1-920 41- - , पी-3 0-3 1

डॉ गणेश प्रसाद साहू, व्याख्याता (अनुबंध पर), उडयि भाषा और साहित्य विभाग :

किताब :

- साहू जी पी, समीक्षा समग्री, पब। उडीसा बुक स्टोर, कटक, 2022, पेज.1-200, आईएसबीएन- 1- 400- 40-0

पुस्तक अध्याय :

- साहू जी पी, ओडिया गलापा साहित्यारा भिन्ना भाबामूर्ति : गल्पिकाबिजयिनी दास, ओडिया क्षिउद्रगल्पा : धारा ओ धारा, पब। सत्यनारायण बुक स्टोर, कटक, 2022, पेज। 2 -300,, आईएसबीएन- 1- 11 -442-4

जर्नल में आलेख :

- साहू, जी पी., संबेदाना, स्वपा ओ स्वाधिकारारास्रोतस्विनी : ओडिया किन्नरा गल्पा), विश्वमुक्ति, भुवनेश्वर, पृष्ठ2 -3 , अक्टूबर 2022, आईएसएसएन 2349- 3 1.

डॉ. कपिला खेमुंडु, वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर और एचओडी (प्रभारी), समाजशास्त्र विभाग :

- खेमुंडु,कपिला और नंद, अशोक कुमार, कोरापुट जिले, ओडिशा के वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित क्षेत्रों में जनजातीय आजीविका नीतियों का कार्यान्वियन, अंक, खंड 10। अंक 1। जून, 2022. (यूजीसी केयर)
- खेमुंडु, कपिला और राऊत, एतिमंजरी, कोविड-19 महामारी और ट्रांसजेंडर की आर्थिक दुर्दशा : भुवनेश्वर, ओडिशा में एक अध्ययन, शिक्षा और समाज, खंड 4 , संख्या 3 जुलाई - सितंबर 2022 (आईएसबीएन संख्या 22 - 4)
- खेमुंडु, कपिला, दिसंबर 2022, कोरापुट के जनजातीय क्षेत्र में चंदन वन, ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस, आईएसबीएन 9 1-920 41-
- खेमुंडु, कपिला, दिसंबर 2022, "डी-एडिक्टिंग द एडिक्ट : द डेली लाइफ एक्सपीरियंस ऑफ एन एल्कोहॉलिक" शीर्षक से प्रकाशित पुस्तक "द एथ्नोग्राफी ऑफ एवरीडे लाइफ (वॉल्यूम - 2)" आईएसबीएन 9 -93- 0- 31-0 .
- खेमुंडु, कपिला और राऊत, एतिमंजरी, कोविड-19 महामारी के दौरान ट्रांसजेंडर का मानसिक स्वास्थ्य और मनोविज्ञान : भुवनेश्वर, ओडिशा में एक अध्ययन, इत्यादि कुमार, संतोष, ट्रांसजेंडर सोसाइटी एंड मीडिया, ऑथर्स प्रेस, नई दिल्ली, मार्च 2023, (आईएसबीएन 9 -93 29- 0 - 2)

डॉ. आदित्य केशरी मिश्र, व्याख्याता (अनुबंध पर), समाजशास्त्र विभाग :

पुस्तक अध्याय प्रकाशन

- नवनीता रथ, एस.पी. में "ग्रामीण संदर्भ में प्रथागत कानून को समझना : ओडिशा में एक केस स्टडी" शीर्षक से (सागरिकामिश्रा के साथ) पुस्तक अध्याय प्रकाशित किया गया। मिश्र, आर. साहू और ए. साहू (संस्करण) ओडिशा की ग्रामीण संस्कृति का पैनोरमा : एक बहुरूपदर्शक दृश्य। नई दिल्ली : मित्तल प्रकाशन, 2022, पीपी। 121-14 , आईएसबीए-**978-9390692859.**
- के. बनर्जी (सं.) लैंगिक समानता और सशक्तिकरण : कार्यस्थल, सुरक्षा और भलाई में "सोशल मीडिया सक्रियता और लैंगिक समानता : एक समाजशास्त्रीय पूछताछ" शीर्षक से एक पुस्तक अध्याय प्रकाशित किया। नई दिल्ली : एसएसडीएन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2022, पीपी। 34- 1, आईएसबीएन : 9 -93-92 9- 11- ।

श्री सुमन दाश, अनुबंध पर व्याख्यान, सांख्यिकी विभाग :

- एन साहू, और एस डैश (2022)। "उनकी क्षमताओं के साथ स्तरीकरण के बाद घातीय अनुपात-प्रकार और घातांकीय उत्पाद-प्रकार अनुमानकों का अनुक्रम"। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ.स्टैटिस्टिक्स एंड सिस्टम्स, वॉल्यूम। 1 , क्रमांक 1, पृ. - .

बी डॉ. कल्याणी सुनानी, अतिथि संकाय, सांख्यिकी विभाग :

- डैश, पी. और सुनानी, के. (2022)। परिमित जनसंख्या के अनुमान का अर्थ दो सहायक चर के साथ मिश्रित अनुमानकों के एक बेहतर वर्ग का उपयोग करना है। एशियन रिसर्च जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स (एआरजेओएम), 1 (3), 3 -49। आईएसएसएन : 24 -4 एक्स।
- डैश, पी. और सुनानी, के. (2022)। दोहरे नमूने के अंतर्गत जनसंख्या माध्य के मिश्रित अनुमानकों का एक उन्नत वर्ग। इंडियन जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 1 ( ), 2 -291। आईएसएसएन : 09 4- 4 (प्रिंट), आईएसएसएन : 09 4- 4 (ऑनलाइन)।

- अध्ययन चर के भिन्नता के गुणांक का उपयोग करके एक बेहतर अनुपात-प्रकार के अनुमानकद्वारा परिमित जनसंख्या माध्य का अनुमान। गणित और सांख्यिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (र्घ्र्शिए), घ्एए-ः 09 3-13 (प्रिंट), घ्एए-ः 09 3- 4 (ऑनलाइन)। (प्रकाशनार्थ प्रेषित)

डॉ. विद्याधार बिशी, अतिथि संकाय, सांख्यिकी विभाग ः

- आर.के. सी., बी. बिशी, (2020) “जियोमेट्रिकब्राउनियन मोशन का उपयोग करके एसएंडपी बीएसईस्टॉक इंडेक्स का अल्पकालिक रिटर्न वितरण का पूर्वानुमान ः बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज से एक साक्ष्य“, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड सिस्टम्स, वॉल्यूम 1 , नंबर 1, पीपी.29-4 ।
- आर.के. सी., एस.के. पधान., बी. बिशी., (2020) “बॉक्स का अनुप्रयोग - जेनकिंस एआरआईएमए (पी, डी, क्यू) स्टॉक मूल्य पूर्वानुमान के लिए मॉडल और एस एंड पी बीएसई स्टॉक इंडेक्स के रुझान का पता लगाएं ः बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज से एक साक्ष्य“ , स्कॉलर्स जर्नल ऑफ फिजिक्स, मैथमेटिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स, खंड संख्या ( ),110-12 ।
- जे.बेहेरा, बी.बिशी., एस.के.साहू, (2021) “भुगतान में अनुमेय देरी के साथ मूल्य छूट की अनुमति देने वाली खराब वस्तुओं के लिए एक इन्वेंटरी उत्पादन मॉडल“ गणित और कंप्यूटर अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल खंड 09 अंक 10, पृष्ठ संख्या 2443- 2449.

प्रो. एन. सी. पंडा, अधिष्ठाता, भाषा विद्यापीठ

- भारतीय पारंपरिक पांडुलिपि लेखन और लेखक की विभिन्न भूमिकाएँ और कार्य ः एक आलोचना, शीर्षक पुस्तक में प्रकाशित ः संस्कृत में भारतीय ज्ञान प्रणाली,जी.एन मेहर विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएन ः 9 - 1-9 9-1 2- -3, पीपी. 13-2 .

डॉ. चक्रपाणि पोखरेल, अतिथि शिक्षक, संस्कृत विभाग,

- प्रांगनाव्यकरणभीमताकर्तृकारकमीमसा (2022) अनंत,) ः खंड- , अंक , पृष्ठ संख्या 192-199 आईएसएसएन-24 -0 ..तिरुपति जर्नल सॉल्यूशन,नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।
- (2022) अनंत, खंड- , अंक , पृष्ठ संख्या 24 -2 0 आईएसएसएन-24 -0 ..तिरुपति जर्नल सॉल्यूशन, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।
- வேக்காராராானை ஶாராதத்தம்ப்புதததததித்தை) वेदज्योतिषमति,) ः खंड-3 , पृष्ठ संख्या 22-30 आईएसएसएन-2349-3100..संस्कृत अनुसंधानम संस्थानम, लोहरियासराय दरभंगा विहार द्वारा प्रकाशित।

श्री श्रीनिवास स्वांई, अतिथि शिक्षक, संस्कृत विभाग

- आसिद्धव्रत्रभात अति सूत्रे बालमनोरमाकारसिद्धांततारतनकारयो ः (2022) पाणिनीय ःखंड-30, पृष्ठ संख्या 24-29 आईएसएसएन-2321-2 ..महर्षि पाणिनि वैदिकविश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश द्वारा प्रकाशित।
- भूतार्थलकरणम् प्रद्विश्तिचार ः (2022) वेदांजलि, खंड-1 , अंक3, पृष्ठ संख्या 20 -211 घ्एए–2349-3 4..वैदिक एजुकेशनल रिसर्च सोसाइटी द्वारा प्रकाशित।
- यदागमपरिभाषय ः प्रद्विश्तिचार ः (2022) वेदज्योतिषमति,) ःखंड-3 , पृष्ठ संख्या 14-21 आईएसएसएन-2349-3100..संस्कृत अनुसंधानम् संस्थानम्, लोहरियासराय दरभंगा विहार द्वारा प्रकाशित।
- रामायण पर वैदिक साहित्य का प्रभाव (2022),) ःखंड-4, पृष्ठ संख्या20 -20 आईएसएसएन-22 -032 ..ज्योतिर्वेद प्रस्थानम द्वारा प्रकाशित।
- (2022)शब्दार्णव) ः खंड-1 , पृष्ठ संख्या 1 -190 आईएसएसएन-239 - 104..समन्वय फाउंडेशन, विहार द्वारा प्रकाशित।

डा. बीरेंद्र कुमार सडंगी, व्याख्याता (अनुबंध पर), संस्कृत विभाग

- संस्कृत पुस्तक“सृगितगोविन्दस्य अलंकारिकापार्यलोचनम्“ (श्री जगधर द्वारा लिखित सारदीपिका भाष्य), जिसे संस्कृत विभाग, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ. ओडिशा, कोरापुट, भारत द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रकाशित किया गया था।

संकाय सदस्यों ने पुनश्चर्या पाठ्यक्रम / एफडीपी/अल्पावधि पाठ्यक्रम /अभिमुखीकरण कार्यक्रम पूरा किया

डॉ. जयंत कुमार नायक, सहायक प्रोफेसर, मानव विज्ञान विभाग :

- 1 -19 जनवरी 2023 तक एमएसएसआरएफ, जेपोर में "जीएफएआर - फॉरगॉटन फूड्स - सह-डिजाइन और स्थानीय परामर्श" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में एक संसाधन

डॉ. बी.के.श्रीनिवास, सहायक प्रोफेसर, मानव विज्ञान विभाग :

- 10.01.2022 से 23.02.2022 तकयूजीसी एचआरडीसी, संबलपुर विश्वविद्यालय, ज्योति विहार, बुर्ला, संबलपुर, ओडिशा द्वारा आयोजित जनजातीय अध्ययन (अंतर-अनुशासनात्मक पाठ्यक्रम) में एक ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया और "ए" ग्रेड हासिल किया।

डॉ. काकोली बनर्जी, सहायक प्रोफेसर, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग :

प्रतिभागी के रूप में काम किया :

- 1 से 21 फरवरी 2023 तक भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता 203, बीटी रोड, डनलप, बारानगर, कोलकाता 0010 द्वारा आयोजित "विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भू-स्थानिकप्रौद्योगिकी" पर 21 दिवसीय डीएसटी शीतकालीन स्कूल पूरा किया .

संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य की

- 19 अक्टूबर 2022 को एचआरडीसी, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में जैविक आपदा और उसका प्रबंधन विषय पर आयोजित "इंडक्शन प्रोग्राम" में रिसोर्स पर्सन।
- 2 जुलाई2022 को एचआरडीसी, हैदराबाद विश्वविद्यालय में आयोजित "आपदा प्रबंधन पर अल्पकालिक पाठ्यक्रम" : विदेशी और आक्रामकप्रजातियों की अवधारणा : जैव विविधता के लिए एक संभावित खतरा में संसाधन व्यक्ति।
- 1 और 2 जून 2022 को एचआरडीसी, हैदराबाद विश्वविद्यालय में आयोजित "वर्तमान दशक में ब्लू कार्बन पहल और "जलवायु परिवर्तन के संबंध में समुद्री मत्स्य पालन में परिप्रेक्ष्य और चुनौतियां" विषय पर "फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम में संसाधन व्यक्ति।

डॉ. देवब्रत पंडा, सहायक प्रोफेसर, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग :

- 21 फरवरी से 0 मार्च2022 तक शिक्षा मंत्रालय पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग और इंडियन अकाउंटि एसोसिएशन, एनसीआर चैप्टर के तत्वावधान में"अनुसंधान पद्धति और डेटा विश्लेषण" पर दो सप्ताह का अंत :विषय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम ; टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज यूनिवर्सिटी ऑफ.दिल्ली द्वारा आयोजित ।
- 9 मार्च से 22 मार्च2022 तकयूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, संबलपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यूजीसी-प्रायोजित "प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम" में भाग लिया।
- 9 मार्च से 22 मार्च 2022 तक यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, संबलपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यूजीसी-प्रायोजित "प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम" में भाग लिया।

डॉ. मिनाती साहू, सहायक प्रोफेसर और एचओडी (प्रभारी), अर्थशास्त्र विभाग :

- 12 अक्टूबर 2022 को कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय राहाटा द्वारा आयोजित आईसीएसएसआर पश्चिमी क्षेत्रीयकेंद्र मुंबई द्वारा प्रायोजित 'अनुसंधान पद्धति' पर दस दिवसीय पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति ने "प्रकाशन प्रक्रिया" पर एक व्याख्यान दिया।
- यूरोपीय संघ द्वारा सह-वित्त पोषित इरास्मस परियोजना के सहयोगसे इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज, हैदराबाद और बिमटेक, नई दिल्ली द्वारा आयोजित (24-2 अगस्त 2022) के दौरान 'सतत पर्यटन विकास के लिए क्षमता निर्माण' पर प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।

डॉ. विश्वजीत भोई, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग

- 2 -30 जुलाई, 2022 के दौरान वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोएडा और बैंगलोर विश्वविद्यालय, कर्नाटक द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "भारत में ग्रामीण श्रमिकों का प्रवास : कर्नाटक में महिला प्रवासियों का एक मामला" विषय पर ऑनलाइन सहयोगात्मक क्षमता निर्माण कार्यक्रम में सफलतापूर्वक भाग लिया।
- 03 नवंबर, 2022 के दौरानीईसी और बीजीयू द्वारा बिडला ग्लोबल यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर में आयोजित एमओओसी, मल्टीमीडिया सामग्री विकास और डिजिटल शिक्षा के लिए वितरण (एमसीडीडीई) पर राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-परामर्श में सफलतापूर्वक भागलिया।
- से 11 अप्रैल 2023 तक आईपीआरईएमएस, बरहमपुर द्वारा "एडवांस डेटा विश्लेषण और अनुसंधान पद्धति" पर आयोजित पांच दिवसीय ऑनलाइन एफडीपी में सफलतापूर्वक भाग लिया।

डॉ. रमेंद्र कुमार पाढी, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष (प्रभारी), शिक्षा विभाग :

संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया :

- 0 .02.2023 को यूजीसी-एचआरडीसी, रांची विश्वविद्यालय, झारखंड, भारत द्वारा आयोजित"मार्गदर्शन और जीवन के लक्ष्य" विषय पर शिक्षक शिक्षा में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 09.02.2023 को यूजीसी-एचआरडीसी, रांची विश्वविद्यालय, झारखंड,भारत द्वारा "गैर-प्रयोगात्मक अनुसंधान डिजाइन" विषय पर शिक्षक शिक्षा में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- "शैक्षिक मार्गदर्शन की प्रकृति और उद्देश्य"विषय पर मार्गदर्शन और परामर्श में सर्टिफिकेट कोर्स में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया गया। शैक्षिक मार्गदर्शन के लिए जिम्मेदार कारक" शिक्षा विभाग, एफएम विश्वविद्यालय, बालेश्वर, ओडिशा द्वारा 12.10.2022 को आमंत्रित किए गए।
- "शिक्षक परामर्शदाता और पेशेवर परामर्शदाता की भूमिका" विषय पर मार्गदर्शन और परामर्श में सर्टिफिकेट कोर्स में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया गया। शैक्षिक मार्गदर्शन में अभिभावकों के सहयोग को बढावा देना'' शिक्षा विभाग, एफ एम विश्वविद्यालय, बालासोर, ओडिशा द्वारा 14.10.2022 को आमंत्रित किया गया।
- 13.10.2022 को शिक्षा विभाग,एफएम विश्वविद्यालय, बालेश्वर, ओडिशा द्वारा आमंत्रित "विभिन्न स्तरों पर शैक्षिक मार्गदर्शन कार्यक्रम" विषय पर मार्गदर्शन और परामर्श में सर्टिफिकेट कोर्स में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- समन्वयक, सीबीपीआर
- इग्नू, नई दिल्ली द्वारा 0 -1 अक्टूबर 2022 की अवधि के लिए आयोजित विश्वविद्यालय और कॉलेज शिक्षकों के लिए 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020के कार्यान्वयन' पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम पूरा किया गया।
- टीएलसी, रामानुजन कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) दिल्ली द्वारा 24 से 30 अक्टूबर, 2022 तक आयोजित ई-लर्निंग और ई-गवर्नेंस पर संकाय विकास कार्यक्रम पूरा किया.

डॉ. प्रदोष कुमार रथ, सहायक प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग :

- 20 मई2022 को रायगडा ऑटोनॉमस कॉलेज, रायगडा में 'पत्रकारिता और जनसंचार में करियर' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- जुलाई2022 को रायगडा ऑटोनॉमस कॉलेज, रायगडा में 'मास मीडिया और सामाजिक परिवर्तन' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 2 जुलाई2022 को पीजी विभाग,त्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, संजय मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बेरहमपुर में 'सोशल मीडिया और नैतिक मुद्दे' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 01-03 नवंबर 2022 तक लेडी इरविन कॉलेज (दिलली विश्वविद्यालय) के विकास संचार और विस्तार विभाग द्वारा आयोजित सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन के लिए संचार परिप्रेक्ष्य और संभावनाएं (सीएसबीसी) मॉड्यूल राष्ट्रीय रोल आउट कार्यशाला में भाग लिया ।
- 1 से 30 नवंबर 2022 तक असेम्प्शन कॉलेज, चंगनाचेरी और गुरु अंगद देव टीचिंग लर्निंग सेंटर, एसजीटीबी खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप सेआयोजित एडवांस रिसर्च मेथडोलॉजी और पब्लिशिंग पर दो सप्ताह का राष्ट्रीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया गया।
- 21 से 23 दिसंबर 2022 तक कोरापुट में ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग और साझेदारी में आयोजित 'पर्यावरण और जनजाति' विषय पर 13वीं ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस 2022 में एक सत्र में भाग लिया और सह-अध्यक्षता की.
- जनवरी 2023 को इंस्टीट्यूट ऑफ मीडिया स्टडीज, उत्कल विश्वविद्यालय भुवनेश्वर द्वारा 'संचार मॉडल और इसके आधुनिक प्रभाव' पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक वेबिनार व्याख्यान दिया।

डॉ. सौरव गुप्ता, वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर और एचओडी प्रभारी, पत्रकारिता और जनसंचार विभाग :

- नवंबर 2022 को सिम्बायोसिस सेंटर फॉर मीडिया एंड कम्युनिकेशन (एससीएमसी), पुणे में विकास को आगे बढाने के माध्यम के रूप में रंगमंच विषय पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक व्याख्यान दिया।
- दिसंबर 2022 में भारतीय जनसंचार संस्थान, ढेंकनाल में संचार सिद्धांत और मॉडल विषय पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में ऑनलाइन व्याख्यान की एक श्रृंखला दी।
- 2 मार्च2022 से 3 अप्रैल 2022 तक महिला अध्ययन केंद्र, रांची विश्वविद्यालय और भारतीय महिला अध्ययन संघ द्वारा आयोजित भारत और दुनिया भर में महिला आंदोलन के मानचित्रण ार दिवसीय कार्यशाला सफलतापूर्वक पूरा किया।

- टीचिंग लर्निंग सेंटर, तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा 1 -30 मई2022 को आयोजित अकादमिक लेखन और अनुसंधान पर ऑनलाइन इंटरडिसिप्लिनरी रिफ्रेशर कोर्स सफलतापूर्वक पूरा किया।
- 1-3 नवंबर 2022 को यूनिसेफ और लेडी इरविन कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन के लिए संचार (सीएसबीसी) पर आयोजित 3 दिवसीय कार्यशाला में सफलतापूर्वक भाग लिया।

डॉ. प्रदोष कुमार स्वांई, सहायक प्रोफेसर और एचओडी प्रभारी, उडयिा भाषा और साहित्य विभाग :

- 2 .03.2022 पी.जी. ओडिया विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय भुवनेश्वर, ओडिशा संयुक्त रूप से एक संसाधन व्यक्ति केरूप म एक संसाधन व्यक्ति के रूप में, एक पेपर प्रस्तुत किया : परिबेसा समालोचनबादा ओ ओडिया साहित्य इक्कीसवीं सदी की ओडिया आलोचना : तरीके परिप्रेक्ष्य, साहित्य अकादमी और द्वारा आयोजित।
- एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक पेपर प्रस्तुत किया गया : "भगबतरे माणक ओडियारा शास्त्री स्वरूप", 11 और 12 मार्च, 2023 को ण्एिंण्ध्,ँएिं द्वारा 'ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में शास्त्रीय ओडिया' पर राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया।

डॉ. कपिला खेमुंडु, एसोसिएट प्रोफेसर और एचओडी, समाजशास्त्र विभाग

- 24 से 2 अगस्त 2022 के दौरान इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज (आईपीई) हैदराबाद द्वाराआयोजित "सतत पर्यटन विकास के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम (मल्टीप्लायर इवेंट)" पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

श्री. विश्वजीत भोई, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग और प्रभारी विभागाध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग

- 2 -30 जुलाई, 2022 के दौरान वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोएडा और बैंगलोर विश्वविद्यालय, कर्नाटक द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "भारत में ग्रामीण श्रमिकों का प्रवास : कर्नाटक में महिलाप्रवासियों का एक मामला" विषय पर ऑनलाइन सहयोगात्मक क्षमता निर्माण कार्यक्रम में सफलतापूर्वक भाग लिया।
- 03-00 नवंबर, 2022 के दौरान सीईसी और बीजीयू द्वारा आयोजित बिडला ग्लोबल यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर मेंएमओओसी, मल्टीमीडिया सामग्री विकास और डिजिटल शिक्षा के लिए वितरण (एमसीडीडीई) पर राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-परामर्श में सफलतापूर्वक भाग लिया।
- से 11 अप्रैल 2023 तक आईपीआरईएमएस, बेरहमपुर द्वारा"एडवांस डेटा विश्लेषण और अनुसंधान पद्धति" पर आयोजित पांच दिवसीय ऑनलाइन एफडीपी में सफलतापूर्वक भाग लिया।

संकाय सदस्यों ने संगोष्ठी/परिसंवाद/सम्मेलन/कार्यशाला में भाग लिया

डॉ. जयंत कुमार नायक, सहायक प्रोफेसर, मानव विज्ञान विभाग :

- एक संसाधन व्यक्ति केरूप में, 1 -19 जनवरी2023 तक एमएसएसआरएफ, जयपुर में"जीएफएआर - फॉरगॉटन फूड्स - सह-डिजाइन और स्थानीय परामर्श" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. शरत कुमार पालिता, प्रोफेसर और प्रमुख, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग :

- सदस्य, जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन- सतत विकास परिप्रेक्ष्य पर तीसरी अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला की आयोजन समिति। महासागर, नदी, वायुमंडल और भूमि केंद्र (कोरल), आईआईटी, खडग़पुर, पश्चिम बंगाल द्वारा 2121 से 23 फरवरी 2023 तक आयोजित किया गया।
- संयोजक-सह-सचिव, स्थानीय आयोजन समिति, 13वीं ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस (21-23 दिसंबर 2022), ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट
- सदस्य, संपादकीय बोर्ड, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट में 13वीं ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस (21-23 दिसंबर 2022) की कार्यवाही।
- 1 .03.23 को कोरल (महासागर, नदी और भूमि केंद्र) द्वारा आयोजित जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन-सतत विकास प्रथाओं (बीडीसीसी-छ्छ) पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी सत्र-छ्छ (वन और कृषि संसाधन और जैव प्रौद्योगिकी) की अध्यक्षता की। , आईआईटी, खडग़पुर, पश्चिम बंगाल
- 23 दिसंबर को ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुटद्वारा आयोजित ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस-2022 (21-23 दिसंबर 2022) के"जनजातियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण में सर्वोत्तम अभ्यास" शीर्षक वाले तकनीकी सत्रआठ की अध्यक्षता की।
- 04.01.2023 को एीीं, जेपोर, कोरापुट के वार्षिक दिवस समारोह में 'कोरापुट की जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधन' पर एक आमंत्रित वार्ता के लिए मुख्य वक्ता के रूप में भाषण दिया।
- 04.01.2023 को एीीं, जेपोर, कोरापुट के वार्षिक दिवस समारोह में 'कोरापुट की जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधन' पर एक आमंत्रित वार्ता के लिए मुख्य वक्ता के रूप में भाषण दिया।
- 2 अगस्त 2022 को "कोरापुटऔर जैव विविधता का महत्व" पर आमंत्रित वार्ता के लिए रिसोर्स पर्सन और पूज्य पूजा समिति, जयपुर के समारोह में मुख्य अतिथि।
- 11.0 .22 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2022 के अवसर पर ओडिशा सरकार विज्ञान मंडल द्वारा में आयोजित और जैव विविधता का महत्व" पर आमंत्रित वार्ता के लिए रिसोर्स पर्सन और पूज्य पूजा समिति, जयपुर के समारोह में मुख्य अतिथि।
- 11.0 .22 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2022 के अवसर पर ओडिशा विज्ञान मंडल द्वारा सरकार में आयोजित "जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन" पर आमंत्रित वार्ता के लिए रिसोर्सपर्सन। कोरापुट कॉलेज, ओडिशा मिश्रितमोड में आयोजित किया गया।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं-वैज्ञानिक रिपोर्ट-नेचर, और उष्णकटिबंधीय पारिस्थितिकी (स्प्रिंगर) के लिए समीक्षा किए गए शोध लेख।
- पीएच.डी. विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर, पश्चिम बंगाल के लिए थीसिस; आई.आई.टी., खडग़पुर, पश्चिम बंगाल; और कोलकाता विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल मूल्यांकन किया गया ।

डॉ. काकोली बनर्जी, सहायक प्रोफेसर, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग :

- ग्लोबल वार्मिंग रिडक्शन सेंटर, कोलकाता और एमएससीबी विश्वविद्यालय, बारीपदा(उत्तर ओडिशा विश्वविद्यालय) द्वारा 24-2 मार्च 2023 को आयोजित "ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन : प्रभाव और लचीलापन" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "ओडिशा के मैंग्रोव द्वारा कार्बन पृथक्करण" पर पूर्ण व्याख्यान दिया ।
- जिला शिक्षा कार्यालय, कोरापुट द्वारा राजकीय महाविद्यालय ,हाई स्कूल, कोरापुट में 09.01.2023 से 10.01.2023 तक आयोजित जिला स्तरीय प्रदर्शनी एवं परियोजना प्रतियोगिता में मुख्य वक्ता।
- 21 से 23 दिसंबर, 2022 के दौरान ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित पर्यावरण और जनजातियों पर सम्मेलन में "ओडिशा के कोरापुट जिले के आदिवासियों द्वाराउपभोग किए जाने वाले जंगली खाद्य फलों से एंटीऑक्सिडेंट" विषय पर आमंत्रित वक्ता और सह-अध्यक्ष।
- 11 दिसंबर, 2022 को जीएम विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा द्वारा "स्थायीसमाज और पर्यावरण के लिए भौगोलिक दृष्टिकोण" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "कोरापुट के पवित्र उपवन : जंगल के संरक्षण की एक आदिवासी संस्कृति" विषय पर आमंत्रित वक्ता ।

- समाज और पर्यावरण के लिए भौगोलिकदृष्टिकोण" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "कोरापुट के पवित्र उपवन : जंगल के संरक्षण की एक आदिवासी संस्कृति" विषय पर आमंत्रित वक्ता।
- 1 से 19 दिसंबर2022 तक जूलॉजिकल सोसाइटी, कोलकाता-भारत द्वारा आयोजित पारिस्थितिकी तंत्र पर राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला (चरण : ६) में दिसंबर 2022को "मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र अध्ययन और विश्लेषण के लिए पद्धति" विषय पर मुख्य वक्ता।
- 20-24 जून, 2022 तक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान राउरकेला, भारत द्वाराआयोजित सतत पर्यावरण और ऊर्जा के लिए बायोप्रोसेस पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - 2022 में "समुद्री शैवाल से मूल्यवर्धित उत्पाद" पर आमंत्रित वक्ता और सत्र की अध्यक्षता की।
- 14 से 1 जून 2022 तक राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के समन्वय के रूपमें आपदा जोखिम न्यूनीकरण और लचीलेपन पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में "ओडिशा केचक्रवात" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- ' अप्रैल 2022 को सरकार द्वारा गर्ल्स हाई स्कूल, कोरापुट में आयोजित ब्लॉक-स्तरीय विज्ञान, गणित और पर्यावरण प्रदर्शनी में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रितऔर "जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता" पर एक व्याख्यान दिया। ।
- 31.10.2022 अक्टूबर से 04.11.2022 तक सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ.ओडिशा, कोरापुटमें पत्रकारिता और जनसंचार विभाग में प्रभारी प्रमुख के रूप में कार्य किया।

डॉ. देवब्रत पंडा, सहायक प्रोफेसर, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों संरक्षण विभाग :

- 30 मार्च 2023 को लोयला कॉलेज, चेन्नई में आयोजित "पूर्वी घाट की कोरापुट घाटी के उच्च उपज और पोषण से भरपूर फिंगर बाजरा जीनोटाइप्स' अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष - 2023 पर बाजरा की जैव विविधता में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया और उनके पोषण संबंधी महत्व और रोग-मुक्त समाज बनाने में भूमिका पर जन जागरूकता कार्यक्रम पर एक व्याख्यान दिया।
- 24 और 2 मार्च 2023 को प्रगति, कोरापुट में "किसान मेला सह बीज मेला" में 'कोरापुट की जलवायु लचीलापन फसल' पर एक व्याख्यान दिया और अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया ।
- ●14--1 फरवरी 2023 को एनएएसी, नई दिल्ली में सीडीटीके 2023 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कोरापुट के आदिवासी लोगों द्वारा उप[3]ोग किए जाने वाले जंगली रतालू पर पारंपरिक ज्ञान' पर भाग लिया और एक पोस्टर प्रस्तुत किया ।
- कोरापुट : आदिवासी खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए पौधों की जैव विविधता और आजीविका संसाधनों की भूमि पर एक व्याख्यान में भाग लियत और भाषण दिया। 22 दिसंबर 2022 को सीयूओ कोरापुट में ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस मे।
- ● अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं-पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान (स्प्रिंगर), आणविक जीवविज्ञान रिपोर्ट (स्प्रिंगर), फ्रंटियर इन प्लांट साइंसेज (फ्रंटियर) और राइस साइंस (एल्सेवियर)
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं-पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान (स्प्रिंगर), आणविक जीवविज्ञान रिपोर्ट (स्प्रिंगर), फ्रंटियर इन प्लांट साइंसेज (फ्रंटियर) और राइस साइंस (एल्सेवियर) के लिए समीक्षा किए गए शोध लेख ।

डॉ. सुभाष चंद्र पटनायक, व्याख्याता (अनुबंध पर) और समन्वयक

- स्कोपस और वेब ऑफ साइंस (क्लैरिवेट एनालिटिक्स) द्वारा अनुक्रमित एशिया-पैसिफिक जर्नल ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन को "नेतृत्व व्यवहार अखंडता और कर्मचारी जुडाव : संगठनात्मक कैरियर विकास और फीडबैक आत्म-प्रभावकारिता की भूमिका" शीर्षक से एक पांडुलिपि प्रस्तुत की गई (वर्तमान स्थिति : समीक्षाधीन)।) और ऑस्ट्रेलियन बिजनेस डीन काउंसिल (एबीडीसी) द्वारारैंक किया गया और एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड, बिंगली, यूके द्वारा प्रकाशित किया गया।
- प्रबंधन अनुसंधान समीक्षा जर्नल में "गुणात्मक नौकरी असुरक्षा और कर्मचारी प्रदर्शन : कर्मचारी आशावाद और आंतरिकप्रेरणा की भूमिका" शीर्षक वाली एक पांडुलिपि प्रस्तुत की गई (वर्तमान स्थिति : संशोधित पांडुलिपि समीक्षाधीन है) - स्कोपस और वेब ऑफ साइंस (क्लैरिवेट एनालिटिक्स) द्वारा अनुक्रमित और रैंक की गई ऑस्ट्रेलियन बिजनेस डीन काउंसिल (एबीडीसी) द्वारा और एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड, बिंगली, यूके द्वारा प्रकाशित।
- स्कोपस और वेब ऑफ साइंस द्वारा अनुक्रमित जर्नल ऑफ इंडियन बिजनेस रिसर्च को "संगठनात्मककैरियर विकास और सहस्राब्दी कर्मचारी प्रतिधारण : कर्मचारी सशक्तिकरण, नौकरी संतुष्टि, नौकरी सगाई और संगठनात्मक सगाई की भूमिका" शीर्षक से एक पांडुलिपि प्रस्तुत की गई (वर्तमान स्थिति : समीक्षाधीन)।क्लेरिवेट एनालिटिक्स) और ऑस्ट्रेलियाई बिजनेस डीन काउंसिल (एबीडीसी) द्वारा रैंक किया गया और एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड, बिंगली, यूके द्वारा प्रकाशित किया गया।

डॉ. मिनाती साहू, सहायक प्रोफेसर और एचओडी (प्रभारी), अर्थशास्त्र विभाग :

- विश्वविद्यालय द्वारा सौंपी गई कुछ महत्वपूर्ण क्षमताओं में सेवा की : विभागाध्यक्ष (प्रभारी) अर्थशास्त्र विभाग, गर्ल्स हॉस्टल वार्डन, विभाग अध्ययन बोर्ड के संयोजक। अर्थशास्त्र विभाग क्रय समिति के सदस्य, एक भारत श्रेष्ठ भारत के सदस्य, भरोसा के सदस्य, एनएसएस के सदस्य, वार्षिक रिपोर्ट समिति के सदस्य, प्रवेश प्रक्रिया के सदस्य।
- अर्थशास्त्र विभाग, रायगडा कॉलेज। के बीओएस बाहरी सदस्य केरूप में कार्य किया।
- 10 अगस्त 2022 को 'साइबर सुरक्षा और डिजिटल अर्थव्यवस्था-इसके निहितार्थ' पर विशेषव्याख्यान का आयोजन, श्री पंडित राजेश उत्तमराव, आईपीएस, डीआईजीपी (दक्षिण पश्चिमी रेंज), कोरापुट द्वारा दिया गया।
- 2 अगस्त 2022 को 'वैश्विक अर्थशास्त्र परिदृश्य और भारत में इसका महत्व' पर विशेष व्याख्यान का आयोजन प्रोफेसर पीएस राणा, अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, एचएनबी गढवाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर द्वारा दिया गया।
- 10 नवंबर 2022 को 'सतत विकास' परपर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया, जो प्रोफेसर मृत्युंजय मिश्रा, प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, यूपी द्वारा दिया गया।
- 10 फरवरी 2023 को प्रोफेसर द्वारा 'वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था : अतीत के अनुभव और वर्तमान परिदृश्य' पर आयोजित विशेष व्याख्यान में एम. प्रसाद राव, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग,और पूर्व रेक्टर, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम द्वारा दिया गया।
- 1 फरवरी, 2023 को 'केंद्रीय बजट-2023-24' पर आयोजित विशेष व्याख्यान का आयोजन प्रोफेसरदुखबंधु साहू, प्रमुख, मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन, आईआईटी भुवनेश्वर द्वारा व्याख्यान दिया गया। ।
- अर्थशास्त्र विभाग, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी, भारत द्वाराद्वारा आयोजित सार्वजनिक वित्त, सार्वजनिक नीति और आर्थिक विकास (11-12 नवंबर, 2022) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ओडिशा, भारत में कोविड-19 के बीच डिजिटल शिक्षा और राज्य नीति : चुनौतियांऔर संभावनाएं' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- 21-23 दिसंबर 2022 को ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय और ओईसी द्वारा आयोजित 13वीं ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस में"कोरापुट जिले में बाजरा की विपणन और आपूर्ति श्रृंखला संरचना : ओडिशा बाजरा मिशन पर एक अध्ययन" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया ।
- 1मार्च2023 को एनआईटी, राउरकेलाद्वारा आयोजित "महिलॉ " राष्ट्रीय सम्मेलन में "महिलाएं और बाजरा खेती : ओडिशा के कोरापुट जिले में एक अध्ययन" पर पेपर प्रस्तुत किया ।
- 2 -29 मार्च2023 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनसेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ.ओडिशा में "महिलाओं पर विकास प्रेरित विस्थापन का सामाजिक आर्थिक प्रभाव- टाटा स्टील का एक केस स्टडी" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया ।
- 2 -29 मार्च 2023 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ. ओडिशा में "कृषि उत्पादकता पर प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव का आकलन : केंद्रपाडा जिले, ओडिशा का एक केस स्टडी" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया ।
- 2 -29 मार्च 2023 को ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कोरापुट जिले के खनन क्षेत्र में वन आश्रित परिवारों का सामाजिक-आर्थिक विश्लेषण" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- 2 -29 मार्च2023 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ.ओडिशा में "ओडिशा के बालासोर जिले के विशेष संदर्भ में समुद्री मछली पकडने वाले समुदाय की चुनौतियाँ और संभावनाएँ" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया ।
- 2 -29 मार्च 2023 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में "बाजरा खेती और जनजातीय आजीविका : कोरापुट जिले में ओडिशा बाजरा मिशन का एक अध्ययन" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

श्री विस्वजीत भोई : सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग और प्रभारी विभागाध्यक्ष,सांख्यिकी विभाग :

- विभाग द्वारा 2 अप्रैल 2022 को "प्रबंधकों के लिए संचार कौशल" पर आयोजित सेमिनार वार्ता के लिए संयोजक के रूप में कार्य किया। व्यवसाय प्रबंधन सत्र का संचालन प्रोफेसर सुनील कांत बेहरा, विजिटिंग प्रोफेसर, जे एंड एमसी विभाग, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट द्वारा किया गया।
- विभाग द्वारा 29 अप्रैल 2022 को "एमबीए के बाद उद्यमिता विचार" पर आयोजित सेमिनार टॉक के लिए संयोजक के रूप में कार्य किया। व्यवसाय प्रबंधन सत्र का संचालन श्री देबाशीषदेब, पूर्व कार्यकारी निदेशक, एचएएल, इंजन डिवीजन, कोरापुट, ओडिशा द्वारा किया गया था।
- 14 मई2022 को विभाग द्वारा आयोजित 'आकांक्षी प्रबंधकों के लिए सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनिंगप्रोग्राम' के संयोजक के रूप में कार्य किया। व्यवसाय प्रबंधन का. सत्र का संचालन डॉ. लालतेन्दु केसरी जेना, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, एक्सआईएम विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर द्वारा किया गया ।

- विभागद्वारा 1 सितंबर 2022 को "कोविड-19 के बाद की अवधि में भारत के समक्ष आर्थिक और वित्तीय चुनौतियां" विषय पर आयोजित सेमिनार वार्ता के लिए संयोजक के रूप में कार्यकिया। व्यवसाय प्रबंधन का. सत्र का संचालन प्रोफेसर शक्ति रंजन महापात्र, डीन (प्रबंधन), बीजू पटनायक प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, ओडिशा द्वारा किया गया।
- 14 नवंबर 2022 को विभाग द्वारा "व्यवसाय करने में आसानी-क्यों और कैसे" विषय पर आयोजित सेमिनार टॉक के लिए संयोजक के रूप में कार्य किया। व्यवसाय प्रबंधन का. सत्र का संचालन डॉ. मनोरंजन विश्वास,कार्यकारी निदेशक (एचआर), मेकॉन लिमिटेड, नगरनार, जगदलपुर, छत्तीसगढ. द्वारा किया गया।
- 2 -29 मार्च2023को अर्थशास्त्र विभाग एवं जेएमसी, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "भारत में विकास की यात्रा : स्वतंत्रता के वें वर्ष में आर्थिक और संचार परिदृश्य पर विचार " शीर्षक वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत में जलवायु परिवर्तन और आर्थिक विकास : एक खोजपूर्ण अध्ययन शीर्षक से एक लेख प्रस्तुत किया ।
- 2 -29 मार्च2023को अर्थशास्त्र विभाग एवं जेएमसी, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "भारत में विकास की यात्रा : स्वतंत्रता के वें वर्ष में आर्थिक और संचार परिदृश्य पर विचार " शीर्षक वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की ।

डॉ.प्रदोष कुमार रथ, सहायक प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग :

- अर्थशास्त्र एवं विभाग के जे एंड एमसी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ.ओडिशा द्वारा 2 -29 मार्च2023 को भारत में विकास की यात्रा : स्वतंत्रताके वें वर्ष में आर्थिक और संचार परिदृश्य पर विचार, संयुक्त रूप से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारत में स्वास्थ्य संचार अनुसंधान : अध्ययन का एक उभरता हुआ क्षेत्र' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया.
- 2 -29 मार्च2023 को संयुक्त रूप से अर्थशास्त्र एवं विभाग के जे एंड एमसी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ.ओडिशा द्वारा आयोजित भारत में विकास की यात्रा : स्वतंत्रता के वें वर्ष में आर्थिक और संचार परिदृश्यपर विचार विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इको-टूरिज्म को बढावा देने में मीडिया की भूमिका : ओडिशा के कोरापुट जिले का एक अध्ययन' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. सौरव गुप्ता, वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर और वागाध्यक्ष प्रभारी, पत्रकारिता और जनसंचार विभाग :

- इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर मीडिया एंड कम्युनिकेशन रिसर्च (आईएएमसीआर) के 11-1 जुलाई2022 को आयोजित वार्षिक सम्मेलन में 12 जुलाई 2022 को ऑनलाइन मोड में संचार अनुसंधान में एक पद्धति के रूप में मीडिया सौंदर्यशास्त्र की खोज शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 21-23 दिसंबर 2022 को ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित और आयोजित 13वीं ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस में ओडिशा में जनजातीय मुद्दे : एक इको-मार्क्सवादी अध्ययन शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 21-23 दिसंबर 2022 को ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित और आयोजित 13वीं ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस में आदिवासी अनुष्ठान के माध्यम से पर्यावरण चेतना का संचार - कोरापुट के चैती परब का एक अध्ययनशीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 2 -29 मार्च2023 को अर्थशास्त्र विभाग और जे एंड एमसी विभाग, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुटद्वारा संयुक्त रूप से आयोजित भारत में विकास की यात्रा : स्वतंत्रता के वें वर्ष में आर्थिक और संचार परिदृश्य पर विचार विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दृश्य संचार और ग्रीं: फोटोग्राफी की प्रेरक भूमिका नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 2 -29 मार्च2023 को अर्थशास्त्र विभाग और जे एंड एमसी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ ओडिशा, कोरापुटद्वारा संयुक्त रूप से आयोजित भारत में विकास की यात्रा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कोरापुट मेंसामुदायिक रेडियो के माध्यम से जनजातीय विकास- रेडियो ढिमसा पर एक अध्ययन शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया : स्वतंत्रता के वें वर्ष में आर्थिक और संचार परिदृश्य पर विचार।
- 2 -29 मार्च 2023 को अर्थशास्त्र विभाग और जे एंड एमसी के विभाग ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरपुट द्वारा स्वतंत्रता के वें वर्ष में आर्थिक और संचार परिदृश्य पर विचार आयोजित भारत में विकास की यात्रा पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के संयुक्त संयोजक बने .

सुश्री तलत जहांन बेगम, व्याख्याता (अनुबंध पर), पत्रकारिता और जनसंचार विभाग :

- 29 मार्च2023 को अर्थशास्त्र विभाग और पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट,ओडिशा द्वारा आयोजित "भारत में विकास की यात्रा : स्वतंत्रता के वें वर्ष में आर्थिक और संचार परिदृश्य पर विचार" (2 -29 मार्च 2023) विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की।
- स्वतंत्रता वर्ष" 2 -29 मार्च 2023 को अर्थशास्त्र विभाग और पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, ओडिशा द्वारा आयोजित वें में "भारत में विकास की यात्रा : आर्थिक और संचार परिदृश्य पर विचार" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "विकास के लिए संचार : ओडिशा में ग्रामीण जनजातियों के व्यवहार का विश्लेषण करने में सामाजिक परिवर्तन की सर्वेस अवधारणा पर एक अध्ययन" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

- भारत, यूएनएफपीए, संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक भारत और कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर, ओडिशा में विश्व खाद्य कार्यक्रम भारत सरकार, यूनेस्को, संयुक्त राष्ट्र की साझेदारी में संयुक्त राज्य अमेरिका के महावाणिज्य दूतावास, हैदराबाद और कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित दो दिवसीय दक्षिण एशिया महिला सम्मेलन 2022 (एसएडब्ल्यूसी, 2 -2 मई 2022) में भाग लिया ।
- सॉफ्ट स्किल ट्रेनर के रूप में आमंत्रित वक्ता ने एसओजी (स्पेशल ऑपरेशन) 22 फरवरी 2023 को ओडिशा पुलिस द्वारा ग्रुप) एईटी और आरसी, कोरापुट में दूसरे बैच सीएएसआई (कैडेट असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर) के प्रशिक्षण कार्यक्रम में दो विषयों प्रभावी संचार का महत्व और अच्छे संचार और सामाजिक कौशल प्राप्त करना पर एक दिन का प्रशिक्षण दिया ।
- जून 2022 को इंस्टीट्यूट ऑफ मीडिया स्टडीज, वाणी विहार, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा पत्रकारिता और जनसंचार में करियर पर आयोजित एक वेबिनार में रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित वक्ता।

डॉ. सोनी पाढी, व्याख्याता (अनुबंध पर), पत्रकारिता और जनसंचार विभाग :

- 21-23 दिसंबर 2022 के दौरान कोरापुट में ओडिशा केंद्री^{3}ा विश्वविद्यालय के सहयोग और साझेदारी में पर्यावरण और जनजाति विषय पर 13वीं ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस 2022 में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया।
- एसओजी एईटी और आरटी, कोरापुट में दूसरे बैच सीएएसआई को एक दिवसीय सॉफ्ट स्किल्स प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किया गया (स्लॉट : 20 फरवरी से 2 फरवरी 2023) 23 फरवरी 2023 को दो विषयों : 'सामाजिक अपेक्षाएं और पुलिस में व्यवहार परिवर्तन' और 'भावात्मक बुद्धि'।
- अर्थशास्त्र विभाग और पत्रकारिता विभाग द्वारा आयोजित स्वतंत्रता के वें वर्ष में भारत के विकास की यात्रा : आर्थिक और संचार परिदृश्य पर विचार विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'स्वास्थ्य संचार :सेल्युलाइड स्क्रीन पर शिक्षा' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। और मास कम्युनिकेशन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ.ओडिशा 2 -29 मार्च 2023 को आयोजित।
- 2 मार्च 2023 को ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग और पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित 'भारत के विकास की यात्रा : स्वतंत्रता के वें वर्ष में आर्थिक और संचारपरिदृश्य पर विचार' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक तकनीकी सत्र का समन्वय किया।

डॉ. प्रदोष कुमार स्वांई, सहायक प्रोफेसर और एचओडी (प्रभारी), उडयिा भाषा और साहित्य विभाग :

- 02.01.2023 को 'नबा जागरण बनम ओडिया साहित्य सीनियर जगन्नाथ डिग्री महाविद्यालय रंभा, गंजम राज्य द्वारा आयोजित।
- 0 .12.2022 को उतारअसि ओडिया कबितरे दलिता चेतनरास्वरा ओ स्वाख्यारा, ओडिया साहित्य रे दलित चेतना, पी.जी. द्वारा उडयिा विभाग, जी.एम. विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में।
- एक संसाधन व्यक्ति केरूप में शीर्षकप्रस्तुत किया गया : "परिबेसा समालोचनबादा ओ ओडिया साहित्य इक्कीसवीं सदी की ओडिया आलोचना : पद्धतियाँ और परिप्रेक्ष्य" संयुक्त रूप से, 2 .03.2022को पी.जी. उडयिा विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय भुवनेश्वर, ओडिशा साहित्य अकादमी और द्वारा आयोजित कार्य्क्रम में।
- 22.0 .2022 को शमप्रतिका ओडिया साहित्य-समस्या ओ संकटा, महानगर महासचबा, ब्रह्मपुर, गंजाम, उदार साहित्य संसद, गंजम द्वारा आयोजित संगोष्ठी में।
- एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक पेपर प्रस्तुत किया गया जिसका शीर्षक था : "भगबतरे माणक ओडियारा शास्त्री स्वरूप", 11 और 12 मार्च, 2023 को ण्एिंण्ध्,ँएिं द्वारा 'ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्यमें शास्त्रीय ओडिया' पर राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया।

सम्मेलन :

- 23 मार्च से 2 मार्च, 2023 तक कोरापुट में ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के ओडिया विभागद्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "प्रभासरे जगन्नाथ" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- समन्वयक केरूप में विश्व मातृभाषा दिवस 21/02/2023 के अवसर पर उडयिा भाषा एवं साहित्य विभाग, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

डॉ. आलोक बराल, सहायकप्रोफेसर, उडयिा भाषा और साहित्य विभाग :

- ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस-2022 में "प्रकृति ओ आदिवासी समाजिका ओ संस्कृतिका प्रेक्षानुशीलन" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया, राष्ट्रीय सम्मेलन का विषय "पर्यावरण और जनजातियाँ" था जो 21.12.2022 से 23.12. 2023 तक ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय कोरापुट में आयोजित किया गया था।
- 23.03.2023 से 2 .03.2023 तक ओडिया विभाग, ओडिशा क्रेदीय विश्वविद्यालय, कोरापुट द्वारा आयोजित "प्रवासी ओडिया साहित्य" पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ओडिया उपन्यास : अमेरिकारे ओडिया डायस्पोरा" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

- 23.03.2023 से 2 .03.2023 तकओडिया विभाग, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ.ओडिशा, कोरापुटद्वारा आयोजित “प्रवासी ओडिया साहित्य“ अपर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “ओडिया उपन्यास : अमेरिकारे ओडिया डायस्पोरा“ पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 14.04.2022 को सीओयू, सुनाबेडा, कोरापुट में मुख्य वक्ता के रूप में उत्कल दिवस पर एक विशेष वार्ता दी।
- 03.0 .2023 को नाल्को, दमनजोडी, कोरापुट में मुख्य वक्ता के रूप में गांधार मेहर जयंती पर एक विशेष वार्ता दी।

अनुसंधान पर्यवेक्षण (पीएचडी उडयिा) :

- सुश्रीलक्ष्मीप्रिया पात्रा (पीएचडी पंजीकरण संख्या-301001/2013) उडयिा विभाग की शोध छात्रा (यूजीसी-जेआरएफ) को पीएचडी से सम्मानित किया गया। मेरे मार्गदर्शन और देखरेख में 1.0 .2022 को सीयूओ से डिग्री, उनके शोध का विषय है : “उत्तर आधुनिक ओडिया नाट्यधारा ओ नाट्यकर नीलाद्रि भूषण हरिचंदन।“

पोस्ट डॉक्टरल अनुसंधान कार्य :

- मैंने अपना पोस्ट डॉक्टोरल डी.लिट जमा कर दिया है। इस अवधि के दौरान बरहमपुर विश्वविद्यालय, बरहामपुर के तहत “ओडिया उपन्यास : थीम और शिल्प का विकास (19 0-201)“ पर काम किया।

डॉ. गणेश प्रसाद साहू, व्याख्याता (अनुबंध पर), उडयिा भाषा और साहित्य विभाग :

- 23 मार्च से 2 मार्च, 2023 तक कोरापुट में ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के ओडिया विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “प्रभासा, प्रभासी ओ प्रभासी ओडिया साहित्य“ शीर्षक से एक पेपर में भाग लिया और योगदान दिया।

डॉ. कपिल खेमुंडु, एसोसिएट प्रोफेसर और एचओडी, समाजशास्त्र विभाग :

- बी. आर. अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर 14 अप्रैल 2022 को ॐणि,िण्ळध में मुख्य वक्ता के रूप में “डॉ. बी आर अम्बेडकर और राष्ट्र निर्माण” “ शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. आदित्य केशरी मिश्रा, व्याख्याता (अनुबंध पर), समाजशास्त्र विभाग :

- 29 जून2022 को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईक्यूएसी), पट्टामुंडई कॉलेज, पट्टामुंडई के सहयोग से समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित““विकास अध्ययन का संस्थागतकरण : आर्थिक विकास से सामाजिक अर्थव्यवस्था तक“ पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 21-23 दिसंबर 2022 को ओडिशा पर्यावरण सोसायटी और और ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट द्वारा पर्यावरण और जनजातियों पर आयोजित ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस में “स्थानीय रूप से सोचें, स्थानीय रूप से कार्य करें : जैव विविधता हानि की रक्षा में“ शीर्षक से एक व्याख्यान दिया गया।
- 1 -1 अक्टूबर 2022 को समाजशास्त्र विभाग, रेवेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक द्वारा वैश्वीकरण, सुरक्षा और विकास : स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक आयाम पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में “असुरक्षा की रक्षा में“ शीर्षक से एक सेमिनार व्याख्यान दिया ।
- 1 सितंबर 2022.को कटक के रेवेनशॉ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा विकास, स्थिरता और आजीविका : चुनौतियों और अवसरों पर नेविगेट करने पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में “रिविर्सिंग रियलिटीज.: रिस्ट्रक्चरिंग ट्राइबल लाइवलीहुड्स इन द पोस्ट-पेंडेमिक एरा“ शीर्षक से एक सेमिनार व्याख्यान दिया ।
- 29 जून2022 को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईक्यूएसी), पट्टामुंडई कॉलेज, पट्टामुंडई के सहयोग से समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित “विकास अध्ययन का संस्थागतकरण : आर्थिक विकास से सामाजिक अर्थव्यवस्था तक“ पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- प्रयास-सीवाईएसडी, बैपरिगुडा, कोरापुट के2 वें स्थापना दिवस और सीवाईएसडी, भुवनेश्वर के 40वें स्थापना दिवस के हिस्से के रूप में 20 अप्रैल 2022 को “सतत विकास लक्ष्यों का स्थानीयकरण और पीआरआई की भूमिका“पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया ।

डॉ. नुपूर पटनायक (अनुबंध पर व्याख्याता) समाजशास्त्र विभाग :

- 23 से 2 फरवरी 2023तकप्रवासी अध्ययन केंद्र, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रेषण और समाज पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया : अर्थव्यवस्था और समाज के विकास की दिशा में भारतीय डायस्पोरा की भूमिका, एक निमर्णायक कारक के रूप में।
- 23 से 2 फरवरी 2023 तक लिंग और भारतीय प्रवासी, प्रवासी अध्ययन केंद्र गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- 3, मार्च2023 आभासी प्रवासी, उत्तर औपनिवेशिक साहित्य और नारीवाद, प्रवसी अध्ययन, ब्रिल प्रकाशन, खंड16 अंक
- 2 -30 अप्रैल 2023 को समाजशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय में भारत में महामारी और महामारी के बाद प्रवासी संकट : महिला प्रवासी श्रमिक और सामाजिक कल्याण पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया।
- 1 वें एशिया प्रशांत सम्मेलन, 2-4 जुलाई 2023, सिडनी विश्वविद्यालय, सिडनी ऑस्ट्रेलिया में जलवायु प्रवासन के नारीकरण : जलवायु धारणाएं, प्रवासन - ओडिशा, भारत में महिलाओं के बीच अनुकूलनशीलता पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

डॉ. मानस कुमार मलिक (अतिथि संकाय), समाजशास्त्र विभाग :

- “असमानता और शिक्षा : एक सामाजिक-आर्थिक विश्लेषण“ पर एक पेपर प्रस्तुत किया और 2 -29 मार्च2023 को ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के अर्थशास्त्र विभाग और जर्नल और मास कम्युनिकेशन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

श्री सुमन दाश, अनुबंध पर व्याख्यान, सांख्यिकी विभाग

- 11वीं के दौरान आयोजित सांख्यिकी और डेटा विज्ञान : प्रगति और समृद्धि के लिए सिद्धांत और अभ्यास पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में प्रस्तुत "दो चरण के नमूने के तहत पोस्ट-स्तरीकरण में गैर-संवेदनशील सहायक जानकारी का उपयोग करके संवेदनशील चर का जनसंख्या का मतलब अनुमान" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया। - 13 मार्च 2022, सांख्यिकी विभाग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ साइंस, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद और इंडियन सोसाइटी फॉर प्रोबेबिलिटी एंड स्टैटिस्टिक्स द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।
- 29 और 30 दिसंबर, 2022 को निर्धारित सांख्यिकी विभाग, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम में "सांख्यिकीय नवाचारों पर ज्ञान खोजों और अनुकूलन में हालिया प्रगति (घ्ध्–र्ख्रीध-2022)" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सहायक चर के रैखिक परिवर्तन के तहत पोस्ट-स्ट्रेटिफिकेशन में जनसंख्या माध्य का एक अनुपात प्रकार घातीय अनुमानक" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

डॉ. कल्याणी सुनानी, अतिथि संकाय, सांख्यिकी विभाग

- संयुक्त रूप से आयोजित "सतत विकास के लिए स्टोकेस्टिक मॉडलिंग और डेटा विज्ञान के एकीकृत दृष्टिकोण पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला" में भाग लिया। तिरूपति विश्वविद्यालय और इंडियन सोसाइटी फॉर प्रोबेबिलिटी एंडफॉर प्रोबेबिलिटी एंड स्टैटिस्टिक्स (आईएसपीएस)।

डॉ. विद्याधारा विशी, अतिथि संकाय, सांख्यिकी विभाग

- 4 फरवरी - फरवरी, 2020 को गणित विभाग बरहामपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा,भारत द्वारा आयोजित "गणितीय विश्लेषण और उसके अनुप्रयोग में उन्नति", घ्र्ष्शी-2020, " पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और एक पेपर प्रस्तुत किया। "घातीय मांग और कमी के साथएकल पैरामीटर वेइबुल गिरावट आइटम के लिए उत्पादन नीति) शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- - - फरवरी 2020 गणित विभाग, वीएसएसयूटी, बुर्ला, ओडिशा, भारत द्वारा आयोजित गणित और कंप्यूटिंग में हालिया प्रगति, आईसीएएमसी-2020, पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और एक पेपर प्रस्तुत किया। "समय पर निर्भर मांग के साथ समय पर निर्भर बिगडती वस्तुओं के लिए इष्टतम पुन :पूर्ति नीति" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. एन. सी. पंडा, अधिष्ठाता, भाषा विद्यापीठ

- ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में चार विषयों पर चार अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी और उडयि भाषा संकाय के डीन के रूप में, दिनांक 1 से 2 मार्च, 2023 ।
- विशेष रूप से संस्कृत के एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समन्वयक के रूप में आयोजित किया गया, जिसका शीर्षक था : "भारत और विदेश में संस्कृत की प्रासंगिकता" । इसका आयोजन संस्कृत विभाग, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट 17/03/2023 से 19/03/2023 तक किया गया था । इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कई विदेशी विद्वानों ने भाग लिया था, वे व्नििा थाईलैंड, श्रीलंका, वियतनाम, पोलांड, नेपाल और इंडोनेशिया से थे ।
- 1 से 19 मार्च2023 तक ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, ओडिशा के संस्कृत विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया और "वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारत और विदेश में संस्कृत का महत्व" शीर्षक पर एक लेख भी प्रस्तुत किया.
- 2 /01/2023 को डॉ. पन्नालोक वाडिंगला केलानिया विश्वविद्यालय, कोलंबो के द्वारा विशेष व्याख्यान दिया गया। । शीर्षक था : श्रीलंका में बौद्ध धर्म का प्रभाव।
- प्रो पतंजलि मिश्रा, विभागाध्यक्ष वेद, बी.एच.यू., वाराणसी ने भी 2 जनवरी 2023 को "भारतीय वैदिक अध्ययन परम्परा" पर एक व्याख्यान दिया है।

डॉ. के. दिवाकर, अतिथि संकाय, सांख्यिकी विभाग :

- 24-2 जून-2022के दौरान आयाजित सांख्यिकी विभाग, मोनोनमनियम सुंदरनार विश्वविद्यालय, तिरुनेलवेली, तमिलनाडु भारत द्वारा आयोजित स्टोचैस्टिक मॉडलिंग और इसके अनुप्रयोगों (आईसीआरटीएसएमए-2022) में हालिया रुझानों में प्रस्तुत "एक नया सामान्यीकृत डैगम वितरण और इसके गुण" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

चक्रपाणि पोखरेल, अतिथि संकाय, संस्कृत विभाग

- शिक्षा विभाग एनसीईआरटी नई दिल्ली द्वारा आयोजित भारतीय भाषाओं को सीखने के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का विकास 2 मई से 3 जून 2022 के दौरान एनसीईआरटी नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
- 10 जुलाई से 14 जुलाई 2022 के दौरान एनसीईआरटी नई दिल्ली में आयोजित शिक्षा विभाग एनसीईआरटी नई दिल्ली द्वारा भारतीय भाषाओं को सीखने के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का विकास (एक भारत श्रेष्ठ भारत) नामक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया ।

- 2 अगस्त से 3 सितंबर 2022 के दौरान एनसीईआरटी नई दिल्ली में आयोजित शिक्षा विभाग एनसीईआरटी नई दिल्ली द्वारा भारतीय भाषाओं को सीखने के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का विकास (एक भारत श्रेष्ठ भारत) नामक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया
- 12 दिसंबर से 1 दिसंबर 2022 के दौरान एनसीईआरटी नई दिल्ली में आयोजित शिक्षा विभाग एनसीईआरटी नई दिल्ली द्वारा भारतीय भाषाओं को सीखने के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का विकास (एक भारत श्रेष्ठ भारत)श्रेष्ठ भारत) नामक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- 1दिसंबर से 19 मार्च2023 के दौरान सीयूओ में आयोजित, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित(भारत और विदेश में संस्कृत की प्रासंगिकता) नामक 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- 30 दिसंबर 2022 को प्रजामंडल महिला कॉलेज, नयागढ.द्वारा प्रजामंडल महाविद्यालय में आयोजित वाक्य प्रयोग शीर्षक अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में पेपर पस्तुत किया।

डॉ. श्रीनिवास स्वांई, अतिथि संकाय, संस्कृत विभाग

- प्रजामंडल महिला महाविद्यालय, नयागढ.द्वारा 30 दिसंबर 2022 को प्रजामंडल महाविद्यालय में आयोजित कारकनान प्रयोग चर्चा★ नामक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार मएक पेपर प्रस्तुत किया गया।
- 1 दिसंबर से 19 मार्च 2023 के दौरान सीयूओ में आयोजित, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित (भारत और विदेश में संस्कृत की प्रासंगिकता) नामक 3 दिवसीयीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ. श्रीनिवास स्वांई, अतिथि संकाय, संस्कृत विभाग

- प्रजामंडल महिला महाविद्यालय, नयागढ.द्वारा 30 दिसंबर 2022 को प्रजामंडल महाविद्यालय में आयोजित् कारकनान प्रयोग चर्चा★ नामक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार मेंएक पेपर प्रस्तुत किया गया।
- 1 दिसंबर से 19 मार्च 2023 के दौरान क्यूओ में आयोजित, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित (भारत और विदेश में संस्कृत की प्रासंगिकता) नामक 3 दिवसीयअंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ. ज्योतिस्का दत्त

- ई-लर्निंग एवं ई-" पर एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया गया।
- 24 - 30 अक्टूबर, 2022 तक गवर्नेंस'' टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ।

डॉ. विजयानंद प्रधान, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष (चयन ग्रेड)

- 30 जून 2022 को ध्एणिं द्वारा "नैतिकप्रकाशन की ओर : साहित्यिकचोरी और जर्नल गुणवत्ता के को समझना" विषय पर आयोजित एल्सेवियर कार्यशाला में भाग लिया।
- 2 -29 अप्रैल 2022 (ऑनलाइन मोड) तक एआईसीटीई और जियो इंस्टीट्यूटद्वारा "21वीं सदी के लिए डिजिटल रूप से मजबूत अनुसंधान पुस्तकालयों को डिजाइन करना" पर आयोजित एक सप्ताह की अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला सफलतापूर्वक पूरी की।

प्रकाशन (पत्रिकाएँ/सम्मेलन)

- नारायण, आर. ;प्रधान, बी.एन. ; और मंडल, एस. (2023)। ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संदर्भ में भारत में उच्च शिक्षा में पुस्तकालयों की भूमिका। विज्ञान और संस्कृति, 9(-)2 2-2 .(आईएसएसएन : 003 - 1)
- प्रधान, बी.एन. और अगाडी, के.बी. (2023)। पुस्तकालयों में बडे.डेटा का अनुप्रयोग. 10-11 मार्च2023 के दौरान बेंगलुरु में जैन विश्वविद्यालय द्वारा स्मार्ट लाइब्रेरी पर आय आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए पेपर, पीपी। 244-2 2.(आईएसबीएन : 9 - 93- 32 - 0-4)

पुस्तक प्रकाशित

- प्रधान, बी. (2023). पुस्तकालय प्रदर्शन में सुधार के लिए रणनीतियाँ, सोसायटी प्रकाशन, बर्लिंगटन। (आईएसबीएन- 9 1 4 9494)।

डॉ. रूद्र नारायण, व्यावसायिक सहायक

प्रकाशन (पत्रिकाएँ)

- नारायण, आर. ;प्रधान, बी.एन. ; और मंडल, एस. (2023)। ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संदर्भ में भारत में उच्च शिक्षा में पुस्तकालयों की भूमिका। विज्ञान और संस्कृति, 9(-), 2 2-2 .(आईएसएसएन : 003 - 1)

संकाय सदस्यों की अन्य गतिविधियाँ

प्रो शरत कुमार पालित, प्रोफेसर और एचओडी, विभाग। जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण

- **2 अगस्त 2022 को कुलपति (प्रभारी) की हैसियत से सीयूओ, कोरापुट में ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की 3 वींकार्यकारी परिषद की बैठक की अध्यक्षता की।**
- **2 अगस्त 2022 को कुलपति (प्रभारी) की हैसियत से सीयूओ, कोरापुट में ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की वित्त समिति की 2 वीं बैठक की अध्यक्षता की।**
- **21 अगस्त 2022 को कुलपति (प्रभारी) की हैसियत से ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की 20वीं अकादमिक परिषद की बैठक की ऑनलाइन अध्यक्षता की।**
- 2 फरवरी 2022 को कुलपति (प्रभारी) की हैसियत से ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की 29वीं बिल्डिंग कमेटी की बैठक की ऑनलाइन अध्यक्षता की।
- 30 अक्टूबर 2021 को कुलपति (प्रभारी) की हैसियत से ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की 2 वीं बिल्डिंग कमेटी की बैठक की ऑनलाइन अध्यक्षता की।
- अध्यक्ष, सीयूओ प्रवेश समिति, 2022-23 के लिए
- डीन, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण स्कूल, सीयूओ - जारी
- प्रो-प्रभारी, सेंट्रल लाइब्रेरी, सीयूओ 2 .03.2023 तक
- अध्यक्ष, विभाग अध्ययन बोर्ड। जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण
- नोडल अधिकारी, एनआईआरएफ, सीयूओ-निरंतर
- निदेशक, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईक्यूएसी), ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय- 31.03.2023 तक।
- सीयूओ के निदेशक, अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) 0 अगस्त 2020 से प्रभावी - जारी।
- मुख्यप्रवक्ता, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय तक....
- संयोजक, सीयूओ-कंटीन्यूइंग की एनईपी संचालन समिति
- सदस्य अध्ययन बोर्ड : एम.एससी. प्राणीशास्त्र, रेवेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक ; एमएससीप्राणीशास्त्र, बरहमपुर विश्वविद्यालय ; और पर्यावरण अध्ययन, बरहमपुर विश्वविद्यालय, भांजा विहार, बरहमपुर, ओडिशा
- सदस्य, शासी निकाय : कोरापुट कॉलेज,, ओडिशा सरकार।

डॉ. काकोली बनर्जी, सहायक। प्रोफेसर, विभाग जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण

- 10.0 .2020 से आज तक आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी), ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के पीठासीन अधिकारी के रूप में कार्यरत।
- 1 .0 .2020 से आज तक एमओओसी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ.ओडिशा, कोरापुट के लिए विश्वविद्यालय समन्वयक केरूप में कार्यरत।
- 14.11.2022 को सांस्कृतिक समिति, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के संयोजक केरूप में मनोनीत।
- 14.11.2022 को ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट की सौंदर्यीकरण समिति के सदस्य केरूप में नामांकित किया गया।
- ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय,ओडिशा, कोरापुट के2022-23 के लिए प्रवेश समिति के सदस्य।

डॉ. देवब्रत पांडा, सहायक प्रोफेसर, विभाग जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण

समाचार पत्र एवं वेब पोर्टल में प्रकाशित शोध समाचार

- http://vigyanprasar.gov.in/isw/Stress-resilient-native-rice-varieties-discovered-in-koraput-valley.html
- https://timesofindia.indiatimes.com/city/bhubaneswar/study-finds-koraputs-rice-varieties-climate-resilient/articleshow/95990414.cms
- https://orato.world/2022/09/24/scientist-in-india-addresses-climate-change-food-insecurity-with-ancient-rice-types/
- https://prameyaepaper.com/m/770121/6390e335cd03e
- http://storiesodisha.com/Empowering_tribal_women_through_Kalajeera_rice_cultivation.php

- https://krishijagran.com/agriculture-world/odisha-university-study-traditional-rice-strains-in-koraput-tolerant-to-drought-stress/
- https://www.etvbharat.com/oriya/odisha/state/koraput/demand-for-gi-tag-for-koraput-kalajeera/or20230101124047445445112
- http://storiesodisha.com/Climate_resilient_rice_variety.php
- http://vigyanprasar.gov.in/isw/New-understanding-of-grain-ragi-found-in-tribal-areas-of-odisha-hindi.html
- https://www.newindianexpress.com/states/odisha/2023/feb/09/central-university-of-odisharesearcher-finds-nutritionally-rich-finger-millets-in-koraput-2545807.html
- https://timesofindia.indiatimes.com/city/bhubaneswar/scientists-find-high-yielding-nutritious-ragi-in-koraput/articleshow/97674310.cms
- https://timesofindia.indiatimes.com/education/news/researchers-find-high-yielding-nutrition-rich-ragi-varieties-from-koraput/articleshow/97225094.cms
- https://odishabarta.com/cuo-researcher-identified-high-yielding-and-nutrition-rich-ragi-from-koraput-valley-of-eastern-ghats/
- https://argusnews.in/article/odisha/achievements-in-the-field-of-mandia-research
- https://www.etvbharat.com/oriya/odisha/state/koraput/millet-food-demand-increasing-day-by-day-due-to-its-health-benifits/or20230108215050415415206?fbclid=IwAR2KNCXCJ-R9yyb1H0JfVoB8r1mifv0IqzIR3JQLlUwcvE16B8FaQUN2n8I
- https://www.101reporters.com/article/health/Millets_vs_Malnutrition_Reviving_the_super_crop_via_nutrientrich_meals_at_Odishas_anganwadis
- https://www.news18.com/news/india/millets-vs-malnutrition-reviving-the-super-crop-via-nutrient-rich-meals-at-odishas-anganwadis-5675611.html
- https://daijiworld.com/news/newsDisplay?newsID=985275
- https://argusnews.in/article/odisha/millets-vs-malnutrition-reviving-the-super-crop-via-nutrient-rich-meals-at-odishas-anganwadis
- https://www.businesslend.com/news/millets-vs-malnutrition-reviving-the-super-crop-via-nutrient-rich-meals-at-odishas-anganwadis/
- https://en.trend.az/world/other/3629329.html
- https://www.prokerala.com/news/articles/a1331358.html
- https://sexinews.com/reviving-super-crop-through-nutrient-rich-food-in-anganwadi-of-odisha-sexi-news/
- http://storiesodisha.com/Mandia_empowers_women_in_remote_villages.php
- https://www.thelocalreport.in/researchers-find-high-yielding-nutrition-rich-ragi-varieties-from-koraput-times-of-india/
- https://www.slurrp.com/article/koraputs-finger-millet-variants-bada-bhalu-and-ladu-are-in-news-here-is-why-1674843109895
- https://v3newsindia.in/new-variety-of-nutritious-ragi-found-in-tribal-area-of-odisha/
- https://www.navyugsandesh.com/new-variety-of-nutritious-ragi-found-in-tribal-area-of-odisha/
- https://jantaserishta.com/local/odisha/new-variety-of-nutritious-ragi-found-in-tribal-area-of-odisha-2065242
- https://singraulimirror.in/news/new-variety-of-nutritious-ragi-found-in-tribal-area-of-odisha
- https://www.gaonconnection.com/kheti-kisani/ragi-finger-millet-nutrition-high-yield-millets-mission-year-of-millets-central-university-of-odisha-51742?infinitescroll=1
- https://timesofindia.indiatimes.com/city/bhubaneswar/wild-yams-can-help-check-hunger-malnutrition-study-in-researchers-of-central-university-of-odisha/articleshow/93670215.cms

- https://timesofindia.indiatimes.com/city/bhubaneswar/wild-yams-alternative-food-to-alleviate-hunger-malnutrition/articleshow/93667812.cms

रिसर्च न्यूज टीवी चैनल

- https://fb.watch/ip1Nntkl-4/?mibextid=LROouL
- https://youtu.be/gt_sR2B4J4E
- https://fb.watch/hOcTMG9G0u/?mibextid=RUbZ1f
- https://www.etvbharat.com/oriya/odisha/state/koraput/agriculture-secretary-and-koraput-collector-visits-millets-farming/or20221211133628426426758
- https://www.etvbharat.com/oriya/odisha/state/koraput/demand-for-gi-tag-for-koraput-kalajeera/or20230101124047445445112
- https://youtu.be/Hy0mkj_v4UI
- https://fb.watch/9W-9-J0OwQ/
- https://youtu.be/xgUsS1zcwBs
- https://youtu.be/230wDjgo5RI
- https://www.facebook.com/26Jan195o/videos/959522871666537
- https://fb.watch/hOcTMG9G0u/?mibextid=RUbZ1f
- https://youtu.be/5LOwotHm6wY

डॉ. सौरव गुप्ता

- पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के एचओडी (प्रभारी) केरूप में दिनांक01.01.2019 से नियुक्त किया गया। 1 जनवरी 2023.
- दिनांक01.10.2019 से इंजीनियरिंग एवं रखरखाव अनुभाग केप्रभारी अधिकारी केरूप में नियुक्त किया गया। 9 जनवरी 2023.
- जनवरी 2023 में प्रख्यात शिक्षाविद् श्रेणी के तहत सदस्य केरूप में केंद्रीय विद्यालय, कोरापुट की विद्यालय प्रबंधन समिति में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया।

डॉ. ज्योतिस्का दत्त

- टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 24 से 30 अक्टूबर, 2022 तक आयोजित "ई-लर्निंग और ई-गवर्नेंस" पर एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा हुआ।
- सत्र 2022–2023 के लिए ओबीसी सेल के अध्यक्ष केरूप में मनोनीत
- सत्र 2022 – 2023 के लिए ओबीसी सेल के लिए संपर्क अधिकारी के रूप में नामांकित
- 21 अगस्त, 2022 को आयोजित 20वीं अकादमिक परिषद और 02 फरवरी, 2023 को आयोजित 21वीं अकादमिक परिषद में भाग लिया।
- 30.03.2023 को भारतीय परम्परागत क्रीडा महोत्सव के समन्वयक केरूप में मनोनीत

डॉ. मिनती साहू, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष (प्रभारी), अर्थशास्त्र विभाग

- विश्वविद्यालय द्वारा सौंपी गई कुछ महत्वपूर्ण क्षमताओं में सेवा की : विभागाध्यक्ष (प्रभारी) विभाग। अर्थशास्त्रविभाग, गर्ल्स हॉस्टल वार्डन, विभाग अध्ययन बोर्ड के संयोजक। अर्थशास्त्र के, क्रय समिति के सदस्य, एक भारत श्रेष्ठ भारत के सदस्य, भरोसा के सदस्य, एनएसएस के सदस्य, वार्षिक रिपोर्ट समिति के सदस्य, प्रवेश प्रक्रिया के सदस्य।
- विभाग के बीओएस बाहरी सदस्य केरूप में कार्य किया। अर्थशास्त्र विभाग, रायगडा कॉलेज।

डॉ.प्रशांत कुमार बेहरा, सहायक प्रोफेसर, विभाग। अर्थशास्त्र विभाग के प्रभारी एचओडी और अतिरिक्त व्यवसाय प्रबंधन का जिम्मेदारी का निर्वहन।

- विभाग द्वारा 2 अप्रैल 2022 को "प्रबंधकों के लिए संचार कौशल" पर आयोजित सेमिनार वार्ता के लिए संयोजक के रूप में कार्य किया। व्यवसाय प्रबंधन का. सत्र का संचालन प्रोफेसर सुनील कांत बेहरा, विजिटिंग प्रोफेसर, जे एंड एमसी विभाग, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ ओडिशा, कोरापुट द्वारा किया गया।

- विभागद्वारा 29 अप्रैल 2022 को "एमबीए के बाद उद्यमिता विचार" विषय पर आयोजित सेमिनार
- टॉक के लिए संयोजक के रूप में कार्य किया। व्यवसाय प्रबंधन का. सत्र का संचालन श्री देबाशीष देब, पूर्व कार्यकारी निदेशक, एचएएल, इंजन डिवीजन, कोरापुट, ओडिशा द्वारा किया गया था।
- विभाग द्वारा 14 मई 2022 को आ[3]ोजित 'आकांक्षी प्रबंधकों के लिए सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनिंग प्रोग्राम' के सयोजक के रूप में कार्य किया प्रबंधन का. सत्र का संचालन डॉ. लालतेन्दु केसरी जेना,एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, एक्सआईएम विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर द्वारा किया गया।
- विभाग द्वारा 1 सितंबर 2022 को "कोविड-19 के बाद की अवधि में भारत के समक्ष आर्थिक और वित्तीय चुनौतियां" विषय पर आयोजित सेमिनार वार्ता के लिए संयोजक के रूप में कार्य किया। व्यवसाय प्रबंधन का. सत्र का संचालन प्रोफेसर शक्ति रंजन महापात्र, डीन (प्रबंधन), बीजू पटनायकप्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, ओडिशा द्वारा किया गया।
- विभागद्वारा 14 नवंबर 2022 को "व्यवसाय करने में आसानी-क्यों और कैसे" विषय पर आयोजित सेमिनार वार्ता के लिए संयोजक केरूप में कार्य किया। व्यवसाय प्रबंधन का. सत्र का संचालन डॉ.मनोरंजन विश्वास, कार्यकारी निदेशक (एचआर), मेकॉन लिमिटेड, नगरनार, जगदलपुर, छत्तीसगढ.द्वारा किया गया।

श्री. विश्वजीत भोई, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग

- सांख्यिकी विभाग के प्रभारी एचओडी के रूप में कार्यरत
- अर्थशास्त्र विभाग और पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, सीयूओ, कोरापुटद्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "भारत में विकास की यात्रा : स्वतंत्रता के वें वर्ष में आर्थिक और संचार परिदृश्य पर विचार" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सफलतापूर्वक भाग लिया और कागजात प्रस्तुत किए। 29 मार्च 2023 तक.स्वतंत्रता के वें वर्ष में आर्थिक औरऔर कागजात प्रस्तुत किए।
- 2 -30 जुलाई के दौरान वी.वी. गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोएडा और बैंगलोर विश्वविद्यालय, कर्नाटक द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "भारत में ग्रामीण श्रमिकों का ावासन : कर्नाटक में महिला प्रवासियों का एक मामला" विषय पर ऑनलाइन सहयोगात्मक क्षमता निर्माण कार्यक्रम में सफलतापूर्वक भाग लिया।
- 03 नवंबर, 2022 के दौरान सीईसी और बीजीयू द्वारा बिडला ग्लोबल यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर में आयोजित एमओओसी, मल्टीमीडिया सामग्री विकास और डिजिटल शिक्षा के लिए वितरण (एमसीडीडीई) पर राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-परामर्श में सफलतापूर्वक भाग लिया।

डॉ.बी.के.श्रीनिवास, सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष (प्रभारी), विभाग।

- मानवविज्ञान का1 .0 .2022 को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, जगदलपुर, छत्तीसगढ.के स्कूल ऑफ स्टडीज इन एंथ्रोपोलॉजी एंड ट्राइबल स्टडीज में मानवविज्ञान विभाग में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और चौथेसेमेस्टर के छात्रों की मौखिक परीक्षा ली।
- विषय विशेषज्ञ केरूप में भाग लिया और पीएच.डी. संचालित की। 2 .09.2022 को मानव विज्ञान विभाग, कालाहांडी विश्वविद्यालय, भवानीपटना, ओडिशा में चयन साक्षात्कार।
- दिनांक04.02. 2023 को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, जगदलपुर, छत्तीसगढ.के स्कूल ऑफ स्टडीज इन एंथ्रोपोलॉजी एंड ट्राइबल स्टडीज में मानवविज्ञान विभाग में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और दूसरे और चौथे सेमेस्टर के छात्रों के पुरातत्व और जैविक मानवविज्ञान (लैब कोर्स) के प्रैक्टिकल आयोजित किए।
- 1 .0 .2022 को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय जगदलपुर छत्तीसगढ.के स्कूल ऑफ स्टडीज इन एंथ्रोपोलॉजी एंड ट्राइबल स्टडीज में मानवविज्ञान विभाग में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और चौथे सेमेस्टर के छात्रों की मौखिक परीक्षा ली।

अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल संकाय

क्र.	परियोजना का नाम	वित्त पोषित संस्थान	शामिल संकाय	भूमिका	परियोजना लागत	परियोजना की स्थिति
1	करोपुट, ओड़िशा के आदिवासियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले कम उपयोग किए गए जंगली रतालू (डायस्कोरिया एसपीपी) की मेटाबोलाइट प्रोफाइलिंग और बायोप्रोस्पेक्टिंग	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, ओड़िशा सरकार	डॉ. देबब्रत पंडा, सहायक प्रोफेसर, डीबीसीएनआर	पीआई	रु. 1,00,000/-	जारी
2	ओड़िशा में आदिवासी किशोरों के बीच स्वास्थ्य जोखिम व्यवहार की व्यापकता का मानचित्रण-व्यावहारिक स्वास्थ्य देखभाल हस्तक्षेप और स्वास्थ्य जोखिम में कमी के लिए स्थिति और दायरे की जांच करना आदिवासी/122/2020-ECD-II, तारीख 23.03.22)	आईसीएमआर	डॉ. जयंत कुमार नायक, वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर, मानव विज्ञान विभाग	सहा-पीआई	रु.. 64,99,700/-	जारी
3	घैर-संचारी रोगों और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच से संबंधित स्वास्थ्य मान्यताएं और स्वदेशी स्वास्थ्य प्रथाएं : तेलगांना और ओड़िशा में आदिवासी समुदायों पर एक सहभागी कार्रवाई अनुसंधान(UoH-IoE-RC3-21-004, तारीख: 05.01.2022)	आईओई -हैदराबाद विश्वविद्यालय	डॉ. जयंत कुमार नायक, वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर, मानव विज्ञान विभाग	सहा-पीआई	रु. 14,99,920/-	जारी
4	2022-2023 सत्र के दौरान ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय और फोरम फॉर इंटीग्रेड डेवलपमेंट रिसर्च, दिलली के सहयोग सेसाक्षरता जनजातीय डिजिटल	फोरम फॉर इंटीग्रेड डेवलपमेंट रिसर्च, दिलली के सहयोग से	डॉ. कपिल खेमुंडी, एसोसीएट प्रोफेसर,समाज शास्त्र	निदेशक		जारी

अनुसंधान गतिविधियॉ

सत्र 2022-23 के दौरान निम्नलिखित एम.फिल शोध प्रबंध और पीएच.डी शोधग्रंथ शोधार्थियों द्वारा प्रस्तुत किये गए

एम.फील				
क्र.	**विषय**	**नाम**	**शीर्षक**	**उपाधि प्राप्ति का संदर्भ और तारीख**
01	जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण	कपिलेश्वर मल्लिक	भारत के तटीय ओडिशा के चयनित आर्द्रभमियों में साल्ट मार्श घास पोटेरेसिया कोर्कटाटा में कार्बन भंडारण	CUO/Exam./MPHIL/2020/117 & 26.08.2020
02		प्रियंजोली राय	करोपुट, दक्षिणी ओडिशा भारत के पुंटियस जीनस की पांच चयनित मछलियों की मॉफोटैक्सोनॉमी	CUO/Exam./MPHIL/2020/169 & 20.10.2020
03	अर्थशास्त्र	अर्चना बारिक	ओड़िशा के बरगढ जिले में खरीद की प्रभावशीलता और किसानों की जाय पर धान खरीद स्वचालन प्रणाली का प्रभाव	CUO/Exam./MPHIL/2021/30 & 03.02.2021
04	शिक्षा	प्रज्ञा परमिता सामंतराय	ओड़िशा के उच्च शिक्षा संस्थानों में च्वाइस बेसड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) का कार्यान्वयन	CUO/Exam./MPHIL/2021/14 & 21.01.2021
05	सांख्यिकी	खोकन कुमार परमाणिक	प्रक्रिया की मजबूती के संदर्भ में प्रयोगों के विश्लेषण में मजबूत पैरामीटर डिजाइन की भूमिका : एक समीक्षा	CUO/Exam./MPHIL/2021/03 & 05.01.2021
पीएच.डी.				
01	जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण	राकेश पाउल	रिमोट सेंसिंग और जीआईएस का उपयोग करके जलवायु परिवर्तन के संबंध में कोरापुट जिला, ओडिशा का वन आवरण गतिशीलता का अध्ययन	CUO/Exam./PHD/2021/32 & 08.02.2021
02	ओडिआ	रिकी प्रधान	ओडिआ उपन्यास रे पश्चात पटदृश्यांतर वर्तमानं शैली : प्रयोग और प्रतिपालन (1980-2017)	CUO/Exam./PHD/2020/95 & 09.07.2020
03		शाबित्री महारणा	ओडिया नाटकरे नारी संपृक्ति : भित्ति और भूमिका	CUO/Exam./PHD/2020/96 & 13.07.2020
04		कुना सुना	ओडिआ उपन्यास रे कुहुक बस्तबाटरा प्रतिपालन : रूपा ओ रुपांतरण (1980-2015)	CUO/Exam./PHD/2021/15 & 24.01.2021
05	समाजशास्त्र	स्निग्धा समदर सानि	समकालीन भारत में जनजातीय महिलाओं में लैंगिक असमानता : कोरापुट जिले में परजा जनजाति का एक अध्ययन	CUO/Exam./PHD/2021/41 & 12.02.2021

विद्यार्थी प्रोफाइल

शैक्षणिक सत्र 2022-23 में वर्गवार दाखिले विद्यार्थी

क्र.	विभाग	शामान्य			अजा			अजजा			अपिव			आपिव			दिव्यांग*			कश्मिर माइग्रेंट*			शीडब्ल्यू वर्ग*			कुल छात्र	क्षमता	रिक्त	टिपण्णी
		पु	म	कुल	पु	म	कुल	पु	म	कुल	पु	म	कुल	पु	म	कुल	पु	म	कुल	पु	म	कुल	पु	म	कुल				
1	अंग्रेजी में एम.ए.	7	12	19	0	4	4	2	0	2	3	4	7	2	1	3	1	0		0	0		0	0		35	44	9	
2	ओडिआ में एम.ए.	1	9	10	1	5	6	1	2	3	6	12	18	0	1	1	0	0		0	0		0	0		38	44	6	
3	समाजशास्त्र में एम.ए.	5	7	12	0	1	1	3	4	7	2	3	5	2	4	6	0	0		0	0		0	0		31	44	13	
4	जेएमसी में एम.ए.	5	7	12	2	3	5	2	0	2	2	0	2	0	0	0	0	0		0	0		1	1		21	44	23	
5	मानव विज्ञान में एम.एससी.	1	7	8	1	0	1	1	1	2	3	5	8	0	1	1	0	0		0	0		0	0		20	44	24	
6	अर्थशास्त्र में एम.ए.	2	7	9	4	5	9	3	5	8	5	4	9	0	1	1	0	0		0	0		0	0		36	44	8	
7	जैवविविधता में एम.एससी.	1	14	15	3	2	5	1	1	2	5	5	10	0	1	1	0	0		0	0		0	0		33	44	11	
8	गणित विज्ञान में एम.एससी. (पांच वर्षीय एकीकृत)	4	5	9	0	2	2	0	0	0	3	1	4	1	1	2	0	0		0	0		0	0		17	29	12	
9	**B.Ed. (Teacher Education)**	4	10	14	8	2	10	5	0	5	19	6	25	5	4	9	1	2		0	0		0	3		63	63	0	
10	बी .एड. (शिक्षक शिक्षा)	1	1	2	0	1	1	0	2	2	1	2	3	0	0	0	0	0		0	0		0	0		8	25	17	
11	हिंदी में एम.ए.	1	4	5	0	3	3	0	0	0	1	4	5	0	0	0	0	0		0	0		0	0		13	25	12	
12	शंस्कृत में एम.ए.	2	2	4	0	0	0	0	0	0	0	3	3	0	0	0	0	0		0	0		0	0		7	25	18	
13	सांख्यिकी में एम.एससी.	8	6	14	5	1	6	3	0	3	8	6	14	2	0	2	0	0		0	0		0	0		39	44	5	
14	एमबीए	3	1	4	2	0	2	0	0	0	9	0	9	1	0	1	0	0		0	0		0	0		16	44	28	
15	जेएमसी में पीएच.डी.	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0		0	0		0	0		1	1	0	
16	मानव विज्ञान पीएच.डी.	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0		0	0		0	0		1	1	0	
17	जैव विविधता में पीएच.डी.	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0	0		0	0		0	0		1	1	0	
18	अर्थशास्त्र में पीएच.डी.	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0		0	0		0	0		1	1	0	
उपकुल		**45**	**93**	**138**	**26**	**30**	**56**	**21**	**15**	**36**	**68**	**55**	**123**	**13**	**15**	**28**	**2**	**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**4**	**0**	**381**	**567**	**186**	
कुल		**138**			**56**			**36**			**123**			**28**			**4**			**0**			**5**			**381**			

शैक्षणिक सत्र 2021-22में वर्गवार दाखिले विद्यार्थी

क्र.	विभाग	शामान्य			अजा			अजजा			अपिव			आपिव			दिव्यांग*			कश्मिर माइग्रेंट*			शीडब्ल्यू वर्ग*			कुल छात्र	क्षमता	रिक्ति	टिप्पणी
		पु	म	थ.लि.	पु	म	थ.लि.	पु	म	थ.लि.	पु	म	थ.लि.	पु	म	थ.लि.	पु	म	थ.लि.	पु	म	थ.लि.	पु	म	थ.लि.				
1	अंग्रेजी में एम.ए.	6	7		1	3		5	1		4	6		0	0		1	0		0	0		0	0		33	44	11	
2	ओडिआ में एम.ए.	1	3		4	4		2	2		4	14		2	2		0	0		0	0		0	0		38	44	6	
3	समाजशास्त्र में एम.ए.	2	10		3	5		4	4		4	5		0	0		0	1		0	0		0	0		37	44	7	
4	जेएमसी में एम.ए.	5	6		2	0		2	0		3	4		0	0		0	0		0	0		0	0		22	44	22	
5	मानव विज्ञान में एम.एससी.	5	12		2	4		1	1		5	6		0	0		0	0		0	0		0	1		36	44	8	
6	अर्थशास्त्र में एम.ए.	3	8		2	4		2	3		6	6		0	4		0	0		0	0		0	0		38	44	6	
7	जैवविविधता में एम.एससी.	2	10		2	4		1	2		4	12		1	0		0	0		0	0		0	0		38	44	6	
8	गणित विज्ञान में एम.एससी. (पांच वर्षीय एकीकृत)	4	4		2	2		2	1		3	5		2	1		0	0		0	0		0	0		26	29	3	
9	बी .एड. (शिक्षक शिक्षा)	3	16		2	7		3	4		6	16		1	5		2	0		0	0		0	3		63	63	0	
10	हिंदी में एम.ए.	1	8		0	1		0	1		1	3		0	2		0	0		0	0		0	0		17	25	8	
11	शंस्कृत में एम.ए.	0	6		3	1		0	0		4	3		1	1		1	0		0	0		0	0		19	25	6	
12	सांख्यिकी में एम.एससी.	7	2		1	0		1	0		4	3		0	1		1	0		0	0		0	0		19	25	6	
13	एमबीए	7	6		5	1		3	2		7	5		3	1		0	0		0	0		0	1		40	44	4	
14	कंप्यूटर विज्ञान में एम.एससी.	2	5		4	0		1	0		4	3		1	0		0	0		0	0		0	0		20	44	24	
15	ओडिआ में पीएच.डी.	1	0		1	0		0	0		1	0		0	0		0	0		0	0		0	0		3	3	0	
16	जेएमसी में पीएच.डी.	0	0		0	0		1	0		0	0		0	0		0	0		0	0		0	0		1	1	0	
17	मानव विज्ञान पीएच.डी.	0	0		0	0		0	1		0	0		0	1		0	0		0	0		0	0		2	2	0	
18	जैव विवविधता में पीएच.डी.	0	0		0	0		0	0		0	1		0	1		0	0		0	0		0	0		2	2	0	
19	शमाज शास्त्र में पीएच.डी.	0	0		0	0		1	0		0	0		0	0		0	0		0	0		0	0		1	1	0	
20	गणित विज्ञान पीएच.डी.	0	0		1	0		0	0		0	0		0	0		0	0		0	0		0	0		1	1	0	
21	सांख्यिकी में पीएच.डी.	0	0		0	0		0	0		0	1		0	0		0	0		0	0		0	0		1	1	0	
उपकुल		49	103	0	35	36	0	29	22	0	60	93	0	11	19	0	5	1		0	0		0	5		457	574	117	
कुल		152			71			51			153			30			6			0			5			457			

शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए छात्रवृत्ति/अध्येतावृत्ति

क्र.	छात्रवृत्ति का नाम	लाभ प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की संख्या
01	बीजू युवा सशक्तिकरण योजना (LAPTOP DBT)	08
02	निर्माण श्रमिक कल्याण योजना (Edn Astt)	06
03	पीजी मेरिट	51
04	पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति	274
05	तकनीकी और पेशेवर	5
06	व्यासकबी फकीरमोहन भासश्रुति	22
07	राष्ट्रीय छात्रवृत्ति	40

क्र.	अध्येतावृत्ति का नाम	लाभ प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की संख्या
01	नॉन-नेट फैलोशिप	15
02	यूजीसी नेट फैलोशिप	06
03	यूजीसी एनएफओबीसी फैलोशिप	02
04	यूजीसी एनएफएसटी फैलोशिप	02
05	आईसीएसएसआर - फैलोशिप	01

परीक्षा विश्लेषण 2021-22

1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च2023 की अवधि के दौरान ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय से प्राप्त स्नातक/स्नातकोत्तर डिगी की विषय वार संख्या				
क्र.	कार्यक्रम	कुल शामिल	कुल उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशतता
1	ओडिआ में एम.ए.	35	35	100
2	अंग्रेजी में एम.ए.	29	29	100
3	मानव विज्ञान में एम.एससी.	31	31	100
4	समाजशास्त्र में एम.ए.	29	29	100
5	पत्रकारिता एवं जनसंचार में एम.ए.	27	27	100
6	गणित विज्ञान में पाँच वर्षीयं एकीकृत एम.एससी.	12	12	100
7	अर्थशास्त्र में एम.ए.	32	32	100
8	जैवविविधता एंव प्राकृतिक संसाधन संरक्षण में एम.एससी.	23	23	100
9	शिक्षा (बी.एड.)	60	60	100
10	हिंदी में एम.ए.	13	13	100
11	संस्कृत में एम.ए.	14	14	100
12	सांख्यिकी में एम.एससी.	17	17	100
13	बीसीए	23	23	100
14	एमबीए	31	31	100
15	इ-एमबीए	32	32	100

अंतिम परीक्षा -2022 में विभाग वार टप्पर सूची

क्र.	विद्यार्थी का नाम	दाखिला संख्या	कार्यक्रम
01	आलिना गाएन	20/02/DA/16	मानव विज्ञान में एम.एससी.
02	आयूषी बंदोपाध्याय	20/05/DBCNR/23	जैव विविधता एवं प्राकृतिक ससांधन संरक्षण में एम.एससी.
03	ए. परनिथा	20/06/DBM/03	व्यवसाय प्रबंधन में मास्टर
04	आशुतोष कुमार मिश्रा	19/04/DCS/01	बीसीए
05	राधिका बरुहा	20/02/DE/30	अर्थशास्त्र में एम.ए.
06	टी. शुजाता	20/03/DEDN/34	स्नातक शिक्षा
07	शुजातारानी बेहेरा	20/03/DEDN/54	
08	ज्योतिप्रकाश नायक	20/01/DELL/29	अंग्रेजी में एम.ए.
09	मधुस्मिता सेनापति	20/01/DH/04	हिंदी में एम.ए.
10	दिश्या ए आर	20/03/DJMC/33	पत्रकारिता एवं जनसंचार में एम.ए.
11	स्वलेहा आरफीन	17/04/DM/19	गणित विज्ञान में पाँच वर्षीय एकीकृत एम.एससी.
12	नेपाल चंद्रन	20/01/DOLL/05	ओडिआ में एम.ए.
13	उषारानी ओझा	20/01/DSKT/04	संस्कृत में एम.ए.
14	वहुल कुमार यादव	20/02/DS/01	समाज शास्त्र में एम.ए.
15	श्नेहा शुभांगिनी परिडा	20/07/DSTAT/12	सांख्यिकी में एम.एससी.
16	उमामहेश मुश्ति	20/06/EMBA/10	एमबीए (कार्यकारी)

1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च2022 की अवधि के दौरान विश्वविद्यालय से एमफील/पीएच.डी. कार्यक्रम प्रवेश की विभाग वार संख्या

क्र.	विभाग	कार्यक्रम	दाखिल कुल छात्रों की संख्या
01	मानव विज्ञान	पीएच.डी.	01
02	जैवविविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण		01
03	अर्थशास्त्र		01
04	पत्रकारिता और जनसंचार		01

विषय वार 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च2022 की अवधि के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त एम.फील और पीएचडी डिग्री की संख्या

क्र.	विषय	अनुसंधान स्तर					
		पीएच.डी.			एमफील		
		पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
01	मानव विज्ञान	शून्य	01	**01**	शून्य	01	**01**
02	ओडिया	01	01	**02**	शून्य	शून्य	**Nil**
02	जे एंड एमसी	शून्य	शून्य	शून्य	01	शून्य	**01**
03	सांख्यिकी	शून्य	शून्य	शून्य	01	शून्य	**01**

एमफील				
क्र.	**विषय**	**नाम**	**शीर्षक**	**पुरस्कृत संदर्भ संख्या और तारीख**
01	मानव विज्ञान	अखिल पार्वती	ओडिशा के कंधमाल जिले के कुटिया कंध में पोषण स्थिति के विशेष संदर्भ में जैव-सांस्कृतिक अध्ययन	CUO/Exam./MPHIL/CE/07-2022/247 & 13.07.2022
02	जे एंड एमसी	दिव्यज्योति दत्ता	हिंदी फिल्मों में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम का चित्रण : एक सामाजिक सांकेतिक विश्लेषण	CUO/Exam./MPHIL/CE/09-2022/332 & 27.09.2022
03	सांख्यिकी	विक्की कुमार	एनएफएचएस-४ डेटा के संदर्भ में पांच साल से कम उम्र के भारतीय बच्चों में कुपोषण को प्रभावित करने वाले कारकों पर एक अध्ययन	CUO/Exam./MPHIL/CE/10-2022/378 & 31.10.2022
पीएच.डी				
01	मानव विज्ञान	रंजनी पडाल	ओड़िशा के कोरापुट जिले के जनजातीय समुदायों के बीच गैर-संचारी रोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार : एक आकलन	CUO/Exam./CE/PHD/79/ 08-2022/264 & 01.08.2022
02	ओडिआ	सना साहु	आधुनिक ओडिया कवितारे महाभारत : गल्प प्रसंग : एक अनुशीलन (1980-2017)	CUO/Exam./CE/79/ 04-2022/184 & 26.04.2022
03		लक्ष्मीप्रिया पात्र	उत्तर आधुनिक ओडिया नाटद्वयधारा ओ नाटद्वयकार निलाद्री भूषण हरिचंदन	CUO/Exam./CE/PHD/79/08-2022/271 & 11.08.2022

संरचनात्मक सुविधाएं

केंद्रीय पुस्तकालय

केंद्रीय पुस्तकालय सुविधाओं में से एक है, जो विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों के लिए सूचना सहायता प्रदान करता है। पुस्तकालय की स्थापना वर्ष2009में हुई थी और वर्तमान में यह विश्वविद्यालय के दो परिसरों (एक लांडिगुडा परिसर और ओर दूसरा सुनाबेढ़ा परिसर में) पुस्तकालय को ओपन सोर्स इंटीग्रेड लाईब्रेरी मैनेजमेंट साफ्टवेया, कोहा की मदद से स्वचालित किया जा रहा है ।

पुस्तकालय संग्रह एक नजर में :

प्रिंट कलेक्सन

क्र.	संग्रह का नाम	संग्रह की संख्या
1.	पाठ्यपुस्तकें	43558
2.	बाउंड वोल्यूम्स	900
3.	थेसिस और डिसरटेशन	206
4.	समाचारपत्र	14

ई-संसाधन संग्रह

क्र.	संग्रह का नाम	संग्रह की संख्या
1.	सीडी/डीवीडीएस	240
2.	ई-बुक्स (स्प्रिंगर नेचर, बिबलियोटेक्स इंडिया, वर्ल्ड टेक्नोलोजीस)	7536
3.	ई-डाटाबेस (सबस्क्राइबड) (एमार्ल्ड, ईपीडब्ल्यू, इपीडब्ल्यूआरएफ आईटीएस, इंडिया स्टेट जेएसटीओआर, और टेलर एंड फ्रांसिस)	08
4.	इ-संसाधन (ई-शोधसिंधु) (आईएसआईडी डाटाबेस, वर्ल्ड ई-बुक पुस्तकालय और साउथ एशिया आर्काइरा)	03
5.	शोध शुद्धि आसेस (ई-शोधसिंधु के माध्यम से)	मूल (अतीत में उरकुंड पालगारिज्म डिटेक्सन सॉफ्टवेयार
6.	Turnitin-iThenticate पीडीएस	वार्षिक अंशदान

केन्द्रीय पुस्तकालय की सेवाएँ :

केंद्रीय पुस्तकालय के उपयोगकर्ताओं को निम्नलिखित सेवाएँ प्रदान की जाती हैं:

एक। समाचार पत्र कतरन सेवाएँ (एनपीसी): समाचार पत्र कतरन सेवाएँ अकादमिक पुस्तकालयं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जो अनुसंधान, शिक्षा, ऐतिहासिक संरक्षण और सूचना तक सार्वजनिक पहुंच के लिए अमूल्य संसाधनों के रूप में कार्य करती हैं। उनका महत्व कई मायनों में स्पष्ट है, क्योंकि वे केंद्रीय पुस्तकालय, सीयूओ द्वारा सदस्यता प्राप्त प्राथमिक स्रोत सामग्रियों के क्यूरेटेड संग्रह के साथ संकाय, शोधकर्ताओं, विद्वानों और छात्रों को अवगत रखते हैं।

बी. ई-संसाधनों का चयनात्मक प्रसार (एसडीईआर): जैसे-जैसे इंटरनेट पर जानकारी का विस्फोट हुआ है और व्यक्तिगत हितों से संबंधित जानकारी को फल्टिर करना अधिक महत्वपूर्ण हो गया है, इस समस्या को संबोधित करनेका एक तरीका ई-संसाधनों के चयनात्मक प्रसार के माध्यम से प्रासंगिक विषय-केंद्रित जानकारी प्रदान करना है। संसाधन (एसडीईआर)। यह ईमेल के उपयोग के माध्यम से पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं तक सूचना प्रसारित करने काएक तेज.और आसान तरीका है।

सी. साइबर लाइब्रेरी: स्वतंत्र और खुली पहुंच वाले डिजिटल संसाधनों को बढावा देने के लिए सेंट्रल लाइब्रेरी एक समर्पित वेब पोर्टल साइबर लाइब्रेरी की सुविधा प्रदान करती है जिसमेंई-पुस्तकें, ई-जर्नल, वीडियो व्याख्यान, विषय गेटवे जैसे उपयोगी ई-संसाधनों की विभिन्न सूचियां शामिल हैं। , डेटाबेस आदि।

डी. विषय प्लस: केंद्रीय पुस्तकालय में हमारे विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग के लिएएक समर्पित मंच है, जहां कोई भी विभागीय जानकारी संक्षेप में पा सकता है।

इ. इलेक्ट्रॉनिक थीसिस और शोध प्रबंध (ईटीडी): केंद्रीय पुस्तकालय अपने सभी सम्मानित इलेक्ट्रॉनिक थीसिस और शोध प्रबंध को ईटीडी नामकभंडार में होस्ट कर रहा है।

एफ. ई-संसाधनों की रिमोट एक्सेस सुविधा: केंद्रीय पुस्तकालय घ्ब्ड्रिं सुविधा के माध्यम से सब्सक्राइब किए गए ई-संसाधनों तक रिमोट एक्सेस सुविधा भी प्रदान करता है जिसे 24ग़् किसी भीसमय कहीं भी एक्सेस किया जा सकता है।

जी. इंस्टीट्यूशनल डिजिटल रिपोजिटरी (आईडीआर): डीस्पेस सॉफ्टवेयर का उपयोग करके हमारे विश्वविद्यालय के बौद्धिक आउटपुट का एक भंडार बनाया गया है।एच. समर्पित और अद्यतन लाइब्रेरी वेबसाइट: उपयोगकर्ता को नवीनतम जानकारी प्रदान करने के लिए लाइब्रेरी ने अपनी वेबसाइट विकसित की है।

आई. ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग: सेंट्रल लाइब्रेरी ने अपना स्वयं का वेब-ओपीएसी विकसित किया है जो इंटरनेट पर उपलब्ध है।

जे. स्वचालित परिसंचरण: सभी लेनदेन (चेक-इन और चेक-आउट) बारकोडिंग सुविधा के माध्यम से किए जा रहे हैं।

के. दस्तावेज.वितरण सेवाएँ: जो संसाधन हमारी लाइब्रेरी में उपलब्ध नहीं हैं, वे हमारे उपयोगकर्ताओं को उनके ईमेल के माध्यम से मांग पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

एल. आरक्षित संग्रह: केंद्रीय पुस्तकालय ने विशेष रूप से केवल पुस्तकालय के अंदर उपयोग के लिए एक आरक्षित संग्रह बनाया है और इन दस्तावेजों को प्रसारित नहीं किया जा सकता है।

एम. सीसीटीवी कैमरा: पुस्तकालय ने अपने संसाधनों की उचित निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरा स्थापित किया है।

एन. उपयोगकर्ता उन्मुखीकरण कार्यक्रम: पुस्तकालय ने अपने संसाधनों के उचित उपयोग के लिए अपने उपयोगकर्ताओं के लिए पुस्तकालय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया है।

ओ. पुस्तक समीक्षा सेवा: पाचन सूचना सेवा का एक तरीका जिसके माध्यम से हाल ही में जारी पुस्तकों के बारे में जानकारी उपयोगकर्ताओं को पैकेज्ड रूप में तुरंत दी जा सकती है। इसमें साप्ताहिक आधार पर प्रकाशित होने वाले विभिन्न ई-समाचार पत्रों की जानकारी शामिल है।"

पी. नए आगमन: सभी नई जोडी गई पुस्तकों को नए आगमन अनुभाग में प्रदर्शन के लिए अलग-अलग रैक में रखा गया है और साथ ही इन्हें http://libereaery.cuo.eac.in/ebooks और http://opeac.cuo पर ऑनलाइन भी देखा जा सकता है।

पी. नए आगमन: **सभी नई जोड़ी गई पुस्तकों को नए आगमन अनुभाग में प्रदर्शन के लिए अलग-अलग** रैक में रखा गया है और साथ ही इन्हें http://library.cuo.ac.in/ebooks और http://opac.cuo पर ऑनलाइन भी देखा जा सकता है।

http://eac.in/cgi-bin/kohea/opeac-seeaerch.pl?limit†mc-itype:eEBK

क्यू. टॉकिंग लाइब्रेरी: सेंट्रल लाइब्रेरी के विकलांग उपयोगकर्ताओं के लिए, एक समर्पित टॉकिंग लाइब्रेरी सुविधा उपलब्ध है।

आर. समर्पित ओपीएसी, ई-संसाधन क्षेत्र और इंटरनेट टर्मिनल: उपयोगकर्ताओं को ओपीएसी (ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग), सब्स्क्राइब्ड ई-संसाधनों के साथ-साथ अन्य इंटरनेट से संबंधित सेवाओं तक पहुंचने के लिएपर्याप्त संख्या में कंप्यूटर प्रदान किए जाते हैं।

एस. सीयूओ के आईआरआईएनएस: सीयूओ के उपयोगकर्ता समुदाय द्वारा शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों की बेहतरदृश्यता के लिए केंद्रीय पुस्तकालय भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आईआरआईएनएस) की सुविधा भी प्रदान करता है, जिसेhttps://cuo.ierins.oerg/ पर एक्सेस किया जा सकता है।

सदस्यता शक्ति

वर्तमान में विश्वविद्यालय पुस्तकालय अपने दो परिसरों से कार्य कर रहा है और दोनों परिसरों में पुस्तकालय में 1100 सदस्य हैं जिनमें छात्र, संकाय, अनुसंधान विद्वान और गैर-शिक्षण कर्मचारी शामिल हैं। इन-हाउस सदस्यों के अलावा, पुस्तकालय हमारे विश्वविद्यालय के निकट अन्य शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के विद्वानों और आगंतुकों की जरूरतों को भी पूरा करता है।

कार्य के घंटे

अपने संसाधनों तक अधिकतम पहुंच प्रदान करने के लिए, केंद्रीय पुस्तकालय विश्वविद्यालय के सभी कार्य दिवसों पर 09:00 बजे से 1 :00 बजे तक खुला रहता है। सुनाबेडा परिसर में केंद्रीय पुस्तकालयभी शनिवार और रविवार को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक खुला रहता है।

पुस्तकालय कर्मचारी (स्थायी)

1. डॉ. बिजयानंद प्रधान, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष (चयन ग्रेड)
2. डॉ. रूद्र नारायण, व्यावसायिक सहायक
3. श्री.मुकुंद खिल्ला, पुस्तकालय सहायक

पुस्तकालय कर्मचारी (संविदा)

1. सुश्री जॉयतिर्मयी साहू (पुस्तकालय प्रशिक्षु)
2. सुश्री सुचिता साहू (पुस्तकालय प्रशिक्षु)
3. सुश्री तपस्विनी नायक (पुस्तकालय प्रशिक्षु)

४.श्रीमान कमल लोचन शर्मा (पुस्तकालय प्रशिक्षु)

गतिविधि समय

<u>केंद्रीय पुस्तकालय की गतिविधियाँ</u>

1. क्रेंदीय पुस्तकलाय, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 2 से 29 सितंबर 2023 तक नव प्रवेशित छात्रों के लिए एक सप्ताह का लाइब्रेरी ओरिएंटेशन प्रोग्राम - 2023 आयोजित किया है।

आधुनिक स्मार्ट श्रेणी गृह

ओडिश केंद्रीय विश्वविद्यालय 14 विभागों में से प्रत्येक विभाग में एक कक्षा में डिजिटल इंटरएक्टिव डिस्प्ले, विजुएल प्रेजेंटर्स, इलेक्ट्रॉनिक लेक्चर इत्यादि करके अत्याधुनिक स्मार्ट कक्षओां का उपयोग कर रहा है |

स्मार्ट श्रेणी गृह समाधान की मुख्य विशेषताएं

- आकर्षक और स्मार्ट परिव्यय वाला एक समाधान, आपकी प्रस्तुति और आसपास में अतिरिक्त आकर्षण जोड़ता है
- यह एक गहन और आरामदायक शिक्षण वातावरण बनाने के लिए पारंपरिक और आधुनिक शैक्षणिक अनुप्रयोग के मिश्रण के साथ एक समकालीन और व्यापक समाधान है|

- इंटरएक्टिव डिस्प्ले सामानय इंटरेक्शन माहौल को सहयोग और उत्पादकता के मामले में एक पायदान ऊपर बदल देता है
- इंटरएक्टिव डिस्प्ले में इनबिल्ट इंटरेक्टिव सॉफ्टवेयर है जो कक्षाओं को अधिक प्रभावी और सहयोगात्मक बनाने के लिए लाइव एनोटेट लिखने, संपादित करने, सहेजने, मिटाने हाइलाइट करने रंग आकार, प्रिंट, ईमेल, रिकार्ड, ब्रश चुनने आदि के लिए कई सुविधाएं प्रदान करता है
- शिक्षक कक्षाओं का संचालन करते समय प्रस्तुतीकरण, दस्तावेज, वीडियो और छवियों जैसी जानकारी और मल्टीमीडिया सामग्री दे सकते हैं।
- इलेक्ट्रॉनिक लेक्टर्न निर्बाध व्याख्यान वितरण के लिए एकल प्रस्तुति उपकरण के रूप में काम करते हैं जो प्रस्तुतकर्ता और दर्शकों के बीच दो-तरफा बातचीत को और भी अधिक प्रभावशाली बनाता है।
- इलेक्ट्रॉनिक लेक्टर्न रचनात्मक उपकरणों को एकल प्रस्तुति मंच में एकीकृत करके संचार, सहयोग और उत्पादकता को सुव्यवस्थित करता है
- विजुअल प्रेजेंटर किसी दस्तावेज.या ऑब्जेक्ट को स्क्रीन पर बडे.दर्शकों के सामने प्रदर्शित करने में बहुत मदद करता है

कंप्यूटर केंद्र

विश्वविद्यालय के पास एक सर्वर रूम है जो सभी विभागों को एलएएन और इंटरनेट सुविधायें प्रदान करता है। दोनों परिसरों में वायर और वायर एलएएन सुविधा उपलब्ध हैं। मुख्य परिसर में बीएसएनएल द्वारा 1 Gbps के इंटरनेट कनेक्सन जोड़ा गया है। एनआईसीएसआई की सहायता से परिसर को वाई-फाइ सेवा प्रदान करने के लिए काम शुरु किया गया था। ओएफसी केबुल पुस्तकालय ब्लॉक से बालक छात्रवास, बालिका छात्रावास, शैक्षणिक ब्लॉक, अतिथि भवन, तक बिछा दिया गया है। एमएचआरडी के अनुदेश पर, एक्टिव कंपोनेंट अधिष्ठापना का काम मेसर्स रेलटेल को दिया गया है। मेसर्स रेलटेल एक्टिव कंपोनेट अधिष्ठापना का काम किया। वर्तमान दोनों परिसरों में वाई-फाई सेवा उपलब्ध हैं।

व्यक्तिगत आईडी और पासवर्ड दिया जाता है। प्रत्येक उपयोगकर्ताइस आईडी और पासवर्ड का उपयोग दो डिवाइस पर कर सकता है। मोबाइल पर भी और लैपटॉप पर भी.

दोनों सर्वर रूम निम्नलिखित बुनियादी ढांचे से सुसज्जित हैं:

क्रमांक	सर्वर रूम लोकेशन	अधिष्ठापित सॉपअवेयार और हार्डवेयार
1.	लैंडिगुडा कैम्पस (इंटरनेट कनेक्टिविटी 20 एमबीपीएस)	‰ प्रबंधित स्विच 24 पोर्ट 2 राउटर अ2 00 एकेंअए सर्वर एक प्रॉक्सी सर्वर ईपीएबीएक्स सिस्टम- फोर्टी लाइन प्रिंटर – दो दो ऑनलाइन यूपीएस
2.	मुख्य परिसर, सुनाबेडा (1 जीबीपीएस के एनकेएन कनेक्शन के माध्यम से इंटरनेट कनेक्टिविटी)	दो प्रबंधित CISCO स्विच एउ300 2 पोर्ट जुनिपर राउटर आई एक प्रॉक्सी सर्वर तीन ऑनलाइन यूपीएस (10 केवीए-1, केवीए-2)

दोनों परिसरों में तीन सौ चौदह टर्मिनलों का एक स्थानीय क्षेत्र नेटवर्क और निम्नलिखित विवरण के साथ नौ कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ चल रही हैं:

मैं। डीबीसीएनआर विभागीय प्रयोगशाला

दोनों परिसरों में तीन सौ चौदह टर्मिनलों का एक स्थानीय क्षेत्र नेटवर्क और निम्नलिखित विवरण के साथ नौ कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ चल रही हैं:

i. डीबीसीएनआर विभागीय प्रयोगशाला
ii. पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागीय प्रयोगशाला
iii. सामान्य कंप्यूटर लैब
iv. गणित विभागीय प्रयोगशाला
v. कंप्यूटर विज्ञान विभागीय प्रयोगशाला
vi. शिक्षा विभागीय प्रयोगशाला
vii. सांख्यिकी विभागीय प्रयोगशाला

मुख्य परिसर का संरचनात्मक और विकास

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्याल के ढांचागत विकास एक सतत प्रक्रिया है।अब तक परिसर को कार्यात्मक बनाने के लिए निम्नलिखित संरचनात्मक विकास हुए हैं। वे

- ओड़िशा सरकार ने विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए विश्वविद्यालय को 430.37एकड जमीन आबंटित किया है जिसके लिए कोई शुल्क नहीं लिया है।
- राज्य सरकार द्वारा आबंटित की गई लगभग 430.37एकड़ भूमि पर 9.3की.मी. लंबाई की चारदीवार का निर्माण किया गया है।
- सड़कों और इमारतों के लिए संशोधित वास्तुशिल्प डिजाइन के साथ परिसर का मास्टरप्लान पूरा हो चुका है ।
- सीयूओ गेस्ट हाउस (जीह्र३) 2,957 वर्ग मीटर के प्लिंथ क्षेत्र के साथ। लिफ्ट के प्रावधान के साथ 32 कमरे और 08 सुइट्स का निर्माण किया गया है। मार्च 2019 से गेस्ट हाउस को कार्यात्मक बनाया गया है।
- बॉयज हॉस्टल (G+3) और गर्ल्स हॉस्टल (G+3), प्रत्येक, 7,735 वर्ग मीटर। (प्लिंथ क्षेत्र) में 238 कमरे हैं, 105 वर्ग फीट का। प्रत्येक का निर्माण किया गया है और 2016 के शैक्षिक सत्र से इसे कार्यात्म
- दो अस्थायी शैक्षणिक ब्लॉक, प्रत्येक 1,700 वर्गमीटर के प्लिंथ क्षेत्र और प्रत्येक ब्लॉक में 16 कमरों को कार्यात्मक बनाया गया है।
- 775वर्गमीटर के प्लिंथ क्षेत्र वाले लाइब्रेरी ब्लॉक का निर्माण और निर्माण 2014 से चल रहा है।

इंटरनेट सुविधा

- इंटरनेट सुविधा प्रदान के लिए विश्वविद्यालय ने 1जीबी का कनेक्सन बीएसएनएल लिया है। एक रूटर की खरीद एनआईसी के जरिये किया गया है और एक सर्वर कमरा काम करने लगा है ।
- पुस्तकालय भवन में अवस्थित दो कंप्यूटर प्रयोगशाला को इंटरनेट सुविधा पहुँचाया गया है।
- एक जियो टावर खडा किया गया है. व्द सेवा छात्रों और कर्मचारियों तक विस्तारित है।
- परिसर में बीएसएनएल का टावर लगाया गया है। इसका संचालन होना अभी बाकी है.
- **हरित परिसर**
- परिसर में हरियाली बढाने की प्रतिबद्धता के रूप में, विश्वविद्यालय ने कोरापुट वन विभाग के सहयोग से 10,000 (दस हजार) सजावटी और औषधीय पौधों के साथ एक विशाल वृक्षारोपण अभियान चलाया।
- 3वें वन महोत्सव से वृक्षारोपण की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई। पौधों को सफलतापूर्वक लगाया गया है और पौधों की सुरक्षा के लिए बाड.के तार से घेर दिया गया है।

छात्रावास

विश्वविद्यालय अपने मुख्य परिसर में दो छात्रावास लडकों के लिए छात्रावास और लड़कियों के लिए छात्रावास प्रदान करता है। प्रत्येक छात्रावास की क्षमता 240 है। अपने मुख्य परिसर में लड़कों के लिए छात्रावास 10 जुलाई2016 से शुरू हो गया है और अपने परिसर में लड़कियों के लिए छात्रावास ३ सितम्बर 2016 से शुरु हो चुका है। विश्वविद्यालय के चाहने वाले छात्रों और विद्वानों आदि सभी को छात्रावास सुविधा दी जाती है ।

विश्वविद्यालय के दोनों छात्रावासों विभिन्न क्षेत्रीय भाषा और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आने वाले छात्र और छात्राओं को आराम से आवास का एक महत्वपूर्ण सेवा प्रदान करते हैं। छात्रों को अत्याधुनिक सुविधायें दी जा रही हैं जिसमें शामिल हैं उत्कृष्ट फर्नीचर, गंदगी सुविधाओं से सुसज्जित विशाल कमरे, यदि बिजली जाएगी तो जनत्र की सुविधा और चौबिस घंटे एम्बुलेंस सुविधा प्रदान की जाती है, इसके साथ साथ इंडोर तथा आउटडोर खेलकूदों की सुविधायें जैसे बैंडमिटन आदि प्रदान की जाती है। ये छात्रावास छात्रों को स्वतंत्र स्थान प्रदान करता है जहां छात्र विविधता और भिन्नता के साथ रहने की कला सीखते हैं। लड़कियो ंऔर लड़कों के लिए जिमनासियम जैसे अतिरिक्त सुविधाएं प्रदान करने के प्रयास चल रहे हैं।

प्रधान वार्डन: डॉ. कपिला खेमुंडु, वरिष्ठ सहा. प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष (प्रभारी), समाजशास्त्र विभाग

लडक़ों का छात्रावास:

वार्डन: श्री. संजीत कुमार दास, वरिष्ठ सहा. प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष (प्रभारी), अंग्रेजी भाषा और साहित्य विभाग।

लडकियों का छात्रावास:

वार्डन: डॉ. मिनती साहू, वरिष्ठ. सहा. प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष (प्रभारी), अर्थशास्त्र विभाग।

नये निर्माण :

निम्नलिखित निर्माण कार्य पूरे हो चुके हैं:

- प्रोफेसरों के लिए वर्कस्टेशन का निर्माण

निम्नलिखित नए निर्माण कार्य प्रगति पर हैं:

- 6800 वर्ग मीटर के प्लिंथ क्षेत्र के साथ सीयूओ सुनाबेडा में शैक्षणिकब्लॉक- I का निर्माण
- 7956 वर्ग मीटर के प्लिंथ क्षेत्र के साथ सीयूओ, सुनाबेडा के स्टाफ क्वार्टर का निर्माण
- 836 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाले ई-लर्निंग सेंटर का निर्माण
- सुनाबेडा परिसर में खेल के मैदान का विकास (खेल के मैदान के साथ आरआर चिनाई नाली का निर्माण)
- पिछले गेट से गेस्ट हाउस की ओर आंतरिक बिटुमिनस सडक़ (चरण-I) का निर्माण

हरित ऊर्जा पहल: छत पर सौर पैनल स्थापना

- हरित ऊर्जा का उपयोग करने की एक पहल केरूप में, विश्वविद्यालय ने रुफ-टॉप सोलर पैनल स्थापित करने के लिए सीपीडब्ल्यूडी को रु. 2, 10, 00/- की अनुमानित लागत पर कार्य आदेश जारी किया है। दिनांक 31.03.2022 को और 1/3 रुपये 24,03, 00/- का भुगतान भी जारी कर दिया गया है।

शैक्षणिक संवर्धन के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर:

सीयूओ ने डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए अंबेडकर फाउंडेशन, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए ।

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने डॉ. अंबेडकर सेंटर फॉर एक्सीलेंस (डीएसीई) की स्थापना के लिए 30 अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर 22 अप्रैल 2022 को बनारस हिंदूविश्वविद्यालय (बीएचयू) में एक समारोह में हस्ताक्षर किए। । कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. वीरेंद्र कुमार, माननीय केंद्रीय मंत्री, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा महामहिम की गरिमामयी उपस्थिति मेंकिया गया। । सुश्री अनादिबेन पटेल, यूपी के माननीया राज्यपाल, श्री ए. नारायणस्वामी और कु. प्रतिमा भौमिक, दोनों सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री; आर. सुब्रह्मण्यम, सचिव, डॉ. विकास त्रिवेदी, निदेशक, मंच पर अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर. प्रो शरत कुमार पालित, कुलपति (प्रभारी), ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने साथ समझौता ज्ञापन दस्तावेज.का आदान-प्रदान किया। सीयूओ में सामाजिक न्याय औरअधिकारिता मंत्रालय के अंबेडकर फाउंडेशन की स्थापना के लिए डॉ. विकास त्रिवेदी, निदेशक ने के साथ समझौता ज्ञापन दस्तावेज.का आदान-प्रदान किया।

विश्वविद्यालय के घटनाक्रम

माननीय प्रधानमंत्री ने परीक्षा पे चर्चा 2022 कार्यक्रम में छात्रों को संबोधित किया : छात्रों को अपना भविष्य तय करने की अनुमति दी जानी चाहिए

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने तालकटोरा से लाइव टेलीकास्ट के माध्यम से 'परीक्षा पे चर्चा 2022' के पांचवें संस्करण पर एक इंटरैक्टिव प्रारूप में ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के छात्रों के साथ-साथ सभी शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों और उनके अभिभावकों को संबोधित किया। स्टेडियम, नई दिल्ली 01 अप्रैल 2022 को। छात्रों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए विश्वविद्यालय के परिसर में लाइव टेलीकास्ट कार्यक्रम आयोजित किया

गया था। श्री मोदी जी ने अपने विशाल अनुभव से उपयोगी सुझाव दिये। "छात्रों पर अच्छे अंक लाने के लिए शिक्षकों और अभिभावकों द्वारा दबाव नहीं डाला जाना चाहिए। माता-पिता और शिक्षकों के अधूरे सपनों को ाच्चों पर नहीं थोपा जाना चाहिए। उन्हें अपना भविष्य स्वतंत्र रूप से तय करने और अपने सपनों को पूरा करने की अनुमति दी जानी चाहिए। हमें यह समझना चाहिए कि प्रत्येक बच्चे को कुछ असाधारण चीजों का आशीर्वाद है, जिसे माता-पिता और शिक्षक कई बार खोजने में असफल होते हैं।'' प्रधान मंत्री ने आगे बताया कि ऑनलाइन शिक्षा ज्ञान प्राप्त करने के सिद्धांत पर आधारित है जबकि ऑफलाइन शिक्षा उस ज्ञान को बनाए रखने और व्यावहारिक रूप से है इसे आगे लागू करना.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर बोलते हुए उन्होंने कहा, ''हमारे गांवों में शिक्षा व्यवस्था बेहतर हुई है। जो समाज महिलाओं की शिक्षा को प्रोत्साहितनहीं करता वह कभी प्रगति नहीं कर पाएगा।"

प्रो शरत कुमार पलिता, माननीय प्रभारी कुलपति, डॉ. असित कुमार दास, रजिस्ट्रार, डॉ. राम शंकर, परीक्षा नियंत्रक इस कार्यक्रम में जनसंपर्क अधिकारी डा. फागुनाथ भोई,सभी संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के साथ-साथ छात्रों और अनुसंधान विद्वानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रो पालिता ने छात्रों को परीक्षा के दौरान और भविष्य के करियर के लिए माननीय प्रधान मंत्री द्वारा साझा किए गए उपायों सुझावों को लागू करने की सलाह दी ।

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने उत्कल दिवस मनाया

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 01 अप्रैल 2022 को अपने परिसर में उत्कल दिवस धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर, 'उत्कल दिवस और ओडिशा परिचय' पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रख्यात उडिया लेखक श्री दाश बेनहुर ने शुभ सभा को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया, विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रो. एस.के. पलिता ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और अध्यक्षीय भाषण दिया।

उन्होंने कलिंग युद्ध से लेकर आधुनिक ओडिशा के निर्माण तक उत्कल दिवस मनाने के इतिहास और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "भारत में हालांकि आजादी के बाद भाषा के आधार पर राज्यों का गठन और पुनर्गठन किया गया, लेकिन ओडिशा भारत का पहला राज्य है जो आजादी से बहुत पहले भाषा के आधार पर बनाया गया था। हमें आधुनिक ओडिशा के निर्माण और अपनी पहचान स्थापित करने में महान नेताओं और उनके

योगदान को सलाम करना चाहिए। उन्होंने छात्रों को ओडिशा की समृद्ध संस्कृति और विरासत के बारे में जानने और एक ओडिया के रूप में गर्व महसूस करने की सलाह दी।

श्री दाश बेनहुर ने ओडिशा के विभिन्न हिस्सों की समृद्ध संस्कृति को महत्व दिया। उन्होंने जगन्नाथ संस्कृति, आदिवासी संस्कृति, मंदिर संस्कृति और उडिया साहित्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "उडिया साहित्य का भविष्य उज्ज्वल है और छात्रों को इसके लिए काम करना चाहिए। भाषा संस्कृति को प्रतिबिंबित करती है और संस्कृति अपनी भाषा में जीवित रहती है। इसलिए आने वाले दिनों में उडिया साहित्य सांस्कृतिक विकास का आधार बनेगा।"

प्रो दास ने अपनी मातृभाषा के प्रति प्रेम, अपनी मातृभाषा उडिया के बाजार मूल्य के उपयोग और निर्माण को महत्व दिया, ताकि यह जीवित रह सके। उन्होंने कहा, "उडिया भाषा में ज्ञान पुस्तकों की अनुपलब्धता इसके अस्तित्व के लिए चुनौतियों में से एक है। सभी विषयों और ज्ञान को उडिया भाषा में उपलब्ध कराने की पहल की जानी चाहिए, जिससे हमारी मातृभाषा को जीवित रहने और फलने-फूलने में मदद मिल सके।"

डॉ. प्रदोष कुमार रथ, डॉ. प्रदोष कुमार स्वैन, डॉ. गणेश प्रसाद साहू, डॉ. जयंत कुमार नायक, डॉ. देबब्रत पंडा, डॉ. काकोली बनर्जी और विश्वविद्यालय के कई संकाय सदस्य और इस अवसर पर जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. रुगुनाथ भोई सहित विश्वविद्यालय के छात्र एवं शोधार्थी बडी संख्या में उपस्थित थे।

सीयूओ ने 'प्रबंधकों के लिए संचार कौशल' पर सेमिनार का आयोजन किया

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन विभाग ने 29 अप्रैल 2022 को "प्रबंधकों के लिए संचार कौशल" पर एक सेमिनार वार्ता का आयोजन किया। सेमिनार का उद्घाटन करते हुए माननीय कुलपति,प्रोफेसर शरत कुमार पालिता ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी और इस पर प्रकाश डाला। न केवल व्यवसाय में बल्कि पर्यावरण प्रबंधन सहित जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में प्रबंधन का महत्व।उन्होंने एक प्रबंधक के जीवन में संचार कौशल के महत्व के बारे में भी बताया।

संचार के क्षेत्र में प्रख्यात विद्वान, प्रोफेसर सुनील कांत बेहरा, विजिटिंग प्रोफेसर, विभाग। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग एवं सलाहकार, आईक्यूएसी, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने मुख्य वक्ता के रूप मेंभाषण दिया। प्रोफेसर बेहरा ने अपने दो घंटे लंबे भाषण में संचार के महत्व और प्रकारों के बारे में विस्तार से बताया। प्रभावी संचार की बाधाओं को दूर करने के लिए, उन्होंने सलाह दी कि छात्रों को संचार कौशल की जटिलताओं की सराहना करने के लिए खुद को विविध सांस्कृतिक परिवेश में उजागर करने की आवश्यकता है।

सभा को संबोधित करते हुए रजिस्ट्रार डॉ. असित कुमार दास ने अत्यंत आवश्यक सेमिनार वार्ता आयोजितकरने पर प्रसन्नता व्यक्त की और छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए भविष्य में हर संभव मदद का आश्वासन दिया। परीक्षा नियंत्रक डॉ. राम शंकर ने कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं दीं और छात्रों को प्रबंधकीय कौशलको निखारने के लिए ऐसे और कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रेरित किया। श्री। बिजनेस मैनेजमेंट के एचओडी प्रशांत कुमार बेहरा ने ऑनलाइन स्वागत भाषण दिया और विभाग की मुख्य विशेषताओं और छात्र उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। एमबीए प्रोग्राम के समन्वयक डॉ. सुभाष चंद्र पटनायक ने प्रबंधकीय संचार को परिप्रेक्ष्य में रखते हुए वार्ता के विषय की शुरुआत की। चौथे सेमेस्टर के छात्र श्री अमन प्रसाद और सुश्री लिपिका यादवने पूरे कार्यक्रम की मेजबानी की। अंत में, चौथे सेमेस्टर की सुश्री स्वागतिका मिश्रा ने विभाग की ओर से धन्यवाद ज्ञापन किया।

डॉ. ज्योतिस्का दत्ता, जो श्री बेहरा की अनुपस्थिति में विभाग के प्रमुख के रूप में कार्य कर रही है, ने कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण किया ।

सीयूओ ने डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालयने की स्थापना के लिए 30 अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। 22 अप्रैल 2022 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में एक समारोह में डॉ.अंबेडकर सेंटर फॉर एक्सीलेंस (डीएसीई)। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ महामहिम सुश्री अनादिबेन पटेल, यूपी के माननीय राज्यपाल की गरिमामयी उपस्थिति में .वीरेंद्र कुमार, माननीय केंद्रीय मंत्री, सामाजिक न्याय और अधिकारिता, द्वारा किया गया। श्री ए. नारायणस्वामी और कु. प्रतिमा भौमिक, दोनों सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री ; श्री आर. सुब्रह्मण्यम, सचिव, डॉ. विकास त्रिवेदी, निदेशक, मंच पर डॉ.अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर. प्रो शरतकुमार पालित, कुलपति (प्रभारी), ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने डॉ. विकास त्रिवेदी, निदेशक, सीयूओ में डीएसीई की स्थापना के लिए सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अंबेडकर फाउंडेशनके साथ समझौता ज्ञापन दस्तावेज.का आदान-प्रदान किया।

डॉ. अंबेडकर सेंटर फॉर एक्सीलेंस (डीएसीई) का लक्ष्य अनुसूचित जाति (एससी) के छात्रों के लिए मुफ्त यूपीएससी परीक्षा कोचिंग प्रदान करना है। इस उद्देश्य के लिए, डॉ.अंबेडकर फाउंडेशन केंद्रीय विश्वविद्यालयों को हर साल ₹ लाख देगा ताकियह सुनिश्चित किया जा सके कि केंद्र कुशलतापूर्वक और सुचारू रूप से काम कर रहे हैं। प्रत्येक केंद्र में 100 सीटें होंगी और संबंधित उम्मीदवारों से एक प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने की उम्मीद की जाएगी। कुल प्रवेश में से, स्वीकृत सीटों में से 33% अनुसूचित जाति के छात्रों और पात्र महिला छात्रों को दी जाएंगी। इस लॉन्च के साथ, सरकार का लक्ष्य समावेशी अवसर प्रदान करके सामाजिक न्याय लक्ष्य प्राप्त करना है। साथ में वीसी (प्रभारी) डॉ. पलित, रजिस्ट्रार डॉ.असित कुमार दास और परीक्षा नि3ंत्रक डॉ. इस अवसर पर राम शंकर भी उपस्थित थे। ओडिशाऔर कोरापुट जिले दोनों में एससी आबादी का प्रतिशत काफी अच्छा है। 2011 की जनगणना के अनुसार क्रमश : 1 .13% और 14.2 %। कुलपति (प्रभारी) प्रो. पलित ने इस बात पर खुशी व्यक्त की कि एक बार जब केंद्रकार्यात्मक हो जाएगा और यूपीएससी परीक्षाओं के लिए मुफ्त कोचिंग शुरू हो जाएगी, तो इससे निश्चित रूप से ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों को मदद मिलेगी और उनका मनोबल बढ़ेगा ।

सीयूओ ने एमबीए के बाद उद्यमिता विचारों पर सेमिनार का आयोजन किया

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन विभाग ने 29 अप्रैल 2022 को 'एमबीए के बाद उद्यमिताविचार' पर एक सेमिनार वार्ता का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रभारी कुलपति प्रोफेसर शरत कुमार पालिता ने नियंत्रक परीक्षा प्रभारी डॉ. राम शंकर, विभाग के संकाय सदस्य और छात्र की उपस्थिति में किया ।श्री देबाशीष देब, महानिदेशक (कंसल्टेंसी), केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर और पूर्व कार्यकारी निदेशक, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (इंजन डिवीजन), सुनाबेडा, कोरापुट ने व्याख्यान दिया। श्री देब ने अपनी एक घंटे की बातचीत में एक उद्यमी होने के गुणों के बारे में विस्तार से बताया और इसके साथ अपना अनुभव भी बताया। उन्होंने उद्यमियों के लिए रोजगार/व्यवसाय के अवसरों पर प्रकाश डाला।अपनी एक घंटे की बातचीत में एक उद्यमी होने के गुणों के बारे में विस्तार से बताया और इसके साथ अपना अनुभव भी बताया। उन्होंने उद्यमियों के लिए रोजगार/व्यवसाय के अवसरों पर प्रकाश डाला।ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी और भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए उद्यमिता के महत्व के बारे में बात की, खासकर बदली हुई परिस्थितियों में जब रोजगार के अवसर बहुत कम हैं। डॉ. शंकर नेकार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं दीं और सेमिनार के विषय की समयबद्धता की सराहना की। बिजनेस मैनेजमेंट के विभागाध्यक्ष श्री प्रशांत कुमार बेहरा ने स्वागत भाषण दिया और विभाग की मुख्य विशेषताओं और छात्रउपलब्धियों पर प्रकाश डाला। एमबीए कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. सुभाष चंद्र पटनायक ने विषय की प्रासंगिकता का मजबूत पक्ष रखते हुए वार्ता के विषय का परिचय दिया। चौथे सेमेस्टर के छात्र श्री ई विनीत और सुश्री ए. प्रणिता ने पूरे कार्यक्रम की मेजबानी की। अंत में, चौथे सेमेस्टर की छात्रा सुश्री पायल जेना ने विभाग की ओर से धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

समुदाय आधारित भागीदारी अनुसंधान (सीबीपीआर) में मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम सीयूओ में संपन्न हुआ

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा समुदाय आधारित भागीदारी अनुसंधान (सीबीपीआर) में मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ।सभी संस्थानों को समुदाय आधारित लिंकेज कार्यक्रमों का पालन करना होगा-प्रो. पलित ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वाराप्रायोजित समुदाय आधारित भागीदारी अनुसंधान (सीबीपीआर) में तीन दिवसीय आमने-सामने आवासीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम गुरुवार, 9 जून, 2022 को संपन्न हुआ। भारत सरकारके शिक्षा मंत्रालय के उन्नत भारत अभियान (2.0) के तहत आयोजित किया गया। समापन समारोह सीयूओ के सुनाबेढा परिसर में आयोजित किया गया जहां सभी बत्तीस प्रतिभागियों नेसफलतापूर्वक अपना प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरा किया।

समापन सत्र में बोलते हुए ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रो. एस.के. पालित ने इस कार्यक्रम को सफलबनाने के लिए सभी प्रतिभागियों और साथ ही यूजीसी विषय विशेषज्ञों और रिसोर्स पर्सन्स को बधाई दी। उन्होंने कहा कि केवल प्रमाण पत्र प्राप्त करना ही महत्वपूर्ण नहीं है, प्रत्येक प्रशिक्षु को यहां से ज्ञान एवं अनुभव प्राप्त कर अपने-अपने संस्थानों में इसका प्रचार-प्रसार करना चाहिए। यदि सभी संस्थान समुदाय आधारित लिंकेज कार्यक्रमों का पालन करें तो कार्यक्रम सार्थक होगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सीयूओ,यूजीसी की मदद से शैक्षणिक और सामाजिक विकास के लिए ऐसे और कार्यक्रम संचालित करेगा।

यूजीसी के विषय विशेषज्ञ प्रो राजेश टंडन ने प्रतिभागियों के साथ अपने तीन दिनों के अनुभव को साझा किया और इसकार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कोरापुट के गांवों के लोगों के सहयोग की सराहना की। उन्नति के निदेशक श्री बिनॉय आचार्य ने भी अपने तीन दिनों के अनुभव को साझा किया और आशा व्यक्त की कि विशेषज्ञ इस कार्यक्रमके माध्यम से नियमित रूप से अपनी सेवा प्रदान करेंगे। यूजीसी विशेषज्ञ समूह के सदस्य डॉ. कमल बिजलानी ने शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से समाज-समुदाय कनेक्शन पर केंद्रित सामुदायिक भागीदारी की आवश्यकता परबल दिया। कार्यक्रम में प्रत्येक राज्य से आये प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिक्रिया दी। यूजीसी की उप सचिव डॉ. दीक्षा राजपूत ने ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ-साथ प्रतिभागियों को भी बधाई दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय इस प्रयास के माध्यम से पथप्रदर्शक बनेगा। डॉ. रमेंद्र पारही, पूर्वी क्षेत्र सीबीपीआर कार्यक्रम के समन्वयक और प्रमुख प्रभारी विभाग। शिक्षा विभाग ने तीन दिवसीय कार्यक्रम कीडॉ. देबब्रत पंडा, सीयूओ के सहायक प्रोफेसर ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा और डॉ. मिनती साहू, सहा. प्रोफेसर, सीयूओ ने समापन समारोह का समन्वय किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 नियमित शिक्षाके हिस्से के रूप में सामुदायिक शिक्षा पर बहुत जोर देती है और तदनुसार यूजीसी उच्च शिक्षा संस्थानों की "सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक भागीदारी को बढावा देने" के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा और दिशानिर्देश लेकर आई है और सभी एजईआई में सामुदायिक सहभागिता में क्रेडिट पाठ्यक्रमदो शिक्षण संस्थानों की सिफारिश की है।

2-क्रेडिट पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए, शिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित प्रणाली के साथयूजीसी ने समुदाय आधारित भागीदारी के लिए मास्टर प्रशिक्षकों के रूप में संकाय के क्षमता निर्माण के लिए क्षेत्रीय केंद्रों के रूप में ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूओ) सहित पूरे भारत में सात (0)विश्वविद्यालयों की पहचान की है। उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के तहत अनुसंधान (सीबीपीआर)। कार्यक्रम में भाग लेने वाले मास्टर ट्रेनर भारत के पूर्वी क्षेत्र के सिक्किम, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशाराज्यों से लिए गए हैं। इस कार्यक्रम के तहत ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने पूर्वी क्षेत्र के मेजबान के रूप में कार्यक्रम आयोजित किया। प्रतिभागियों को प्रशिक्षण पूरा करने के प्रमाण पत्र प्राप्त हुए।प्रतिभागियों ने कोरापुट ब्लॉक के अंतर्गत महादेइपुट पंचायत और केंदर, बुटुरगुडा गांव और सेमिलीगुडा ब्लॉक के अंतर्गत बरकुटनी गांव और पोट्टांगी ब्लॉक के अंतर्गत मार्ली मारला गांव का दौरा किया। कार्यक्रम को प्रगति, धन फाउंडेशन, फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी (एफईएस) और सीवाईएसडी सहित गैर सरकारी संगठनों द्वारा भी सहायता प्रदान की गई थी।

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूओ) अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 के अवसर पर विशेषज्ञों के साथ योग सत्र का आयोजन

21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पहले

21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पहले ; ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 1 -1 जून 2022 को गैर-शिक्षण कर्मचारियों और अनुसंधान विद्वानों के लिए सुनाबेढा स्थित अपने परिसर में 'विशेषज्ञ के साथ योग सत्रपर एक कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम इसे चल रहे आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) समारोह के साथ जोड.रहा है। आर्ट ऑफ लिविंग के योग विशेषज्ञ श्री जय कुमार प्रधान ने सत्र का संचालन किया। प्रो शरत कुमारपालित, प्रभारी कुलपति। सफल कार्यक्रम के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। प्रो रजिस्ट्रार असित कुमार दास ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और उद्घाटन भाषण दिया। उन्होंने अपने संबोधन में मनुष्य के लिए योग के महत्वऔर लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "योग हर किसी के जीवन के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह शरीर और दिमाग के बीच संबंधों को संतुलित करने में मदद करता है। यह व्यक्ति और समाज के शारीरिक, मानसिक,भावनात्मक और आध्यात्मिक कल्याण से संबंधित है। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ.फागुनाथ भोई ने सत्र का संचालन किया और स्वागत भाषण दिया। सत्र में विभिन्न योग आसन शामिल थे और इसमें प्राणायाम, कपालभारती, शवासन, नाडी शोधन, मकरासन, ब्रामरी, ताडासन, भुजंगासन, मंडूकासन, सीताली और अनुलोम विलोम शामिल थे। श्री प्रधान ने सभी आसनों कीविधि एवं लाभ समझाये एवं प्रदर्शित किये। सभी प्रतिभागी प्रदर्शन का अनुसरण करते हुए योग का अभ्यास करते हैं और विभिन्न घटकों को सीखते हैं।

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 आयोजित हुआ

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ने 21 जून 2022 को सुंदरबेढा स्थित अपने परिसर में वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम से मनाया। मैसूर, कर्नाटक से सामूहिक योग प्रदर्शनऔर माननीय प्रधान मंत्री के संबोधन की लाइव स्ट्रीमिंग सुबह :30 बजे से उपलब्ध कराई गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि योग एक वैश्विक त्योहार बन गया है क्योंकि प्राचीन भारतीय पद्धतिको व्यापक स्वीकृति मिली है। उन्होंने कहा, ''दुनिया ने भारत की अमृत भावना को स्वीकार किया है जिसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को ऊर्जा दी। इसीलिए देश भर में प्रतिष्ठित स्थानों पर सामूहिकयोग प्रदर्शन आयोजित किए जा रहे हैं।'' विश्वविद्यालय समुदाय ने लाइव कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्रों और शिक्षकों ने अपने-अपने घरों से डीडी नेशनल चैनल पर कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग में भाग लिया।

माननीय प्रधानमंत्री के भाषण की लाइव स्ट्रीमिंग के बाद, सीयूओ ने अकादमिक ब्लॉक-3 के सामने योग पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। प्रो. शरत कुमार पालित, माननीय कुलपति प्रभारीने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2022 मनाने के लिए विश्वविद्यालय समुदाय को शुभकामनाएं दीं और उद्घाटन भाषण दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय समुदाय से स्वस्थ और समृद्ध जीवन के लिए योग को अपनी दिनचर्याके अभिन्न अंग के रूप में शामिल करने की अपील की। प्रो रजिस्ट्रार असित कुमार दास ने जीवन में योग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि योग शरीर और आत्मा तथा हमारी आत्मा और परमात्मा के बीच का संबंध है। योग तनाव को नियंत्रित करने और शांत, स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीने का सबसे अच्छा तरीका है। डॉ. राम शंकर ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उद्देश्यों पर भी प्रकाश डाला।

योग सत्र का संचालनआर्ट ऑफ लिविंग के उत्साही योग विशेषज्ञ श्री जय कुमार प्रधान द्वारा किया गया। उन्होंने सामान्य योग प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योग आसनों का प्रदर्शन किया, जैसे भ्रामरी, ध्यान, सीताली, कपालभाति, नाडीशोधन, सबासन, पवन मुक्तासन, अर्धहलासन, उत्तानपादासन, सेतुबंधासन, शलभासन, भ्रुजांगासन, मकरासन, बकरासन, उत्तानमंडुकासन, ससाकासन जैसे कुछ सरल आसन। , उष्ट्रासन, अर्धउष्ट्रासन, बज्रासन, भद्रासन, अर्धचक्रासन, ताडासन और शरीर की विभिन्न गतिविधियां जैसे घुटने की गति, कंधे की गति और उनसे जुडे. विभिन्न लाभ।

इस अवसर पर प्रो. विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. असित कुमार दास ने को सम्मानित किया। प्रख्यात शिक्षाविद्, योग उपदेशक और रामकृष्ण मिशन, कोरापुट के संस्थापक डॉ. अमूल्य रंजन महापात्रा ने क्षेत्र में शिक्षा के सशक्तिकरण और योग को लोकप्रिय बनाने में उनके जीवन भर के योगदान के लिए एक शॉल औरस्मृति चिन्ह भेंट किया। डॉ. महापात्रा ने मानवता के लिए योग विषय पर 'कोविड के बाद की स्थिति में योग का महत्व' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से बेहतर, स्वस्थ और शांतिपूर्ण जीवन के लिए योग का अभ्यास करने की अपील की । विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. फगुनाथ भोई ने सत्र का संचालन किया और स्वागत भाषण प्रदान किया । प्रश्नोत्तरी और निबंध प्रतियोगिता और योग सत्र में भाग लेने वाले प्रतिभागियों और विजेताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया । कार्यक्रम में संकाय सदस्यों सहित सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी शामिल हुए। पूरा कार्यक्रम फेसबुक लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से भी उपलब्ध कराया गया जिसमें छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया।

ओाड़िशा केंद्रीय ाविश्वाविद्यालय 3वां वन महोत्सव मनाया

कोरापुट वन प्रभाग द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में 10,000 पौधे लगाए गए ।

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 07 जुलाई 2022 को विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर, सुनबेडा में कोरापुट वन प्रभाग और 202 बटालियन, सीआरपीएफ के सहयोग से 3वां वन महोत्सव मनाया। विश्वविद्यालय परिसर में एक वृक्षारोपण अभियान का उद्घाटन प्रोफेसर असित कुमार दास, रजिस्ट्रार द्वारा किया गया। ब्रूनो ए, 202 कमांडेंट सीआरपीएफ और उनकी पत्नी सिसी जैकिलीन, की उपस्थिति में; कोरापुट वन प्रभाग के तहत सेमिलिगुडा के रेंज अधिकारी, श्री त्रिपति पंडा कोरापुट वन प्रभागऔर विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी द्वारा सीयूओ परिसर में 10,000 पौधों का रोपण किया गया। सीयूओ के प्रभारी कुलपति प्रो. एस.के. पालिता ने कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

प्रो दास ने पेड लगाने के महत्व और उनके संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''हमें सीयूओ को हरित परिसर बनाना है. निकट भविष्य में कोरापुट वन प्रभाग के सहयोग से परिसर में और अधिक वृक्षारोपण किया गया। उन्होंने वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित करने के प्रयासों के लिए वन प्रभाग को धन्यवाद दिया। उन्होंने कर्मचारियों और छात्रों को पेडों को बचाने और जितना संभव हो सके पेड.लगाने की सलाह दी।
श्री. ब्रूनो ने वन महोत्सव के महत्व के बारे में बताया : इसका उद्देश्य वृक्षारोपण के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करना है, जो कार्बन पृथक्करण प्रक्रिया के लिए सहायक है। उन्होंने परिसर को हरा-भरा बनाने के विश्वविद्यालय के प्रयास की सराहना की।

डॉ फागुनाथ भोई ,जनसंपर्क अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। विश्वविद्यालय से श्री. सुधाकर पटनायक, ओआईसी ; श्री. मानस दास, डीआर प्रभारी ; एर. पद्मलोचन स्वांई, सहायक.इंजीनियर और श्रीमान प्रदीप कुमार सामंतराय, सुरक्षा अधिकारी एवं वन प्रमंडल से श्री. निरंजन सत्पथी, वनपाल और सीआरपीएफ से ऋषि कुमार दे, उप. कमांडेंट एवं श्री. अमित तरार, सहायक कमांडेंट कार्यक्रम का समन्वयन किया। इसअवसर पर विश्वविद्यालय, वन प्रभाग और सीआरपीएफ के सभी कर्मचारियों, अधिकारियों और परिवार के सदस्यों ने पर्यावरण को स्वच्छ और स्वस्थ रखने और वृक्षारोपण को बढावा देने के लिए विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए।

सीयूओ ने तीन दिवसीय प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

1 जुलाई 2022 को सुरक्षा कर्मियों के लिए 'तीन दिवसीय प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण' कार्यक्रम का उद्घाटन प्रभारी कुलपति प्रो. एस. के. पलिताओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने किया । प्रशिक्षण कार्यक्रम केंदीय विश्वविद्यालय ओडिशा और सेंट जॉन एम्बुलेंस, ओडिशा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। इस अवसर पर डॉ. सनंत पटनायक, सचिव सह आयुक्त एवं डॉ. पी.के. महापात्र, सेंट जॉन एम्बुलेंस, अधिकारी, ओडिशा के प्रशिक्षण अधिकारी,जॉन एम्बुलेंस, ओडिशा ने क्रमश: मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। श्री सुप्रभात सारंगी, जिला परियोजना अधिकारी ; प्रो असित कुमार दास, रजिस्ट्रार और श्री के. कोसल राव ने, वित्त अधिकारी सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया। श्री प्रदीप कुमार सामंत्राय, सुरक्षा अधिकारी ने कार्यक्रम का समन्वय किया और स्वागत भाषण दिया।

सीयूओ ने पद्मश्री डॉ. अजय परिड़ा के निधन पर शोक व्यक्त किया

प्रख्यात वैज्ञानिक और जीव विज्ञान संस्थान (आईएलएस), भुवनेश्वर के निदेशक, पद्मश्री डॉ. अजय परिडा के निधन पर, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण विभाग (बीसीएनआर)ने आज उनकी स्मृति में एक शोक सभा का आयोजन किया। दिवंगत आत्मा. उनकी याद में दो मिनट का मौन रखा गया.

प्रोफेसर एस.के.पालित, कुलपति प्रभारी एवं डीन, एसबीसीएनआर ने गहरी संवेदना व्यक्त की और अपने संदेश में कहा कि उन्होंने ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय में बीसीएनआर में एमएससी की शुरूआत के साथ निकटता सेजुडे.थे और पाठ्यक्रम प्रारूपण समिति के सदस्यों में से एक थे, जिसने सीयूओ में बीसीएनआर पाठ्यक्रम के पहले पाठ्यक्रम का मसौदा तैयार किया था। जलवायु अनुकूल फसल किस्मों के क्षेत्र में उनका अग्रणी योगदानथा और मैंग्रोव में सूखा और नमक सहिष्णु जीन की पहचान करने में उनका विशेष योगदान था।

डॉ. काकोली बनर्जी, डॉ. देबब्रत पंडा, बीसीएनआर विभाग में सहायक प्रोफेसर और डॉ. जयंत कु नायक, विभागाध्यक्ष प्रभारी, मानव विज्ञान विभाग ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी में डॉ परिडा के योगदान के बारे में बात की। डॉ. सौरव गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, जे एंड एमसी विभाग, सीयूओ और डॉ. फागुनाथ भोई इस अवसर पर जनसंपर्क अधिकारी ने भी अपनी संवेदना व्यक्त की। बैठकों में बीसीएनआर विभाग के अनुसंधान विद्वान और छात्र उपस्थित थे ।

सीयूओ ने अपने पूर्व कुलपति प्रो. आई. रामब्रह्म को भावभानी श्रद्धांजलि अर्पित की

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपने पूर्व कुलपति प्रोफेसर आई. रामब्रह्मम की पहली पुण्य तिथि के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर मेंको भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। । समस्त स्टाफ सहित प्रो. एस.के. पलित,प्रभारी कुलपति, प्रो. असित कुमार दास, रजिस्ट्रार ;

वित्त अधिकारी श्री के. कोसल राव ने प्रोफेसर रामब्रह्म के फटो पर पुष्पांजलि अर्पित दिवंगत आत्मा के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा गया।

प्रोफेसर एस.के. पलिता की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर, कुलपति (प्रभारी) ने बात की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, ''प्रो. रामब्रह्मम एक कर्मठ व्यक्ति, एक सच्चे नेता, एक प्रमुख शिक्षाविद् और एक महान सामाजिक विचारक और नीति निर्माता थे। उन्होंने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की और अपने कम समय में इस विश्वविद्यालय को विकसित करने के लिए बहुत सारी योजनाएँ बनाई।''उन्होंने यह भी कहा, "विश्वविद्यालय के विकास के लिए हमारी कडी मेहनत प्रोफेसर रामब्रह्मम को एक बडी श्रद्धांजलि होगी।"

प्रो असित कुमार दास, रजिस्ट्रार, डॉ. रमेंद्र कुमार पारही, डीएसडब्ल्यू प्रभारी ; डॉ. कपिला खेमुन्दु, समाज शास्त्र प्रभारी विभागाध्यक्ष ; डॉ. मिनती साहू, अर्थशास्त्र प्रभारी विभागाध्यक्ष ; इस अवसर पर डॉ. फागुनाथ भोई, पीआरओ, श्री सुधाकर पटनायक, ओआईसी ने भी संबोधित किया। प्रख्यात शिक्षाविद् प्रो. रामब्रह्मम 0 दिसंबर 2019 को विश्वविद्यालय में शामिल हुए और 2 जुलाई 2021 को उनका निधन हो गया।

सीयूओआजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में नासा मुक्त भारत अभियान मनाता है

आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) के एक भाग के रूप में, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 04 अगस्त 2022 को अपने परिसर में नशा मुक्त भारत अभियान मनाया। इस अवसर पर प्रोफेसर एस. के. पलिता, प्रभारी कुलपति के नेतृत्व में संकाय और कर्मचारी और प्रो. असित कुमार दास रजिस्ट्रार ने नशे से आजादी पर सामाजिक न्याय और अधिकारितामंत्रालय (श्दएवं) द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन इंटरेक्शन सत्र में भाग लिया। माननीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ; सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री श्री. रामदास अठावले,कु. प्रतिमा भौमिक, श्री. ए. नारायणस्वामी और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सचिव श्री. आर. सुब्रमण्यम ने ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित विश्वविद्यालयों, 00 शैक्षणिक संस्थानों से बातचीत की और एरक लाख से अधिक युवाओं ने ऑनलाइन भाग लिया ।

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने नशा मुक्त भारत अभियान के राष्ट्रीय अभियान के तहत "नशे से आजादी" की थीम पर विश्वविद्यालय परिसर में एक सार्वजनिक संबोधन सभा सहित कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। प्रो. एस.के. पलित, प्रभारी कुलपति कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ने भाग लिया और विश्वविद्यालय समुदाय को किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा, "नशा न केवल किसी व्यक्ति का जीवन बर्बादकरता है, बल्कि परिवार और समाज को भी बुरी तरह बर्बाद कर देता है।" उन्होंने नशे के विभिन्न नकारात्मक प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी छात्रों और कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे कोई भी नशा न करें औरदेश के अच्छे नागरिक बनें और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान दें।

विश्वविद्यालय के चिकित्सा सलाहकार डॉ. धनेश्वर साहू ने अपने संबोधन में नशीली दवाओं के खतरनाक परिणामों के बारे में प्रकाश डाला।डॉ. वीर प्रसाद विश्वविद्यालय के चिकित्सा पदाधिकारी ने कार्यक्रम का आयोजन एवं स्वागत भाषण दिया। श्री प्रदीप सामंतराय सुरक्षा अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।डॉ.फागुनाथ भोई जनसंपर्क अधिकारी ने कार्यक्रम का संचालन किया. कार्यक्रम में बडे.पैमाने पर छात्र, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारी और सुरक्षा कर्मचारी शामिल हुए।

सीयूओ विश्व स्वदेशी लोग पर अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाता है

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 9 अगस्त 2022 को मिश्रित मोड के माध्यम से अपने परिसर में विश्व के स्वदेशी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनायाकार्यक्रम का आयोजन सेंटर फॉर ट्राइबल वेलफेयर एंड कम्युनिटी डेवलपमेंट (CTWCD) और विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। इस अवसर पर पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण और प्रसारण मेस्वदेशी महिलाओं की भूमिका विषय पर एक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रो सीयूओ के प्रभारी कुलपति एस.के. पलिता ने उद्घाटन भाषण दिया और बैठक की अध्यक्षता की। स्वदेशी समुदाय के घटते पारंपरिकज्ञान पर जोर देते हुए प्रो. पलित ने सभी प्रतिभागियों को स्वदेशी समुदाय के बहुत समृद्ध और प्रासंगिक पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण पर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। अपने अध्यक्षीय भाषण मेंउन्होंने महामहिम श्रीमती की उपलब्धि की सराहना की। भारत के राष्ट्रपति के रूप में स्वदेशी समुदाय से आने वाली नेता द्रौपदी मुर्मू को देश का सर्वोच्च पद प्राप्त करना। डॉ। कपिला खेमुंडु, विभागध्यक्ष प्रभारी, समाजशास्त्र विभाग और मानद निदेशक, जनजातीय कल्याण और सामुदायिक विकास केंद्र ने स्वागत भाषण दिया और स्वदेशी लोगों के बारे में जानकारी दी और स्वदेशी दिवस के लैंगिक पहलुओं को संबोधित किया।

प्रोफेसर पंचानन मोहंती जनजातीय केंद्र, सीयूओ और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध भाषाविज्ञान के मानद अध्यक्ष ने भाषाई विविधता और स्वदेशी लोगों की गतिशीलता के महत्व पर प्रकाश डाला।उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे ओडिशा भारत का एकमात्र राज्य है जहां कई स्वदेशी समुदाय विभिन्न स्वदेशी भाषाएं बोलते हैं। भारत में सामाजिक-सांस्कृतिक प्रथाओं और भाषाई विविधता कोसमझाते हुए प्रो. मोहंती ने चर्चा की कि मूल निवासियों ने इस देश की सामाजिक-सांस्कृतिक और भाषाई नींव रखी थी। हमारी भाषा और संस्कृति मूलनिवासी समुदाय से बहुत प्रभावित है, जिसे संरक्षित और संरक्षित करने की जरुरत है।

डॉ. महेंद्र कुमार मिश्रा जनजातीय भाषा और संस्कृति के प्रख्यात विद्वान ने स्वदेशी लोगों की ज्ञानमीमांसा पर बात की, कि कैसे वे प्रकृति, उनकी आध्यात्मिकता और विश्वदृष्टि से जुडे.हुए हैं और कैसे वे महिलाओं को मां डॉ की अभिव्यक्ति और प्रकृति में इसके प्रतिबिंब के रूप में देखते हैं। उन्होंने लैंगिक दृष्टिकोण के साथ मूल निवासियों के मुद्दों पर भी चर्चा की।

डॉ.असित कुमार दास रजिस्ट्रार, विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य और अन्य, गैर-शिक्षण कर्मचारी, अनुसंधान विद्वान और छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. नूपुर पटनायक ने आधिकारिक धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया और श्री. निरंजन माझी पीएच.डी. छात्र समाजशास्त्र विभाग ने कार्यक्रम की तुलना की। सुश्री रिया दास ने अतिथियों का परिचय कराया ।

सीयूओ में साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल अर्थव्यवस्था पर विशेष व्याख्यान आयोजित हुई

दिनांक 10 अगस्त 2022 को ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा प्रत्यक्ष मोड में "साइबर सुरक्षा और डिजिटल अर्थव्यवस्था-इसके निहितार्थ" पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया था।श्री पंडित राजेश उत्तमराव, आईपीएस, डीआईजीपी (दक्षिण पश्चिमी रेंज), कोरापुट कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता थे। प्रो विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति एस.के. पलित ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और उद्घाटन भाषणदिया। उन्होंने वर्तमान डिजिटल दुनिया में साइबर सुरक्षा के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विभाग के संकाय सदस्यों और छात्रों के प्रयासों की भी सराहना की। इस सेमिनार के संचालन के लिए अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मिनती साहू ने स्वागत भाषण देकर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने साइबर सुरक्षा द्वारा डिजिटल अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और डिजिटल परिवर्तन के युग में इसकी प्रासंगिकता के बारे में संक्षेप में बताते हुए विषय का परिचय भी दिया। इसके बाद का संबोधन हुआ. सीयूओ के रजिस्ट्रार प्रोफेसर असित कुमार दास ने बढती अर्थव्यवस्था में साइबर सुरक्षा चुनौतियोंके बारे में बात की। प्रो दास ने कहा कि, जैसे-जैसे अर्थव्यवस्थाएं डिजिटल मॉडल की ओर बढती हैं, खतरे डेटा सुरक्षा के पारंपरिक तरीकों को तेजी से पीछे छोड.सकते हैं। आजकल कई लोग साइबर क्राइमका शिकार हो चुके हैं और ऐसा डिजिटल ज्ञान की कमी और साइबर सुरक्षा की अनदेखी के कारण होता है।

इस अवसर के मुख्य वक्ता श्री पंडित राजेश उत्तमराव ने अपने व्याख्यान में साइबर पीडतों का जीवंत उदाहरण देते हुए इस बात पर जोर दिया कि कैसे लोग साइबर धोखाधडी का शिकार होते हैं। साइबर खतरा निपटना एक चुनौती बन गया है। उन्होंने विभिन्न साइबर-अपराध तरीकों के बारे में बात की। किसी राष्ट्र के लिए प्रमुख साइबर जोखिमों में साइबर जासूसी, साइबरस्पेस में संगठित अपराध, हैक्टिविज्म और साइबर आतंकवाद शामिल हैं। साइबर अपराधों पर नियंत्रण के लिए लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक होना होगा। उन्होंने सलाह दी किकिसी भी अनाधिकृत व्यक्ति को फोन पर कोई जानकारी न दें, बल्कि उसे ईमेल लिखने के लिए कहें। उन्होंने विभिन्न उपाय सुझाए कि कैसे कोई धोखाधडी का शिकार होने से बच सकता है। उन्होंने सभी को सार्वजनिकवाई-फाई के उप[3]ोग के जोखिम के बारे में आगाह कि[3]ा। उन्होंने साइबर अपराधों पर आईटी अधिनि[3]म और आईपीसी की लागू धाराओं के साथ निष्कर्ष निकाला।

समापन टिप्पणी पत्रकारिता और जनसंचारके विजिटिंग प्रोफेसर प्रोफेसर सुनील कांत बेहरा ने दी। उन्होंने आर्थिक अवसरों पर राष्ट्रों की निर्भरता और डिजिटल दुनि[3]ा में राष्ट्रों के विकास के बारे में बात की, क[3]ोंकि विश्व समुदा[3]ा साइबरस्पेस में तेजी से जुड.रहा है। डिजिटल अर्थव्यवस्था में उछाल साइबर जोखिमों और साइबर खतरों से जुडा है। जैसे-जैसे अर्थव्यवस्थाएं डिजिटल और ऑनलाइन मॉडल की ओर स्थानांतरित हो रही हैं, खतरे डेटा सुरक्षा के पारंपरिकतरीकों को तेजी से पीछे छोड.सकते हैं।संसाधन व्यक्ति और प्रतिभातिाओं के बीच एक स्वस्थ और उत्पादक बातचीत सत्र हुआ। धन्यवाद ज्ञापन सुश्री प्रांजल चंद, अर्थशास्त्र विभाग, सीयूओ द्वारा किया गया । कार्यक्रम में डॉ. रमेन्द्र कुमार पारही, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. फगुनाथ भोई, जनसंपर्क अधिकारी, श्री प्रदीप कुमार सामंत्राट, सुरक्षा अधिकारी और विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य विशेष व्याख्यान कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के छात्रों और शोधार्थियों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। पूरे सत्र का संचालन श्रीमान भाभाश्री किरण पंडा, पीजी छात्र, अर्थशास्त्र विभाग, सीयूओ ने किया।

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में जनजातीय डिजिटल साक्षरता केंद्र आरंभ किया गया

आदिवासी युवाओं के बीच डिजिटल कौशल और साक्षरता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने एफआईडीआर, भुवनेश्वर के सहयोग से 12 अगस्त को अपने परिसर में जनजातीय डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम शुरू किया। यह केंद्र जनजातीय कल्याण और सामुदायिक विकास केंद्र (सीटीडब्ल्यूसीडी) में संचालित होगा।) कोरापुट जिले के एसटी, एससी, ओबीसी और अन्य पिछड़ वर्ग मेंरहने वाले समुदायों के युवाओं को डिजिटल कौशल पर प्रशिक्षित करने के लिए कोरापुट में विश्वविद्यालय। केंद्र का औपचारिक उद्घाटन विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रो. शरत कुमार पलित के साथ एफआईडीआर केसंस्थापक अध्यक्ष डॉ. चारुदत्त पाणिग्रही. उद्घाटन सत्र में सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

सुश्री गुहा पूनम तापस कुमार, आईएएस, निदेशक, एसटी ; एसटी और एससी, अल्पसंख्यक और पिछडा वर्ग कल्याण विभाग (एम एंड बीसीडब्ल्यू), ओडिशा सरकार मुख्य अतिथि के रूप में, श्री रघुराम पडल, माननीय विधायक, कोरापुट और श्री सुशील कुमार पाढी, कार्यकारी निदेशक, नाल्को, दामनजोडी, सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

गौरतलब है कि जनजातीय डिजिटल साक्षरता केंद्र का लक्ष्य 1 -2 वर्ष की आयु वर्ग के समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों को कंप्यूटर ज्ञान प्रदान करना है। यह सेवा तीन वर्ष की अवधि के लिए नि :शुल्क है। प्रारंभ में, अलग-अलग अवधि के विभिन्न प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम छात्रों के कुछ बैचों के साथ जारी रहेंगे, जिसमें कक्षा 10 पास आउट या गैर-पास आउट और कक्षा 12 पास आउट और गैर-पास आउट शामिल होंगे।

. प्रभारी कुलपति प्रो. पालित ने दर्शकों को सूचित किया कि कार्यक्रम का शुभारंभ इस अर्थ में एक ऐतिहासिक घटना है कि यह कोरापुट जिले के हाशिए पर रहने वाले वर्गों के लिए डिजिटल रूप से साक्षर होने की आशा प्रदान करता है, जो स्व-रोजगार की दिशा में एक कदम है। हालाँकि कार्यक्रम कुछ बुनियादी कंप्यूटर पाठ्यक्रमों के साथ शुरू होता है, यह भविष्य में उच्च पाठ्यक्रम प्रदान करेगा। एफआईडीआर के संस्थापक श्री पाणिग्रही ने भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए आत्मनिर्भर भारत का जिक्र करते हुए पिछडे.क्षेत्रों के लोगों की आजीविका के विकास पर जोर दिया। उन्होंने कोरापुट को देश का सोने की खान वाला क्षेत्र बताते हुए उम्मीद जताई कि इस कार्यक्रम से इस क्षेत्र के लोगों को फायदा होगा और उनके सामाजिक-आर्थिक मानदंड बढेंगे।

सुश्री. गुहा पूनम, निदेशक एसटी, ओडिशा सरकार ने समृद्ध आदिवासी संस्कृति, कला और शिल्प, परंपरा औरशिक्षा पर प्रकाश डाला। कोरापुट में डिजिटल शिक्षा प्रदान करने की दिशा में विश्वविद्यालय के प्रयास की सराहना करते हुए उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह कार्यक्रम जनजातीय विकास में एक अभूतपूर्व दृष्टिकोण होना चाहिए ।उन्होंने एकीकृत जनजातीय विकास के लिए ओडिशा सरकार की विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं पर प्रकाश डाला और जब भी आवश्यक हो, राज्य सरकार से सहायता का आश्वासन दिया।

माननीय विधायक श्री पडल ने सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "विश्वविद्यालय कोरापुट क्षेत्र में उच्च शिक्षा के प्रति लोगों की आकांक्षा स्तर को सफलतापूर्वक पैदा कर रहाहै ।इस क्षेत्र के अधिकांश छात्रों ने अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए सीयूओ में प्रवेश लिया। उन्हें उम्मीद थी कि संकाय संख्या में वृद्धि के साथ, विश्वविद्यालय बेहतर शिक्षा प्रदान कर सकता है और अन्य अग्रणी विश्वविद्यालयों के बराबर हो सकता है।

ईडी, नाल्को श्री पाधी ने इस क्षेत्र में उच्च शिक्षा और डिजिटल शिक्षा प्रदान करने की दिशा में विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, "केंद्र डिजिटल शिक्षा आंदोलन का नेतृत्व करेगा और यह क्षेत्र में विभिन्न कौशल को बढाएगा" ।

डॉ. कपिला खेमुंडु, माननीय सीटीडब्ल्यूसीडी के निदेशक और जनजातीय साक्षरता केंद्र के समन्वयक ने स्वागतभाषण दिया और दिवंगत कुलपति प्रोफेसर आई. रामब्रह्मम. द्वारा केंद्र की स्थापना के लिए किए गए प्रयासों और पहल को याद किया। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. असित कुमार दास ने कार्यक्रम के कॉन्सेप्ट नोट पर **प्रकाश डाला**।

डॉ. बी.के. श्रीनिवास, सहायक. प्रोफेसर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक में विश्वविद्यालय के सभी छात्र, कर्मचारी, संकाय सदस्य और अनुसंधान विद्वान उपस्थित थे।

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 76वां स्वतत्रंता दिवस मनाया गया

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ने वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ने आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर वां स्वतंत्रता दिवस अपने सुनाबेढा परिसर में गरिमामय तरीके से मनाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रो.शरत कुमार पालिता ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की गरिमामयी सभा को संबोधित किया। अपनेसंबोधन में उन्होंने कहा, ''हमें इस शुभ दिन पर अपने महान स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों को याद करके गर्व महसूस होता है। उनके संघर्ष और बलिदान से हमारा देश वर्ष पहले 1 अगस्त 194 को आजाद हुआ औरआज भारत कृषि, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभरा है।" उन्होंने "हर घर तिरंगा' अभियान के दौरान पूरे देश में पैदा हुई देशभक्ति की भावना और उत्साह पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने विश्वविद्यालय की विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों पर प्रकाश डाला जैसे कि स्थायी शैक्षणिक ब्लॉक, स्टाफ क्वार्टर का चल रहा निर्माण, पुस्तकालय और ई-लर्निंग सेंटर का विस्तार, सीयूईटी में भागीदारी और विभिन्न संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके अनुसंधान विकास। उन्होंने सभी हितधारकों से विश्वविद्यालय को देश के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में से एक बनाने के लिए अपने सभी प्रयासों में योगदान देने का आग्रह किया ।

प्रो असित कुमार दास, रजिस्ट्रार ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला और प्रोफेसर पालित को राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए आमंत्रित किया। हर घर तिरंगा के अवसर पर आयोजितनिबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र, संकाय सदस्य एवं कर्मचारी बडी संख्या में उपस्थित थे।

'भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों की भूमिका' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

दावा करने के लिए अपने अधिकारों को जानें : ओडिशा के राज्यपाल

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) और ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूओ) ने संयुक्त रूप से 10 सितंबर 2022 को विश्वविद्यालय परिसर, सुनाबेडा में 'भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकोंकी भूमिका' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। ओडिशा के महामहिम राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल ने जनजातीय नायकों पर संगोष्ठी और एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी नेताओं के योगदान पर जोर देते हुए माननीय राज्यपाल ने कहा कि "सरल आदिवासी हर चीज में अच्छाई ढूंढते हैं, वे प्रकृति की पूजा करते हैं, और प्रकृति का अर्थ है आदि शक्ति (ब्रह्मांड की मूल निर्माता मानी जाती है)"। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कोरापुट के आदिवासियों और उनकी स्वराज की अवधारणा से प्रेरित थे। राज्यपाल ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियोंविशेषकर कोरापुट की धरती के पुत्र 'शहीद लक्ष्मण नायक' के योगदान को स्वीकार किया।

एनसीएसटी के माननीय सदस्य श्री अनंत नायक, जिन्होंने भारत भर के 1 विश्वविद्यालयों में इस कार्यक्रमका नेतृत्व किया है, ने एनसीएसटी के लिए आवश्यक स्तंभ के रूप में तीन चीजों- "अस्मिता, अस्तित्व और विकास" पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें इसे हासिल करने के लिए काम करना होगा। सेमिनार के मुख्यवक्ता, ट्राइबल कोऑपरेटिव मार्केटिंग डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (ट्राइफेड), जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के उपाध्यक्ष श्री पबित्र कुमार कंहर ने कहा कि आदिवासी ऋषियों के वंशज हैं जो वनवासी थे।आदिवासी वीरता और बलिदान का प्रतीक है। हालाँकि, जनजातियों के योगदान को आज तक प्रलेखित नहीं किया गया है।

सीयूओ के प्रभारी कुलपति प्रो. शरत कुमार पालित ने कहा कि आजादी की लडाई में आदिवासियों ने अद्भुतभूमिका निभायी. जनजातीय लोगों के साथ व्यवहार करने का तरीका बदलना चाहिए और हमें उनसे बहुत कुछ सीखना है।

गांधी जयंती, शास्त्री जयंती और अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस का पालन

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुटन द्वारा 2 अक्टूबर, 2022 को गांधी जयंती, शास्त्री जयंती और अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस मनाया गया। कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने सफल कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं दी। डॉ. फागुनाथ भोई विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी भोई ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित और पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया और इस अवसर पर अपने विचार रखे। । कुलपति के निजी सचिव श्री मानस पंडा ने परिचयात्मक भाषण दिया।

प्रो. चक्रधर त्रिपाठी, कुलपति, सीयूओ ने स्वबोध सुशासन स्वराज पर सेमिनार को संबोधित किया

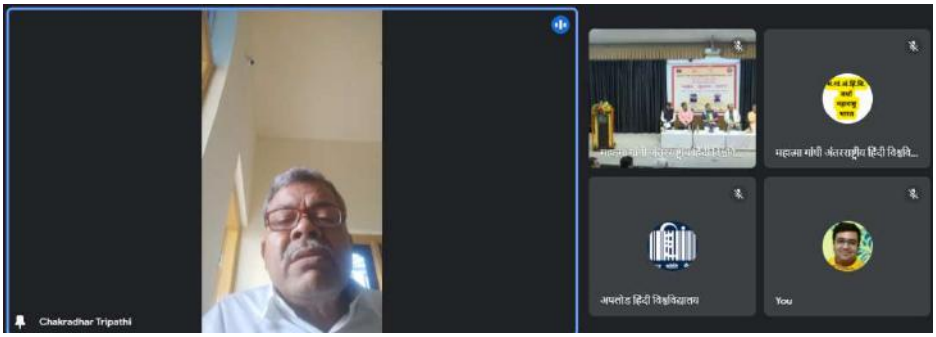

सीयूओ के कुलपति प्रोफेसर चक्रधर त्रिपाठी ने अक्टूबर 2022 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धाद्वारा आयोजित 'स्वबोध सुशासन स्वराज' विषय पर विशेष व्याख्यान कार्यक्रम में आमंत्रितवक्ता के रूप में भाषण दिया। कार्यक्रम एक भारत श्रेष्ठ के तहत आयोजित किया गया था। भारत, शिक्षा मंत्रालय का एक प्रमुख कार्यक्रम। डॉ. सुधांशु त्रिवेदी, माननीय सांसद मुख्य वक्ता थे और प्रोफेसर रजनीश कुमार शुक्ला, माननीय कुलपति, एमजीएएचवी, वर्धा ने बैठक की अध्यक्षता की ।

शुरुआत में प्रोफेसर त्रिपाठी ने अपनी ही किताब का हवाला देते हुए आत्मनिर्भर भारत के दर्शन का उल्लेख किया। उन्होंने ओडिशा के अभिनेता उत्कलमणि गोपबंधु दास के विचार, दर्शन और कार्य के बारे में विस्तार सेताया, जिन्हें आम लोगों की पीडा के प्रति उनकी करुणा के लिए ओडिशा के गांधी के रूप में जाना जाता था। प्रो.त्रिपाठी ने हिंदी में प्रकाशन के माध्यम से गोपबंधु के दर्शन को सामने रखने की इच्छा व्यक्त की।डॉ. सुधांशु त्रिवेदी माननीय संसद सदस्य (राज्यसभा) त्रिवेदी ने अपने भाषण में कहा कि अभी भी भारतीय शिक्षा गांधीजी के बजाय मैकॉले के विचारों का अनुसरण कर रही है। उन्होंने स्वबोध, सुशासन और स्वराज से बनीहमारी समृद्ध संस्कृति को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रोफेसर रजनीश कुमार शुक्ला, माननीय कुलपति, एमजीएएचवी, वर्धा ने उद्घाटन भाषण दिया और प्रोफेसर कृपा शंकर चौबे, प्रमुख, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, एमजीएएचवी, वर्धा ने परिचयात्मक भाषण दिया ।

सीयूओ में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) के एक भाग के रूप में 31 अक्टूबर 2022 को राष्ट्रीय एकतादिवस मनाया। समारोह की शुरुआत विश्वविद्यालय परिसर में 'यूनिटी रन' से हुई। प्रो. चक्रधर त्रिपाठी सीयूओ के माननीय कुलपति ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और देश को एकजुट करनेमें सरदार पटेल की देशभक्ति की भूमिका, नेतृत्व और बलिदान और एकता दौड.के पीछे की नैतिक नैतिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में सर्दी से पहले की सुबहविश्वविद्यालय निवासियों के दिल में एकता दौड.का नेतृत्व किया।

इस मौके पर एकेडमिक ब्लॉक के सामने विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया. माननीयकुलपति ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और उद्घाटन भाषण दिया। उन्होंने हमारे आधुनिक राष्ट्र के निर्माण में सरदार पटेल के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को राष्ट्र निर्माण और राष्ट्रीय एकता के लिए जागरुक नागरिक बनने की सलाह दी।
इस अवसर पर प्रो. त्रिपाठी ने शपथ ग्रहण का नेतृत्व किया और पूरे विश्वविद्यालय समुदाय ने देश की एकता और संप्रभुता के लिए खडे.होने की शपथ ली। सरदार वल्लभभाई पटेल को पुष्पांजलि अर्पित की गई।

सतर्कता जागरुकता सप्ताह का आयोजन

सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2022 के अवसर पर, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 01 नवंबर 2022 को अपने परिसर में 'विकसित राष्ट्र के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत' पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजनकिया और ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानक को बनाए रखने की शपथ ली। प्रो. चक्रधर त्रिपाठी विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और विश्वविद्यालय समुदायको संबोधित किया और विश्व की समृद्धि के लिए व्यक्तियों की प्रकृति को बदलने के लिए समृद्ध संस्कृति (संस्कृति) की आवश्यकता पर विचार किया। भारतीय सांस्कृतिक मूल्य प्रो. त्रिपाठी ने कहा, "संस्कृति हमेशा नैतिक मूल्य को बढावा देती है, सेवा प्रदान करती है और राष्ट्र का सच्चा विकास करती है। दूसरी ओर, प्रकृति सदैव विनाशकारी और भ्रष्टाचार को बढावा देने वाली होती है। एक अच्छीसंस्कृति मानव व्यवहार को बदल सकती है और अखंडता, ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही की संस्कृति को बढावा दे सकती है।

विश्वविद्यालय के केंद्रीय सतर्कता अधिकारी प्रो. सुनील कांत बेहरा ने स्वागत भाषण दिया और सतर्कता जागरूकता सप्ताह के बारे में जानकारी दी। उन्होंने भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिए बेहतर पारदर्शिता और जवाबदेही की आवश्यकता को महत्व दिया।

जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन

जनजातीय डिजिटल साक्षरता केंद्र एवं डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केन्द्र का उद्घाटन किया गया

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 1 नवंबर 2022 को अपने जनजातीय कल्याण और सामुदायिक विकास भवन,कोरापुट केंद्र में प्रख्यात आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान को मनाने के लिए जनजाति गौरव दिवस का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी बैठक की अध्यक्षता ने की. इस अवसर पर उन्होंने जनजातीय डिजिटल साक्षरता केंद्र का भी उद्घाटन किया और डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किया गया। कार्यक्रम में मंच पर पद्मश्री गोबर्धन पनिका, प्रख्यात हथकरघा

कलाकार सहित प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। प्रो.जगबंधु सामल, सचिव, ण्र्धिऊए और डॉ. असित कुमार दास, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार। भगवान बिरसा मुंडा और शहीद लक्ष्मण नायक को पुष्पांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. त्रिपाठी ने शिक्षा में भारतीय मूल्य प्रणाली को लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि भारत में शिक्षा मजबूत हो सके। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान और उनकी वीरता को याद किया। उन्होंने कहा कि आदिवासियों की संस्कृति हृदय और बुद्धि का मिश्रण है। पद्मश्री पनिका ने कोरापुट क्षेत्र के उन नायकों के बारे में बात की जो देश को आजादी दिलाने के लिए अपने बलिदान के कारण अमर हैं ।

विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ.असित कुमार दास ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने जनजातीय डिजिटल साक्षरता केंद्र और डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केन्द्र, विश्वविद्यालय की दो इकाइयाँ। के बारे में भी जानकारी दी।उन्होंने एफआईडीआर को भी धन्यवाद दिया, जो सीयूओ के माध्यम से जनजातीय डिजिटल साक्षरता को बढावा देने में मदद करता है। डॉ. कपिल खेमुंडु, जनजातीय एवं सामुदायिक विकास केंद्र, सीयूओ की मानद निदेशकने पूरे कार्यक्रम का समन्वय किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. बी.के. श्रीनिवास, समन्वयक, डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केन्द्र ने दिया।

"भारत-लोकतंत्र की जननी" विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार

आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) के तत्वावधान में संवैधानिक दिवस के जश्न के एक भाग के रूप में, ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 30 नवंबर 2022 को 'भारत- लोकतंत्र की जननी' पर एक राष्ट्रीय वेबिनारका आयोजन किया। इस अवसर पर प्रो. नीरजा ए गुप्ता, माननीय कुलपति, साँची बौद्ध-इंडिक अध्ययन विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) ने व्याख्यान दिया। सीयूओ के माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने कार्यक्रमका उद्घाटन किया और कामना की कि व्याख्यान से छात्रों और शिक्षकों को हमारे लोकतंत्र के मूल्य सीखने में मदद मिलेगी। प्रो. गुप्ता ने भारत की प्राचीन लोकतांत्रिक व्यवस्था पर प्रकाश डाला। अपने विचार-विमर्शमें, उन्होंने लोकतंत्र की उत्पत्ति और इसके विभिन्न पहलुओं पर जोर देने वाले पवित्र धर्मग्रंथों पर आधारित स्मारकीय ग्रंथों पर जोर दिया।

ओडिशा 2.0 अभियान ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में स्टार्टअप ओड़िशा 2.0अभियान

ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री श्री नवीन पटनायक द्वारा शुरू की गई स्टार्ट-अप ओडिशा यात्रा 2.0 के हिस्से के रूप में, 0 सितंबर 2022 को ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट में एक मोबाइल वैन अभियान कीव्यवस्था की गई थी, जिसका उद्देश्य उद्यमशीलता का अनुभव प्रदान करना था। युवा दिमाग और विश्वविद्यालय के युवा दिमाग से सर्वोत्तम उद्यमशीलता विचारों की तलाश करें। विश्वविद्यालय के छात्रों, अनुसंधान विद्वानों और संकाय सदस्यों ने वैन और स्टार्टअप ओड़िशायात्र 2.0 के अधिकारियों का गर्मजोशी से स्वागत किया । टीम स्टार्टअप यात्रा के अधिकारियों ने विस्तार से बताया कि कैसे इस पहल का उद्देश्य जमीनी स्तर के नवप्रवर्तकों, महिला उस्रमियों की खोज करना और युवाओं के बीच उस्रमशीलता को बढ़ावा देना है।

विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 10 जनवरी 2023 को अपने परिसर में विश्व हिंदी दिवस मनाया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. जंग बहादुर पांडे, हिंदी के विजिटिंग प्रोफेसरऔर प्रोफेसर हिमांशु शेखर महापात्र, अंग्रेजी के विजिटिंग प्रोफेसर सम्मानित अतिथि थे। सीयूओ के माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने कार्यक्रम का उद्घाटन एवं अध्यक्षता किया. उन्होंने हिंदी भाषा केमहत्व पर जोर दिया. उन्होंने कहा, ''हिंदी दिल की भाषा है. यह वह भाषा है जो जनता को जोड.सकती है और पहुंच सकती है।" उन्होंने बताया कि कैसे हिंदी एक भाषा के रूप में सफलतापूर्वक वैश्विक मंच पर पहुंची है।उन्होंने उपस्थित दर्शकों को हिंदी के बारे में वैश्विक दृष्टि से सोचने के लिए प्रेरित किया।

प्रो जंग बहादुर पांडे ने अपने व्याख्यान में, जिसका शीर्षक था, "विश्वक तोरण-द्वार है हिंदी", इस पर अपनेविद्वतापूर्ण विचार प्रस्तुत किए कि कैसे एक भाषा के रूप में हिंदी दुनिया का प्रवेश द्वार बन गई है ; कैसे हिंदी के माध्यम से लोग दुनिया से मिल सकते हैं. उन्होंने दुनिया भर में आयोजित विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय हिंदी सम्मेलनों (नागपुर, 19 से शुरू) का उल्लेख करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र की छह आधिकारिक भाषाओं (अंग्रेजी, रूसी, स्पेनिश, चीनी, अरबी और फ्रेंच) के साथ-साथ हिंदी भी बहुत जल्द सातवीं आधिकारिक भाषा के रूप में शामिल है- जो हम सभी के लिए गर्व की बात है। सम्मानित अतिथि प्रो. हिमांशु शेखर महापात्र ने कहा कि हिंदी भारत के नौ राज्यों की आधिकारिक भाषाओं में से एक है। डॉ.संजीत कुमार दास की दैट चाणक्य लाइव्स, का अंग्रेजी अनुवाद। रत्नाकर चैनी की अथच चाणक्य और डॉ.आलोक बराल की नाट्य जिज्ञासा का शुभारंभ हुआ। हिंदी विभाग ने अपनी दीवार पत्रिका भी प्रारंभ किया।

सतत विकास पर संगोष्ठी

10 नवंबर, 2022 को ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा सतत विकास पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। प्रोफेसर मृत्युंजय मिश्रा, अर्थशास्त्र विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता थे। माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने कार्यक्रम के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ.. मिनती साहू, विभागाध्यक्ष,अर्थशास्त्र विभाग, स्वागत भाषण देते हुए और विषय का परिचय देते हुए।

प्रो मिश्रा ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे आर्थिक विकास की खातिर, पर्यावरण के स्वास्थ्य परअसर पडा है। लगातार बढती अर्थव्यवस्थाओं और अधिक की आवश्यकता और लालच के साथ, सतत विकास का सिद्धांत आज के समय में सबसे प्रासंगिक सिद्धांत बन गया है। उन्होंने सतत विकास केसिद्धांतों और आयामों पर चर्चा की। डॉ। प्रशांत कुमार बेहरा, विभागाध्यक्ष प्रभारी, बिजनेस मैनेजमेंट भी मंच पर मौजूद थे।

कला एवं शिल्प प्रदर्शनी

06 दिसंबर 2022 को ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा अपने सुनाबेडा परिसर में एक कला और शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और उद्घाटन भाषण दिया। विभाग के प्रशिक्षु शिक्षक शिक्षा प्रो. पार्थ प्रतिम दास के मार्गदर्शन में पेंटिंग, मूर्तिकला, कागज शिल्प, सजावटी शिल्प, कार्यात्मक शिल्प और फैशन शिल्प और ग्रीटिंग कार्ड तैयार और प्रदर्शित किए।. विभागाध्यक्ष प्रभारी डॉ. रमेंद्र कुमार पारही ने कार्यक्रम का संचालन किया।

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया

डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई), सीयूओ ने भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर की वीं पुण्य तिथि (महापरिनिर्वाण दिवस) दिसंबर 2022 को इसके परिसर में मनाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीयकुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने महान आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और पुष्पांजलि अर्पित की और केंद्र के छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित किया।

प्रो. त्रिपाठी ने इस बात पर जोर दिया कि अंबेडकर भारतीय संविधान के जनक थे और सबसे महान समाज सुधारकों में से एक थे। उन्होंने भारत के प्रगतिशील सामाजिक दृष्टिकोण को आकार दिया। उन्होंने इस बात परजोर दिया कि बाबा साहब का योगदान इतना व्यापक है कि हम उनके बारे में बहुत कम जानते हैं। इस कार्यक्रम में कार्यक्रम समन्वयक (डीएसीई) डॉ.बी.के.श्रीनिवास ने कार्यक्रम का समन्वय किया और स्वागत भाषण दिया।

"राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 में भारतीय लोकाचार" पर विशेष व्याख्यान

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 1 नवंबर 2022 को अपने लैंडीगुडा परिसर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में भारतीय लोकाचार पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। सीयूओ के कुलपति प्रो. डॉ. चक्रधर त्रिपाठीने बैठक की अध्यक्षता की. प्रोफेसर बलदेव भाई शर्मा, कुलपति, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा विशेष व्याख्यान दिया गया। । प्रो सिबा प्रसाद अधिकारी, पूर्व कुलपति, एफएमविश्वविद्यालय, बालासोर सम्मानित अतिथि थे।

प्रो त्रिपाठी ने अपने भाषण में मानव विकास में शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। उनका मत था कि शिक्षा ही समाज की रोशनी है। उन्होंने भारतीय पारंपरिक शिक्षा प्रणालीकी सराहना की जहां चरित्र निर्माण को कैरियर निर्माण से अधिक महत्व दिया जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि शिक्षा के विकास के लिए सांस्कृतिक मूल्यों को कायम रखना बहुत जरूरी है।

प्रो शर्मा ने अपने भाषण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का अवलोकन दिया और नीति के प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला। उनका मत था कि भारत में उन्नत शिक्षा का एक समृद्ध इतिहास है, लेकिन ब्रिटिश अत्याचार केकारण सब कुछ अस्थिर हो गया। उन्होंने छात्रों से पश्चिमी संस्कृति और शिक्षा के पश्चिमी पैटर्न का अंधानुकरण करने के बजाय समृद्ध भारतीय संस्कृति का अनुसरण करने का आग्रह किया।

प्रो. अधिकारी ने संक्षेप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डाला और ओडिशा के छात्रों पर इसके प्रभाव के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि नई नीति प्राथमिक शिक्षा को बढावा देगी जिससे समग्र शिक्षा प्रणाली मजबूत होगी। डॉ. प्रदोष कुमार रथ, विभागाध्यक्ष प्रभारी, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने स्वागत भाषण दिया।

यौन उत्पीडऩ अधिनियम अधिसूचना दिवस मनाया गया

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूओ) की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) द्वारा अपने मुख्य परिसर में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीडऩ (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 की अधिसूचना की9वीं वर्षगांठ मनाने के लिए एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। 9 दिसंबर 2022 को सेमिनार का विषय था "जहां मन भय रहित हो% ; सुरक्षित कार्यस्थल के लिए इदएप् अधिनियम को समझना" । डॉ. स्थितप्रज्ञ,एसोसिएट प्रोफेसर, एचएसएस विभाग, आईटीईआर, एसओए विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर ने मुख्य वक्ता के रूप में इस अवसर की शोभा बढाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सीयूओ के कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने बतायाकि आत्मा का कोई लिंग नहीं होता, इसलिए हमें अपने आस-पास की प्रत्येक आत्मा का सम्मान करना चाहिए। हमें सभी प्रकार की हिंसा से बचना चाहिए और अपनी आत्मा के अंदर पवित्रता बनाए रखनी चाहिए। प्राचीन कालकी शिक्षा प्रणाली की तुलना में आज प्रचलित शिक्षा प्रणाली में अंतर होने के कारण आज नैतिक मूल्यों का अभाव हो गया है। ऐसे समाज के निर्माण के लिए आत्मनिरीक्षण ही एकमात्र उपाय है जहां लिंग आधारितउत्पीडऩ न हो। आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) की पीठासीन अधिकारी डॉ. काकोली बनर्जी ने स्वागत भाषण दिया और एसएच अधिनियम के बारे में जानकारी दी।

डॉ. स्थितप्रज्ञ, मुख्य वक्ता ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीडऩ के कारणों और रोकथाम पर बोलते हुए पीओएसएच अधिनियम के बारे में बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नेक विचार हर तरफ से हमारेपास आने चाहिए। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति के साथ हुई, जिसके बाद दिवंगत श्रीमती जयंती पटनायक, राष्ट्रीय महिला आयोग की पहली अध्यक्षा के लिए दो मिनट कामौन रखा गया। इस अवसर पर, 2 नवंबर-10 दिसंबर 2022 के दौरान महिला भेदभाव पखवाडा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। डीबीसीएनआर केछात्रों द्वारा नृत्य के रूप में महिला सशक्तिकरण पर एक जागरूकता अभियान का प्रदर्शन किया गया।

'सभ्यता एवं संस्कृति' पर विशेष व्याख्यान

16 दिसम्बर 2022 को विश्वविद्यालय परिसर में 'सभ्यता एवं संस्कृति' विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।. विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में रांची विश्वविद्यालय के हिंदी के प्रोफेसर जंग बहादुर पांडे ने व्याख्यान दिया. कार्यक्रम की अध्यक्षताविश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने की तथा इस अवसर पर अध्यक्षीय भाषण दिया। उन्होंने भारत और पश्चिमी दुनिया की सभ्य संस्कृति की प्रमुख विशेषताओं और मूल्यों तथा उनके अंतर बिंदुओं पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि हमें अपनी समृद्ध संस्कृति वाली पुरानी सभ्यता को कायम रखना चाहिए। सभ्यता और संस्कृति पर विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा, "सभ्यता (सभ्यता) भौतिक या बाहरी वास्तविकताका प्रतिनिधित्व करती है जिसे आसानी से खरीदा जा सकता है, लेकिन संस्कृति (संस्कृति) एक ऐसी चीज है जो जन्मजात है और इसे खरीदा नहीं जा सकता है। संस्कृति वह चीज.है जिसे हम अपने भीतर लेकर चलते हैं। यदि सभ्यता बाहरी का प्रतिनिधित्व करती है, तो संस्कृति आंतरिक है... यह बुद्धि है। हम मनुष्य संस्कृति से जाने जाते हैं।"

पर्यावरण और जनजातियाँ : सीयूओ ने 13वां ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस-2022 का आयोजन किया

पर्यावरण और जनजाति विषय पर आधारित तीन दिवसीय ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस 21-23 दिसंबर 2022 के दौरान ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय में पूरे भारत के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति के साथ आयोजित की गई थी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो चक्रधर त्रिपाठी ने अपनी शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का उद्घाटन आदिवासी समुदाय के तीन प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा किया गया जिन्होंने आदिवासी समाज के विकास में बहुत योगदान दिया है। वे हैं सुश्री रायमती घुरिया, कोरापुट के लैंड्रेस के आदिवासी संरक्षक, श्री. सुरेंद्र नाइक, मलकानगिरी के बोंडा समुदाय के नेता और सुश्री सुमनी झोडयि, रायगढा से झोडयि-पराजा समुदाय की नेत्री। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अरबिंद बेहरा, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी और ओडिशा पर्यावरण कांग्रेस के सह-अध्यक्ष इस अवसर पर डॉ. मृत्युंजय महापात्र, महानिदेशक मौसम विज्ञान, आईएमडी, नई दिल्ली मुख्य अतिथि थे। मंच पर उपस्थित अन्य सदस्यों में प्रो. कमलाकांत मिश्रा, पूर्व कुलपति, उत्कल संस्कृति विश्वविद्यालय, डॉ. बाबू अंबत, निदेशक, सीईडी, तिरुवनंतपुरम, श्री. सुदर्शन दास, प्रख्यात पर्यावरणविद् और आयोजन सचिव, ओईसी, श्री. भृगु बक्शीपात्रा, सचिव, ओईसी और डॉ. शिशिरकांत बेहरा, प्रोफेसर, एसओए विश्वविद्यालय। प्रो. शरत कुमार पालित, डीन, स्कूल ऑफ बायोडायवर्सिटी एंड कंजर्वेशन ऑफ नेचुरल रिसोर्सेज, ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय और सम्मेलन के संयोजक ने इस अवसर पर स्वागत भाषण दिया।

'सभी के लिए सक्रिय जीवन और खेल' पर विशेष व्याख्यान

0 जनवरी 2023 को विश्वविद्यालय परिसर, सुनाबेडा में सभी के लिए सक्रिय जीवन और खेल पर एक विशेष व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया था। प्रो इस अवसर पर स्वर्णिम गुजरात खेल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति जतिनकुमार हरजीवनदास सोनी ने व्याख्यान दिया। सीयूओ के माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और कामना की कि व्याख्यान छात्रों और शिक्षकों को सक्रिय जीवन शैली जीने में मदद करेगा। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि खेल, व्यायाम और स्वास्थ्य को साथ-साथ चलना चाहिए और दुनिया भर के लोगों को स्वस्थ, खुशहाल और अधिक उत्पादक जीवन का अवसर प्रदान करना चाहिए।

प्रो सोनी ने अपने व्याख्यान में बताया कि खेल गतिविधियों में भागीदारी को बढावा देकर स्वस्थ जीवन कैसे जिया जाए। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि दैनिक जीवन में शारीरिक गतिविधि को शामिल करके सक्रिय जीवन प्राप्त किया जा सकता है।

74 वें गणतंत्र दिवस का उत्सव, वसंत पंचमी, वृक्ष रोपण और कन्या पूजन

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सुनाबेढा परिसर में 4वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने परिसर में तिरंगा फहराया। इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. त्रिपाठी ने दर्शकों से देश को आजादी दिलाने के साथ-साथ संविधान बनाने में स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा किए गए बलिदान को याद करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, "भारत एक समय ज्ञान और सांस्कृतिक लोकाचार से समृद्ध था। लेकिन वास्तव में हमें बाहरी ताकतों ने गुमराह किया है और अब जागने और देश की प्रगति के लिए काम करने का समय आ गया है।'' उन्होंने पश्चिमी दुनिया के प्रभाव के कारण समाज में चल रहे प्रतिस्पर्धा और प्रतिद्वंद्विता के युग की निंदा की। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे प्रगति करने के लिए अपने बीच नकारात्मक प्रतिस्पर्धा से बचें।

कुलपति ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022 के अवसर पर आयोजित तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये।

दूसरे भाग में, परिसर में वृक्षरोपण और कन्यापूजन समारोह आयोजित किए गए।वृक्ष रोपण समारोह मुख्य परिसर के शैक्षणिक ब्लॉक से बॉयज.हॉस्टल तक भव्य जुलूस के साथ शुरू हुआ। इस रैली का नेतृत्व विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी. जुलूस में सरस्वतीशिशु मंदिर, सुनाबेडा के युवा छात्रों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों सहित 00 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रो त्रिपाठी एवं बौद्ध भिक्षु रेव्ह. श्रीलंका के केलानिया विश्वविद्यालय केडॉ.वाडिंगाला पन्नलोक ने प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों के साथ परिसर में ज्ञान की भावना पैदा करने के लिए वैदिक मंत्रोच्चार के साथ लडक़ों के छात्रावास के पास विश्वविद्यालय परिसर में बोधि (पीपलका पेड) और बट (बरगद का पेड) का पौधा लगाया। अगला कार्यक्रम कन्या पूजन का था जहां प्रो. त्रिपाठी ने देवी दुर्गा के 9वें अवतार सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना की। कन्या पूजन के तहत नौ वर्ष से कम उम्र कीनौ कन्याओं का हवन और मांदुर्गा के नौ अवतारों के प्रतीक श्लोक का उच्चारण कर पूजन किया गया। कुलपति ने विश्वविद्यालय एवं क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि एवं समृद्धि के लिए मां दुर्गा, लक्ष्मी एवं मां सरस्वती की भी पूजा-अर्चना की। हिंदू और बौद्ध पुजारियों के मार्गदर्शन में एक हवन या यज्ञ किया गया। कन्या पूजन समाज में महिलाओं के महत्व को स्थापित करने के लिए सीयूओ द्वारा उठाया गया एक कदम है।सीयूओ के कुलपति प्रोफेसर चक्रधर त्रिपाठी द्वारा नौ छोटी लडकियों की पूजा की गई ; डॉ ए के दास, रजिस्ट्रार, सीयूओ ; रेव श्रीलंका के केलानिया विश्वविद्यालय से वाडिंगाला पन्नलोका ; प्रो. बनारस हिंदूविश्वविद्यालय, वाराणसी से पतंजलि मिश्रा ; प्रो. एन. सी. पंडा, संस्कृत के प्रोफेसर, सीयूओ ; श्री. चक्रवर्ती, जीएम (एचएएल, सुनाबेडा), श्री कृष्ण सिंह, प्रख्यात सामाजिक विचारक, डॉ. बिजया नबडा प्रधान, सहायक लाइब्रेरियन और डॉ. सौरव गुप्ता, नोडल अधिकारी, एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रमुख उपस्थित थे।इस कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय ख्याति के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जो इस क्षेत्र में अपनीतरह का पहला कार्यक्रम था। अतिथियों में रेव. श्रीलंका के केलानिया विश्वविद्यालय से डॉ. वाडिंगाला पन्नालोक, प्रो. पतंजलि मिश्र, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी से, प्रो. कृष्ण चंद्र बिस्वाल, प्रिंसिपल, एसएलएन मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, कोरापुट ; श्री. ब्रूनो ए, कमांडेंट सीआरपीएफ, कोरापुट ; डॉ. मणि कुमार झा, केदारघाट, वाराणसी से श्री. राम प्रसाद चक्रवर्ती, जीएम (एचएएल, सुनाबेडा), श्री कृष्णसेमिलिगुडा के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता और मैडम कुलपति डॉ. बसंत मंजरीकर और

कोरापुट के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति ने भाग लिया था।

यह कार्यक्रम भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के एक प्रमुख कार्यक्रम, एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना के तहत आयोजित किया गया था और समन्वित किया गया था। डॉ.फगुनाथ भोई, जनसंपर्क अधिकारी, सीयूओ एवं डॉ. काकोली बनर्जी, संयोजक, सांस्कृतिक समिति को संकाय और कर्मचारियों की एक टीम का समर्थन प्राप्त है। समारोह में बडी संख्या में संकाय सदस्य, कर्मचारी और छात्र उत्साह के साथ एकत्र हुए।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन

ओड़िआ भाषा एवं साहित्य विभाग के तत्वावधान में ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस धूमधाम से मनाया गया। उत्कल विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रो. संतोष कुमार त्रिपाठी ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया और 'मातृभाषा : सांस्कृतिक विकास का मूल स्रोत' विषय पर एक व्यापक व्याख्यान दिया। उन्होंने पूरे विश्व में सांस्कृतिक विकास में मातृभाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हाल ही में आई नई शिक्षा नीति 2020 में भारत सरकार शिक्षा के क्षेत्र में मातृभाषा को महत्व दे रही है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने मातृभाषा दिवसके अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। उडिया भाषा और साहित्य विभाग के प्रभारी प्रमुख डॉ.प्रदोष कुमार स्वैन ने स्वागत भाषण दिया, अतिथियों का परिचय दिया और मातृभाषा दिवस मनाने के महत्व और लक्ष्यों के बारे में बताया। विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य, शोधकर्ता और छात्र बड़ी संख्या में भाग लिया।

'बोंडा जीवन : आउटसाइडर-इनसाइडर पर्सपेक्टिव्स' पर विश्वविद्यालय विशेष व्याख्यान

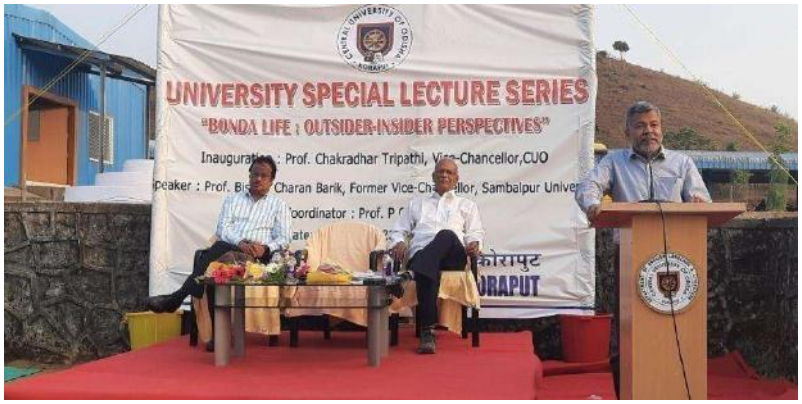

ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय ने छात्रों के लिए 'वास्तविक दुनिया की एक प्रामाणिक, ज्वलंत तस्वीर लाने के लिए, विश्वविद्यालय परिसर में बहु-विषयक शिक्षा को सक्षम करने के लिए अपने क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाले राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा'व्यक्तित्वों को आमंत्रित करके पहली विश्वविद्यालय विशेष व्याख्यान श्रृंखला शुरू की। 01 मार्च 2023. प्रो. संबलपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और प्रसिद्ध समाजशास्त्री बिष्णु चरण बारिक ने मुख्य अतिथिके रूप में कार्यक्रम में भाग लिया और 'बोंडा लाइफ : आउटसाइडर-इनसाइडर पर्सपेक्टिव्स' पर अपना व्यावहारिक व्याख्यान दिया। माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने कार्यक्रम का उद्घाटन त्रिपाठी ने किया.उन्होंने बोंडा जनजाति की परंपरा और संस्कृति और प्रकृति के प्रति उनके सर्वोपरि योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, ''बोंदा जाति प्रकृति की पूजक है. वे प्रकृति को सर्वोच्च मानते हैं और प्रकृति की रक्षाकरना अपना पवित्र और पवित्र कर्तव्य भी मानते हैं। उन्होंने छात्रों को विश्वविद्यालय के आसपास मौजूद विभिन्न जनजातियों और उनके जीवन के बारे में जानने की सलाह

दी। प्रो पी.सी. राजीव गांधी जनजातीय अध्ययनपीठ के प्रोफेसर और इस व्याख्यान श्रृंखला के समन्वयक पटनायक ने स्वागत भाषण दिया। मुख्य व्कता प्रो. बारिक ने भारत और विशेषकर ओडिशा में जनजातीय आबादी के जनसांख्यिकीय दृष्टिकोण के बारे में जानकारी दी।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2023 के अवसर पर सीयूओ की छ : महिलाओं को पुरस्कृत किया गया

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय कोरापुट ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2023 के अवसर पर 10.03.2023 को दो नेत्रहीन महिलाओं सहित अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए समाज के विभिन्न वर्गों की छह का कामकाजी महिलाओं को सम्मानित किया। प्रो. विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति चक्रधर त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय समुदाय की उपस्थिति में उन्हें सम्मानित किया। वे उत्कृष्ट सामाजिक कार्यकर्ता थे।बसंती बेहरा, ग्राम-पराजंगी, ढेंकनाल और सुश्री। नेत्रहीन व्यक्तियों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए स्वयं को समर्पित करने में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए नेत्रहीन कल्याण संगठन, जाजपुर से डॉ. बी. रोजालिन, ग्राम बालूगांव, खुर्दा ; छात्रों के कल्याण और महिला सशक्तिकरण के प्रति समर्पण के लिए उत्कृष्ट महिला शिक्षाविद् रुद्राणी मोहंती ; एमएस। विश्वविद्यालय के गर्ल्स हॉस्टल की सुरक्षा गार्डबिजयलक्ष्मी टाकरी को छात्रावास में रहने वालों की सुरक्षा के लिए उनके उत्कृष्ट योगदान और समर्पण के लिए ; एमएस। सुश्री बी. स्वर्णमाला, केयरटेकर, गर्ल्स हॉस्टल को छात्राओं के कल्याण के प्रति समर्पण के लिएइस अवसर पर परिसर की स्वच्छता में उत्कृष्ट योगदान के लिए सफाईकर्मी लक्ष्मी खिल्ला को सम्मानित किया गया। कुलपति ने संस्था वेलफेयर ऑफ ब्लाइंड के 11 नेत्रहीन छात्रों को प्यार के प्रतीक के रूप में वित्तीयसहायता भी दी। कार्यक्रम का आयोजन सीयूओ की आंतरिक शिकायत समिति द्वारा 'डिजिटल : इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी' विषय पर सुनबेडा स्थित विश्वविद्यालय परिसर में किया गया था। 'लैंगिक समानता के लिए'. श्रीमती रेखा लोहानी, आईपीएस, आईजी, आधुनिकीकरण, बीपीआर एंड डी, ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया और विषय पर व्याख्यान दिया। एमएस। राजश्री दास, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, कोरापुट और प्रो. इस अवसर परसीयूओ के शिक्षाविद एवं प्रशासन सलाहकार सुधेंदु मंडल विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रो माननीय कुलपति चक्रधर त्रिपाठी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और उद्घाटन भाषण दिया। डॉ. काकोली बनर्जी, सहायकप्रोफेसर और पीठासीन अधिकारी, आईसीसी, सीयूओ और कार्यक्रम के समन्वयक ने स्वागत भाषण दिया।डॉ. बनर्जी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के इतिहास और विकास का पता लगाते हुए इसकी अवधारणा और महत्वका वर्णन किया। उन्होंने डिजिटऑल : लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी, जो कि आईडब्ल्यूडी 2023 का विषय है, के बारे में भी विस्तार से बताया।प्रो. चक्रधर त्रिपाठी, माननीय कुलपति, सीयूओ ने अपनेउद्घाटन भाषण में नारीत्व की भारतीय अवधारणा और हमारे देश में महिलाओं को कैसे माना जाता है, इस पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो त्रिपाठी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत में महिलाओं को प्रारंभिकचरण से ही स्वयंवर के माध्यम से अपना जीवन साथी चुनने का अधिकार था। भारत की महिलाएं संस्कारवान हैं और वे अपने पति, परिवार, बेटे-बेटी और समाज के प्रति अपने कर्तव्य का ईमानदारी से निर्वहन करकेअपनी गरिमा बनाए रखती हैं। वे त्याग, साहस और पांडित्य के गुणों को आत्मसात करते हैं। प्रो त्रिपाठी ने तंत्र उपासना की भारतीय आध्यात्मिक विरासत का उल्लेख किया जहां महिलाओं को शक्ति या शक्ति कीउत्पत्ति के रूप में माना जाता है। उन्होंने इस बात पर भी अफसोस जताया कि लोकप्रिय संस्कृति के माध्यम से पश्चिम के नकारात्मक विचार और प्रथाएं भारतीय समाज में आ गई हैं और महिला संबंधी अपराधबढ.रहे हैं और इस बात पर जोर दिया कि हमें पश्चिम की नकल नहीं करनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत का वर्तमान और भविष्य आधुनिक महिलाओं के हाथों में है। उन्होंने नारी शक्ति, राष्ट्र शक्ति है, नारे के साथ समाप्त किया ।

मार्च2023 के दौरान पाँच अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ

राष्ट्रीय –अंतरराष्ट्रीय क्षितिज पर हिंदी की दशा एवं दिशा पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ने 'राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय क्षितिज पर हिंदी की दास दिशा' (राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय क्षितिज पर हिंदी की स्थिति और दिशा) विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत हिंदी पुस्तकों की प्रदर्शनी से हुई, जिसका उद्घाटन माननीय कुलपति ने किया। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति ने कहा : "हिन्दी की भावना प्रेम की भावना है और प्रेम की भावना ही पूरे विश्व को बचा सकती है। हिन्दी में भक्ति काव्य के माध्यम से प्रेम की भावना का दिन-प्रतिदिन प्रचार-प्रसार हो रहा है। प्रेसीडेंसी कॉलेज कोलकाता की डीन डॉ. तनुजा मजूमदार ने कहा कि भाषा इंसानों को जोडती है विश्व को बचा सकती है। हिन्दी में भक्ति काव्य के माध्यम से प्रेम की भावना का दिन-प्रतिदिन प्रचार-प्रसार हो रहा है। प्रेसीडेंसी कॉलेज कोलकाता की डीन डॉ. तनुजा मजूमदार ने कहा कि भाषा इंसानों को जोडती है और दुनिया को एक परिवार बनाती है। अंतरराष्ट्रीय कवयित्री डॉ. पुष्पिता अवस्थी ने कहा कि हिंदी हमारी मां है, इसे बचाने की जरूरत है। डॉ. अनिल सुलभ ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि भारत मानवता में विश्वास करता है और हिंदी भाषा को जोडने में विश्वास रखता है। कार्यक्रम में 'मैं भी सीता बनूं' पुस्तक का विमोचन किया गया.कविता पर एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया, जिसमें कवियों ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया ।

'भारत और विश्व में संस्कृत भाषा के महत्व'पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के संस्कृत विभाग द्वारा 'भारत और विश्व में संस्कृत भाषा का महत्व' विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 1 -19 मार्च2023 को आयोजित किया गया था। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने सम्मेलन का उद्घाटन किया और इस पवित्र स्थान पर विदेशी और भारतीय संस्कृत विद्वानों का स्वागत किया। उन्होंने कहा, "संस्कृत भारत की शास्त्रीय भाषा है, दुनिया की सबसे पुरानी और सबसे व्यवस्थित भाषा है। संस्कृत जो कभी मुनियों और ऋषियों की भाषा थी, अब आधुनिक दुनिया को आकर्षित कर रही है।" उन्हें रामायण में वर्णित दंडकारण्य के एक भाग के रूप में वह स्थान याद आया जहां विश्वविद्यालय स्थापित किया गया था। प्रोफेसर चिरपतप्रपंडविद्या, सलाहकार, सिल्पाकोर्न विश्वविद्यालय, थाईलैंड ने सारस्वत अतिथि सम्मान के रूप में भाग लिया। प्रो एमएसआरवीवीपी के उपाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और सभा को संबोधित किया। प्रो रवीन्द्र कुमार पंडा, कुलपति, एसजेएसयू, पुरी और प्रो. दीप्ति त्रिपाठी, अध्यक्ष, आईएएसएस ने इस अवसर पर सम्मानित अतिथि और मुख्य वक्ता के रूप में बात की। प्रो एन. सी. पंडा, डीन, स्कूल ऑफ लैंग्वेज, सीयूओ ने स्वागत भाषण दिया। सम्मेलन में विदेशी एवं भारतीय गणमान्य व्यक्तियों में प्रो. चिरपतप्रपंडविद्या डॉ.प्रो सदानंद दीक्षित, सीएसयू, पुरी ; प्रो सोमबत मनमीसुक्सिरी, थाईलैंड ; डॉ. निरजन साहू, अजमेर ; प्रो ऑरन रंजन मिश्रा, वीबीयू, डब्ल्यू.बी. ; प्रो काशीनाथ न्यूपाने, नेपाल ; रेव डॉ. वाडिंगल पन्नालोक थेरो, श्रीलंका ; प्रो अरुण रंजन मिश्रा, विश्व भारती, डब्ल्यू.बी. और प्रो. दो.गुरु.हा, वियतनाम उपस्थित थे।

अन्य की कल्पना और अनुवाद : समकालीन भारतीय साहित्य से जुडाव विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

अंग्रेजी भाषा और साहित्य विभाग (डीईएल), सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ ओडिशा, कोरापुट का "'अन्य' की कल्पना और अनुवाद : समकालीन भारतीय साहित्य के साथ जुडाव" विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 20 से 21 मार्च 2023 को आयोजित किया गया था। इसका उद्घाटन सीयूओ के माननीय कुलपति प्रोफेसर चक्रधर त्रिपाठी ने किया, जिन्होंने कहा, "पूर्वी और पश्चिमी संस्कृतियों के मिश्रण से एक आदर्श मानव संस्कृति विकसित होगी।और यह अनुवाद के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने अंग्रेजी की विश्वव्यापी प्रकृति और स्थानीय को वैश्विक से जोडने में इसकी भूमिका पर जोर दिया, जिससे क्षेत्रों के बीच पुल बनाने और एक ऐसे राष्ट्र की कल्पनाकरने में मदद मिली जो वास्तव में अपनी विविधता में एकीकृत है।'' प्रो. एन. नागराजू, कुलपति, जी.एम. विश्वविद्यालय, संबलपुर ; श्री। चंद्रहास चौधरी, ब्रिटेन स्थित अंग्रेजी में भारतीय लेखक और प्रो.एलेसेंड्रो वेस्कोवी, मेलान राज्य विश्वविद्यालय, इटली मंच पर उपस्थित थे विषय के दिग्गजों की आकाशगंगा थी । प्रो. नागराजू ने कोरापुट के संदर्भ में साहित्य में पर्यावरणवाद के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया, साथ ही भारत में विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में पर्यावरण-आलोचना शुरु करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला । श्री चौधूरी ने समसामयिक समय में लेखकों और अनुवादकों की भूमिका पर प्रकाश डालने वाले सम्मेलन की अवधारणा की सराहना की ।

"प्रवासी ओडिआ साहित्य"पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सममेलन

माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा, "मनुष्य जितना बडा सपना देखता है, उसे सपने को साकार करने के लिए उतना ही बडा आयोजन करना पडता है। इसलिए, हमें उम्मीद है कि ओडिया विभाग ओडिशा की प्रगति को एक नई दिशा देगा।" अंत में, उन्होंनेउन्होंने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का संदेश पढा। श्री हरप्रसाद मुख्य वक्ता, प्रसिद्ध कवि, दास ने कहा, "प्रवासी लोगों की नाखुश अशांति रचनात्मकसाहित्य लिखे जाने की ओर ले जाती है। दुख की बात है कि प्रवासी उडयिा साहित्य में कुछ भी नहीं है।" उन्होंने कहा कि प्रवासी इन सभी दुखों से रचनात्मक रचनाएँ बनाते हैं। दमयंती सम्माननीय अतिथि, पद्मश्री बेश्रा ने प्रवासी ओडिया साहित्य में तुलनात्मक अध्ययन के क्षेत्र पर जोर दिया और कहा कि आदिवासी संस्कृति और परंपराएं पूरे भारत में समान हैं। विश्वविद्यालय के भाषा स्कूल के डीन, प्रोफेसर एन.सी. पांडा नेबात की। सम्मानित अतिथि के रूप में प्रवासी साहित्य और भाषा। ओडिया भाषा और साहित्य विभाग के प्रमुख डॉ. प्रदोष कुमार स्वैन ने स्वागत भाषण दिया। मुख्य वक्ता, श्री प्रसाद हरि चंदन, जगन्नाथ संस्कृतिकर्मी नेकहा, "राष्ट्र का जीवन प्रवासियों की भाषा और संस्कृति में सुधार के माध्यम से ही विकास किया जा सकता है।''

भारत में विकास के इतिहास पर अंत :विषय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : स्वतंत्रता के वें वर्ष में आर्थिक और संचार परिदृश्य पर विचार

केंद्रीय विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग एवं अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त प्रयास से "भारत में विकास का इतिहास : स्वतंत्रता के वें वर्ष में आर्थिक एवं संचार परिदृश्य पर चिंतन" विषय पर दो दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। ओडिशा का आज 2 -29 मार्च 2023 को सत्र शुरू हुआ। सत्र का उद्घाटन करते हुए. विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो.चक्रधर त्रिपाठी ने सभी पहलुओं में अंत :विषय अध्ययन की आवश्यकता पर बल दिया, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का आह्वान है। उन्होंने भारतीय संस्कृति के महत्व पर भी ध्यान केंद्रित किया और बताया कि पश्चिम हमारी संस्कृति को कैसे प्रभावित कर रहा है .. उन्होंने कहा कि यदि अर्थशास्त्र और संचार का एक साथ अध्ययन किया जाए तो भारतीय विकास संभव हो सकता है। प्रख्यात पत्रकार और न्यू इंडियन एक्सप्रेस समूह के कार्यकारी संपादक, पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित, श्री प्रभु चावला ने अपने मुख्य भाषण में कहा, "स्वतंत्रता संग्राम से लेकर वर्तमान समय तक, बहुत संघर्ष के बाद, भारतीय पत्रकारिता इस मुकाम तक पहुंची है"। उन्होंने मीडिया की स्थिति और तकनीकी वाचार के बारे में भी बात की। प्रो प्रकाश चंद्र पटनायक, प्रोफेसर, राजीव गांधी जनजातीय अध्ययन पीठ, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय। प्रो प्रकाश पटनायक, निदेशक, राजीव गांधी जनजातीय अध्ययन पीठ, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ. ओडिशा, सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए बहु-विषयक शिक्षण और अनुसंधान की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया ; छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ एनईपी लक्ष्य 2020 को पूरा करने के लिए। गणमान्य व्यक्तियों द्वारा "विकास संचार : द ग्रासरूट्स रियलिटी" नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। पुस्तक संयुक्त रूप से लिखी गई है। आंध्र विश्वविद्यालय के पी. बॉबी वर्धन और डॉ. सीयूओ के .डॉ. सौरव गुप्ताट्यूरिन विश्वविद्यालय की मटिल्डा अडुसी ने समापन भाषण दिया और पारंपरिक युग से उदारीकरण और नव-उदारीकरण युग तक शुरू होने वाली आर्थिक विकास की यात्रा पर चर्चा की। एमबीएएसटीयूअर्थशास्त्र के प्रोफेसर संजय कुमार साहा ने अपने भाषण में कृषि, औद्योगीकरण और प्रौद्योगिकी पर विशेष ध्यान देने के साथ स्वतंत्र भारत में अर्थशास्त्र की वृद्धि और विकास पर ध्यान केंद्रित किया। 'दामन' के प्रख्यात फिल्म निर्माता देवी प्रसाद लेंका ने सामाजिक परिवर्तन में फिल्मों की भूमिका पर चर्चा की.

सीयूओ के शोधकर्ताओं को कोरापुट से मीठे पानी में खाने योग्य एक नई मछली मिली

Figure: *Garra laishrami*

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, ओडिशा,कोरापुट और जूलॉजिकल सर्वे ऑफ.इंडिया (ZSI) के शोधकर्ताओं ने हाल ही में घाटगुडा, कोरापुट में कोलाब नदी से एक दुर्लभ मीठे पानी की खाद्य मछली पाई है। सुश्री द्वारा किया गया शोध। सुप्रिया सुराचिता, डीएसटीस्पायर फेलो ने प्रोफेसर की देखरेख में "ओडिशा के पूर्वी घाट में कोरापुट के मीठे पानी के निकायों में विविधता, मछलियों का वितरण और खतरे" विषय पर चर्चा की। सीयूओ, कोरापुट के स्कूल ऑफ बायोडायवर्सिटी एंड कंजर्वेशन ऑफ नेचुरल रिसोर्सेज के डीन शरत कुमार पालिता ने अपने इचिथोलॉजिकल सर्वेक्षण के दौरान कोलाब्रीवर से इस नई साइप्रिनिड मछली की प्रजाति को पाया, जो गोदावरी नदी की महत्वपूर्ण सहायक नदियों में से एरु है सीयूओ के माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने विज्ञान के क्षेत्र और विशेष रूप से जैव विविधता में इस उत्कृष्ट योगदान के लिए अनुसंधान टीम को बधाई दी है। सुश्री के साथ सीयूओ के शोधकर्ताओं ने गर्रा प्रजाति की कुछ मछलियों की सावधानीपूर्वक जांच की। जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जेडएसआई), कोलकाता के बी. रॉय चौधरी ने नई प्रजाति की पहचान की। इस साइप्रिनिड मछली की प्रजाति का नाम गैरलाइश्रमी रखा गया। नईप्रजाति का नाम डॉ. के नाम पर रखा गया है। जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के लैशराम कोश्यिन को भारतीय मीठे पानी की मछलियों के वर्गीकरण को समझने में उनके उल्लेखनीय योगदान का सम्मान देने के लिए सम्मानित किया गया। अध्ययन के निष्कर्ष हाल ही में जर्मनी से प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित टैक्सोनॉमी जर्नल इचथियोलॉजिकल एक्सप्लोरेशन ऑफ फ्रेशवॉटर्स में प्रकाशित हुए हैं।

एमएससीवी विश्वविद्यालय, बारिपदा में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में सीयूओ के संकाय और विद्यार्थी को पुरस्कृत किया गया

डॉ. काकोली बनर्जी, सहायक प्रोफेसर और श्री. प्रकाशा परसेठ, पीएच.डी. विभाग के विद्वान. जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट को 24.03.2023 को 'ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन: प्रभाव और लचीलापन' एमएससीबी विश्वविद्यालय, बारीपदा में आयोजित किया गया।डॉ. बनर्जी को सुंदरबन में जलवायु शमन अनुसंधान कार्यों में 20 वर्षों के अथक परिश्रम और ओडिशा मैंग्रोव संरक्षण स्थिति में 12 वर्षों के अनुसंधान कार्यों के लिए पर्यावरण अनुसंधान 2023 के लिए हरित पुरस्कार मिला। उन्हें सम्मेलन में पूर्ण व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने 'ब्लू कार्बन और उस ओडिशा तट पर नुकसान' पर बात की। श्री। परसेथ को 'ओडिशा के पूर्वी घाट के उष्णकटिबंधीय पर्णपाती जंगलों में भूमिगत बायोमास और कार्बन के आकलन के लिए एक उपकरण के रूप में वृक्ष एलोमेट्री' पर उनके शोध कार्य के लिए युवा शोधकर्ता पुरस्कार 2023 प्राप्त हुआ। ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व 2 और पीएच.डी. द्वारा भी किया गया था। विद्वान श्रीमान प्रमोद कुमार बिंदानी एवं कु. जी जयंती रेड्डी ने सम्मेलन में अपने शोध निष्कर्ष प्रस्तुत किए। इसके अलावा, विभाग के पीजी छात्र। सम्मेलन में जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण विभाग की श्वेता मोहंती, श्वेता पटनायक, विश्वप्रवा सेठी,निर्लिप्त पात्रा और के अभिस्पिता पात्रो ने भी भाग लिया। सम्मेलन का आयोजन विभाग द्वारा किया गया था। वनस्पति विज्ञान विभाग, एमएससीबी विश्वविद्यालय, बारीपदा, ओडिशा और इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर एनवायरनमेंट एंड इकोलॉजी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, ग्लोबल वार्मिंग रिडक्शन सेंटर, उत्तरी ओडिशा चैप्टर और वैज्ञानिक और पर्यावरण अनुसंधान संस्थान (एसईआरआई), कोलकाता के सहयोग से।

उन्नत भारत अभियान / पूर्वी क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय केंद्र

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के उन्नत भारत अभियान कक्ष (यूबीए) के तहत सीबीपीआर पर मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय को यूजीसी द्वारा पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओड़िशा ओर सिक्किम राज्यों के समुदाय आधारित भागीदारी अनुसंधान में मास्टर प्रशिक्षकों के रूप में शिक्षकों की क्षमता निर्माण के लिए पूर्वी क्षेत्र के क्षेत्रीय केंद्र के रूप में नामित किया गया है जिसमें सीबीपीआर पद्धति सीखने के लिए उन दक्षताओं और कौशलों का अनुमान लगाया जाता है जो क्षेत्र में आमने-सामने अभ्यास में सबसे अच्छे से सिखा जाता है।। इस उद्देश्य से ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट में पूर्वी क्षेत्र में 7-9 जून 2022 को प्रत्यक्ष तीन दिवसीय आवासिक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित हुआ था । इस कार्यक्रम का उद्घाटन संयुक्त रूप से कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, और सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, डॉ. राजेश टंडन (उच्च शिक्षा में समुदाय आधारित अनुसंधान और सामाजिक उत्तरदायित्व पर यूनस्को चेयर , संस्थापक-अध्यक्ष, पीआरआईए, नई दिल्ली), श्री बिनय आचार्य (संस्थापक-निदेशक, यूएनएनएटीाआई, अहमदाबाद) और श्री जंगदानंद (मेटर और सह-संस्थापक, सेंटर फॉर यूथ एंड सोशल डेवलपमेंट) आदि इस प्रशिक्षण कार्यशाला के सूत्रधार थे। इस कार्यक्रम का समन्वय डॉ. रमेंद्र कुमार पारही, नोडल अधिकारी, यूबीए और पूर्वी क्षेत्र के क्षेत्रीय समन्वयक कर रहे थे।

विद्यार्थी परिषद का गठन

शैक्षणिक वर्ष2022-23 के लिए ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुअ का छात्र परिषद का गठन सीयूओ कानून और अध्यादेश 2009 के प्रावधान 36 के अनुसार और विद्यार्थी परिषद 2018 का गठन के अनुसार किया गया । शैक्षणिक सत्र के लिए विद्यार्थि परिषद में सम्मिलित हैं डीएसडब्ल्यू, अध्यक्ष, एक एसोसीएट डीन, विद्यार्थी कल्याण और मौजूदा शिक्षण विभागों से २९ छात्रों को चुनाव और नामांकन की प्रक्रिया के माध्यम से प्रतिनिधियों के रूप में चुना और नामांकित किया गया । चौदह (14) छात्र प्रतिनिधियों (मौजूदा शिक्षण विभागों में से प्रत्येक से एक) को छात्र परिषद में नामांकित किया गया है और(15) छात्र प्रतिनिधियों (मौजूदा शिक्षण विभागों में से प्रत्येक से एक, और पीएच.डी. से एक) को नामांकित किया गया है । छात्र परिषद के लिए चुने गए (अनुसंधान विद्वान श्रेणी)।

17- 21 दिसम्बर तक सरकारी महाविद्यालय, लांडीगुडा, कोरापुट में आयोजित परब-2022 के अवसर पर पल्लीश्री मेला में सीयूओ ने भाग लिया :

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 17- 21 दिसम्बर तक सरकारी महाविद्यालय, लांडीगुडा, कोरापुट में आयोजित प्रतिष्ठिति परब-2022 के अवसर पर आयोजित पल्लीश्री मेला में सीयूओ ने भाग लिया

एक भारत श्रेष्ठ भारत

एक भारत श्रेष्ठ भारत भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय का एक प्रमुख कार्यक्रम है जहां राज्यों और उच्च शिक्षा संस्थानों को संस्कृति, भाषा, साहित्य और परंपराओं के आदान-प्रदान के लिए एक-दूसरे के साथ जोडा जाता है। ईबीएसबी के तहत, ओडिशा को महाराष्ट्र के साथ जोडा गया है और सीयूओ को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के साथ जोडा गया है।

2022-23 में एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत जो कार्यक्रम हुए हैं वे इस प्रकार हैं :

- 07 अक्टूबर 2022 : गालिब सभाकक्ष, एमजीएएचवी कैंपस, वर्धा में "स्वबोध-सुसाशन-स्वराज" पर हाइब्रिड मोडमें सेमिनार आयोजित किया गया। अध्यक्षता प्रोफेसर रजनीश शुक्ला, कुलपति, एमजीएएचवी, वर्धा, मुख्य अतिथि : प्रोफेसर चक्रधर त्रिपाठी, कुलपति, सीयूओ, कोरापुट, मुख्य वक्ता : डॉ. सुधांशु द्विवेदी, माननीय सांसद ।

- 15 जनवरी2023 : एमजीएएचवी, वर्धा परिसर में हाइब्रिड मोड में मकर संक्रांति के उत्सव केरूप में "भारत उत्तरायण की ओर" नामक एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

- 26 जनवरी 2023 : सीयूओ परिसर में गणतंत्र दिवस और वसंत पंचमी के अवसर पर भौतिकरूप से वृक्ष रोपण और कन्या पूजन समारोह आयोजित किया गया।

नए पहल

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
डॉ. अर्चना ठाकुर
संयुक्त सचिव
Dr. Archana Thakur
Joint Secretary

सत्यमेव जयते

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
University Grants Commission
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
(Ministry of Education, Govt. of India)

31 MAR 2023

D.O.F.N.7-2/2021(Chairs)

March, 2023

Subject : Establishment of Chair in the Central University of Odisha, Koraput-reg.

Dear Sir,

I am directed to convey the approval of establishment of Chair in the name of Santha Kabi Bhima Bhoi in the Central University of Odisha, Koraput vide your letter No.CUO/VCO/2023/01 dated 10.01.2023. The Commission in its 567th meeting held on 23.03.2023, has considered and approved the establishment of Santha Kabi Bhima Bhoi Chair in the Central University of Odisha, Koraput.

A copy of the guidelines of the scheme is also enclosed for your ready reference.

With kind regards,

Yours sincerely

31/3/23

(Dr. Archana Thakur)

Encl. : As above.

Prof. (Dr.) Chakradhar Tripathi
Vice Chancellor
Central University of Odisha
Koraput, NADX sunabeda-763004 (Odisha)

बहादुरशाह जफ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002 | Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002
दूरभाष Phone : 011-23239597, 23604218 | ई-मेल E-mail : archana.ugc@nic.in

नई नियुक्ति

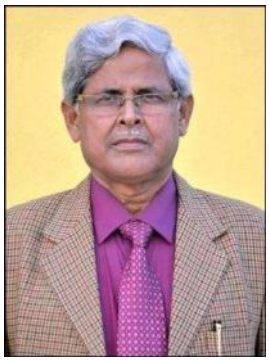

प्रो. सुधेंदु मंडल

सलाहाकार (शैक्षणिक और प्रशासन)

प्रो. डॉ. सुधेंदु मंडन ने 2 फरवरी 2023 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सलाहाकार (शैक्षणिक और प्रशासन) के रूप में नियुक्त हुए हैं। प्रो. मंडल आईएससीए युवा वैज्ञानिक पुरस्कार (1982) के प्राप्तकर्ता और पूर्व निदेशक, राष्ट्रीय पुस्तकालय, भारत सरकार, यूजीसी प्रोफेसर और प्रमुख, वनस्पति विज्ञान विभाग, अधिष्ठाता विज्ञान संकाय और विज्ञान एंव कृषि के प्रावोस्ट (प्रोफेसर के समकक्ष) उप-कुलपति, विश्वभारती और पूर्व उपकुलपति (शैक्षणिक) सीकॉम स्किल्स यूनिवर्सिटी के रूप में काम किया है, उन्होंने पीएच.डी. की उपाधि (विज्ञान में) कलकात्ता विश्वविद्यालय से प्राप्त की है और कमनवेल्थ अकादमिक स्टाफ फेलोशिप (1991-1992), यू.के. से प्राप्त किया है। उनके पास 37 वर्षो से अधिक स्नातकोत्तर स्तर पर , 42 वर्षो का अनुसंधान और 25 वर्षो का प्रशासनिक अनुभव हैं।

प्रो. प्रकाश चंद्र पटनायक

चेयर प्रोफेसर, जनजाति अध्ययन राजीब गांधी चेयर

प्रो. प्रकाश चंद्र पट्टनायक, दिल्ली विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त एक नामित वरिष्ठ प्रोफेसर हैं, उन्होंने 16 जनवरी 2023को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शामिल हुए हैं। प्रोफेसर पट्टनायकने चार बार आधुनिक भारतीय भाषाओं और साहित्यिक अध्ययन विभाग के प्रमुख के रूप में काम किया है। उन्होंने श्यामा प्रसाद महिला कॉलेज, और गार्गी कालेज की शासी निकाय के अध्यक्ष, और दिल्ली विश्वविद्यालय के कई घटक महाविद्यालयों के शासी निकाय के सदस्य के रूप में काम किया है। भारत सरकार की भाषाई विशेषज्ञ समिति के आमंत्रित सदस्य के रूप में जिसने ओडिया भाषा को शास्त्रीय दर्जा दिया है उनमें प्रोफेसर पट्टनायक की महत्वपूर्ण भूमिका है।

प्रो. एन. सी. पंडा

प्रतिष्ठित प्रोफेसर, संस्कृत विभाग

प्रो. नरसिंह चरण पंडा ने 23जनवरी 2023 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विश्वविद्यालय में नियमित प्रोफेसर के रूप में शामिल हुए। ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शामिल होने से पहले, प्रो. पंडा ने पंजाब विश्वविद्यालय, साधु आश्रम, होशिआरपुर, पंजाब के संस्कृत और इंडोलॉजिकल अध्ययन विभाग में सेवा की है। प्रो. पंडा ने आईसीसीआर के अध्यक्ष प्रोफेसर और महात्मा गांधी संस्थान, मारिसस के रुप मे सिल्पाकोर्न विश्वविद्यालय, बैकांक, थाईलैंड जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में भी काम किया है। उनके पास 34 वर्षो से अधिक का शैक्षणिक अनुभव हैं। प्रो. पंडा ने आईजीएनसीए, वाराणसी क्षेत्रीय केंद्र में अनुसंधान अधिकारी के रूप में काम किया है और कलातल्लावकोस संस्करण का संपादन किया है।

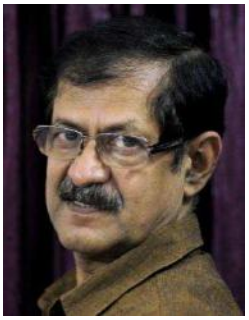

प्रो. हिमांशु एस. महापात्र

विजिटिंग प्रोफेसर, अंग्रेजी साहित्य और भाषा विभाग

प्रो. हिमांशु एस. महापात्र ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में अंग्रेजी भाषा और साहित्य विभाग में शामिल हुए। उनके द्वारा अर्जित विशिष्टताओं में कॉमनवेल्थ स्कलॉरशिप (यू.के.-1985) चार्ल्स वालेस इंडिया ट्रस्ट ग्रांट (ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी 1996) और फुलब्राइट ग्रांट (यू.एस.ए.-2000) शामिल हैं । उन्होंने उत्कल विश्वविद्यालय में अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख के रूप में कार्य किया था। वह मॉडल ऑफ द मिडिल (बर्डनेस्ट 2014) के लेखक हैं और उन्होंने बासंती : राइटिंग दॉ न्यू वुमेन (ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस 2019), बैटल्स ऑफ अवर ओन (पेंगुईन 2022) और फॉलोइंग माई हार्ट (धौली बुक्स 2023) का अनुवाद किया है।

प्रो. जंग बहादूर पांडे

अतिथि प्रोफेसर, हिंदी विभाग

प्रो. जंग बहादूर पांडे ने 02 जनवरी 2023 को ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में शामिल हुए । हिंदी के विजिटिंग प्रोफेसर के रुप में ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शामिल होने से पहले वह जोहान्स गुटेनबर्ग विश्वविद्यालय, मन्जे, जर्मनी में विजिटिंग प्रोफेसर थे। प्रो. पांडे रांची विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर थे, हिंदी साहित्य के क्षेत्र में प्रशंसित लेखक और तुलसीदास एवं मध्यकालीन काव्य के अध्ययन में प्रसिद्ध विशेषज्ञ हैं।

ईजीनियर श्रीराम पाढ़ी

कार्यपालक अभियंता

श्रीराम पाढ़ी ने दिनांक 22 मार्च2023 को कार्यकारी अभियंता के रुप में विश्वविद्यालय में शामिल हुए । ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शामिल होने से पहले, उन्होंने सुखोई इंजन डिवीजन, हिंतुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, कोरापुट डिवीजन में प्रबंधक (सिविल) के रूप में काम किया जो विनिर्माण संयंत्र, प्री.इंजीनियरिग की निर्माण परियोजनाओं , पूर्व-इंजीनियर्ड भवन (पीईबी) 15 एमएलडी जल उपचार संयंत्र, 300 आवासीय कर्मचारी क्वार्टर, केंलोनिवि कार्य, एचएएल एस्टेट काजीआईएस मानचित्र,ड्रोन सर्वेक्षण, निर्माण परियोजनाओं का मध्यस्थता और दावा निपटान, निविदा, परियोजनाओं का मूल्यांकन, को संभालते थे राज्य सरकार के साथ अनुबंध समन्वय और केंद्र सरकार की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए वैधानिक अनुपालन के लिए प्राधिकरण को संभालते थे, उन्होंने में रियल एस्टेट और वैलयूएशन (इग्नू-आईईएसएमए) में पोस्ट ग्रेजुएट (इग्नू-आईईएससएम), बी.ई. (सिविल), जियो-इंफार्मेटिक्स में डिप्लोमा(सीडीएसी-पूणे) और जीएटई उत्तीण किया हौ। वह इंस्टच्यूट ऑफ इंजीनियर्स इंडियन के फेलो सदस्य है, उनके पास परियोजनाओं के निर्माण का बीस वर्षो का अनुभव रहा है ।

विधिक तथा गैर-विधिक समितियाँ

कार्यकारिणी परिषद

क्र.	सदस्यों का नाम तथा पता	पदनाम
1	प्रो. चक्रधर त्रिपाठी कुलपति ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	अध्यक्ष
2	**सचिव** शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
3	**प्रो. अश्विनी कुमार महापात्र,** सेंटर फॉर वेस्ट एसीयन स्टडीज, अंतरराष्ट्रीय अध्ययन विद्यापीठ, जेएनयू, नई दिल्ली	कार्यकारी परिषद नामित व्यक्ति
4	**प्रमुख सचिव,ओडिशा सरकार** उच्च शिक्षा विभाग, ओड़िशा सरकार, ओडिशा सचिवालय, भुवनेश्वर	सदस्य
5	**प्रो. मीना हरिहरन** विभागाध्यक्ष, स्वास्थ्य मनोविज्ञान केंद्र, हैदराबाद विश्वविद्यालय	सदस्य
6	**प्रो. संघमित्रा बंदोपाध्याय** प्रोफेसर (एचएजी), मशीन इंटेलीजेंट यूनिट भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, कोलकात्ता	सदस्य
7	**प्रो. मंजूला राणा** प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, एचएनबी, गढवाल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड	सदस्य
8	**प्रो. रामा गोविंदराजन** अंतरराष्ट्रीय सैद्धांतिक विज्ञान केंद्र,बेंगालूर	सदस्य
9	**प्रो. शरत कुमार पालित** अधिष्ठाता, जैविक विवधिता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय	सदस्य
10	डॉ. प्रदोष कुमार रथ सहायक प्रोफेसर, पत्रकारिता और जनसंचार विभाग,ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय	सदस्य
11	**डॉ. असित कुमार दास** कुलसचिव, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य सचिव

शैक्षणिक परिषद

क्र.	सदस्यों का नाम और उनका पता	पदनाम
01	प्रो. चक्रधर त्रिपाठी, कुलपति ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	पदेन अध्यक्ष
02	उप-कुलपति	पदेन सदस्य-रिक्त
03	अध्ययन विद्यापीठ के अधिष्ठता	प्रो. शरत कुमार पालित, अधिष्ठाता, एसबीसीएनआर
04	शिक्षण विभागों/केंद्रों के प्रमुखो	पदेन सदस्य
05	वरिष्ठता के आधार पर और रोटेशन पर १० प्रोफेसर (उन लोगों को छोडकर जो अध्ययन विद्यापीठों के अधिष्ठाता ओर विभाग/केंद्र के प्रमुख हैं)	रिक्त
06	एक एसोसीएट प्रोफेसर जो वरिष्ठता के अनुसार रोटेशन से शिक्षण विभाग का प्रमुख नहीं है	रिक्त
07	वरिष्ठता के अनुसार एक एसोसीएट प्रोफेसर तथा रोटेशन में (सदस्य)	श्री प्रशांत कुमार बेहेरा, अर्थशास्त्र विभाग
08	पुस्तकालयाध्चक्ष	पुस्तकालयाध्चक्ष प्रभारी
09	शैक्षणिक प्रगति और विशेष ज्ञान के लिए पाँच व्यक्तियों को बाहरी सदस्यों के रुप में अकादमिक परिषद द्वारा सहयोजित किया जाएगा, जो विश्वविद्यालय की सेवा में नहीं है।	1. डॉ. के.सुधा राव, भूतपर्वू कुलपति, कर्णाटक मुक्त विश्वविद्यालय, मैसूर 2. डॉ. राम कुमार मिश्र, निदेशक, इस्टीच्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेश, हैदराबाद 3. डॉ. वासंती श्रीनिवासन, प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद 4. डॉ. अनिल कुमार सिंह, एसोसीएट प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, आर.बी.एस. महाविद्यालय, आगरा 5. डॉ. डी. वी. एस. बालसुब्रहमण्यम, लोक प्रशासन अध्यापक, आरआरडीएस सरकारी महाविद्यालय, भिमवरम
10	अधिष्ठाता, छात्र कल्याण	पदेन सदस्य
11	परीक्षा नियंत्रक, पदेन सदस्य	पदेन सदस्य
12	प्रो. असित कुमार दास, कुलसचिव, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य सचिव

वित्त समिति

क्रमांक	सदस्यों का नाम एवं पता	पदनाम
01	प्रो. चक्रधर त्रिपाठी, कुलपति ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	पदेन अध्यक्ष
02	प्रो. कुलपति	रिक्त
03	न्यायालय का नामित व्यक्ति	रिक्त
04	प्रो. ए. पी. पाढी भूतपूर्व कुलपति, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय यूजीसी नामित व्यक्ति, कार्यकारी परिषद में	सदस्य
05	प्रो. एस.एन. मिश्र निदेशक, स्कूल ऑफ लिडरशिप, केआईआईटी, भुवनेश्वर	सदस्य
06	प्रो. मंजुला रणा विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, एचएनबी गढवाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, उत्तराखंड	सदस्य
07	संयुक्त सचिव अथवा वित्तीय सलाहाकार/एमएचआरडी अथवा उनका नामित व्यक्ति, वित्तीय ब्यूरो से जो उप-सचिव स्तर से कम न हो	सदस्य
08	संयुक्त निदेशक (सीयू एंड एल) एमएचआरडी अथवा उनके नामित व्यक्ति	सदस्य
09	संयुक्त निदेशक (सीयू) , यूजीसी अथवा यूजीसी नामित व्यक्ति	सदस्य
10	वित्त अधिकारी ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	पदेन सचिव

भवन निर्माण समिति

क्रमांक	नाम एवं पता	पदनाम
1	प्रो. चक्रधर त्रिपाठी, कुलपति ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	अध्यक्ष
2	प्रो. श्रीजित मिश्र, निदेशक, नवकृष्ण चौधूरी विकास अध्ययन केंद्र, भुवनेश्वर (योजना बोर्ड के भूतपूर्व सदस्य)	सदस्य
3	श्री सुधाकर पट्टनायक, प्रभारी अधिकारी, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट (यूजर्स विभाग का प्रतिनिधि)	सदस्य
4	प्रो. अक्षय राउत, परिदर्शक अध्यापक, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट (नामित व्यक्ति)	सदस्य
5	डॉ. कपिल खेंमुडु, सहायक प्रोफेसर, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट (नामित व्यक्ति)	सदस्य
6	श्री के. कोसला राव, वित्त अधिकारी (प्रभारी) ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	सदस्य
7	प्रो (डॉ.) दुलु पट्टनायक, प्राचार्य, सरकारी महाविद्यालय, भवानीपाटना, कलाहांडी (प्राचार्य पड़ोसी जिला इंजीनियरिंग महाविद्यालय)	सदस्य
8	इ. टी. सिद्धार्थ रेड्डी, महानिदेशक, एमईएस, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
9	इ. बनवीर दास, आईडीएसई (सेवानिवृत्त) भूतपर्वू महानिदेशक, एमईएस, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
10	इ. बिरेंद्र पांडे, कार्यपालक अभियंता (विद्युत) केंलोनिवि	सदस्य
11	इं. जलधर स्वांई, अधीक्षण अभियंता, पीएच इंजीनियरिंग विभाग, ओडिशा सरकार, भवानीपाटना, कलाहांडी	सदस्य
12	इं. पद्मलोचन स्वांई, सहायक अभियंता, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट (विश्वविद्यालय अभियंता)	सदस्य
13	श्री विश्वरंजन नायक, मुख्य वास्तुकार, ओड़िशा सरकार, भुवनेश्वर (वरिष्ठ वास्तुकार)	सदस्य
14	श्रीमति सबिता साहु, वरिष्ठ वास्तुकार, केंलोनिवि	सदस्य
15	श्री संजीव कुमार मोहांत, उप-निदेशक (उत्थान), कोरापुट (भूनिर्माण विशेषज्ञ)	सदस्य
16	प्रो. असित कुमार दास, कुलसचिव,ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	सदस्य सचिव

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)

1.	अध्यक्ष	प्रो. चक्रधर त्रिपाठी कुलपति, सीयूओ, कोरापुट
2.	निदेशक	प्रो. शरत कुमार पालित, अधिष्ठाता, बीसीएनआर विद्यापीठ
3.	प्रशासनिक अधिकारीगण	1. डॉ. असित कुमार दास, रजिस्ट्रार 2. श्री के. कोसल राव, वित्त अधिकारी, डॉ. राम शंकर, परीक्षा नियंत्रक
4.	संकाय सदस्यगण	1. प्रो. सुनिल कांत बेहेरा, परिदर्शक प्रोफेसर, जेएमसी विभाग और सलाहाकार, आईक्यूएसी 2. डॉ. जयंत कुमार नायक, सहायक प्रोफेसर, मानव विज्ञान विभाग 3. डॉ. प्रदोश कुमार रथ, सहायक प्रोफेसर, जेएंडएमसी 4. डॉ. अलोक बराल, सहायक प्रोफेसर, डीओएलएल 5. डॉ. कपिल खेमुंडु, सहायक प्रोफेसर, समाज विज्ञान विभाग 6. डॉ. काकोली बनर्जी, सहायक प्रोफेसर, बीसीएनआर 7. डॉ. रमेंद्र कुमार पारही, सहायक प्रोफेसर, शिक्षा विभाग
5.	प्रबंधन का नामित व्यक्ति	1. प्रो. मंजुला रणा, प्रोफेसर, हिंदी विभाग, और आधुनिक भारतीय भाषाएं, एचएनबी गढवाल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड कार्यकारी परिषद सदस्य
6.	स्थानीय सोसाइटी से नामित व्यक्ति	1. श्री सुशिल कुमार पाढी, समूह महाप्रबंधक (परियोजना) माईनिंग एंड रिफाइनरी परिसर, नाल्को, दामनजोडी, कोरापुट 2. श्री गोपाल कृष्ण सडंगी, उप-महा प्रबंधक (ओएस, संविदा, लीन एंड परियोजना) एचएएल-इंजीन, सुखोई उपखंड, कोरापुट
6.	नियोक्ता /उद्योगपति/हिताधिकारी के नामित व्यक्ति	1. डॉ. अपरूप दास, निदेशक, आईसीएमआर-एनआईआरटीएच (आईसीएमआर-राष्ट्रीय जनजाति स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान), जबलपुर, मध्य प्रदेश 2. श्री हरिहरन जी.एन., कार्यकारी निदेशक, एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन (एमएसएसआरएफ), चैन्नई

ସମୟ 25
କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ୧୪ତମ ପ୍ରତିଷ୍ଠା ଦିବସରେ କେନ୍ଦ୍ରମନ୍ତ୍ରୀ
କୋରାପୁଟର ସୁପର ଫୁଡ୍‌କୁ ଅନ୍ତର୍ଜାତୀୟ ସ୍ତରକୁ ନେବାରେ କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ସହଯୋଗୀ ହେଉ
ପ୍ରମେୟ
THE PRAMEYA
ରାଷ୍ଟ୍ରପତିଙ୍କ ସହ କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ କୁଳପତିଙ୍କ ଆଲୋଚନା
ପ୍ରତିଷ୍ଠା ହେବ ଜନଜାତି ସଂଗ୍ରହାଳୟ, ଗବେଷଣା କେନ୍ଦ୍ର !
the pioneer
CUO community joins yoga session
ଓଡ଼ିଶା କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ
ଆଭ୍ୟନ୍ତରୀଣ ଅଭିଯୋଗ କମିଟି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ
ସବୁଠି ଉଡ଼ିଲା
TIMES
'ମନୁଷ୍ୟ ଭାରତୀୟ ଜ୍ଞାନ ମାଧ୍ୟମରେ ବିକାଶ କରିପାରିବ'
THE HINDU
CUO celebrates Janajatiya Gourav Diwas, Tribal Digital Literacy Centre and Dr. Ambedkar Centre of Excellence inaugurated
OrissaPOST
Experts to discuss language learning materials at CUO
ସମ୍ବାଦ
ପୃଥିବୀ ବଞ୍ଚିବ'
नारी का सम्मान परमात्मा का सम्मान है : डॉ चक्रधर त्रिपाठी

Digital Edition
ସମ୍ବାଦ SAMBAD
BHUBANESWAR 11 SEPTEMBER 2022 JEYPORE

ରାଷ୍ଟ୍ରପତି ଦ୍ରୌପଦୀ ମୁର୍ମୁ ଆଦିଶକ୍ତିଙ୍କ ସନ୍ତାନ: ରାଜ୍ୟପାଳ

ସମାଜ The Samaja
100 YEARS OF PUBLICATION
Koraput, Wednesday 28 September 2022

କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ପ୍ରେରଣାପୁରୁଷ ଗୋପବନ୍ଧୁ: କୁଳପତି

ପ୍ରମେୟ PRAMEYA
THE PRAMEYA

ବିଶ୍ୱରେ ଭିଜିଲାନ୍ସ ସଚେତନତା

Tuesday, November 1/2022 Page 14
Printed at Rayagada VOLUME 12

ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ଏକତା ... ଦୁର୍ନୀତି ନିବାରଣ ସପ୍ତାହ

କୋରାପୁଟ/ସୁନାବେଡା, ୩୧।୧୦(ସ୍ୱ.ପ୍ର.)

ଓଡ଼ିଶା କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ମୁଖ୍ୟ କ୍ୟାମ୍ପସ ପରିସରରେ ସର୍ଦ୍ଦାର ବଲ୍ଲଭଭାଇ ପଟେଲଙ୍କ ଜୟନ୍ତୀ ଅବସରରେ ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ଏକତା ଦିବସ ପାଳନ କରାଯାଇଛି। ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିସରରେ 'ଏକତା ରୌଡ଼' (ୟୁନିଟି ରନ୍)ସହିତ ଏହି ଉତ୍ସବ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଛି। ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ କୁଳପତି ପ୍ରଫେସର ଚକ୍ରଧର ତ୍ରିପାଠୀ ଉଦ୍‌ଘାଟନ କରିଥିଲେ। ଏହି ଅବସରରେ ଏକାଡେମିକ୍ ବ୍ଲକ ପ୍ରାଙ୍ଗଣରେ ଏକ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଆୟୋଜିତ କରାଯାଇଥିଲା।

ଅନୁପମ ଭାରତ THE ANUPAM BHARAT
www.anupambharatonline.com
PUBLISHED FROM BRAHMAPUR BHUBANESWAR RAYAGADA

...ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ୧୪ତମ ପ୍ରତିଷ୍ଠା ଦିବସ

...ହେଉଛି ଏକ ମାତ୍ର ଚାବିକାଠି – କେନ୍ଦ୍ର ଶିକ୍ଷା ମନ୍ତ୍ରୀ

THE NEW SUNDAY EXPRESS

Tribals' role in struggle for Independence vital: Guv

EXPRESS NEWS SERVICE @ Jeypore

THE contributions and sacrifices made by tribals during India's struggle for Independence will be remembered forever, said Governor Ganeshi Lal.

Addressing a seminar on 'Contribution of tribal leaders in the freedom struggle of India' at Central University of Odisha, Sunabeda, the Governor, who is on a two-day visit to the district, said tribals across the country had waged a spirited struggle during the freedom movement and even sacrificed their lives for the motherland. Tribal heroes of Odisha especially from Koraput left their mark during the struggle.

"We have deep respect for freedom fighters and their deeds will be remembered by generations to come," the Governor said. He said election of a tribal woman as the President of India speaks volumes of the nation's gratitude towards the community.

On the day, he visited an exhibition on tribals organised by the university. Among others, National Commission for Scheduled Tribes member Ananta Nayak, Trifed vice chairman Pabitra Kumar Konhar and CUO vice chancellor Sharat Kumar Palita were present.

Governor Ganeshi Lal going around an exhibition on tribals at CUO | EXPRESS

आज
18 नवंबर, 2022
रांची

ओड़िशा केंद्रीय ... 2020 में भारतीय ...

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 16 नवंबर 2022 को अपने लैंडीगुडा परिसर में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 में भारतीय बोध' पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया।

ସକାଳ THE SAKALA
Jeypore - 20 Jan 2023 - Page 3

...ଖୋଲିବ ଜନଜାତି ଗବେଷଣା ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ

କୋରାପୁଟ,୧୯।୧(ସମିସ) : ଓଡ଼ିଶା କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର କୁଳପତି ପ୍ରଫେସର ଚକ୍ରଧର ତ୍ରିପାଠୀ ଗତ ୧୭ ତାରିଖ ଦିନ ରାଷ୍ଟ୍ରପତି ଭବନରେ ଭାରତର ରାଷ୍ଟ୍ରପତି ଦ୍ରୌପଦୀ ମୁର୍ମୁଙ୍କୁ ଭେଟି କୋରାପୁଟରେ ଏକ ବିଶ୍ୱସ୍ତରୀୟ ଜନଜାତି ଲାଇବ୍ରେରୀ, ସଂଗ୍ରହାଳୟ ଓ ଗବେଷଣା ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ ଖୋଲିବାକୁ ପ୍ରସ୍ତାବ ଦେଇଛନ୍ତି । ଏହି ପ୍ରସଙ୍ଗରେ ଭାରତର ରାଷ୍ଟ୍ରପତିଙ୍କ ▶ପୃଷ୍ଠା-୯

The Statesman
BHUBANESWAR
PEOPLE'S PARLIAMENT. ALWAYS IN SESSION

...one can eliminate poverty: Dharmendra...

...cturing hub; ideal organic farming and food processing hub

ORISSA TIMES

Central University of Odisha observes 76th Independence Day

ସକାଳ THE SAKALA
Jeypore - 11 Sep 2022 - Page 14

କୋରାପୁଟ କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ରାଜ୍ୟପାଳଙ୍କ ଯୋଗଦାନ

...ପାଇଁ ଆଦିବାସୀଙ୍କ ତ୍ୟାଗ ଚିର ସ୍ମରଣୀୟ'

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट

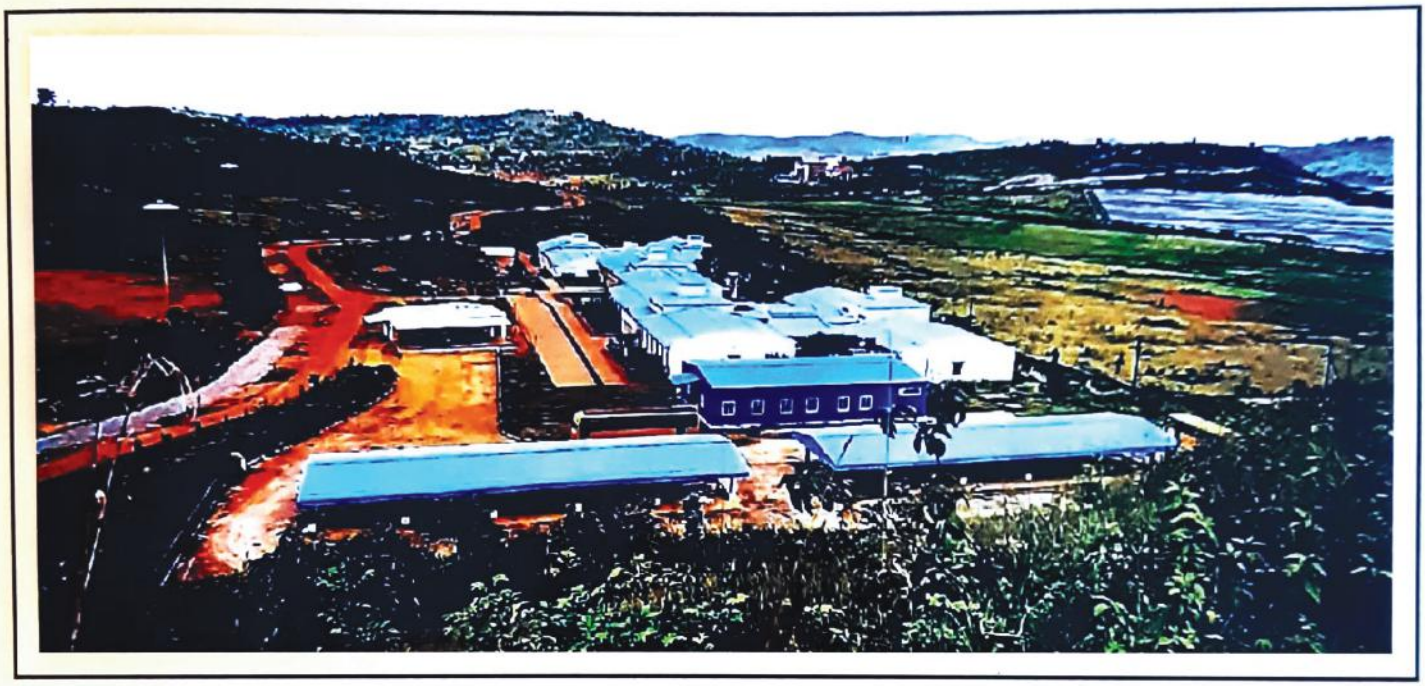

CENTRAL UNIVERSITY OF ODISHA, KORAPUT

Address for Correspondence:

Main Campus :
Sunabeda, P.O.- NAD, Koraput - 763004
Odisha, India
Website : www.cuo.ac.in
E-mail : info@cuo.ac.in, pro@cuo.ac.in